अनुक्रमणिका

शुद्धि-वृद्धि पत्रक ... ...
पूरवणी ... ...

भाग १–धाराधारणो

१ बंधारण 1–11

२ समितिओनां बंधारणो—कार्यवाहक सभा (११); कुमार अने विनयमंदिर समिति (१२); विद्या समिति अने विद्यानिधि मंडळ (१३); पुस्तक समिति, गूजरात पुरातत्व मंदिर प्रबंध समिति (१४). 11–15

३ जुदी जुदी समितिओए कार्यपद्धतिना अने पोताना क्षेत्रमां करेला नियमो—कार्यपद्धतिना सामान्य नियमो, नियामक सभानी कार्यपद्धतिना नियमो (१५); कुमार अने विनयमंदिर समितिना नियमो, विद्यानिधिमंडळ, पुस्तक समितिना नियमो (१७); विद्यापीठनी नीति संबंधी ठरावो (१९); सेवको माटे नियमो (२२); गूजरात पुरातत्व मंदिर (२४); पदवीदान समारंभ विधि (२६); शाळाओ माटे नियमो (२७); विद्यापीठने मळेली भेट (३१). 15–31

भाग २–अभ्यासक्रमो

क कुमार मंदिरो माटे अभ्यासक्रम अने पाठ्य पुस्तको 32–60

ख विनयमंदिरो माटे अभ्यासक्रम अने पाठ्य पुस्तको 60–72

विनीत परीक्षानो अभ्यासक्रम 73–91

ग महाविद्यालयोना अभ्यासक्रम, पाठ्य पुस्तको वगेरे—सामान्य नियमो (९३–९७); प्रथमा परीक्षा (९८–१००);

स्नातक परीक्षा १०१–१२१

[मंदिरोः सामान्य नियमो (१०१); आर्यविद्या मंदिर (१०२); समाजविद्या मंदिर–राजकारण (१०४); इतिहास, संपत्तिशास्त्र (१०५) वाग्विद्यामंदिर–संस्कृत, गूजराती (१०६); मराठी, हिंदी (१०७); बंगाळी इंग्रेजी (१०८); फारसी, अरबी, फ्रेंच, प्राकृत (१०९); पाली (११०); गणित मंदिर (११०); वाणिज्य विद्यामंदिर (११२); तत्त्वज्ञान मंदिर (११४); औद्योगिक रसायन मंदिर (११५); पारंगत परीक्षा (११६); अनुस्नातक अभ्यासक्रम (गणित–तत्त्वज्ञान) (११६); ललित कलामंदिर (११८), चित्रकळा (१२०)] 93–121

पाठ्य तथा भलामण करेलां पुस्तको प्रथमा परीक्षा—मातृ भाषा (१२१); राष्ट्रीय भाषा, ऐच्छिक विषयो, अर्वाचीन भाषा (१२३); संपत्तिशास्त्र, राज्यव्यवस्था इ० (१२४). 121–125

स्नातक परीक्षा—मातृभाषा (१२४); राष्ट्रीयभाषा (१२६),

शुद्धि-वृद्धि पत्रक

पानुं ४ लीटी नीचेथी ४ थी—नोंधायेल स्नातकोना मतदार मंडळे चूंटवाना सभ्योनी संख्या १३ ने बदले १२ करवी.

पानुं ५ लीटी ५ मी—कुमार मंदिरना शिक्षकोना मतदार मंडळे चूंटवाना सभ्योनी संख्या १ ने बदले २ करवी.

पानुं ७ लीटी ४—'फाम' ने बदले 'काम'; **लीटी २२**—'करघामां' ने बदले 'करवामां' वांचवुं.

पानुं ९ उमेरोः—

२ अ. राष्ट्रीय शाळानी व्याख्या—महासभा ए करेली राष्ट्रीय संस्थानी व्याख्याने नियामक सभा स्वीकारे छे, अने जे संस्था आ व्याख्याने अनुसरी काम करती न होय तेने तेम थई जवा एक वर्षनी महेतल आपे छे. (नि. स. ठराव ४४/१९८१ माघ वदी १४)

[महासभानी व्याख्या—(बेलगामनी) महासभानो एवो दृढ अभिप्राय छे के देशनुं भविष्यनी आशा तेना युवानोमां रहेली छे; अने तेथी आशा राखे छे के प्रांतिक समितिओ बधी राष्ट्रीय केळवणीनी संस्थाओने सजीवन राखवा हजु पण वधारे जोशभेर प्रयत्न करशे. परंतु महासभानो हालनी राष्ट्रीय केळवणीनी संस्थाओने पोषवानो अने नवी उघाडवानो अभिप्राय होवा छतां एवी कोई पण संस्थाने महासभा राष्ट्रीय गणती नथी के जेमां—

१. हिंदुस्ताननी कोई भाषा केळवणीना वाहन तरीके वपराती न होय;

२. हिंदु मुसलमान ऐक्य, अस्पृश्योनी केळवणी अने अस्पृश्यता निवारणने सक्रिय उत्तेजन मळतुं न होय;

३. कांतण पींजण, व्यायाम अने आत्मरक्षणनी तालीम फरजियात न होय;

४. शिक्षको अने बार वर्षनी उपरनी उंमरना विद्यार्थीओ शाळाना दिवसोमां दररोज अडधो कलाक कांतता न होय; अने

५. विद्यार्थीओ अने शिक्षको सामान्य रीवाजनी जेम हंमेशां खादी पहेरता न होय.]

पानुं २६ पदवी दान समारंभ विधि—कलम ३ पछी नीचे प्रमाणे कलम ४ उमेरवी.

४. महामात्र उमेदवारोने नीचे प्रमाणे संबोधन करेः—

विद्यार्थीगण, तमने पदवी एनायत करवा कुलपतिजीने विनंति करूं ते पहेलां नीचे प्रमाणे तमारे कुलपतिजी, नियामको अने आ सभ्यो समक्ष प्रतिज्ञा लेवी आवश्यक छे. तमारे मोढेथी बोली ए प्रतिज्ञा लेवा तमने सूचवुं छु.

(महामात्र कटके कटके प्रतिज्ञानां वाक्यो बोले. ते प्रमाणे प्रथम उमेदवारे धीमे धीमे अने स्पष्ट अवाजे ए वाक्यो बोलवां, अने बीजा उमेदवारोए एना अवाजनी साथे पोताने अवाज मेळवी वाक्यो बोलवां.)

पद्य—१ Sohrab and Rustam-Arnold.

२ Poetical Selections for the Vinita Examination मांथी नीचेनां अक्वाळां काव्यो—१थी ८, १०थी १३, १५थी १७, १९, २१, २३, २४, २६, ३३थी ३६, ३८ अने ३९.

बंगाळी—स. १९७९-८० प्रमाणे.

मराठी—गद्य-१. गॅरिबाल्डीचें चरित्र-केळकर

२ गड आला पण सिंह गेला—ह. ना. आपटे

पद्य-बाल नवनीत (सामगांव राष्ट्रीय शाळा)

व्याकरण-जोशी कृत. भाग २ रा.

हिन्दुस्तानी-हिन्दी-गद्य-१. सम्राट अशोक—ले० बाबु सम्पूर्णानंद.

२. हिंदीकी पाँचवी पोथी—रामदास गौड.

पद्य-१. बैन चरित्र—ले० बदरीनाथ भट्ट

२. संक्षिप्त तुल्सी रामायण (इन्डियन प्रेस, अलाहाबाद) में से उत्तर काण्ड दोहा १८ से दोहा ४३ तक (पृ. २०० से २०९) तथा प्रस्तावनामें से तुलसीदासजी के जीवन चरित्रकी मुख्य घटनायें (पृ. १० से ५१)—काल आदिके निर्णय की क्लिष्ट चर्चा छोड करके.

व्याकरण—सरळ

उर्दु—मुन्तखेबाते उर्दु (गुजरात विद्यापीठ)

पानुं ७६ विषय ४ थो. पाठ्य-पुस्तक.—ब्रिटिश राजतंत्र अने आपणी महासभा (गूजरात विद्यापीठ)

पानुं ८१ सुधार काम—माटे नीचेनो सुधारेलो अभ्यासक्रम नीमवामां आवे छे.

१. प्लान, एलिवेशन, सेक्शन तथा एसोमेट्रीक ब्यूनी माहिती तथा तेनुं आलेखन.

२. नीचेना सांधाओनां चित्रो काढवा तथा बनाववा. (१) साल अने वेहनो सांधो (२) खांचावाळा साल अने वेहनो सांधो, (३) एक बाजु कातरवाळा साल अने वेहनो सांधो, (४) बे बाजु कातरवाळा साल अने वेहनो सांधो, (५) टूंका सालनो सांधो, (६) गमे ते खुणे साल अने वेहनो सांधो, उतवेलना सांधाओ (ऑबलिक टेनन), (७) खांचो, स्लोप अने साल वेहनो सांधो, (८) फाचरवाळो अधुरा सालनो सांधो, (९) फाचरवाळो आरपार वेहनो सांधो.

३. स्टूल, डेस्क्रेर, कींग पोस्ट, कातरानी फ्रेम, शेल्फमांथी बे नमुनाओ परीक्षा वखते दरेक उमेदवारे पोते करेलु छे एवा आचार्यनां प्रमाणपत्र सहित रजु करवा जोइए.

प्रायोगिक परीक्षा-उपरना सांधाओनी.

पा. ९७—लीटी ११—' विद्यार्थ्थीओने ' बदले ' विद्यार्थीओने ' वांचवुं.
लीटी १६ ' नियमो ' ने बदले ' नियमे ' वांचवुं.
लीटी २६ ' त्रुटी ' ने बदले ' त्रुटी ' वांचवुं.

पा. ९८—कुल गुणनो सरवाळो ८०० ने बदले ७०० वांचवो.
टीप चारमां उमेरो " (वाणिज्यना विद्यार्थीओए अर्वाचीन भाषा तरीके इंग्रेजी पसंद करवी जोइए)—(नि. स. ठराव ४५,/१९८० जेठ वद ६)."

पा. १०२—पहेला खानामां आद्योगिक रसायन मंदिर 'ने बदले 'विज्ञान मंदिर', बीजा खानामां 'औद्योगिक रसायन विशारद (औ. र. वि.) ' ने बदले ' विज्ञान विशारद (वि. वि.) वांचवुं अने त्रीजा खानामां ' औद्योगिक रसायन ' उमेरवुं.

पा. १०३—धर्म अने तत्त्वज्ञान विभागमां प्रश्नपत्र ५ मां 'पूर्वमीमांसा दर्शन ' ने बदले ' पूर्वमीमांसा दशननी रूपरेखा ' वांचवुं.

पा. १०४—राजकारण विभाग ८ मा प्रश्नपत्र पछी ' ९ भारतीय सपत्तिशास्त्र ' उमेरवुं.

पा. १०६ लीटी १८—' १ला अने ' ए शब्दो काढी नांखो.

पा. १०८—इंग्रेजी विभागमां कलम (ग)नी नीचे नीचेनी कलम उमेरो.

खास लेखनो अभ्यास करनार विद्यार्थी माटे ५० गुणनो एक लेखी प्रश्नपत्र रहेशे अने ५० *गुण माटे त्रण वर्ष दरम्यान ते लेखक उपर दस निबंधो तेने लखवा पडशे.* ते बदल परीक्षामां अरजी साथे तेमां उत्तीर्ण थयानु इंग्रेजीना अध्यापकनुं प्रमाणपत्र रजु करवुं जोईशे.

दरेक लेखक उपर विद्यार्थीने पसंदगी करवा अवकाश मळे एटला निबंधो वषनी शरुआतमां इंग्रेजीना अध्यापक जाहेर करशे.

आ फेरफारनो अमल सं. १९८१ नी शरद परीक्षाथी थशे, अने वसंतमां जूनी तेमज नवी बन्ने रीते परीक्षा लेवाशे.

पा. ११२ प्रश्नपत्र १ मां उमेरो : नीचेनां पाठ्य पुस्तको नियत करवामां आव्या छेः

१ Unto This Last—Ruskin.

२ Pride and Prejudice— Jane Austin.

पा. ११४ लीटी २० " प्रश्नपत्र पहेलानी परीक्षा आपवी पडशे" ए वाक्य रद करवुं.
लीटी २५ ' आव्यां ' एक वार वांचवुं.

पा १२१ मातृभाषा गूजरातीमां उमेरोः सं. १९८१-८२
१ काव्य समुच्चय भाग १
२ सुभद्राहरण-प्रेमानन्द
३ कान्ता-मणिलाल नभुभाई
मराठी—स. १९८१-८२ माटे गया वर्ष मुजब,

पा १२२ हिंदी-स. १९८१-८२ माटे गया वर्ष मुजब.
गूजराती—(सरळ अभ्यासक्रम) „ „
पा १२३ हिंदी-(रा भा.) स. १९८१-८२ माटे गया वर्ष मुजब.
उर्दु—स १९८१-८२ माटे
१ जमीर मोअल्ले उर्दु
२ अलीबाबा व चाली चोर
३ कवाइदे उर्दु
ऐच्छिक विषय—संस्कृत-१९८१-८२ माटे.
१ उपनिषत्पाठावली
२ बुद्धचरितम् सर्ग १-४—अश्वघोष
३ पञ्चरात्र—भास
फारसी, अरबी, मराठी—स. १९८१-८२ माटे गया वर्ष मुजब.

पा. १२४ बंगाली स १९८१-८२ माटे गया वर्ष मुजब.
इंग्रेजी— „ „ „
फ्रेंच— „ „ „
पा. १२५ लीटी १२-'१०९' ने बदले '१०१' वांचवु.
लीटी १५ 'प्रकरण १५ थी ३१' (कामनीमांसा अने यज्ञमीमांसानां कूट अने लांबा विवेचनो बाद करीने) वांचवु.
लीटी २३ प्रकरण ३२ थी पूरु वांचवु.

पा. १२६—गूजराती [सरळ अभ्यासक्रम] अगाउ मुजब.
हिंदी „ „
पा. १२७—उर्दु-अगाउ मुजब.
आर्य विद्यामंदिर प्रश्नपत्र १ मां उमेरो भारतवर्ष का इतिहास—लजपतराय

पा. १२८—धर्म अने तत्त्वज्ञान विभाग प्रश्नपत्र ५ मां 'पूर्वमीमांसा दर्शन' ने बदले 'पूर्वमीमांसा दर्शननी रूपरेखा' वांचवु. पुस्तकोनी यादीमां 'प्रभाकर स्कूल ऑफ पूर्वमीमांसा' उमेरवु.

पा. १३३—भाषामंदिर-संस्कृत प्र. प. २ मांथी 'अथ संग्रह-लौगाक्षी भास्कर' काढी नांखवु.

पा. १३७—बंगाळी प्र. प. २ मां 'निवृत्ति चिन्ता' ने बदले 'उद्भ्रान्त प्रेम' वांचवुं.
इंग्रेजी प्रश्नपत्र १ मां उमेरो—
First Book of Engish Literature—Saintsbury.
Introduction to the Study of Literature—Hudson.
Comparative Philology Ch. I only—Gune.

पा. १३८—Poetry including Dramas मां उमेरो.
Saint Joan—Bernard Shaw
Dark Lady of the Sonnets—
Loyalties—Galsworthy
तेमांथी काढी नांखो.
Doctor's Dillemma—Bernard Shaw
Every Man in His Humbur—Ben Jonson

4. Special Author मां उमेरो.
Bernard Shaw

पूरवणी

शिक्षक परीक्षाओ*

कुमार मंदिर शिक्षक परीक्षा—

(१) आ परीक्षा दर वर्षना वसन्तमां लेवामां आवशे. एनो पहेलो अमल सं. १९८२ मां थशे.

(२) परीक्षानी अरजी करवानी मिति पहेलां ओछामां ओछु एक वर्ष सुधी कोई पण मान्य राष्ट्रीय कुमार मदिरमां शिक्षक तरीके काम करनार आ परीक्षा माटे उमेदवारी करी शकशे.

(३) उमेदवारे गूजराती सात धोरण सुधीनो अभ्यास पूरो कर्यो छे, एवु एनी शाळानु के कोई प्रतिष्ठित गृहस्थनु प्रमाणपत्र रजु करवु जोईशे. तथा एने सारी रीते कांततां आवडे छे एवी मतलबनु एनी शाळाना आचार्यनु (अथवा आचार्य उमेदवार होय तो शाळा-समितिना मन्त्रीनु) प्रमाणपत्र रजु करवु जोईशे.

(४) दरेक अरजी पोते जे मदिरमां काम करतो होय तेना आचार्य मारफते रु २ नी फी साथे मोकलवामां आवे.

(५) नीचे प्रमाणे परीक्षा लेवामां आवशे:

१. गूजराती—

२ प्रश्नपत्रो; दरेक १०० गुणनु अने त्रण कलाकनु. ते पैकी १लु प्रश्नपत्र नियत पाठ्य-पुस्तकोपरथी. (ते वर्षनां विनीत परीक्षा माटेनां पाठ्य-पुस्तको आ परीक्षा माटे पण मुकरर थयेलां गणाशे). बीजु प्रश्नपत्र सामान्य गूजराती: व्याकरण, निबंध, इ० सहित (भलामण करेला पुस्तको—कमळाशंकर त्रिवेदीनुं लघुव्याकरण भाग १–२ तथा मध्य व्याकरण प्रकरण १ थी २२ अने २६ थी २८).

२. इतिहास—

१ प्रश्नपत्र १०० गुणनु, ३ कलाकनु: [पाठ्य-पुस्तको-पूर्वरंग (विद्यापीठ), गूजरातनो अर्वाचीन इतिहास (गूजरात वर्नाक्युलर सोसायटी), हिन्दुस्ताननो इतिहास (भलामण *प्राणलाल टी. मुनशीनो हिंदनो इतिहास*)]

३. भूगोळ—

१ प्रश्नपत्र १०० गुणनु, ३ कलाकनु· जगतनी राजकीय तथा प्राकृतिक भूगोळ [भलामण करेलां पुस्तको—अ. र. देसाईकृत भूगोळ विद्या भा. १. २; छो. या. पुराणीकृत प्राकृतिक भूगोळ (विद्यापीठ तरफथी छपाशे)].

४. सामान्य ज्ञान—

१ प्रश्नपत्र १०० गुणनु, ३ कलाकनु; (पाठ्य-पुस्तको—आटलु तो जाणजो भाग १–२; मानवदेहधर्मविद्या· भानुसुखराम महेता)

५. अंकगणित—

१ प्रश्नपत्र १०० गुणनु ३ कलाकनु, (भलामण—लाळशंकरनु मोटुं अंकगणित)

---

* आ अभ्यासक्रम छूटो एक आनानी किम्मते मळी शकशे.

६. शिक्षणशास्त्र—

२ प्रश्नपत्रो दरेक १०० गुणनुं ३ कलाकनुं; ते पैकी एक मानसशास्त्रनु रहेशे; अने बीजु शिक्षणशास्त्र, वर्गव्यवस्था, पद्धति इ. नुं रहेशे.

[पाठ्य-पुस्तको-शिक्षक अने शिक्षण (दक्षिणामूर्ति विद्यार्थीभवन)मांथी पृ. १ थी ५५, ८७ थी १२५, १४२ थी १६०, १७३ थी ३२८ अने ३७३ थी ४४५; तथा केळवणीनी कळा अथवा शाळा व्यवस्था अने शिक्षण पद्यतिनी सामान्य माहिती; गांडाभाई प्रागजी कृत)

७. प्रत्यक्ष परीक्षा—

२०० गुणनी. भाषा, इतिहास, भूगोळ तथा गणित ए चार विषयोमांथी कोई पण बे विषयो पर परीक्षक नक्की तरे ते धोरणमां उमेदवारे पदार्थपाठ (नोंध सहित) आपवा.

६. उत्तीर्ण थवा इष्ट गुण माटे दरेक प्रश्नपत्रमां तथा प्रत्यक्ष परीक्षामां ३३ टका.

७. अरजीना नमुना एक आनानी टीकीट मोकलवाथी अथवा अर्धा आनानी किंमते विद्यापीठ कार्यालयमांथी मळी शकशे.

विनयमंदिर शिक्षक परीक्षा

१. आ परीक्षाओ दर वर्षना वसन्त तथा शरदमां लेवामां आवशे. परीक्षानी अरजी करवानी मिति पहेलां ओछामां ओछु एक वर्ष सुधी कोई पण राष्ट्रीय विनय मंदिरमां शिक्षक तरीके काम करनार आ परीक्षाओ माटे योग्यता प्रमाणे उमेदवारी करी शकशे.

२. दरेक अरजी पोते जे मंदिरमां काम करतो होय तेना आचार्य मारफते आखी परीक्षा माटे रु. १० नी फी साथे, अने विभागीय स्नातक परीक्षामां प्रश्नपत्र दीठ रु. ३ नी फी साथे मोकलवामां आवे.

३. परीक्षा बे प्रकारनी लेवामां आवशे:

पहेली—स्नातक परीक्षा-मां गूजरात विद्यापीठनो स्नातक अथवा कोईपण युनिवर्सिटीनो ग्रॅज्युएट, अथवा जेणे आ पछी जणावेली प्रथमा शिक्षण परीक्षा पसार करी होय ते उमेदवारी करी शकशे. ए परीक्षामां उत्तीर्ण थनारने 'शिक्षणशास्त्र विशारद' नी पदवी आपवामां आवशे.

बीजी—प्रथमां शिक्षण परीक्षा-मां विनीत के मेट्रिक थयेल विनय मंदिरनो शिक्षक उमेदवारी करी शकशे. ए परीक्षामां उत्तीर्ण थनारने विद्यापीठ तरफथी प्रमाणपत्र आपवामां आवशे. पण पदवी आपवामां नहि आवे.

४. उत्तीर्ण थवा माटे दरेक प्रश्नपत्रमां ३० टका गुण इष्ट छे. ४५ अने ६० टका गुण मेळवनारने अनुक्रमे बीजा अने पहेला वर्गमां मूकवामां आवशे. आखी परीक्षामां उत्तीर्ण न थइ शकनार विद्यार्थी जे विषयमां ४० टका गुण मेळवशे, तेने ए विषयमा उत्तीर्ण थयेलो गणवामां आवशे, अने एमो एने फरीथी बेसवानी जरुर रहेशे नहि. परंतु एवी रीते टुकडे टुकडे उत्तीर्ण थनार विद्यार्थीने प्रथमा परीक्षामां वर्ग नहि मळे.

५. स्नातक परीक्षामां गमे ते प्रश्न माटे गमे त्यारे उमेदवारी करी शकाशे. प्रथमा परीक्षामां आखी परीक्षा माटे अथवा बाकी रहेला सर्व विषयो माटे उमेदवारी करवी पडशे.

६. **स्नातक परीक्षाना नियमो**—(दरेक विषय पर एक प्रश्नपत्र १०० गुणनु त्रण कलाकनु परीक्षा माटे राखवामां आवशे).

१. मानसशास्त्र
पाठ्य-पुस्तको—Manual of Psychology — Stout; Talks to Teachers —James.

२. शिक्षणनो इतिहास
पाठ्य-पुस्तको—Student's History of Education-Graves (Macmillan Co); Educational Institutions in Ancient India-Longmans.

३. शिक्षण पद्धति
पाठ्य-पुस्तको — Principles of Teaching — Landon.
Direct Method of Teaching English — Stokes.

४. शिक्षण विषयक सामान्य प्रश्नो
पाठ्य-पुस्तको — What Do We Mean By Education ?-Welton; Logical Basis of Education-Welton; What Is and What Ought to Be in Education ?-Edmund Holmes; Report on the Universities of the World-C. R. Reddy (Mysore University); Report of the Calcutta University Commision-Abridged (Govt. Printing); Ideals, Aims and Methods in Education-New Educator's Library (S. Govind & Son-Bombay).

५. प्रथमा शिक्षण परीक्षाना विषयो—
(दरेक विषयमां एक प्रश्नपत्र १०० गुणनुं ३ कलाकनुं रहेशे).

१. मानसशास्त्र
पाठ्य-पुस्तको — मानसशास्त्र (गूजरात वर्नाक्युलर सोसायटी).
Talks to Teachers-James

२. शिक्षणनो इतिहास
पाठ्य-पुस्तको — शिक्षणनो इतिहास-मणिशंकर रत्नजी भट्ट,
Locke to Montessori-Adam Boyd

३. शिक्षण पद्धति
पाठ्य-पुस्तको — स्नातक परीक्षा प्रमाणे ज.

४. शिक्षण विषे सामान्य प्रश्नो
पाठ्य-पुस्तको — विद्यार्थीनुं मानस — हरिशंकर त्रिवेदी-दक्षिणामूर्ति विद्यार्थी भवन.
Principles of Teaching-Findlay.

८. उपरनी बन्ने परीक्षाओ—कुमार मंदिर शिक्षक परीक्षा तथा विनय मंदिर शिक्षक परीक्षा — माटे तैयार थता उमेदवारोने उठती शंकाओनां समाधान माटे महामात्रने लखवाथी निष्णात शिक्षको मारफते तेनुं निराकरण करावचा प्रयत्न करवामां आवशे, अने सर्वने उपयोगी विषयो माटे पत्रिकाओ काढवा प्रयत्न करवामां आवशे. आ उपरांत दरवर्षे एक व्याख्यानमाळा गोठववा प्रयत्न करवामां आवशे.

जोडणीना नियमो

नियामक सभानो सं. १९८१ नो ठराव ४७—गूजराती भाषानुं लखाण गूजरात विद्यापीठनां कागळपत्रो, पुस्तको वगेरेमां तथा सर्वे मान्य मंदिरोमां नीचेना जोडणीना नियमोने अनुसरी करवामां आवे:

१. भाषामां तत्सम अने तद्भव बंने रूपोने समान रीते स्वीकारवां: उदाहरण कठिन अने कठण, फल अने फळ, काल अने काळ, आश्चर्य अने अचरज, दश अने दस,

२. संस्कृत स्वरान्त तत्सम शब्दो मूल प्रमाणे लखवा. उदा० मति, गुरु. गूजरातीमां व्यंजनान्त तत्सम शब्दो स्वरान्त गणीने लखवा: उदा० जगत, विद्वान, अकस्मात, परिषद, क्वचित. अपवाद-पश्चात्, अर्थात् जेवा अव्ययो एमज लखवा.

३. तत्सम सिवायना एक स्वरवाळा शब्दोमां ई, ऊ दीर्घ लखवा. उदा० घी, जू, ग्न, पण एवा सानुस्वार शब्दो ह्रस्व लखवा. उदा० हुं, छुं, तुं.

४. बहु स्वरवाळा तद्भव शब्दोनी जोडणी करवामां शिष्ट उच्चार पर अने ज्यां व्युत्पत्तिनो आधार मळी शकतो होय त्यां विशेष करीने व्युत्पत्ति उपर ध्यान आपवुं. उदा० दूध, फूल, शीख, ऊड, ऊठ, नीवड, मूक, सूकव, जूनुं, जूजवुं, गूजरात.

खिसकोली शब्दनो खि ह्रस्व करवो.

टीप—दरेक संदिग्ध जोडणीने प्रसंगे आ नियम लागु करतां विचार करवो. एवा शब्दोनी जुदी नोंध करवी अने एमां करेला निर्णय परथी बनी शके तो कोइ नियम तारववो.

नोंध—बे के त्रण स्वरवाळा शब्दोमां ज्यां पहेलो स्वर दीर्घ होय त्यां तेज शब्दो परथी थाता वधारे स्वरवाळा शब्दोमां पहेला दीर्घ स्वरने ह्रस्व थवानुं वलण छे के केम तेनो विचार करवो; दरम्यान, ह्रस्व लखवानी पद्धति राखवी. उदा० भूल-भुलामणी, शीख-शिखामण, शिखव, ऊठ-उठमणुं; रीस-रिसाळ; मूक-मुकाव.

५. जे शब्दोमां 'ऐ' अने 'औ' एम एक स्वरवाळो ज उच्चार थतो होय ते शब्दोमां 'ऐ' अने 'औ'ज वापरवा. उदा० 'पैसो,' 'चौटुं' लखवुं 'पइसो', 'चउटुं' नहि.

६. 'ए' तथा 'ओ'ना पहोळा तथा सांकडा उच्चारनी भिन्नता दर्शाववा जुदां जुदां *चिह्नो वापरवानी जरुर नथी. परंतु इंग्रेजी भाषाना 'ऍ', 'ऑ'ना उच्चारमां भ्रान्ति न* थाय ते माटे चिह्नोनो उपयोग करवामां हरकत नथी. उदा० कॉलेज, ऍक्ट. व्यंजनान्त उच्चारनी विशेषता दर्शाववा चिह्नो उपयोग करवानी जरुर नथी.

७. शब्दमां आवता जोडाक्षरथी ज्यां आगला स्वरने थडको लागतो होय त्यां 'इ के 'उ' जे होय ते ह्रस्व करवां: उदा० इक्कर, सुस्त, दुरस्ती, धुस्सो.

८. ज्यां अनुस्वारनो उच्चार पछीना व्यंजनना अनुनासिक जेवो न थतो होय, पण स्वरनी साथे कोमळ अनुस्वार बोलातो होय त्यां 'ई' 'के' 'ऊ' दीर्घ ज वापरवां उदा० पींछुं, सींच, पूंछडु, सींचणियुं, खूंट.

९. एकथी वधारे स्वरवाळा शब्दोमां अन्त्य उ सादो के अनुस्वारवाळो हंमेशां ह्रस्व करवो. उदा. पूंछुं, करवुं, गाउ.

१०. अन्त्य 'उ' अने 'आ' वाळा शब्दोमा उपान्त्य 'इ' होय तो 'इ' ह्रस्व करी 'यु' अने 'यो' लखवा. उदा दरियो, कडियो, रेंटियो, सींचणियु, माळियु, अठवाडियु, जाळियु, घोडियु

११ दीर्घ ईकारान्त नामोने विभक्ति के वचनना प्रत्ययो लागतां १०मो नियम लागु करवो नहि उदा नदियो, स्त्रियो नहि पण नदीओ, स्त्रीओ

१२ जोईए, करीए, लखीए, छीए, ए रूपो मान्य करवां, पण गयेलो, थयेउ, लखायेउ वगेरेमा 'ये' राखवो

१३ पीयर, दीयर, महीयर, सहियर, काठियावाड एम लखवु

१४ 'नहि' शब्द 'नहि', 'नहीं' 'नहिं' एम घणी रीते लखाय छे तेमा 'नहि' ए जोडणी मान्य राखवी

१५ चाक्कु, चिठ्ठी, पत्थरने बदले चोरवु, चिठ्ठी, पथ्थर एम लखवु
तत्सम शब्दोमा संस्कृत जोडणी कायम राखवी उदा० अश्वत्थ, उत्थान

१६ साज, सजा, जिंदगी, समजमा 'झ' नहि पण 'ज' लखवो गोझारु, मझा इत्यादिमा 'झ' लखवो

१७ चाल्लो–चाल्लो, साल्लो–साल्लो बने रूपो चाले पण विद्यापीठे चाल्लो साल्लो लखवु

१८ पिछान–पिछाण, ठट्ठ–थट्ठ, डामवु–डाभवु, आमली–आमली, विंशे–विषे, बने रूपो चाले, पण विद्यापीठे पहेली जोडणी राखवी

१९ केटलाक शब्दोमा उच्चारमा गूजरातना केटलाक भागमा यकार श्रुति थाय छे उदा० जात्य, आत्य, लव्य ते लखवामां दर्शाववानी जरुर नथी आत, लाव, जात (जाति तद्भव) एम लखवु

२०. केटलाक शब्दो (उदा० दोरडु, खाडणी, दळ्णु, चाळणी)मा र, ड, ळ ने बदले केटलाक य उच्चार करे छे, पण जोडणी माटे मूळ रूप ज लखवु.

२१ कढेवडाव–कढेवराव, गवडाव–गवराव बने रूपो चाले पण विद्यापीठे पहेलु राखवु.

२२. अनादि श ना उच्चारनी बाबतमा केटलाक शब्दोमा प्रान्तिक उच्चार भेद छे उदा० डोशी–डोसी, भेंश–भेंस, छाश–छास, पोरश्यु–पोरस्यु, वेश–वेस, आवा शब्दोमा 'श' अने 'स' नो विकल्प राखवो, पण विद्यापीठे डोशी, भेंश, छाश, पोरस्यु, वेस लखवु

२३ दडुको डडुको, टोच,–टोंच, दाडम–दाढम, गोटाळो–घोटाळोमा विद्यापीठे पहेली जोडणी राखवी

२४ तेमज नाखवु, वाचवु, न हतु नहि, पण नांखवु, वांचवु, नहोतु वापरवा

२५ मुल्तवी, मल्लुक वगेरेमाथी जोडाक्षर काढी नाखवा

२६ शक, शोध, शुमा रूढ श राखवो साकरमा स राखवो

२७ जुवो, धुवो, फुवो नहि पण जुओ, धुओ, फुओ लखवु

२८ म्हारु, त्हारु, ज्यहां, त्यहा नहि पण मारु, तारु ज्या, त्या लखवु

२८ अ म्होटो, न्हानो एमाथी 'ह'कार काढी नाखवो

२९ कुढाडवु, च्हढवु, म्होडु, ल्होडु, कुहडो, द्हाड, अढ्राड नहि पण काढवु, चढवु, मोढु, लोढु, रटो, टाड, अडार एम लखवुं

, ३०. कुहेवु, द्रहेवु, प्होंचवु, व्हाला, व्हेन, प्हेलु, व्हेलु एम न लखवु, पण कहेवु, रहेवु, पहोंचवु, वहाला, बहेन, पहेलुं, वहेलु एम लखवु.

३० अ. नावुं, न्हावु, नहावु तथा नाहवु एम घणा प्रयोगो थाय छे, तेमा 'नहावु' लखवानु पसद करवु. 'नह्यो' एम भूतकाळना तथा 'नहाईश' एम भविष्यकाळना रूपमां लखाय.

३१. ज्यां परभाषामांथी अपभ्रष्ट थयेलो शब्द रूढ थइ गयो होय त्यां तेज अर्थमां तत्सम शब्द न वापरवो, पण रूढ शब्द वापरवो. उदा० अक्षि, वाटिका, पर्पट, ख्वाहिश, हूबहू, आलीम, इंग्लिश, एंजिनीअर नहि पण आंख, वाडी, पापड, खायेश, आबेहुब, उस्मा, इंग्रेजी, इजनेर.

३२. मालेक–मालिकमांथी मालिक राखवो.

३३. घोष वि. अघोषमां अघोष व्यंजन स्वीकारवो. उदा. कडको, बाडको, पटकारवु, मुगट, प्रगट.

३४. उन, कबाट नान्यतर जातिमां अने विद्यापीठ नारीजातिमा वापरवा.

३५. कवितामां प्रसिद्ध जोडणी वापरी ह्रस्व–दीर्घ बतावनारां चिह्ना वापरवा.



गूजरात विद्यापीठ विज्ञापक

संवत १९८०–८१

भाग १–धारा धोरणो

बंधारण

[सवत १९७६ ना आसो सुद ७ ने दिने गूजरात राजकीय परिषदे नीमेली राष्ट्रीय शिक्षण समितिए मजुर करेलु, पाछळथी करेला सुधारा वधारा साथे]

नाम — १ आ सस्थानु नाम " **गूजरात विद्यापीठ** ' राखवामा आव्यु छे परतु आ बधारणमा एने टूकामा विद्यापीठ कहेवामा आवशे

ध्यानमन्त्र अने चिह्न — १ अ (क) '**सा विद्या या विमुक्तये**' (जे मुक्ति आपे ते ज विद्या) तथा 'अल् हिक्मतो झल्लतुल मोमीने फहैसो वजदहा अहक्कोबेहा' (हिक्मत मुसलमानोनी गूम थयेली चीज छे, ज्याथो ते मळी आवे त्याथी तेने लई लेवी ए तेमनो हक छे) एने विद्यापीठना ध्यानमन्त्र तरीके स्वीकारवामा आवे छे

(ख) नीचे प्रमाणे विद्यापीठ माटे चिह्न पसद करवामा आवे छे बे एक ज मध्यबिदुवाळा वर्तुलो लेवा, अदरना वर्तुलमा वृद्धिसूचक वडनु झाड वच्चे मूकवु, ते उपर चद्रकळा राखवा, नीचे अनासक्ति दर्शक कमळ राखवु वडनी नीचे योग्य स्थळे अरबी ध्यानमन्त्र लखवो, बन्ने वर्तुल वच्चेना भागमा उपर सस्कृत ध्यानमन्त्र लखवो, नीचे 'गूजरात विद्यापीठ' ए शब्द लखवा, अने अदरना वर्तुलना आधार आगळ 'अमदावाद' लखवु, अने वच्चे बन्ने बाजुए प्रकाशसूचक दीपको राखवा ×

व्याख्याओ — २. ज्या ज्या अन्वय उपरथी स्पष्ट रीते जुदो अर्थ नीकळतो न होय, त्या त्या आ बधारणमा सर्वत्र नीचना अर्थमा शब्दोनी योजना करवामा आवी छे

मान्य–अमान्य–अवमान्य — (क) 'मान्य' एटले विद्यापीठ स्वीकारेलु, 'अमान्य' एटले न स्वीकारेलु, अने 'अवमान्य' एटले एकवार स्वीकार्या पाछळथी स्वीकार रद कर्यो होय तेवु

∗ ७८–७७/१ नि स ठराव १ आसो सुद १०–७

× स १९७९/१० नि स ठराव ∗ जु

मंदिर — (ख) 'मंदिर' एटले विद्यापीठे मान्य करेली कोई शाळा के इतर जातनी संस्था.

बालमंदिर — (ग) 'बाळमंदिर' एटले छथी सात वर्षनी अंदरना बाळकोने केळवणी आपवाना ईरादाथी योजायेलु मंदिर

कुमार–मंदिर — (घ) 'कुमार–मंदिर' एटले छथी सात वर्षना बाळकोथी आरंभीने आशरे छ वर्षमा जेटली केळवणी आपी शकाय तेटली ज केळवणी आपवाना ईरादाथी योजायेलु मंदिर

विनय–मंदिर — (च) 'विनय–मंदिर' एटले कुमार–मंदिरनी केळवणी लीधेला बाळकोने जीवनमा एमनो प्रवेश सारी रीते थई शके, ए माटे जेटला सामान्य ज्ञान अने संस्कार एमने प्राप्त थवा जोईए तेटली केळवणी आपवाना ईरादाथी योजायेलु मंदिर

महाविद्यालय — (छ) 'महाविद्यालय' एटले विद्यापीठे स्वीकारेला कोई पण विषयोमा विद्यार्थीने निष्णात करवाना ईरादाथी योजायेलु मंदिर

छात्रालय — (ज) 'छात्रालय' एटले कोई मंदिरमां अभ्यास करवा माटे विद्यार्थीओने साथे राखवाना ईरादाथी स्थपायेलु अने विद्यापीठे मान्य करेलु गृह

गृहपति — (झ) 'गृहपति' एटले छात्रालयनो व्यवस्थापक

विनीत — (ञ) 'विनीत' एटले विनय–मंदिरनी केळवणी पूर्ण करी, महाविद्यालयनी केळवणी लेवा योग्य छे एवी जातनु विद्यापीठ तरफथी प्रमाणपत्र मेळवनार.

स्नातक — (ट) 'स्नातक' एटले विद्यापीठ तरफथी कोई पदवी मेळवनार

कुलपति — (ठ) 'कुलपति' एटले विद्यापीठना प्रमुख

कुलनायक — (ड) 'कुलनायक' एटले विद्यापीठना उप–प्रमुख

महामात्र — (ढ) 'महामात्र' एटले विद्यापीठनो मुख्य कारभारी के मंत्री

नियामक सभा– नियामक — (ण) 'नियामक सभा' एटले विद्यापीठनी कोई पण बाबत उपर विचार तथा निर्णय करी ते प्रमाणे अमल करवानी आज्ञा करवानी सत्ता धरावनार मंडळ, 'नियामक' एटले कोई खास अधिकार न धरावनार नियामक सभानो सभ्य.

कार्यवाहक सभा– कार्यवाहक — (त) 'कार्यवाहक सभा' एटले विद्यापीठनो कारभार चलावनार मंडळ, अने 'कार्यवाहक' एटले बीजो कोई खास अधिकार न धरावनार कार्यवाहक सभानो सभ्य.

विद्या (ध) 'विद्या' एटले केळवणीना जे विषयनु विद्यापीठे नाम डलाहिदु शास्त्र ठरायु होय ते.

विद्यासमिति 'विद्यासमिति' एटले कोई विद्या माटेनो विचार करवा निमायेलु मडळ.

वेत्ता 'वेत्ता' एटले कोई विद्यासमितिनो सभ्य

विद्यानिधि 'विद्यानिधि' एटले कोई विद्या-समितिनो प्रमुख

खुलासो—साधारण रीते विद्याना विषयनु नाम उपरना दरेक शब्दनी पूर्वे दर्शाववामा आवशे उदाहरणार्थे वणाटविद्या, वणाटविद्यासमिति, वणाटवेत्ता, वणाटविद्यानिधि

निधिप (द) 'निधिप एटले जे शख्स के सस्थाने नामे विद्यापीठनी, अथवा विद्यापीठने माटे, कोई पण जातनी स्थावर के जगम मिलकत मूकवामा अथवा तेने सोपवामा अथवा तेना कबजामा आवी होय ते.

निधिपमडळ 'निधिपमंडळ' एटले विद्यापीठे नीमेला निधिपोनु मडळ

कोपाध्यक्ष 'कोषाध्यक्ष' एटले विद्यापीठे नीमेलो विद्यापीठनी मिलकतनो राखनार अने सभाळनार

सरकार (ध) 'सरकार' एटले इग्रेज सरकार तथा इग्रेज सरकारना शासनथी स्थपायेली कोई पण युनिवर्सिटी

हेतुओ अने उद्देशो ३. आ विद्यापीठना हेतुओ अने उद्देशो नीचे प्रमाणे छे

(क) आपणा देशनी संस्कृतिने पोषनारी अने देशनी परिस्थितिने अनुकूळ, तेमज देशनी प्रजाने धार्मिक, स्वदेशप्रेमी, स्वाश्रयी, चारित्रवान अने बळवान बनाववानी तालीम आपवाने तथा ए हेतु माटे अध्यापको तैयार करवाने सरकारथी सर्व प्रकारे स्वतत्र रहीने गूजरातमा तेमज गूजरात बहार वसता गूजराती भाषा बोलनाराओमा केळवणी आपवाने मदिरो स्थापवा, स्थपाववां अने नीभाववां,

(ख) केळवणीना विषयमा नवीन क्रियामा नवीन मार्गे प्रयोगो करवा अने कराववा,

(ग) मदिरोनां निरीक्षण अने परीक्षण करवा,

(घ) योग्य विद्यार्थीने तथा विद्याभ्यासीओने पदवीदान देवा,

(च) विद्यानो उत्कर्ष करनार अथवा प्राणीमात्रनी आदर्शरूप सेवा बजावनार चारित्रवान जनोने माननी पदवी आपवी,

(छ) अध्यापको तथा निरीक्षको नीमवा के नोतरवा,

(ज) विद्याना उत्कर्ष माटे अपायेला दान स्वीकारवां तथा तेनो वहीवट करवो,

(झ) ईनामो, चांदो तथा छात्रवृत्तिओ आपवां;

(ञ) छात्रालयो, ग्रन्थालयो, प्रयोगशाळाओ, वेधशाळाओ, संग्रहस्थानो इत्यादि स्थापवां, स्थपाववां अने नीभाववां;

(ट) खेडुत, हुन्नरधंधावाळा तथा बीजा श्रमजीवी लोको तथा सामान्य प्रजानी उन्नति माटे विद्याविषयक भाषणो अपाववां, तथा लेखो, पुस्तको इत्यादि प्रसिद्ध करवां;

(ठ) विद्यार्थीओ, अध्यापको, गृहपतिओ इत्यादिना उपयोग माटे तथा विद्यापीठना अन्य हेतुओ पार पाडवा माटे पाठ्य पुस्तको, निबंधो, नियतकालिकपत्रो प्रसिद्ध करवां.

(ड) केळवणीने अंगे जरूरी माहितिओ अने आंकडाओ भेगा करवां तथा प्रसिद्ध करवां;

(ढ) विद्यापीठना विनीतो तथा स्नातकोने सेवाना तथा आजीविकाना सन्मार्गो शोधवामां मदद करवी, अने

(ण) सारांशमां, पूरवणीमां दर्शावेला सिद्धान्तोने अनुसार गूजरात तथा गूजराती बोलनाराओमां विद्यानो प्रचार, शोधखोळ, तथा भारतीय संस्कृतिनो विकास थाय तेने माटे जे जे योग्य लागे ते उपायो लेवा.

सत्तानो आरोप

४. विद्यापीठनी छेवटनी सर्व सत्ता नियामक सभा विषे छे, अने ते सत्तानी रूए सभा मिल्कत खरीदवानी, दानथी लेवानी, गीरो मूकवानी, तेना संबंधमां तकरारो उठतां तेनो जेम योग्य लागे तेम फडचो कराववानी आज्ञा करी शके छे; मंदिरोने मान्य, अमान्य, अवमान्य करी शके छे, विद्यापीठनुं कार्य करती बीजी सभाओए के मंडळोए करेला ठरावो, नीकालो तथा शिक्षा के क्षमाना पत्रोमां फेरफार करी शके छे; पोतानी सत्तानो योग्य लागे तेवो भाग नियामक सभाना कोई अधिकारीने के मंडळने सोंपी शके छे; तथा बीजा सर्व वहीवटने माटे जरूरी कार्यो करी शके छे.

नियामक सभानी संख्या

५. (१) नियामक सभा चुंटाएला ५० सभ्योनी थशे अने कुलपति अने कुलनायक होद्दानी रूए नियामक सभाना सभासदो गणाशे. एटले नियामक सभाना सभ्योनी संख्या वधुमां वधु ५२ हशे.

मतदार मंडळो

(२) नियामक सभाना सभासदोनी चुंटणी नीचे जणाव्या मुजबनां मतदार मंडळो नीचे जणावेल संख्यामां करशे.

मतदार मंडळनुं नाम:	चुंटवाना संख्या:
(१) नोंधाएल स्नातकोनुं मतदार मंडळ	१२
(२) गूजरात प्रांतिक समिति	१०
(३) महाविद्यालय मतदार मंडळ	[illegible]

† स. १९७८ ना आसो ९ ने रोज

(४) दाता मतदार मंडळ ५ (।)
(५) विनय मंदिरना मुख्य अध्यापको अने निरीक्षकोनुं मंडळ ३
(६) पूर्ण अने अपूर्ण विनय मंदिरोमां शीखवता पांचथी वधु वर्षना अनुभववाळा शिक्षकोनु मतदार मंडळ २
(७) कुमार मंदिरना शिक्षकोनुं मतदार मंडळ १
(८) विशिष्ट मंडळना शिक्षकोनुं मतदार मंडळ १
(९) उपरना नं. १ थी ८ सुधीना मतदार मंडळोए चुटेल ४५ सभ्योए चुंटवाना ५

होद्देदारोनी जग्या

(३) कुलपति तेमज कुलनायक चुंटाएल सभासदो पैकी अथवा बहारना होई शके. जो ते चुंटाएल सभ्यो पैकीना न होय अने बहारना होय तो होद्दानी रूए नियामक सभाना सभासद गणाशे अने जो ते चुंटाएल पैकीना होय तो कुलपति अथवा कुलनायक तरीकेनी तेमनी निमणुकथी जे मतदार मंडळ तरफथी ते चुंटाएल होय ते मतदार मंडळोना चुंटाएल सभासदोमां जग्या खाली पडेली गणाशे नहि.

मतदार मंडळोनी रचना

(४) उपर बीजा नियममां जणावेल मतदार मंडळो नीचे मुजब रचवामां आवशे:—

(क) नोंधायेल स्नातकोनुं मतदार मंडळ:—

गूजरात विद्यापीठनो तेमज बीजी कोई पण विद्यापीठनो स्नातक जे आ विद्यापीठना उद्देशो स्वीकारतो होय अने कार्य विषे सहानुभूति धरावतो होय तेमज कोई पण सरकारी विद्यापीठ साथे प्रत्यक्ष संबध न राखतो होय तेणे कोई पण वखते विद्यापीठना महामात्रने पोतानुं नाम "नोंधायेल स्नातक मतदार मडळ" मां नोंधवाने अरजी कर्याथी तेनु नाम आ मतदार मंडळमां नोंधवामां आवशे; ते एवी शरते के आ नोंधणी वखत वखतो वखत नियामक सभाए जे फी ठरावेल हशे ते ते स्नातक ज्यां सुधी आपे त्यां सुधी ज ते मतदार रही शकशे.*

(ख) गूजरात प्रांतिक समिति:—

राष्ट्रीय महासभाना वखतो वखतना बंधारण मुजब गूजरातने माटे (ब्रिटिश गूजरात–काठीआवाड तथा गूजरातमां आवेल देशी राज्यो अने कच्छ) जे समिति वखतो वखत होय ते.

---

* स्नातक मतदार मंडळमां नाम नोंधावाने गूजरात विद्यापीठना स्नातको पासेथी पहेलां पांच वर्ष सुधी कांई पण लवाजम नहि लेवानुं अने बीजी विद्यापीठना स्नातको माटे एकी साथे रु. २५) के वार्षिक रु. ५) लवाजम लेवानुं ठर्युं छे.

(ग) महाविद्यालय मतदार मंडळ :—

गूजरात विद्यापीठे मान्य राखेला महाविद्यालयोना वखतो वखतना आचार्यो अने अध्यापकोनु आ मतदार मडळ बनशे

(घ) दाता मतदार मडळ :—

आ मतदार मडळमा चार विभाग करवामा आवशे —

(१) विद्यापीठने एकी वखते रु १०,०००) के तेथी वधु रकम आपनारा दाताओनु मतदार मडळ आ मडळने एक सभासद चुटवानो हक रहेशे

(२) विद्यापीठने एकी वखते रु १०००) अथवा तेथी वधारे पण रु १०,०००) थी ओछी रकम आपनारा दाताओनु मतदार मडळ आ मडळने एक सभासद चुटवानो हक रहेशे

(३) विद्यापीठने एकी वखते रु १००) अथवा तेथी वधारे पण रु १०००) थी ओछी रकम आपनारा दाताओनु मतदार मडळ—आ मडळने एक सभासद चुटवानो हक रहेशे

(४) विद्यापीठने वार्षिक रु २५) अथवा वधु आपनाराओनु मतदार मडळ आ मतदार मडळमा प्रथम नाम नोंधाववाने माटे काई पण लवाजम आपवु पडशे नहि परतु वार्षिक लवाजम नहि आपवाथी आ मतदार मडळमाथी नाम काढी नाखवामा आवशे फरीथी नाम दाखल कराववु होय तो जे वर्षमा ते दाखल करवामा आवे ते वर्षना वार्षिक लवाजम उपरांत रु ५०) नु नाणा माटे खास लवाजम आवेथी ज आ मतदार मडळमा फरीथी नाम नोंधी शकाशे आ मडळने बे सभासदो चुटवानो हक छे *

(च) पूर्ण विनय मदिरना मुख्य अध्यापको अने निरीक्षकोनुं मतदार मंडळ:—

विद्यापीठे मान्य राखेला तमाम पूर्ण विनय मदिरोना मुख्य अध्यापकोनु तथा निरीक्षकोनु आ मतदार मडळ रचवामा आवशे

(छ) पूर्ण अने अपूर्ण विनय मदिरना शिक्षकोनु मतदार मडळ :—

विद्यापीठे मान्य राखेला तमाम पूर्ण अने अपूर्ण विनय मदिरोना शिक्षको पैकी जेमणे कोई पण विनय मदिरमा पाच वर्ष सुधी शिक्षण आपवानु कार्य कर्यु होय तेवा शिक्षकोनु मतदार मडळ रचवामा आवशे मतदार मडळमा दाखल करेल कोई पण शिक्षक कोई पण मान्य विनय मदिरमा नहि होय तो तेमनु नाम मत दार मडळमाथी काढी नाखवामा आवशे †

---

* आ वर्गमा पचीस सभासदो नोंधायेथी ते वर्गनु मतदार मडळ बनशे (स १९७९ नी त्रीजी नियामक सभानु कार्य ४ थु मिनि आमो सुद १२)

† पूर्ण विनय मदिरना मुख्य अध्यापक ते शिक्षकना मडळमा न आवी शके (ना या सभानो ठराव स १९७९ ना आसो वद ३ कार्य ९ मु)

(જ) કુમાર મંદિરના શિક્ષકોનું મતદાર મંડળ :—

વિદ્યાપીઠે માન્ય રાખેલાં તમામ કુમાર મંદિરોમાં વખતો વખત કામ કરતા શિક્ષકોનુ મતદાર મંડળ રચવામાં આવશે. આ મતદારો ઓછામાં ઓછાં પાંચ વર્ષથી શિક્ષક તરીકે કામ કરનારા હોવા જોઇએ આ મતદાર મંડળમાં નોંધેલ કોઈ પણ શિક્ષક કોઈ પણ કુમાર મંદિરમાં ન હોય તો તેમનુ નામ મતદાર મંડળમાંથી કાઢી નાખવામા આવશે

(ઝ) વિશિષ્ટ-મંદિરના શિક્ષકોનું મતદાર મંડળ :—

વિદ્યાપીઠે માન્ય રાખેલા મંદિરો પૈકી અમુક પ્રકારનાં અથવા અમુક મંદિરો વિશિષ્ટ મંદિરો તરીકે નિયામક સભા વખતો વખત ઠરાવે તે મંદિરોના વખતો વખતના તમામ શિક્ષકોનુ એક મતદાર મંડળ રચવામા આવશે.

ખુલાસો:—પાંચ વર્ષ સુધી શિક્ષક તરીકે કામ કરેલુ ન હોય તેમનાથી નિયામક સભામાં સભ્ય તરીકે આવી શકાશે નહિ.

હોદ્દો રાખવા અને છોડવાના નિયમો

(૫) દરેક નિયામક પોતાનો હોદ્દો નીચેના નિયમોને અનુસરી અને બાધ ન આવે તેવી રીતે ચાર વર્ષ સુધી ભોગવશે.

(૧) ગૂજરાત પ્રાંતિક સમિતિની જ્યારે જ્યારે નવેસર ચુટણી થાય ત્યારે ત્યારે સમિતિ ૧૦ નિયામકો ચુટશે. એવી રીતે ૧૦ નિયામકો ચુટાએથી પ્રાંતિક સમિતિએ પ્રથમ ચુટેલા જે ૧૦ નિયામકો હશે તે પોતાનો હોદ્દો છોડશે અને તેમની જગ્યાએ નવા ચુટાએલ ૧૦ નિયામકો આવશે.

(૨) બાકીના ૪૦ નિયામકો પૈકી દર વર્ષે ૧૦ નિયામકો વારાફરતી પોતાનો હોદ્દો છોડશે. પ્રથમનાં ત્રણ વર્ષ આ બંધારણની રૂએ પ્રથમ ચુટવામાં આવેલ નિયામકો પૈકી કયા દશ નિયામકોએ હોદ્દો છોડવો તે નિયામક સભાની બેઠકમાં ચીઠ્ઠીઓ નાંખી નક્કી કરવામા આવશે અને ચોથે વર્ષે બાકીના દશ નિયામકો હોદ્દો છોડશે. જે મતદાર મંડળ તરફથી ચુટેલા નિયામકો એ રીતે હોદ્દો છોડશે તે મતદાર મંડળો હોદ્દો છોડનાર નિયામકોની જગ્યાએ બીજા નિયામકો ચુટશે. એ રીતે નવા ચુટાઈ આવેલા નિયામકો ચાર વર્ષ સુધી પોતાનો હોદ્દો ધરાવશે અને પ્રથમના ચાર વર્ષમાં હોદ્દો છોડવાનો જે અનુક્રમ ચીઠ્ઠીઓ નાંખી નક્કી થયો હોય તે મુજબ ચાર વર્ષ પછીથી પણ નિયામકોની નવી ચુટણી મતદાર મંડળો દર વર્ષે કરશે. હોદ્દો છોડનાર નિયામકો ફરી ચુટણી માટે લાયક ગણાશે

કુલપતિ-કુલનાયકની મુદત

(૬) કુલપતિ અને કુલનાયક દર વર્ષની આખરે પોતાનો હોદ્દો છોડશે ને નવા વર્ષમાં મળની પ્રથમની નિયામક સભામાં કુલપતિ અને કુલનાયકની નવેસર ચુટણી થતા સુધી તેઓ કુલપતિ અને કુલનાયક તરીકે રહેશે. હોદ્દો છોડનાર કુલપતિ અને કુલનાયક ફરી ચુટાવા લાયક ગણાશે.

फरी चुटावानो अधिकार

(७) नियम ४ मा जणावेल मतदार मडळोमा जे जे कोई दाखल थई शके ते तमाम स्त्री के पुरुष पोताना मतदार मडळ तरफथी नियामक चुटावाने लायक छे

अपवाद :—नियामक सभाए वखतो वखत नियामकोनी अयोग्यता बाबे ज नियमो कर्या [illegible]य ते नियमो मुजब जे अयोग्य होय ते नियामक थई शकशे नहि †

खुलासो :—कोई पण सगीर, दाताओना मतदार मडळमा नोंधाई शके, परतु तेना सगीरपणामा तेना वालीने तेनी अवेजीमा मत आपवानो तेमज नियामक तरीके चुटावानो हक रहेशे.

अनेक मडळमा सभ्यता

(८) एक ज व्यक्ति एकथी वधु मतदार मडळोमा मतदार होई शके अने एकी वखत दरेक मतदार मडळमा मत आपवानो हक धरावी शके

अपवाद :—दाताओना मतदार मडळमा कोई पण मतदार जे वर्गमा नोंधाया होय ते सिवाय ते मडळना बीजा वर्गमा मतदार तरीके मत आपी शकशे नहि, अने ओछी रकमवाळा वर्गमा नोंधाएल मतदार वधु रकम आपी वधु रकमवाळा मतदार वर्गमा नाम नोंधावे तो तेम थवाथी ओछी रकमवाळा मतदार वर्गमा मत आपवानो तेमने हक रहेशे नहि परतु वधुमा वधु रकमवाळा मतदार वर्गमा नाम नोंधाववामा आव्यु होय ते एक ज मतदार वर्गमा ते मतदार तरीके मत आपी शकशे

खुलासो :—दाताओना मतदार मडळनो मतदार बीजा कोई पण मतदार मडळनो मतदार थई शकशे

महामात्र अने निरीक्षकोना अधिकार अनधिकार

(९) महामात्र अने निरीक्षको नियामक सभाना सभ्यो होई शके नहि परतु महामात्र नियामक सभानी बेठकमा हाजरी आपी शकशे, वाद विवादमा भाग लई शकशे, दरखास्तो रजु करी शकशे, परतु कोई पण बाबतमा नियामक सभामा मत लेवामा आवे त्यारे ते मत आपवा हकदार नथी

५ अ.§ गेरहाजरीथी बरतरफी

जे नियामक लागलागट चार सभामा, अगर बे महिना सुधी नियामक सभानी मजुरी मेळव्या सिवाय हाजरी न आपे, तेने नियामको पैकी कमी थयेला समजवा आ बे पैकी जे मुदत लांबी हशे ते गणवामा आवशे

---

† सरकारी नोकरी करनार, तथा जेने १८ वर्ष पूरा थया न होय, ते नियामक सभाना सभ्य थई शके नहि

§ स. १९७७ ना फागण वद ३ नी नि स मु ठराव ७ ज

विद्यासमिति

६ नियामक सभा नियामकोनी जुदी जुदी विद्याना वेत्ताओ तरीके वहेंचणी करी देशे ए सर्व वेत्ताओ पोतानां कार्यमां आ बाबतमां घडेला नियमानुसार नियामक सभानी बहारना जनोने पण वेत्ता तरीके मेळवी शकशे. एवी रीते वगेरा मंडळने आ कार्यमां ते ते विद्यानी विद्यासमिति गणवामां आवशे दरेक विद्यासमिति पोतपोताना विद्यानिधिने चुटशे, पण नियामक सभानो सभ्य न होय एवो कोई वेत्ता विद्यानिधि थई शकशे नहि *

निधिपमंडळ

७ नियामक सभा पोतामांथी ओछामां ओछा त्रण अने वधारेमां वधारे सात निधिपो चुटशे, विद्यापीठनी सर्व स्थावर मिल्कत तथा तेने लगता हको ए निधिपोने नामे रहेशे. विद्यापीठनी सर्व जंगम मिलकत, बँकनां खातां, सरकारी नोट के बीजा मुडी भागना खतपत्रो निधिपो पैकी कोई पण बे अथवा त्रणने नामे राखवानी निधिपो गोठवण करशे +

कोषाध्यक्ष

८. कुलपति, अथवा कुलनायक, अथवा बन्ने तथा महामात्र अने निधिपो मळीनें एक कोषाध्यक्ष नीमशे§ ए कोषाध्यक्षना कबजामा विद्यापीठना स्थावर तथा जंगम मिलकतना सर्व खत पत्रो, रोकड नाणु तथा सभाळीने राखवानी वस्तुओ रहेशे.

अन्वेषको

९. नियामक सभा एक अथवा वधारे योग्य पुरुषोने विद्यापीठना हिसाबो तपासवाने अन्वेषको नीमशे अने हीसाबनी चोखवट करवा माटे तेमने योग्य अधिकार आपशे.

---

* विद्या समिति अने विद्यानिधि मंडळनु बंधारण स्वतंत्र ठरावोथी आ कलम करतां कांईक जुदी रीते थयु छे ए बंधारण पाछळ योग्य स्थळे आपवामां आव्यु छे. ए बंधारण नियमसर लेखाय ए रीते उपली कलम राखी होय तो ते नीचे प्रमाणे वचाय—

"प्रति वर्षे नियामक सभा जुदी जुदी विद्याना विषयमां विद्यासमितिओ नीमशे अने तेमनो कार्यप्रदेश नक्की करशे, दरेक विद्यासमिति पोतपोताना विद्यानिधिने चुटशे, पण नियामक सभानो सभ्य न होय एवो कोई वेत्ता विद्यानिधि थई शकशे नहि."

+ चालु पद्धति प्रमाणे गूजरात प्रांतिक समिति विद्यापीठना निधिप मंडळनु कार्य सारे छे.

§ चालु पद्धति प्रमाणे नियामक सभा कोषाध्यक्षनी नीमणुक करे छे.

पूरवणी.

सिद्धान्तो

विद्यापीठना सिद्धान्तो नीचे मुजब छे. ए सिद्धान्तोने अनुसरीने ज विद्यापीठ पोतानुं कार्य करे.

राज्यसत्तानो अंकुश

(१) शिक्षण विषे धोरण ठराववामां, तेमज मंदिरोनी व्यवस्थामां विद्यापीठ सरकारथी संपूर्ण रीते स्वतंत्र रहे.

ते ठेकाणे मान्यता न होय

(२) सरकार साथेनो पण पोतानो संबंध कायम राखे अने विद्यापीठ साथे पण जोडावा इच्छे, तेवा कोई मंदिरने विद्यापीठ मान्य करे नहि परन्तु कोई पण संस्थाना विद्यार्थीओने योग्य शरते परीक्षा माटे खानगी विद्यार्थी तरीके दाखल करवाने हरकत नथी.

विविधता

(३) विद्यापीठना दरेक मंदिरमां शिक्षणनी एक ज पद्धति राखववानो आग्रह न होय.

परीक्षानी मर्यादा

(४) परीक्षानी सगवड माटे ज शिक्षणक्रममां फेरफार करावतो नहि.

केळवणीनुं ध्येय

(५) धार्मिक वृत्तिने पोषवी ए केळवणीनुं ध्येय छे.

जनहित

(६) सर्व सामान्य जनताने ऊंचे चडाववी छे ए बधा शिक्षणनुं दृष्टिबिन्दु होवुं जोईए.

अभेद

(७) कोई पण व्यक्तिनां धर्म, जाति, के मत एना शिक्षणमां बाधरूप न गणाय.*

केळवणीनुं वाहन

(८) शरूथी आखर सुधी केळवणीनुं वाहन गूजराती ज होवुं जोईए.

खुलासो–आ सिद्धान्त १४ मा सिधान्तने बाधक गणवामां न आवे.

अपवाद–भाषा शिक्षण ते ते भाषामां आपवाने हरकत नथी.

शारिरीक–श्रम

(९) विद्यापीठनां दरेक मंदिरमां औद्योगिक केळवणी अथवा शारिरीक महेनत फरजयात गणवामां आवे.

प्रतिष्ठा–क्रम

(१०) विद्यापीठमां काम करता अध्यापको वगेरे कामदारोनी प्रतिष्ठा के कदर ठराववामां तेमना पगार उपर ध्यान न अपाय.

प्रतिनिधित्व

(११) विद्यापीठना दरेक मंदिरने विद्यापीठना काममां पोतानो मत दर्शाववानी योग्य रीते तक मळे.

---

* आ सिद्धान्तनो एक अर्थ एवो छे के विद्यापीठे मान्य करेलुं कोई पण मंदिर केवळ अन्त्यजोनो बहिष्कार न करी शके. (२ जी नियामक सभा, आसो वद ५/७६ कार्य ४ थु.)

लोकमत — (१२) विद्यापीठना कार्यो विषे विद्यापीठनां मदिरोमा भणता विद्यार्थीओना वडिलोनो अभिप्राय जाणवाने योग्य व्यवस्था होय.

गूजरात बहारना गूजरातीओ — (१३) गूजरात बहार जई वसेला गूजरातीओना हित तरफ पण विद्यापीठ योग्य ध्यान आपे.

गूजरातमां बोलाती अन्य भाषाओ — (१४) गूजरातमा रहेता मराठी, हिन्दी, उर्दु वगेरे भाषा बोलनारा विद्यार्थीओ माटे जो ते ते भाषामां केळवणी आपवानी सस्था स्थपाय तो विद्यापीठ तेमने पण मान्यता अने आश्रय आपी शके; पण तेवां मदिरोमां गूजराती भाषा फरज्यात भणाववामां आवे.

दानस्वीकार — (१५) आ सिद्धान्तोने बाध आवे एवी कोई शरते अथवा स्थितिमां विद्यापीठ कोईना दान के सेवा स्वीकारे नहि.

---

(२) समितिओनां बंधारणो

(क) कार्यवाहक सभा

१ कार्यवाहक सभा ११ सभ्योनी बनशे.

२ कार्यवाहक सभाने नीचेना कार्यो करवानी सत्ता छे:—

(क) विद्यापीठना दरेक खातामा मजुर करेला खर्चनी रकमा रही तथा जे नियमो ठराववामां आव्या होय तेने अनुसरी ते माटे योग्य लागे तेवो खर्च करवानी

(ख) जे खाता माटे खर्च मजुर करवामां न आव्यो होय अने कार्यवाहक सभाने ते खर्च उतावळे करवानी आवश्यकता लागती होय, तो ते काम माटे रु ५००० सुधी खर्च मजुरी मेळव्या पहेलां करवानी अने पाछळथी मजुरी मेळववाना

(ग) जे खाताओ माटे जुदी समितिओ निमाई न होय ते खाताओ माटे जरुरी माणसनी निमणुक करवानी, तेमने छूटा करवानी, रजा आपवानी, पगार वधारवा घटाडवानो अने दड करवानी

(घ) विद्यापीठनी परीक्षाओ माटे फी ठराववाना, परीक्षको नीमवानी अने तेमनी फी ठराववानी

(च) मदिरोने मान्य करवानी *

---

* स. १९७९ नी नियामक सभानी बीजी बेठकना कार्य १२ माना ठरावथी आ सत्ता कुमार अने विनय मदिर समितिने सोपवामां आवी छे मिति आषाड सुद १/७९

(छ) जे मंदिरो पोतानी मेळे विद्यापीठनी साथे संबंध तोडवा इच्छे तेने अवमान्य करवानी तथा बीजां मंदिरोने अवमान्य करवानी भलामण करवानी

(ज) जे खाताओ माटे जुदी समितिओ नीमवामां न आवी होय ते सर्व खाताओनो वहीवट करवानी अने तेने माटे नियमो घडवाना अने—

(झ) मात्र नियामक सभा करी शके एवां जे कामो होय तेमां नियामक सभा मळे ते पहेलां कोई विषयमां काई व्यवस्था करवानी के हुकम काढवानी के निर्णय आपवानी जरुर पडे, तो नियामक सभा ए विषे छेल्लो निर्णय आपे त्यां सुधीने माटे तेने योग्य लागे तेवी व्यवस्था करवानी, हुकम काढवानी तथा निर्णय आपवानी ×

३ कार्यवाहक सभा साधारण रीते दर महीने एक वखत मळशे असाधारण बेठक कुलनायक पोते अथवा चार सभ्योनी अरजी उपरथी बोलावी शकशे बेठकनी खबर पांच दिवस पहेलां आपवी †

कार्यवाहक सभाने सोंपायेलां कामो

गेरहाजरीना दरगुजर (१) मांदगी के एवा कोई बीजा सबळ कारणसर कोई विद्यार्थी सत्रनी हाजरी भरी शक्यो न होय तेनी महाविद्यालयना आचार्यनी भलामण विचारी गेरहाजरी दरगुजर करवानी

(ख) कुमार अने विनयमंदिर समिति.

नाम *१ कुमार मंदिरो, विनयमंदिरो, अने अध्यापन मंदिरो माटे एक समिति निमाशे, तेनु नाम "कुमार अने विनयमंदिर समिति" रहेशे.

संख्या २ आ समितिना सभ्योनी संख्या पांचथी ओछी अने बारथी वधारे नहि होय

मुदत ३ आ समितिनी चूंटणी एक वर्षने आंतरे नवेसरथी थशे जूना सभ्यो फरीथी चूंटाई शकाशे

प्रमुख ४ समिति पोतानो प्रमुख नीमशे

कार्यप्रदेश ५ कार्यप्रदेश—(१) कुमार मंदिरो, विनय मंदिरो अने अध्यापन मंदिरोना अभ्यासक्रम सूचववा, पाठ्य पुस्तको नीमवां, विनीत परीक्षाना परीक्षको नीमवा, अने बीजु जे काम कार्यवाहक सभा आ समितिने सोंपे ते करवा §

× ७६-७७/८ नी स १९, का वद ३-७७

† ७८-७९/१ नि स ९ का सुद १३-७८

* ७८-७९/२ नि स १७ महा सुद १०-७८ का वा सभाना ठराव ६३/८० थी दस दिवस सुधानी गेरहाजरी दरगुजर करवानी सत्ता आचार्यने आपवामां आवी छे

§ स १९७८-७९ नी १ ली नि स नु कार्य ४ थु

मदिरोनां अदाजपत्र (२) विद्यापीठ तरफथी चलाववामां आवतां कुमार मदिरोना आवकखर्चनां अदाजपत्र तैयार करवां अने मजुर थयेलां अदाजपत्र प्रमाणे करवाना खर्च उपर अंकुश राखवो.

शिक्षकोनी नीमणुक-नु धोरण (३) मदिरोना शिक्षकोनी नीमणुको तथा पगारनु धोरण नियामक सभानी मजुरीथी नक्की करवु.§

(४) मदिरोने मान्य करवां†

कार्यवाहक सभाए सोंपेलुं काम

(क) विद्यापीठ हस्तक चालती शाळाओनां अदाजपत्र तैयार करवां.

(ख) कार्यवाहक सभा पासे ते अदाजपत्रो मजुर कराची ते प्रमाणे शाळाओनो वहीवट करवो.

(ग) शाळाओनां निरीक्षण अने परीक्षा सबधी नियमो घडी, कार्यवाहक सभानी मजुरी मेळवी, ते सबधी गोठवण करवी.

(घ) शाळाओने मान्य करवा अने मदद आपवा माटे तपास करी कार्यवाहक सभाने छेवटनी भलामण करवी.

(च) विद्यापीठनी शाळाओमां शिक्षकोने माटे गोठवण करवी अने निरीक्षक अने अध्यापन मदिरना आचार्यनी निमणुक माटे भलामण करवी.*

(ग) विद्यासमिति अने विद्यानिधि मंडळ

(१) नियामक सभा महाविद्यालयना दरेक मदिर माटे एक विद्यासमिति नीमशे, सिवाय के भाषामदिर, जेमां नीचे प्रमाणे त्रण विद्यासमितिओ नीमवामां आवशे

(क) अरबी, फारसी अने उर्दु माटे 'इस्लामी वाग्विद्या समिति'

(ख) हिंदी, गूजराती, मराठी, बगाळी, अने सस्कृत माटे 'आर्य वाग्विद्या समिति'

(ग) युरोपीय भाषाओ माटे 'युरोपीय वाग्विद्या समिति'

---

§ ७८–७९/६ठ्ठी नि. स. ११ (आसो वद २–७८) उपरथी पेटाकलम (३) घडी छे. सदरहु ठराव नीचे मुजब —

विद्यापीठ तरफथी चलाववामा आवती प्राथमिक शाळाओनु आवकखर्चनु अदाजपत्र विद्यापीठनी शाळासमिति तैयार करे अने अदाजपत्र मजुर थया पछी पण जे कांई खर्च तेने अगे करवानु होय ते आ समितिनी मजुरी पछी ज थई शके शाळाओना शिक्षक वर्गनी नीमणुको तेमज पगारनु धोरण पण नियामक सभानी मजुरी साथे शाळासमिति नक्की करे

† स. १९७९नी १२ मी नियामक सभानु कार्य १२ मु मिति अषाड सुद १–७९

* ७८ ७९/१ का. वा. सभा ? (का. वद. १३–७८)

(२) दरेक विद्यासमिति त्रण वर्षने आंतरे नवेसरथी चूंटाशे, अने जुना सभ्यो फरीथी चूंटाई शकाशे.

(३) दरेक समिति पोतानो विद्यानिधि नीमशे.

(४) कार्यप्रदेश—पोतपोतानां मंदिरोने लगता विषयोमां अभ्यासक्रम सूचववो, पाठ्य पुस्तको नक्की करवां, अने परीक्षको नीमवा.

(५) जो कोई विद्यासमितिना वेत्ताओ कार्यमां भाग न ले तो ए समितिनो विद्यानिधि पोतानी समितिनुं सर्व कार्य एकाकी करी शकशे.

(६) सर्व विद्यानिधिओनुं एक विद्यानिधि मंडळ बनशे अने महाविद्यालयना आचार्यो विद्यानिधि मंडळना सत्तानां रूए सभ्य गणाशे. दरेक विद्यासमितिना ठरावोनो ए मंडळ पहेला विचार करी नियामक सभानी मंजुरी माटे पोतानी दरखास्तो अने भलामणो रजु करशे

(७) विद्यानिधि मंडळ ज परीक्षा समिति तथा निबंध समितिना काम करशे.*

(८) विद्यानिधि मंडळने परीक्षा समितिनुं काम सोंपायलुं होवाथी, भविष्यमां टर्मानां निबंधोना परीक्षक नीमवानी सत्ता पण ए ज मंडळने सोंपवामां आवे छे †

(घ) पुस्तक समिति

विद्यापीठ तरफथी दरेक जातना पुस्तको प्रगट करवां, तैयार करवां अने कराववां, तथा बीजा लेखको विद्यापीठ पासे पुस्तको मंजुर कराववा अगर प्रगट कराववा मांगता होय तेवा पुस्तकोनी तपास करवा सारु एक समिति पोताना एक अलग मंत्री साथे नीमवामां आवे छे.

मजकुर समितिए पुस्तको प्रगट करवा संबंधी तथा पाठ्य पुस्तको नक्की करवानी बाबतमां पोतानो अभिप्राय नियामक सभाने जाहेर करवो ×

(च) गूजरात पुरातत्त्व मंदिर प्रबंधसमिति

आ मंदिरना सर्व प्रकारना चालु प्रबंधनी व्यवस्था करवा माटे नियामक सभा एक प्रबंध समिति नीमशे जेमां आचार्य अने बीजा पांच सभासदो रहेशे, अने तेओ आ मंदिरमांथी

---

* स. १९७८–७९ना पहेली नियामक सभानुं कार्य ३ जुं मिति कारतक सुद १३-७८ तथा स. १९७९नी पहेला तथा त्रीजी नियामक सभानुं अनुक्रमे कार्य ५ अने १० मुं मिति चैत्र सुद ३ तथा भादो सुद १२–७९ मेळवीने उपला नियमो माड्या छे

हालमां नीचे मुजब विद्यासमिति नीमाय छे.

आर्यविद्या, इस्लामी वाग्विद्या, यूरोपीय वाग्विद्या, समाज विद्या, गणितविद्या, वाणिज्यविद्या, ललितकला. आर्यविद्या, आर्यभाषा अने पाश्चात्य तत्त्वज्ञान माटे एक ज समिति नीमाय छे.

† स. १९७९नी १५मी का-वा-सभानुं कार्य ३जुं. मिति चैत्र वद ९ ७९

× स. १९७८–७९नी छठ्ठी नियामक सभानुं कार्य ९ मुं मिति आसो वदी २/७९

काम करनारामांथी हशे ए प्रबध समिति जरर प्रमाणे पोतामाथी एक अथवा अनेक मत्रीओ पसद करशे आ मदिरना जुदी जुदी प्रवृत्तिओने पहोंची वळवाने माटे प्रबध समिति जुदी जुदी उपसमितिओ अदरना के बहारना योग्य विद्वानोमाथा नीमी शकशे.*

---

(३) जुदी जुदी समितिओए कार्य पद्धतिना अने पोताना क्षेत्रमां करेला नियमो

कार्यपद्धतिना सामान्य नियमो

१ कुलनायक विद्यापीठनी दरेक समितिमा मत्तानी रुए सभ्य गणाशे

२ कुलनायक ए दरेक समितिनी बेठकमा प्रमुख तरीके काम करशे एमनी गेरहाजरीमा समिति पोतानो प्रमुख चुटी लेशे

३ महामात्र दरेक समितिनो सामान्य मत्रा लेखाशे जो कोई समितिनो खास मत्रा नामवामा आव्यो होय तो ते महामात्रनी सामान्य देखरख नीचे पोतानु कार्य करशे पण महामात्र अथवा तेवा मत्रीना अधिकार धरावनार पुरपना ते समितिना सभ्य तरीके नामथी निमणुक करवामा आवी न होय तो ते ए समितिना विचार–निर्णयमा भाग लई शकशे नहि

४ जे समिति माटे कार्यसाधक सख्या ठरावबामा आवी न होय तेवी समितिना सभ्योनी चतुर्थांश सख्या कार्यसाधक गणाशे.†

५ गूजरात विद्यापीठनी नियामक सभानी के बीजा समितिओनी बेठकमा हाजरी आपवा आवता बहारना सभ्योने आववा जवानु त्रीजा वर्गनु गाडीभाडु अने बीजु मुसाफरीने अगे थयेलु परचुरण खर्च मागे तेने आपवानु ठरावबामा आवे छे §

नियामक सभानी कार्य पद्धतिना नियमो

(स १९७६ ७७नी पाचमी नियामक सभानु कार्य १ छ तथा सवत १९७८नी पहेली नियामक सभाना ९ मा कार्य प्रमाणे सुधारा सहित)

---

* स १९७६-७७नी छट्ठी नियामक सभानु कार्य १ छ. मिति मागसर सुद १२/७७

† स १९७ –७७ ना पाचमी नियामक सभानु कार्य – जु मिति कारतक वद १० स १९७७

§ १९७८–७७ ना आठमा नियामक सभानु काय – मु–मित पोष वद ३/७७

साधारण बेठको

१ नियामक सभा साधारण रीते वर्षमां चार वखत नीचे मुजब मळशे.

१ जुनना अंतमां २ सप्टेंबरना अंतमां

३ नवेंबरना अंतमां ४ फेब्रुआरीनी शरुआतमां

असाधारण बेठको

२ सभानी असाधारण बेठक कुलनायक पोते बोलावी शकशे.

३ वधी पंदर नियामकोनी ऐवी मांगणी आव्याथी कुलनायक नियामक सभाने बोलावी शकशे.

बेठकनी खबर अने कार्य निर्देश

४ नियामक सभा मळवाना ओछामां ओछा एक अठवाडीआ अगाउ महामात्र दरेक नियामकने ते सभामां रजु करवाना दरेक कामनो निर्देश करशे. निर्देशपत्र मळ्वा संबंधी अनियमिततानो वांधो ते अथवा त्यार पछीनी नियामक सभामां रजु करी शकाशे, पण त्यार सुधीमां वांधो न रजु थया होय, तो ते नियामक सभामां थयेलु कार्य योग्य रीते थयेलु मनाशे.

अनिर्दिष्ट कार्य

५ उपर प्रमाणे निर्देश कर्या सिवायनी कोइ हकीकत महामात्र प्रमुखनी संमतिथी रजु करी शकशे, पण आवी रीते पसार करेला कोइ पण ठराव सामे कोइ नियामकने वांधो होय, तो त्यार पछीनी बीजी ज नियामक सभामां ते विषे सुधारो लावी शकशे.

प्रमुखपद

६ कुलपति, तेनी गेरहाजरीमां कुलनायक, अने तेनी गेरहाजरीमां सभाए पसंद करेलो कोई पण नियामक, नियामक सभानु प्रमुख पद लेशे.

कार्यसाधक संख्या

७ चार नियामकोनी हाजरी कार्यसाधक (quorum) गणाशे, पण कार्यसाधक संख्याने अभावे मुलतवी रहेली सभामा गमे तेटली हाजरीए पण कार्य थइ शकशे. मुलतवी रहेली सभानी खबर एक दिवस अगाउ मळे तो पुरती गणाशे.

दरखास्तो

८ कोइ पण दरखास्त लावनार नियामके सभामां थनारा कार्यक्रमनी खबर साथे ए दरखास्तनी खबर आपी शकाय एवी रीते महामात्रने आगळथी जणाववु जोइशे. कार्यक्रममां न जणावेला विषय उपर महामात्र सिवाय बीजा कोइथी दरखास्त लावी शकाशे नहि.

९ नीचेनी बाबतनो निर्णय प्रमुख आपी शकशे.

प्रमुखनी सत्ता

(१) कार्यक्रममां जेनो निर्देश थयो न होय, तेवी कोइ बाबत महामात्र रजु करे ते विषे.

(२) कार्यवाहीनी नियमितता संबंधीना वांधाओ विषे (points of order)

(३) मत लेवानी पद्धति विषे

(४) नियामकोने बोलवाना हक तथा क्रम विषे

(५) सामान्यतः नियामक सभानु कार्य बराबर चाले ते समजवा माटे.

१० दरेक नियामक, सभामां आवतां ज एक ठरावेला पुस्तकमां पोतानी सही अने आववानो वखत नोंधशे. जे क्रममां सही थई हशे, ते क्रममां नियामको आवेला गणाशे.

नियामकोनी फरज

११ बनतां सुधी दरेक नियामके 'गूजराती अगर हिंदुस्तानीमां' ज व्यवहार चलाववो. महामात्रे कागळो गूजरातीमां ज रजु करवा.*

सभानुं भाषावाहन

१२ नियामक सभा जे कोइ बाबत उपर एक वरात निर्णय उपर आवी होय, ते बाबत उपर त्रण मास पहेलां फरीथी विचार नहि करे, सिवाय के ते बाबत हाथ धरवाने माटे नियामक सभाना अर्ध उपरांत सभ्योनी ते माटे अरजी आवे.§

चांचल्यनिषेध

कुमार अने विनय मंदिर समितिना नियमो

१. रजा आपवानी सत्ता—विद्यापीठना कुमार अने विनय मंदिरना आचार्यो तथा निरीक्षकोने जोईती २० दिवस सुधीनी आवश्यक रजाओनी अरजीओनो नीकाल करवानी प्रमुखने सत्ता आपवामां आवे छे, अने मददनीश शिक्षकोने एवी रजा आपवानी सत्ता ते ते मंदिरना आचार्यने आपवामां आवे छे.

२. मंदिरोमां शिक्षकोनी नीमणुंक—विद्यापीठना मंदिरोमां मासिक रु. ३० सुधीना पगारना शिक्षको वगेरेनी नीमणुंक करवानी सत्ता प्रमुखने आपवामां आवे छे. तेवी नीमणुंक थये तेनी नोंध समितिनी बेठकमां लेवी.+

विद्यानिधि मंडळ

विद्यानिधिनी गेरहाजरी माटे नियम—

विद्यानिधि मंडळनी कोई बेठकमां कोई विद्यानिधिने हाजरी आपवी अशक्य होय तो ते बेठक माटे ते पोतानो विद्यासमितिना कोई बेत्ताने विद्यानिधि तरीके नीमी शके.†

पुस्तक समितिना नियमो

परिपत्रथी कार्यनी उकेल—

(१) जे विषय माटे महामात्रने एम लागे के पत्रथी अभिप्राय मांगी शकाय, ते माटे समितिने बोलाववाने बदले अठवाडीआनी मुदत ठरावी परिपत्र (सरक्युलर)थी सभ्योना अभिप्राय मांगी ले.

(२) ठरावेल मुदतमां ओछामां ओछा त्रण अभिप्रायो आवे अने ते सर्वे एक सरखा होय तो ते प्रमाणे समितिए ठराव कर्यो छे एम समजी ए प्रमाणेनो ठराव

* सं. १९७६–७७/११ नि. स. कार्य १२ मु. मिति फागण वद ३/७७

§ १९७८–७९ १ नि. स. १० का. मु. १३/७८

+सं. १९७८–७९/११ कु. वि. मं. समिति कार्य १० मुं. मिति चैत्र वद १४/७९

† सं. १९७९नी नियामक सभानी त्रीजी बेठक कार्य १० मुं मिति आसो सुद १२/७९

अहेवालना पुस्तकमां उतारो लई, ते उपर कुलनायकनी मंजुरी लई ते मुजब महामात्र अमल करे.

(३) जो अभिप्रायोमा मतभेद होय, अथवा चर्चानी मागणी करवामां आवी होय, के तेनी जरूर लागी आवे तो समितिनी सभा बोलाववामां आवे.§

(४) जे विषय माटे परिपत्र फेरववामां आव्यु होय तेज विषय माटे समितिनी बेठक भरवी पडे तो ए बेठकमां कार्यसाधक सभ्या जरूरी न गणवी.*

अवलोकनार्थे फेरवेलां पुस्तको इ० ना अभिप्राय संबंधी नियमो—

१ अन्यत्र प्रकाशित पुस्तकने, सो पाने त्रण दिवस लेखे वांचवा राखी शकाय. ए मुदतमा लेखी अभिप्राय साथे पाछु आपवु जोइए

२ नीचेनी कोइपण एक रीते अभिप्राय आपवो—

"पाठ्य पुस्तक तरीके ——— धोरणो माटे भलामण"

"बाळकोना / सामान्य पुस्तकालयमा राखवा / न राखवा जेवु"

"शिक्षकोने उपयोगी"

"— ——— ने उपयोगी, पण नीचेनो भाग काटी नाखवामां आवे तो".

(भाग स्पष्टपणे जणाववो)

"ना पसंद"

३ लेखकने प्रकाशकने कांइ सूचना अथवा पुस्तक विषे कांइ सामान्य टीका करवानी इच्छा होय, तो एणे ते साथे जुदी लखी मोकलवी

४ विद्यापीठ द्वारा प्रसिद्ध कराववा माटे आवेल हस्तलेखके छेल्लु प्रूफ सो पाने पांच दिवस लेखे वाचवा राखी शकाय (ए विषे अभिप्राय आपवा माटे सभ्ये योग्य लागे ते भाषा वापरवी)

दाताओने आपवानी भेट संबंधी नियम—

पहेला वर्गना दाताओने सर्व पुस्तको, बीजा वर्गना दाताओने रु १) नी किंमत सुधीनां पुस्तको अने त्रीजा वर्गना तथा पहेला बे वर्गना दाताओने विद्यापीठना निवेदनो वगेरे भेट मोकलवा ×

विद्यापीठना मुख्य आडतीआ—

बाळगोविंद कुबेरदासनी कु ने विद्यापीठनां पुस्तको वेचवा माटे मुख्य आडतीआ नीमवामा आवे छे †

---

§ स. १९७८–७९ नी ८ मी पुस्तक समितिनु कार्य ५ मु मिति चैत्र वद १/७९

* स १९७९ नी पुस्तक समितिनी पदरमी बेठक ठराव २ मिति आसो वद १/७९

× स १९८०/२ पु स ठराव ६ पोष वद ९

† स १९७९ नी पुस्तक समितिनी नवमी बेठकनु कार्य १ मिति द्वि जेठ सुद ३/७९.

विद्यापीठनी नीति संबंधी ठरावो

१ कांतण काम उपर भार—

आ नियामक सभानो एवो ठराव छे के राष्ट्रीय महासभाना असहकार उपरना ठरावने मान आपवाने खातर अने एक वर्षनी अंदर स्वराज्य मेळववाना प्रयत्नमा साहाय्य आपवान खातर गूजरात विद्यापीठे मान्य करेली बधी शाळामा व्यवस्थापको, अध्यापको वगेरेए विद्यार्थीओने कांतवानु शिक्षण आपवु, अने स्वदेशीनो प्रचार पूरा वेगथी थाय तेने सारु अने देशमा सूतरनी जबरदस्त तूटी छे तेनी पूर्ति करवा सारु जे जे विद्यार्थीओ तैयार थाय तेओनी पासे सूतर उत्पन्न कराववु, अने आम करता वखतनो भोग आपवो पडे ते भोग आपवा शिक्षकोए विद्यार्थीओने समजपूर्वक तैयार करवा, अने ए अभिप्रायनो अमल करवा माटे जे व्यवहारु पगला भरवां जरुरी लागे ते प्रत्येक मंदिरोने लेवा आ सभा भलामण करे छे †

२ हिंदुस्तानी उपर भार—

आ सभानो एवो अभिप्राय छे के राष्ट्रीय शिक्षणमा हिंदुस्तानीना ज्ञाननी खामी अत्यंत जणाय छे, ते दूर करवाने सारु विद्यार्थीओने हिंदुस्तानी जल्दी शीखववानो प्रयत्न विद्यापीठने लगती शाळाओए करवो घटे छे, के जेथी नवी शिक्षण पद्धति दाखल करवामा विद्यापीठने अनुकूलता मळे †

३ *पुरातत्त्व मंदिर अने महाविद्यालय—

(१) गूजरात पुरातत्त्व मंदिर अने गूजरात महाविद्यालय बन्ने सस्थाओ एकज उद्देश वाळी एकबीजाने सहाय करनारी सस्थाओ छे, अने तेथी ए बन्ने वच्चे सहकार होवो जोइए

खुलासो—आ विधाननो इरादो नियामक सभाए स १९७७ ना मागसर सुद १० नी बेठकमा, पुरातत्त्व मंदिरनी योजना मंजुर करती वखते जे सात उद्देशो नक्की करी आप्या छे, तेमा फेरफार करवानो नथी, पण विद्यानी वृद्धि (advancement of learning) ए बन्ने सस्थाओनो एक परम उद्देश छे, ए कहेवानो ज छे

(२) पुरातत्त्व मंदिरनी अन्तर्गत व्यवस्था माटे नीचे प्रमाणे सगवड जोइए—

क—(१) पुरातत्त्व मंदिरना पुस्तकालयनी पूर्ण व्यवस्था एमनी प्रबंध समितिना हाथमा रहे एटले पुस्तको खरीदवा, बहार काढवा-न काढवा, अने पुस्तकोनी व्यवस्था राखवी (लाइब्रेरियननी फरजो) प्रबंध समितिना निर्णय प्रमाणे थाय, पण पुस्तको नकामा बेवडाय नहि तेटला माटे बन्ने सस्थाओए पुस्तको खरीदता पहेला ते पुस्तको बीजा पुस्तकालयमा छे के नहि तेनी परस्पर तपास करवी

(२) पुस्तकोनु अंदाजपत्र पुरातत्त्वमंदिर तरफथी सूचववामा आवे, अने कार्यवाहक सभा ते उपर विचार करी भलामण करे, अने नियामक सभा भलामणनो विचार करी रकम नक्की करे

---

† स १९७६-७७ नी सातमी नियामक सभानु पोष सुद ५/७७ नु कार्य १

* स १९७९ नी कार्यवाहक सभानी बावीसमी बेठकनु ६ ठु कार्य मिति आसो वद ९/७९

ग—महाविद्यालयना शिक्षण माटे पुरातत्त्व मंदिरना अध्यापकोए मदद करवी जोईए, ए नियामक सभानो ठराव ध्यानमां लई पुरातत्त्व मंदिरना आचार्य मारफते महाविद्यालयना आचार्य ए विषे गोठवण करे

ग—पुरातत्त्व मंदिरमां संशोधन, स्वाध्याय इत्यादि कामना योजना पुरातत्त्व मंदिरनी प्रबंध समिति नक्की करे, अने तेनी नोंध नियामक सभा पासे वखतोवखत करावे

घ—पुस्तकोना प्रकाशन संबंधी निर्णय प्रबंध समिति करे ए पुस्तको विद्यापीठनी पुरातत्त्व मंदिर ग्रन्थावली रूपे प्रसिद्ध थाय एना प्रूफ वगेरेना संशोधन माटे प्रबंध समितिना मंत्री जवाबदार गणाय, पुस्तकोनी नकलना संख्या, भेट वगेर आपवाना नियमो विषे प्रबंध समिति निर्णय करे, पण एने छपाववा करवानी व्यवस्था विद्यापीठ कार्यालय द्वारा थाय

च—पुरातत्त्व मंदिरना अध्यापकोने पुस्तकालयमां बेसीने शांतपणे ज्यारे गमे त्यारे कार्य करवानी सगवड जोईए

(३) महाविद्यालय पुस्तकालय अने पुरातत्त्व मंदिर पुस्तकालयनी व्यवस्था हालमां भिन्न राखवी ज योग्य छे पण बन्ने पुस्तकालयो भिन्न छतां एक ज मकानमां गोठवाय ए इष्ट छे, एटले आ प्रश्न केवळ योग्य मकान मळवा उपर रहे छे

४ वेतनो—

विद्यापीठना सेवको विषे वेतन विचारिणी समितिना निवेदनने विचारी नीचे मुजब कार्यवाहक सभाए ठराव कर्यो छे —§

(क) विद्यापीठना जवाबदार सेवकोना वेतनो विषे नीचे प्रमाणे धोरण स्वीकारवामां आवे छे, अने भविष्यमां थनारी दरेक नीमणुक समये नीमावा इच्छता सेवकोने ए धोरणनी जाण छे एम मानवामां आवशे

खुलासो—जवाबदार सेवकोमां नीचना प्रकारना सेवकोनो समावेश करवो कुलनायक, महामात्र, गूजरात महाविद्यालयना आचार्य अने अध्यापकों, पुरातत्त्वमंदिरना आचार्य अने अध्यापको तथा सामान्यत जेमने कार्यवाहक सभा जवाबदार सेवकनी श्रेणामां मूकवा ठरावे ते

(१) विद्यापीठमां कोईने पोतानी आर्थिक स्थिति सुधारवाने माटे क्षेत्र नथी

(२) विद्यापीठ एवी आशा राखे छे के दरेक सेवक पोताना सशक्त आयुष्यनो मोटो भाग पोतानी शक्ति प्रमाणे गूजरातनी प्रजानी सेवा करवानी वृत्तिथी प्रेराईने आवेलो छे, अने ए सेवा करवाने माटे एने निश्चितता मळे तथा एनी शक्ति जळवाई रहे तेटला माटे ज एने विद्यापीठमांथी जरुर होय त्यारे अने तेटली निवाहवृत्ति स्वीकारवानी फरज पडे छे आथी विद्यापीठना सेवकोने आर्थिक नुकसान सहन करवु पडे ए स्वाभाविक गणाय

---

§ स १९७९ नी कार्यवाहक सभानी बावीसमी बेठकनु ५ मु कार्य मिति आसो वद ९/७९.

(३) सेवकोनी प्रतिष्ठा के कदर करवामां तेमना पगारनो कशो संबंध नथी ए विद्यापीठनो एक सिद्धान्त छे

(४) आथी करीने दरेक सेवक जोडाय त्यारे पोतानी बधाइ गयेली रहेणीनी टेवो, कौटुंबिक परिस्थिति अने अनिवार्यपणे देखाता प्रसंगोने लीधे जे जरूरीआतो पोते ओछी करी शके एम न होय तेने तथा तेने पहोंची वळवानां बीजां साधनो होय तेने ध्यानमां लइ जे पगार ठराववो ते तेमां कदी वधारो थवानी एणे आशा राखवी न जोइए

(५) ज्यां एवी रीते पगार ठरावती वखते शरूआतमां गणत्रीमां कांइक भूल थई हती एम मालम पडे, त्यारे ज एवाद प्रसंग एवो संभवित गणाय के जेमां पगारमां वधारो करवानी मागणी करी शकाय. गणत्रीमां एथी उलटी भूल थई होय तो पगार घटाडवानी मागणी पण आवे, अने विद्यापीठ एवी आशा राखे के कोइ पण सेवक एम करवामां संकोच न माने.

(६) विद्यापीठ सामान्य रीते कोईने एवो पगार न आपी शके के जे सामान्य रीते एने अदा करवानी फरजो माटे मळता पगारथी वधारे पडतो होय, उलटुं विद्यापीठ एने बहार मळी शके तेना करतां ओछा पगारे एनी सेवा मेळववा उमेद राखे. बधा सेवकोना पगारो ...रखा करवानुं धोरण विद्यापीठ राखी शके एम नथी.

(७) भविष्यमां नीमवाना जवाबदार सेवको माटे सामान्यतः मासिक रू. १००) नो पगार पूरतो गणाशे, अने हालना के भविष्यना कोइ पण सेवकनो पगार मासिक रू २००)थी वधु राखवामां आवशे नहि.

अपवाद—श्री. धर्मानंद कोसम्बीनी नीमणूक अपवाद रूप गणवामां आवे

(८) पगार ठराववामां सेवकने प्रामाणिकपणे बीजी रीते उपजती अथवा उपजी शके एवी आवकनो ख्याल करवामां आवे अने तेने माटे योग्य परवानगी तेमज ते उपर अंकुश विद्यापीठ मूकी शकशे.

(९) विद्यापीठ कोइ पण सेवकने एक मास पहेलां खबर आपी छूटा करी शके

(ख) आ सिवायना बीजा दफतरखातांओना, कुमारमंदिरना अने बीजा सेवको विषे नीचे प्रमाणे धोरण राखवामां आवे छे—

१ उपर जणावेला नियम १ थी ५ ने ए स्वीकारे एवो प्रयत्न करवामां आवे, पण ए स्वीकार्या छे एम मानी लेवामां न आवे

२ एने अदा करवानी फरज माटे जगद्दृष्टि अने एनी लायकात करतां वधारे पगार ठराववामां न आवे.

३. कोई पण सेवकने राख्या बाद छ महिना पहेलां पगारमां वधारो करवामां न आवे.

४. वर्षमां एकथी वधारे वखत पगारमां वधारो करवामां न आवे

५ एकी सामटो मासिक रू. ५ थी वधारे वधारो करवामां न आवे.

६. पगारनी आखरी हद दरेक सेवक माटे एनी लायकात मुजब जुदी जुदी होइ शके. तेमां एणे करेली सेवानी मुदत विचारवा जेवी एक बाबत गणाय, पण ए निर्णयकारी बाबत न गणाय. ए आखरी हद नीमणुक वखते अथवा भविष्यमां कोइ पण समये ठरावी शकाय

७. छ महिना बाद अथवा वर्षमां एक वार पगार वधवो ज जोइए एम हक न गणाय.

(ग) नवी गूजराती शाळाना शिक्षकोनां वेतनो विषे नीचे मुजब धोरण राखवामा आव्यु छे —

(१) सिनियर ट्रेन्ड—४५—२॥—६०—१—७०—मासिक
बीजु वर्ष पास—३०—३—४०—१—६०— ,,
पहेलु वर्ष पास अथवा अध्यापन मंदिरमा पास—३०—३—४५—१—५०

(२) गदरहु शिक्षकोने अनुक्रमे रु ६०, ५० अने ४५ नु वेतन मळतु थाय त्या सुधी एक कलाक खानगी शिक्षण आपवानी छूट आपवामा आवशे उपलो पगार मळतो थाय त्यारे शिक्षकोए खानगी शिक्षण बंध करवु पडशे §

सेवको माटे नियमो

१. सेवकोनी बीजी प्रवृत्ति—

विद्यापीठना सेवकोए पोताना विद्यापीठना साधारण काममा विक्षेप थाय एवी कोई पण बीजी प्रवृत्ति उपाडया पहेला कार्यवाहक सभानी परवानगी मेळववी जोईए *

२. संचालकोनुं महेनताणुं—

(परीक्षाना) नियामको तथा संचालकोने महेनताणु आपवानी पद्धति न वेगळवी ए आ सभाने इष्ट लागे छे, परीक्षाओनु कार्य उकेलवामा गूजरात महाविद्यालयना अध्यापकोए सहाय आपवानी सभा फरज गमन छे ते उपरात जेटला नियामको-संचालकोनी जरुर जणाय तेटला स्वयंसेवको-विद्यार्थीओ, मित्रो तथा मान्य मंदिरोमाथी मेळववा प्रयत्न करवामा आवे †

३. निरीक्षकनी नोंध—

विद्यापीठना निरीक्षको दर अठवाडीए पोताना कामनी नित्यनोंध शाळा समिति उपर मोकलावे, अने ते समितिना सभ्योने जोवा माटे प्रातिक समिति कार्यालय जेवा मध्यस्थ अने अनुकूळ स्थळे राखवामा आवे अथवा सभ्योमा फेरववामा आवे ×

४. नीमणुंको करवा संबंधी नियमो-रू. ३०) उपरनी नीमणुंक—

सर्वे खाताओमा मासिक रु ३०) के तेथी ओछा पगारनी नीमणुको ते खाताना अधिकारी करी शके, पण ते नीमणुकनी कार्यवाहक सभामा नोंध लेवडावी जोईए ते उपरनी सर्वे नीमणुको कार्यवाहक सभाना मंजुरी लईने पछीज करवी +

---

§ स १९८०/८ नु बि. म स ठराव ५३-आषाड व. १०

*स १९८०नी कार्यवाहक सभानी त्रीजा बेठकनु कार्य १ लु ठराव ४ मिति पोष सुद १५/८०

† स १९७९ नी १५ मी का वा सभानु कार्य १३ मु मिति चैत्र वद ९/७९

× स १९७८–७९ नी छठ्ठी नियामक सभानु कार्य १२ मु मिति आसो वदी २/७८

+स १९७९ नी कार्यवाहक सभानी १८ मी बेठकनु कार्य ४ थु ठराव १ मिति श्रावण वद १/७९

५. रजाना नियमो—

(क) महाविद्यालयना अध्यापको माटे

१ कोइ पण रजा मेळववानो हक मनाशे नहि.

२ वर्षमां १० दिवस सुधी आवश्यक कारणोने माटे रजा आपवानो अधिकार आचार्यने आपवामां आवे छे. सदरहु रजा गेरहाजर रह्या पहेलां मेळववी जोईए. अने ते एक साथे छ दिवसथी वधु अथवा तहेवारोनी लांबी रजाना अनुसधानमां भोगवी शकाशे नहि.

३ खास कारणो माटे कार्यवाहक सभानी पहेलेथी मजुरी मेळवी एक वर्षे एक मासनी अर्धे पगारे रजा भोगवी शकाशे.

४ उपरना नियमोनो भग करी राखेली गेरहाजरीनी संपूर्ण मुदतनो (एटले तहेवारोना दिवसो सुद्धांनो) पगार कापी लेवामां आवशे.+

(ख) पुरातत्त्व मंदिर माटे

महाविद्यालयमां मोटी रजाओ चालती होय त्यारे मदिरना अध्यापको तथा मन्त्रीओ परस्पर समतिथी रजा लई शकशे.×

बाकीना अधिकारीओने मदिरना वहीवटने बांधो न आवे ए रीते उनाळामां एक मास सुधीनी रजा आपवानी मन्त्री गोठवण करी शके.*

(ग) विद्यापीठ द्वारा चालतां मंदिरो माटे

१ विक्रम वर्षमा बे सत्रान्त रजाओ तथा तहेवारो उपरांत वधारेमां वधारे २० दिवसनी आवश्यक कारणो सारु रजा मळी शके

२. ए आवश्यक रजा एकी वखते एक अठवाडीयाथी वधु न होय. रजा दरमियान साप्ताहिक छुट्टीनो दिवस न आवतो होय, तो ते मुदतथी जुदो गणाय.

३. आवश्यक रजा सत्रनी तथा तहेवारोनी रजाओना अनुसधानमा न मळी शके.

४ आवश्यक रजाओ मेळववानो सेवकोनो अधिकार ज छे एम न गणाय.

५. पहेलेथी रजा मेळववी अशक्य अथवा लगभग अशक्य होय ते सिवाय बीजा प्रसगोमां सेवक रजा पहेलां मेळवी पछी ज गेरहाजर रही शके. जे प्रसगोमां एम न बन्युं होय ते वखते एमणे गेरहाजरीनी तुर्त ज खबर आपवी जोईए.

६. मांदगी के बीजा कोई अति आवश्यक कारणोने लीधे आवश्यक रजा करतां वधु रजानी कोई सेवकने जरुर पडे तो एक वर्ष सुधी नोकरी करेल सेवकने अर्धे पगारे एक महीना सुधीनी, अने कपाते पगारे वधारे मुदतनी रजा मळी शकशे. ए करतां ओछी नोकरी बजावेल सेवकने एवी रजा मळी शकशे नहि. आवी रजा मांगवा माटे दर्शावेलां कारणोनी योग्यायोग्यतानो निर्णय रजा आपनार अधिकारी करशे.

+ सवत् १९७९ नी कार्यवाहक सभानी १६ मी बेठक. कार्य १८ मु मिति श्रावण सुद १०/७९

× गू पु प्रवध समिति २ जो ठराव मिति श्रावण सुद ५/७९.

* गू. पु. प्रवध समिति २ जो ठराव. मिति महा वद २/७९

७. योग्य कारणोने लीधे खास प्रसगोमां मांदगीनी रजा विषेना नियमोमां आ (कुमार अने विनयमंदिर) समिति फेरफार करी शकशे †

(घ) दफतरी काम करता सेवको माटे रजाना नियमो

१-(क) विद्यापीठना जे ते सस्थामा पळाती तहेवारनी रजाओ अने अठवाडीक रजा उपरात दफतरी काम करता दरेक सेवकने पूरी पगारे के छूटक छूटक वर्षमा एकदरे एक मासनी नटले पगारे 'हक्नी रजा मळशे' ते रजानो समय दरेक सेवक माटे दरेक सस्थाना अधिकारीए कामनी अनुकूळता प्रमाणे नक्की करवो

(ख) महाविद्यालयना कारकुनोने वर्षमा एकदरे आपवानी हक्ना रजानी मुदत नक्की करवानी सत्ता आचार्यश्रीने आपवामा आवे छे

२ हक्नी रजा उपरांत आवश्यक प्रसगमां दरेक सेवकने वर्षमां वधारेमा वधारे २० दिवसना 'आवश्यक रजा' मळी शक्शे, पण त भोगववानो कोईनो हक नहि गणाय एटली साथे सामान्य रीते एक अठवाडीआ करता वधारे 'आवश्यक रजा' काईने आपवामा नहि आवे, तेम ते लावी रजाओना सधाणमा खास अनिवार्य सजोगो सिवाय काईने मळी शक्शे नहि आ रजाओ आपवानो अधिकार पण दरेक सस्थाना अधिकारीने आपवामां आवे छे.

३ रजा दरम्यान अठवाडीक रजानो दिवस न आवतो होय तो ते ए मुदतथी जुदो गणाशे.

४ दरेक सेवक सामान्य रीते पहेला रजा मेळवी पछी ज गेरहाजर रही शक्शे खास अडचणने लीधे तेम न थई शक्यु होय त वखते तूर्त ज गेरहाजरीनी खबर आपी रजा मेळवी लेवी जोईए.

५ मांदगी के बीजा अति आवश्यक कारणोने लीधे आवश्यक रजा करता वधारे रजा नी कोईने जरूर पडे तो ते सबधी अरजानो निर्णय कार्यवाहक सभा करशे

६ उपरना नियमोनो भग करी राखेली गेरहाजरीनी मुदतनो पगार कापी लेवामा आवशे.*

गूजरात पुरातत्त्व मंदिर

१. गूजरात पुरातत्त्व मंदिरनी योजना—

(छठ्ठी नियामक सभाए स १९७७ ना मागसर सुद १२ ने दिवसे मजूर करेली)

नाम १ आ सस्थानु नाम 'गूजरात पुरातत्त्व मंदिर' एवु राखवामा आवे छे

उद्देशो २ (१) साधारण रीते तो आखा हिंदुस्थानना अने खास करीने गूजरातना प्राचीन इतिहास, साहित्य, स्थापत्य, भाषा, कळा, विज्ञान, धर्म, समाज अने तत्त्वज्ञान वगेरे विषयोनी शोधखोळ करवी अने तेना परिणामो प्रकाशित करवा

† स. १९७८–७९ नी कु वि म नी १० मी बेठकनु कार्य ५ मु–माघ व ३–७९
*कार्यवाहक सभा ठराव ९६/८०

(२) हिंदुस्थानना प्राचीन इतिहास, साहित्य अने दर्शनशास्त्रोनु, तेमज संस्कृत, प्राकृत अने पाली आदि भाषाओनु शास्त्रीय अने तुलनात्मक पद्धतिए शिक्षण आपवु

(३) शोधखोळना विषयमा रस लेनारा शोधकोना उपयोग माटे एक सारामा सारु पुस्तकालय बनाववु, जेनी अदर प्राच्य विद्याने लगतु आज सुधीमा प्रकट थयेलु समग्र साहित्य संग्रहित करवामा आवे

(४) संस्कृत, प्राकृत, पाली, अपभ्रंश, अने जुनी गूजराती, फारसी, अरबी, आदि भाषाओमा लखायेला अलभ्य-दुर्लभ ग्रन्थोने नवीन पद्धतिए संशोधित-मुद्रित करी प्रकट करवा-करावंवा

(५) देश अने विदेशनी जुदी जुदी भाषाओमा लखायेला पुरातत्त्व विषयक साहित्यने गूजराती भाषामा उतारवु

(६) शोधखोळ विषयना अभ्यासीओने तेमना अभ्यासकार्यमा दरेक प्रकारना साहित्य संबंधी सहायता आपवी

२ पुस्तकोनी भेटना नियमो

प्रबंध समितिना सभ्योने अभिप्राय अर्थे पुरातत्त्व मंदिर तरफथी प्रसिद्ध थता पुस्तकोनी एकेक नकल आपवी सभ्योमाथी कोई पोते ज ग्रंथकार होय तो ग्रंथकार तरीके तेने चोपडीओ मळती होवाथी एने सभ्य तरीके प्रत न आपवी

टीप —पुरातत्त्व मंदिर तरफथी प्रसिद्ध थतां पुस्तको अवलोकनार्थे मासिकोने मोकलवामा आवे छे *

३ 'पुरातत्त्व' संबंधी नियम

त्रैमासिक कॉम्पलीमेन्टरी लिस्टमा प्रबन्ध समितिना सभ्योना नाम राखवा, एवी मान्यतार्थे प्रबन्ध समितिना सभ्यो त्रैमासिकमा हमेशा लखता रहेशे

टीप —पुरातत्त्व त्रैमासिकनी एक नकल दरेक लेखकने आपवामा आवे छे अने लेखकना कहेवाथी तेना पोताना लेखना वधारेमा वधारे पचास नकल योग्य लागे तो काढी आपवामां आवे छे लेखक पोते जो प्रबंध समितिनो सभ्य होय तो पण तेने ते अंकनी एक नकल आपवामा आवे छे †

४. पुस्तकोनुं संपादन

पुरातत्त्व मंदिर तरफथी जे पुस्तको तैयार करवामा, संपादन करवामा अथवा प्रसिद्ध करवामा आवे ते विषे दरेक वखते नीचे प्रमाणे व्यवस्था करवी

---

* गू पु प्र समितिनो ठराव ५ मो, मिति आसो वद १०/७८

† गू पु प्रबंध समिति ठराव ६ ठो, मिति आसो वद १०/७८

क—ग्रन्थ-लेखक अथवा-संपादक थया पछी एवा अने वडे रीते चोपडी तैयार करवा मागे छे, अथवा तेने तैयार करवी जोइए, अने तेने माटे एने कई कई सगवड जोइए अने केटलो वखत आपवो तेना तथा रोकडी वगेरे ए विषयनी योजना प्रबंध समिति प्रथम मंजुर करे

ख—आ रीते चोपडी अथवा तेनो प्रथम भाग करेलो गद्द तैयार थया पछी अथवा लगभग तैयार थवा आवे एटले प्रबंध समिति फरी मळी ते ग्रन्थनु प्रकाशन कई रीते करवु अने तेना खर्चने माटे शी सगवड करवी ते विषे ठराव करे.

ग—छापवा माटे चोपडी बराबर तैयार थया पछी ज ते छापवा माटे आपवामा आवे

घ—आ प्रणाली प्रमाणे काम करता जो चोपडी छपाता दरम्यान अमुक जातना फेरफारो अथवा सुधारा वधारा करवानी जरूर ज जणाय तो ते प्रमाणे छूट आपवाना सत्ता आचार्यश्रीने रहेशे मात्र तेम करवाना कारणो आचार्यश्री त्याने प्रबंध समिति आगळ रजु करशे †

पदवीदान समारंभ विधि*

१ नियामको, महामात्र तथा उमेदवारोए शुद्ध खादीना पोषाकमा हाजर थवु

पोषाक

पोषाकमा मात्र धोतीउ (के पायजामो) पहेरण अने टोपी एटलु ज होय डगलो वगेरे वधारे पडतो पोषाक न होय गांधी टोपी सर्वे उमेदवारोए पहेरवी ज जोइए नियामकोए उपवीत प्रमाणे आगमानी रगनो दुपट्टो राखवो

२ उमेदवारोए एक 'स्नातक स्थविका' राखवी, पण तेनी पर रगीन पट्टानी जरूर

स्थविका अने चिह्न

नथी, पण सर्वे 'विशारद' पदवीना उमेदवारोए गुलाबी रगनु विद्यापीठनु चिह्न स्थविका उपर राखवु नियामकोए ध्यान चिह्न बतावबानी जरूर नथी

३. महामात्रने मोखरे राखी कुलपति, कुलनायको, कार्यवाहको, नियामको, अने

सरघस

उमेदवारो, ए क्रमसर वन्नेनी हारमा सरघस आवे

४ महामात्र नाचे प्रमाणे कुलपतिने सबोधन करे—

क्रियाविधि स्नातक माटे

कुलपतिजी, आ विद्यार्थीओए (विद्यार्थीना नाम वाचवा) विद्यापीठना धाराधोरण प्रमाणे तालीम लीधी छे, तथा अभ्यास पूरो कर्यो छे, अने अध्यापको तथा परीक्षकोए तेमने पोतपोताना विषयमा **'विशारद'**नी पदवीने लायक जाहेर कर्या छे, तथा आ विद्यार्थीओ हवे स्नातक थइ जीवननी फरजो अदा करवा इच्छा धरावे छे, माटे तेमने **'विशारद'**नी पदवी एनायत करवा आपने विनति करु छु

कुलपतिनी, आ विद्यार्थीओए (नाम वाचवा) **'विशारद'** पदवी माटे योग्य गणाय एटली तालीम लइ तथा अभ्यास करी राष्ट्रनी सारी रीते सेवा बजावी छे, अने

---

† गू पु प्रबंध समिति ठराव १ लो मिति माहा सुद १३–८०

* आसो सुद ५/७९ नी कार्यवाहक सभानु कार्य ३ जु

सेवार्थेपदवी लेनारा माटे — कार्यवाहक सभाए एमने पोतपोताना विषयमां 'विशारद'नी पदवी माटे लायक जाहेर कर्या छे, माटे तेमने 'विशारद'नी पदवी एनायत करवा आपने विनति करु छु

कुलपति—आ विनति सामे कोईनो विरोध छे ?

नियामको मौन राखे तो—

कुलपति—आपना मौनथी आप सर्वनी समति छे, एम हु मानु छु (उमेदवारोने)—गूजरात विद्यापीठनी प्रतिष्ठा अने गौरवनु सरक्षण अने सवर्धन थाय, अने स्वधर्माचरणथी तमारी, स्वदेशनी अने स्वभाषानी उन्नति थाय, अने आ रीते तमारु जीवन अमोघ थाय,—ए तमारा कर्तव्य प्रति तमे जाग्रत रहेशो ?

उमेदवारो—जी

कुलपति—विद्यार्थीगण, गूजरात विद्यापीठना नियामकोए आपेली समति अने सत्ताथी तथा तमे आपेला आश्वासनथी हु तमने पोतपोताना विषयमा 'विशारद'नी पदवी अर्पण करी, स्नातक थई जगतमा जई पोताना जीवननी फरजो अदा करवा अनुमति आपु छु

५. सरघस
प्रार्थना—सस्कृत तथा अरबी
कार्यक्रम महामात्रनु निवेदन
पदवीदान
कुलनायकनु व्याख्यान
कुलपतिनु व्याख्यान
राष्ट्रगीत

(ख) शाळाओ माटे नियमो

मंदिरोने मान्य करवाना नियमो×

१. गूजरात अथवा बीजा कोई भागना गूजराती लोकोना अने गूजराती भाषामा शिक्षण आपता मदिरोने आ विद्यापीठ मान्य करी शकशे

२. गूजरात विद्यापीठनी मान्यता मागतु होय त्यारे मदिरना व्यवस्थापकोए महामात्रने अरजी करवाथी मदिरना वास्तवा योग्य तपास करी तेने मान्य करवामा आवशे मान्य करती वखते नीचेनी शरतोनु पालन करवा उपर खास ध्यान आपवामा आवशे

(१) मदिरनी गाममा अगर शहेरमा जरूरीआत, विद्यार्थीओनी सख्या, गामना लोकोनो उत्साह, अने नीभाववा माटे करवामा आवती सगवड.

× स. १९७९ नी नियामक सभानी बीजी बेठकनु १४ मु कार्य. मिति अषाड सुद १/७

खुलासो—मदद माटे विनयमंदिरनां ओछामां ओछां पांच धोरण शीखववानी व्यवस्था आ मंदिरमां होवी जोइए.

बे मंदिरनो खर्च ६. सामान्य रीते एक स्थळमां बे विनयमंदिरोने विद्यापीठ मदद आपशे नहि.

खर्चना नियमो ७. नीचे जणावेला खर्चो माटे विद्यापीठ मदद करशे नहि.

(१) मंदिर अने छात्रालयने लगतां बांधकामो (२) एक औद्योगिक वर्गमां ओछामां ओछा १५ विद्यार्थी थाय ते पहेलां बीजो औद्योगिक वर्ग शरू करवानो अने निभाववानो खर्च (३) विद्यापीठने वधारे पडतां लागे एवां साहित्यो, साधनो, पुस्तको, सरसामान तथा बीजां खर्चो (४) जे विनयमंदिरमां १०० करतां ओछा विद्यार्थी होय, ते मंदिरमां वर्ग शिक्षको उपरांतना शिक्षकोना पगार.

खुलासो—उपर जणावेला कोइ खर्चो माटे खास (ear-marked) दान हशे तो ते दानमांथी मदद आपवाने आ नियम बाधक थशे नहि.

८. आ उपरांत मदद आपती वखते कोई मंदिर साथे खास शरतो करवानी विद्यापीठ छूट राखे छे.

९. मदद माटेनी अरजी आवतां विद्यापीठ घटती तपास करावी अने मंदिरना व्यवस्थापक

खास शरतो जे विगतो रजु करे ते सांभळी मददनी रकम, प्रकार अने शरतो नक्की करशे.

रकम नक्की करतां विचारवा योग्य विगतो १०. मददनी रकम नक्की करती वखते नीचेनी विगतो उपर ध्यान आपवमां आवशे.

(क) मंदिरनी गाममां अगर लत्तामां जरुरियात,

(ख) मंदिरना मकाननी हवा अजवाळा अने तदुरस्तीना नियमो प्रमाणे योग्यता;

(ग) तदुरस्तीना नियमो, कसरत, खुल्लामां रमवानी रमतो तथा विद्यार्थीओना शारीरिक विकास उपर अपातु ध्यान,

(घ) शिक्षण माटे योग्य अने पूरतां साधनोनी सामग्री;

(च) अध्यापक वर्गनी लायकात अने पगार;

(छ) मालिकनो मंदिरमांथी पोताने खाते उपाड,

(ज) कायमनु भंडोळ, जील्ला अथवा तालुका समिति तरफथी मळेली रकम;

(झ) औद्योगिक शिक्षणनी सगवड;

(ट) अत्यज विद्यार्थीओनो सख्या अने एमना प्रत्ये दर्शावयामां आवेलां वृत्ति;

(ठ) मंदिरोनां पत्रको तथा हिसाब वगेरेनी चोखवट.

मान्यताना नियमोनो स्वीकार ११. मदद मेळवतां मंदिरोए मान्य मंदिरोने पाळवाना नियमो अवश्य पाळवा जोइशे.

१२ मंदिरोए मदद माटेनी अरजी बतावेला नियमो प्रमाणे करवी अने ते उपर सलाह आपनार अमलदारोए बतावेला नमुना प्रमाणे सलाह आपवी †
अरजीनो नमुनो

(ग) विद्यापीठने मळेली भेट

पुरातत्त्व मंदिरना पुस्तकालय माटे भेट—

१ शेठ पूजाभाइ हीराचंदे लखेल पत्र मूजब श्रीमद् राजचंद्रजीना स्मरणार्थे एकठा थयेल रू ३०००० नी रकम गूजरात पुरातत्त्व मंदिरना पुस्तकालय माटे साभार स्वीकारवी अने पुस्तकालयनु नाम श्रीमद् राजचंद्र ज्ञानभंडार राखवु *

चांदीनां कास्केटो—

२ मुंबाइ श्री टिलक स्वराज फाळाना ट्रस्टीओ पासेथी भाइ ॲन्डूसने मळेलां चांदीनां आठ कास्केटोनी भेट, कास्केटोने जाळवी राखवा अने वेचवा नहि ए शरत साथे साभार स्वीकारवामां आवे छे कास्केटोने गूजरात महाविद्यालयमां राखवां.†

तिजोरीनी भेट—

३ मेसर्स गोदरेज अने बॉइसनी कं. मुंबई तरफथी एक तिजोरीनी भेट मळी छे.§

---

† पत्रनो माटे भाग ३ जुओ

* सं १९७६ ७७ नी अगीआरमी नियामक सभानु कार्य ५ मु, मिति फागण वदी ३

† स. १९७८–७९ नी नियामक सभानु कार्य ५ मु मिति श्रावण सुद १४-७८ आ कास्केटो हाल विद्यापीठ कार्यालयमां राखेला छे

§स. १९७९ नी नियामक सभानी त्रीजी बेठक महामात्रनु निवेदन. (९)

ભાગ ૨

અભ્યાસક્રમો

કુમાર મંદિરો માટે અભ્યાસક્રમ અને પાઠ્ય પુસ્તકો*

શિક્ષકોને સ્મરણ

૧. 'શિક્ષક અને શિક્ષણ'–પ્રકાશક, દક્ષિણામૂર્તિ વિદ્યાલય, ભાવનગર. એ દરેક શિક્ષકે વાંચી જવું જોઇયે

૨. ભણતર પરીક્ષા માટે નથી; પણ બાળક એ માણસ છે, અને વધારે માણસાઈ મેળવવા આવ્યો છે, એ ભૂલવું નહિ

૩. તબીયતને ભોગે કાંઈ પણ ભણાવવું નહિ.

૪. મારીને અથવા બીક બતાવીને ભણાવવું નહિ

૫. ભણતરથી જ માણસાઈ આવતી નથી. માટે મદબુદ્ધિ વિદ્યાર્થી તરફ દયાભાવ રાખવો; અને તે આપણું ભણાવ્યું ન ભણે તો ચિંતા ન રાખવી, પણ એનામાં શું ભણવાની શક્તિ છે, તે શોધી કાઢવું.

૬. વિદ્યાર્થીની નીતિ અને બુદ્ધિમા દોષ દેખાય, ત્યારે માબાપ સાથે સહકાર વધારવો; અને એમની બાળકો પ્રત્યે સહાનુભૂતિ મેળવવી.

૭ સ્વદેશીના સવાદો–સરઘસો હદ બહાર કાઢવા નહિ, પણ સ્વદેશીનો રસ એમની રગોમાં ઉતારી દેવો.

૮ ફરવા જવા માટે જરૂર સમય રાખવો.

૯. કેળવણી એ જ રાષ્ટ્રીય ચળવળ છે; માટે આપત્કાળ વિના શિક્ષકોએ મંદિર સિવાયની ચળવળોમાં હાથ ઘાલવો નહિ; પણ એ બધાથી વાકેફ રહેવું; અને વિદ્યાર્થીઓને એ વિષે સમજાવવું.

૧૦. ઉદરનિર્વાહને માટે શિક્ષક થવું નહિ; રાજકીય ચળવળના કાર્યક્રમનું કેળવણી એક પેટા–અંગ છે એમ સમજી શિક્ષક થવું નહિ; પણ બાળકો પ્રત્યેના પ્રેમથી, એમને અજ્ઞાન

* આ અભ્યાસક્રમ જુદો ચાર આનાની કિંમતે મળી શકશે. પોસ્ટેજ જુદું

मांथी ज्ञान तरफ दोरवा, एमनी माणसाई वधारवा केळवणीने धर्म समजीने ज शिक्षक थवु. अने तेथी जे मंदिरनुं सूत्र हाथमां लीधुं होय, तेने बीजां प्रलोभनोने वश थई छोडी देवुं नहि.

११. जो बाळकोमां स्वाश्रय, स्वाभिमान, नीडरता, सत्यप्रियता, अने स्वार्पणनी वृत्ति न आवे तो शिक्षण मिथ्या गयुं छे एम समजवु.

अभ्यासक्रम *

सारांश

पूर्णकुमार मंदिरनो नीचे प्रमाणे साडा आठ वर्षनो अभ्यासक्रम राख्यो छेः—

वर्ष	धोरण	वय वर्ष
पहेला छ महीना	तालीम वर्ग	५–६
१ लुं	बाळ वर्ग	६–७
२ जुं	पहेलु	७–८
३ जुं	बीजु	८–९
४ थुं	त्रीजु	९–१०
५ मुं	चोथुं	१०–११
६ ठुं	पांचमु	११–१२
७ मुं	छट्ठुं	१२–१३
८ मुं	सातमु	१३–१४

धोरण छ, सात अने आठनो अभ्यासक्रम विनयमंदिरना पहेलां त्रण धोरणने मळतो छे; पण घणा विद्यार्थीओ १३–१४ वर्षनी उमरे पोतानो अभ्यास बंध करता होवाथी विनीत परीक्षानी दृष्टिथी विनयमंदिरमां दाखल करेला केटलाक विषयो टाळीने तेने बदले ए जीवनमां प्रवेश करवा योग्य बने एवु केटलुक ज्ञान आपवानो अभ्यासक्रम घडयो छे. तोये पूर्ण कुमार मंदिरमां अभ्यास करेला विद्यार्थीने विनयमंदिरना ४ था धोरणमां प्रवेश थवामां मुश्केली नहि नडे, कारण के एने केटलाक विषय नवा लागशे, तो केटलाक उपयोगी विषयोमां ए आगळ वधेलो हशे.

विनयमंदिरना पहेला त्रण धोरणमांना टाळेला विषयोनुं अधुरुं ज्ञान, ए वय पछी अभ्यास छोडी देनार विद्यार्थीओने केवळ काळक्षेप करावनार होवाथी, मंदिरोना व्यवस्थापकोए ५ मा धोरण सुधीनुं कुमारमंदिर अने त्यार बादनु अपूर्ण विनयमंदिर करवानी लालचमां पडवु इष्ट नथी.

तालीम वर्ग—छ महीना.

विषयो—१. शारीरिक स्वच्छता. २. वस्त्रनी व्यवस्था. ३. कार्यव्यवस्थिति. ४. नियम–पालन. ५. रमत–पर्यटन. ६. वार्ता–कथन. ७. कविता–गान. ८. वाचन–प्रयोग.

* आ अभ्यासक्रम मार्गदर्शक अने सुचनारूपे छे.

१. शारीरिक स्वच्छता (दररोज ०॥ समय)

(१) दातण करता शीखवबु, (२) नख, आख, कान, नाक, वाळ, हाथ, पग, म्हों स्वच्छ राखववा (वाळ होय तो होळ्ता शीखवबु), (३) हाथ धोता अने कोगळा करता शीखवबु

सामग्री—दातण, डोल के कुंडु, लोटी, माटी, आरसी, कासकी

२. वस्त्रनी व्यवस्था (दररोज ०॥ समय)

(१) कपडा काढता अने पहेरता शीखवबु-एमा बोरीआ वाढता, नाडी बाधता शीखववानु आवी जाय, (२) (बाळक धोतीउ के ओढणी पहेरीने आवतु होय तो) धोतीआने कमर आगळ ओटी देता,-काछडी पाटली वाळ्ता, अने स्वच्छ करता-काम करतां अने बेसती वखते धोतीउ सकेलता-दोडता धोतीउ पगमा भराय नहि-वारेवारे धोतीउ छूटी न जाय-एवी व्यवस्था चलाववी, तेमज छोकरीने ओढणीनो छेडो खोसता अने पाटली वाळ्ता-छूटो छेडो जमीन पर घसडाय नहि एवी रीते समे राखता, वाळ वीखराय नहि एवी रीते माथे ओढता, दोडता छूटो छेडो पग तळे आवे नहि एवा व्यवस्था राखता शीखवबु, (३) कपडाने लगती कुटेवा दूर करवा-उदा० कपडा चाववा, कपडाथी नाक, हाथ लोवा वगेरे, (४) कपडानी साचवण, घडी करवी वगेरे, (५) (नदी के कोशनी अनुकूळ्ता होय त्या) नाना नाना कपडा धोता अने सूकवता शीखवबु

३. कार्य—व्यवस्थिति (दररोज ०॥ समय)

(१) खावापीवानी—खाता के पाणी पीतां पहेला हाथ धोता, अने लो ता-वेर्या विना चवाणु वगेरे खाता अने पीरसता-माटलामार्थी ढोळ्या विना पाणी काढता, पीता, अने खाता-खाधा पछी हाथ धोता अने कोगळा करता-शीखवबु, (२) हाथ पगनी—चालता, दोडता, वहन करता, वस्तुओ व्यवस्थित रीते शातिथी लावता, लइ जता अने मूकता-शीखवबु; (३) रीतभातनी—विनय विवेकथी बोलता, मेळावडा, भाड वगेरेमा वर्तता, त्या बेसता, त्यांथी उठता-आसन गोठवता, सकेलता, मूकता, ते उपर बेसता, अने ते उपरथी उठता-शीखवबु.

सामग्री—आसन, पाणी काढवा माटे डोयो अथवा लोटी, पीवानो प्यालो.

४. नियम-पालन (दररोज ०॥ समय)

(१) मळमूत्रना त्याग माटे, थुकवा माटे, पाणी ढोळवा माटे वगेरे जे स्थानको नक्की कर्यां होय त्या ज ते क्रियाओ करवानी टेव, (२) ते स्थानकोए क्रिया करी त्या माटी वगेरे नाखवानी टेव, (३) हाथ स्वच्छ धोवानी टेव, (४) वर्गमा नियमित आववानी टेव-पाडवी, (५) विद्यार्थीने सवारे नियमित रीते शौच माटे जवानी टेव छे के नहि ते तपासवु, अने न होय तो ए टेव पाडवी

५. रमत-पर्यटन (दररोज २ समय)

(१) **रमतो**—दोडधामनी तेमज रमवानी देशी रमतो-हारजीत माटे अति रस के विवाद विना अने घोंघाट विना रमवी

(२) **पर्यटन**—फरवा जेवां स्थानकोए फरवा जवु, त्यांनी विशेषता के खामीओ, स्वच्छता के गदकी, पशु, पक्षी, झाड, पान वगेरेने जोवां, चित्ताकर्षक वस्तुओ उपर ध्यान खेंचवु.

(३) **पर्यटनमां धंधो**—जातजातनां फूल, पान, बीज, घास, कांकरा, छीप भेगां करवां, एनी रचना तपासवी, उदा०—

एरंडाना जेवां झाडो नवां उगतां होय, त्यारे तेनां पानोनी अणीओ गणवी,

कोई जीवने दुभव्या विना एनी रचना तपासवी,

कोई झाड नीचे, डुंगरा पर, नदी किनारे, खेतरमां के देवालयमां बेसी वार्ता कहेवी, के प्रार्थना करवी, के भजन गावां.

६. **वार्ता–कथन** (पर्यटनना समयमां)

बाळ वार्ताओ कही संभळाववी. (वार्ता बाळक पासे कहेवडाववी नहि, अने वार्तानो बोध कहेवो नहि पण बाळको पोतानी मेळे ज परस्पर वातो करे अथवा कहेली वार्ता पर टीका करे तेमां रोकवानी जरूर नहि)

शिक्षकोने वांचवा योग्य पुस्तको—

'बाळ वार्ताओ' विषे व्याख्यान—श्री. गिजुभाई बधेका अने काका कालेलकर (गूजरात विद्यापीठ–कि. ०–३–०)

बाळवार्तानी खुबीओ—श्री. कालेलकर (दक्षिणामूर्तिभवन, भावनगर)

बाळवार्ता कहेनारने—श्री गिजुभाई बधेका (दक्षिणामूर्तिभवन, भावनगर)

वार्ताओ शोधवा माटे पुस्तको

इसप कथा भा. १–२ (चित्रशाळा प्रेस, पूना)

बाळवार्ताओ भा १–२–३ (दक्षिणामूर्तिभवन, भावनगर)

हितोपदेश (प. धीमतराम नवलराम)

पंचतंत्र (गूजराती प्रेस)

मूरखो (गूजराती प्रेस)

चतुरसींग (गूजराती प्रेस)

सीताहरण (नवजीवन प्रकाशन मंदिर)

बाळवार्ता (गगाशंकर वैष्णव)

अरेबियन नाइट्स

पुराणनी बाळबोधक वार्ताओ (सौ. शारदा महेता)

७. कविता-गान (पर्यटनना समयमां-अथवा एकांतरे एक समय)

चणीबोर (गूजरात विद्यापीठ)

सुंदर भेट (दक्षिणामूर्तिभवन, भावनगर)

—आमांथी बाल-वर्गमां चलाववा जेवी कविताओ गावी अने सवरामथी पण मोढे करावयानो आग्रह न राखवो.

८. वाचन-प्रयोग (एकांतरे अथवा रोज १ समय)

सहेली वार्ताओ अने जातजातनी बाळपोथीओमांथी सारी रीते वाचन करी संभळाववुं.

बाळवर्ग वर्ष १ लुं

विषयो—१. भाषा २. लेखन ३. गणित ४. सामान्यज्ञान ५. कवायद-रमत.

१. भाषा

(१) वाचन—मूळाक्षर अने बाराखडीनुं (शुद्ध उच्चारण साथे) ज्ञान; एक चोपडीनुं वाचन (एटले भलामण करेलुं कोईपण एक पुस्तक अथवा एवां वाक्यो वांचवानी शक्ति.)

वापरी शकाय एवां पाठ्य पुस्तको

नानी अने मोटी चालणगाडी (गूजरात विद्यापीठ)

सरळ बाळपोथी (नवी गूजराती शाळा, अमदावाद)

नवी पहेली चोपडी (लक्ष्मी इलेक्ट्रिक प्रेस, वडोदरा)

(२) अ-कविता—मोढे आशरे २५ लीटी तथा बीजी आशरे १०० लीटी शिक्षक साथे गावी.

पाठ्य-पुस्तको

वाचनमाळानां पुस्तकमांथी अथवा

चणीबोर (गूजरात विद्यापीठ) भाग १ मांथी पसंदगी

बाळवाडी भाग १ लो (राष्ट्रीय ग्रंथमाळा कार्यालय, सुरत)

सुंदर भेट (दक्षिणामूर्तिभवन, भावनगर)मांथी चणीबोरने धोरणे पसन्दगी

वीरपसली (वनिताविश्राम पाठशाळा, अमदावाद)मांथी ए ज धोरणे पसन्दगी

आ-ताळी साथ धून गावी

सहेली धूनो—१. राजा राम राम राम, सीता राम राम राम.
२. गोपाळ कृष्ण-राधे कृष्ण.
३. राम कृष्ण गोविंद, जय जय गोविंद,
हरे राम गोविंद, जय जय गोविंद.
४. श्री राम जय राम जय जय राम.

(**सूचना**—दरेक धून साथे जातजातनी चालनी, ताळीनी, हाथ फेरववा वगेरेनी रमतो पण रमी शकाय उदा० पहेली बीजी अने त्रीजी धूनो बन्ने छोकरा अथवा टोळीओ वच्चे बोली शकाय; बीजी धून बे विद्यार्थी सामसामा बेसी आ रीते रमी शके–' गोपाळ' बोलती वखते पोताना हाथोनी ताळी, 'कृष्ण' बोलती वखते साथेना छोकराना बे हाथ पर ताळी, 'राधे' बोलती वखते पोतानी साथळ पर ताळी, अने 'कृष्ण' बोलती वखते पाछी सामे ताळी आपवी.)

अवकाश अने आवडत होय तो—

इ-रास

(३) **चित्रवाचन**—एटले चित्र जोइ एनु वर्णन करवु, अने एनी वार्ता कहेवी. वर्णनमां आखा चित्रनो ख्याल, अवयवो, रग, स्थिति, समय, परिस्थिति वगेरे, अथवा चित्र द्वारा समजाती वार्ताओ.

साधनो—चित्रशाळा प्रेस (पुना) नां चित्रो.

प्युपिल्स पिक्चर कॉम्पोझिशन (के अने जे. कूपर, मुबइ)

हिंदी पंच (मुबाइ समाचार प्रेस, मुबइ)—नां कारटूनोनी चोपडी.

फाधर टक (Tuck) नी छींट (Calico) सिरीझनां चित्रनां पुस्तको जेवी चोपडीओ दुनीआनां पशु, पखी वगेरेना मोटा **नकशाओ.**

सचित्र पुस्तको

पुष्प, झाड, छोडवा वगेरेनां माटीनां प्लास्टरनां के लाकडानां **रमकडां** वगेरे

बालमासिको

(**सूचना**—आ विषय माटे पुस्तको के चित्रो विद्यार्थी पासे वेचातां लेवडाववानी जरुर नथी. कोई विद्यार्थीओ पासे आवा पुस्तको, चित्रो के रमकडां होय तो बीजा विद्यार्थीओने देखाडवा एने समजावी मगाववा)

(४) **वार्ता**—तालीम वर्गना अभ्यासक्रममा सूचवेली यादीमांनां पुस्तकोमांथी.

२. लेखन

(१) **शब्द लेखन**—विद्यार्थीनी मरजीमा आवे ते लखे.

(**सूचना**—विद्यार्थीनी पाटी पर चोरस खानां पडे एवी लीटीओ शिक्षके आंकी देवी, अने चोरसना बराबर अमुक भागमां ज अतरनु प्रमाण साचवी लखवानी टेव पाडवी, ए सलाह भर्यु छे चोरस अर्धा इंचनो.)

सामग्री अने अवकाश होय त्यां—

(२) **आलेखन**—अ. जुदा जुदा आकारनां नानां पाटीयां वगेरेनी आसपास कांकरो फेरवी तेवो आकार पाटी पर उठाववो, अथवा तेवा आकारनां छिद्रोवाळां

पाटीयां पाटीपर गोठवी, अंदर कांकरो फेरवी तेवो आकार पाडवो.
एवा आकारमां ऊनी खडीथी रंग पूरवो.

आ. विद्यार्थीनी इच्छामां आवे एवी आकृतिओ काढवी.

(नाना बाळको काढी शके एवां योग्य चित्रो बनी शके तो वर्गमां राखवां.)

३. गणीत.

(१) **आंक**—१०×१०=१०० सुधी जुनी पद्धतिथी; अथवा २०×५=१०० सुधी नवी पद्धतिथी.

(२) **पलाखां**—सीधां (एटले पांच सत्ता ? छ अठ्ठा ? चोगटेपांचटे ? वगेरे.)

(३) **गणत्री**—एकथी सो सुधी पदार्थोनी गणत्री.

(४) **उलटी गणत्री**—सोथी एक सुधी.

(५) पदार्थोनी उमेरणी तथा बादबाकी.

पुस्तको—देशी हिसाब
आंकनी चोपडी
नवा आंक (चरोतर एज्युकेशन सोसाईटी, आणंद)
विद्यार्थी गणीत भा. १ लो (,,)
नवुं सरल मुखगणित—प्रेमचंद करमचंद शाह
मुखगणित शिक्षक भा–१ लो (छगनलाल मोतीराम शाह, सुरत.)
गणितमाळा बाळपोथी (न्यु हाई स्कूल, मुंबई.)

(**सूचना**—विद्यार्थीने देशी हिसाब के एकाद आंकनी चोपडी सिवाय बीजां पुस्तकोनी जरुर नथी.)

साहित्य—पदार्थ गणत्री माटे—चचुका, माळाना मणका, कोडी, लखोटा, कांकरा, पास के धान्यनां बीज वगेरे.

४. सामान्य ज्ञान

(१) **इंद्रियोनी केळवणी**—

मूळरंगोनी ओळखाण; आकारनी ओळखाण—गोळ, त्रिकोण, चतुष्कोण वगेरे बाजुओ वाळी आकृतिओ, परिचित माणसोना फोटा परथी तेमने ओळखवा इत्यादि. अवाजनी ओळखाण, प्राणीओना अवाज; थाळी के बीजी वस्तुओ उपर वेलण, धातुनो सळीयो वगेरे वस्तुओ अफाळी शुं अफाळ्युं छे ते ओळखवुं; वर्गना विद्यार्थीओना अवाज ओळखवा; (साधन होय त्यां, जुदां जुदां वाजींत्रोना अवाज ओळखवा); आंख मींचीने अवाजनी दिशामां जवुं वगेरे; गंधनी ओळखाण—गंधवाळां पांदडांने आंगळीमां चोळी ए झाड के वेलाने ओळखवा. उदा० तुळसी, मरवो, कपास, लींबडो, आंबो, करणजी, काकडी वगेरे. एज प्रमाणे नवसार, गंधक,

रब्बर, चुनो वगेरेने तपाववाथी नीकळता गंध ओळखाववा, स्पर्श ज्ञान-आंख बीचीने सरखा आकारनी जुदी जुदी चीजो ओळखवी-माटीनो, लाकडानो अने धातुनो दडो; अडधो अने पैसो; ढब्बु अने रुपीओ; जुदी जुदी आकृतिओ; स्पर्शथी वर्गना विद्यार्थीओने ओळखवा; रमकडां ओळखवां वगेरे.

(२) व्यवहार ज्ञान—

१. प्रदेशनां सामान्य जीव, जंतु, पशु, पक्षीओनी ओळखाण—उदा० कोयल, होलो, बुलबुल, तेतर (कावर), ढेलां, मांकडी (घासनो घोडो), नोळीओ, सरडो, घो, सांपोळीउ, चाकळ, साप इ०

२. जुदां जुदां धान्यो, मसाला, झाडो, छोडो अने तेनां पांदडां तथा फूलोनी ओळखाण.

३. सामान्य धातुओनी ओळखाण—उदा० लोढु, तांबु, पित्तळ, रूपु, सोनु वगेरे.

४. चलणी नाणांनी ओळखाण.

५. पोस्टनी टीकीटोनी ओळखाण (ए उपरथी रंग पण शीखवी शकाय).

६. रेंटीयाना मुख्य भागोनी ओळखाण—त्राक, साडी, चमरखां, माळ, पांखां, हाथो, फाळको, फाळकी, कोकडु, खोली.

७. राष्ट्रध्वजनी तथा मोटा देशोनी धजाओनी ओळखाण; स्वदेशी अने विदेशीनो अर्थ.

(३) नियमोनुं ज्ञान—

कइ बाजुथी वर्ग बहार नीकळवुं; कइ बाजुथी जवु, कोइ आवे त्यारे एनो केवी रीते सत्कार करवो; प्रणाम केम करवो, क्यारे करवा, कोने करवा; जयकार केवी रीते बोलवो; आसन केम मांडवु; पाटी क्यां धोवी, शा वडे लुछवी, कांकरो क्यां घसवो; चोपडी केम उघाडवी, केम पकडवी, केटले छेटे राखवी, इ०

(सूचना—नियमोनु पालन कृत्रिम न थवु जोइए, नियमना पालन पाछळ उमंग, हेतु, स्वाभाविकता न होय, पण यांत्रिकता होय, तो ते पालन नकामु छे).

५. कवायद–रमत

कवायद—" एक बोलतां उभा थईए " वगेरे. हारमां चालवु, सीधा उभा रहेवु, टटार बेसवु, शांति जाळववी, पडछायो हाले नहि तेवी रीते उभा रहेवु के बेसवु वगेरे. (कोईपण हुकम वधारेमां वधारे त्रण मीनीटे बदलवो)

पाणी भरेलु प्यालु के लोटी वगर ढोळे लई जवु; लोटामांथी प्यालामां पाणी वगर ढोळे रेडवु; लीटी, पाटा वगेरे उपर चालवु.

रमतो—दोडवानी शरत.

दोडधामनी रमतो–उदाहरणार्थः सातताळी (दान), डाहीनो घोडो, चलकचलाणु, धूपछांव, मारदडी, लकडीयोदान, अगद (उंचो) कूदको, हनुमान (लांबो) कूदको, गजग्राह (दोरडु खेंचवु), वगेरे

बेठी रमतो-चणचण मोगरी (वगली) इ०; टोपी सताडवी; अडको दडको वगेरे.
शांतिनी रमतो—

रमतो विषे पुस्तको

देशी रमतो (छगनलाल हा. मोदी सुरत).
घरमां रमवाना रमता (गोविंदभाइ हाथीभाइ)
घरमां रमवानी रमतो (वडोदरा सेन्ट्रल लायब्रेरी)

पहेलुं धोरण—वर्ष २ जुं

विषयो—१. भाषा २. लेखन ३. आलेखन ४. गणित ५. सामान्यज्ञान ६. कवायद-रमत ७. उद्योग.

१. भाषा.

(१). **वाचन**—मुखवाचन—शब्दना अर्थ, जोडाक्षरोनां शुद्ध उच्चारण साथे.

मूकवाचन—चीट्ठीओमां के पाटीओ उपर लखेली आज्ञाओ मनमां वांची तेनो अमल करवो. अवाज कर्या विना मनमां पाठ वांचवो.

पुस्तको—विद्यापीठ वाचनमाळा-पहेली चोपडी (विद्यापीठ)
मोटी व्हेन (दक्षिणामूर्तिभवन, भावनगर),
त्रिवेदी वाचनमाळा पुस्तक १ लुं (एम. सी. कोठारी, कापडीनी पोळ, वडोदरा)
सरकारी वाचनमाळा पहेली चोपडी.

(२) **कविता-अ.** मोढे आशरे ५० लीटी तथा बीजी आशरे १०० लीटी शिक्षक साथे गावी.

पुस्तको-वाचनमाळामांथी अथवा
बालवाडी भाग १ लो, खंड २ जो. (राष्ट्रीय ग्रन्थमाळा कार्यालय, सुरत).
सर्णावोर (विद्यापीठ) भाग १ लो
सुंदर भेट [दक्षिणामूर्ति, भावनगर] मांथी पसदगी.

आ. ताळी साथे धून गावी—पहेला वर्षनी अने ते उपरांत बीजी.

पुस्तको-- **बाळभजन संग्रह** भा. १. २. [चंदुलाल काशीराम दवे, वनिताविश्राम पाठशाळा अमदावाद], **आश्रम भजनावलि** (सत्याग्रहाश्रम, साबरमती); **आदर्शभावना** (लालन निकेतन, मढडा)

अवकाश अने आवडत होय तो—

रास—अथवा संगीतड्रिल

पुस्तक—संगीतड्रिल, गांधर्वमहाविद्यालय [मुंबाई-४]

(३) चित्रवाचन—वधारे वीगतवाळुं; एक ज विषयने लगतां जुदां जुदां चित्रोने जोईने एनी वार्ता कहेवी, वगेरे.

साधनो—पहेला वर्ष माटे जणावेलां साधनो उपरांत—

१. संक्षिप्तरामायण—इन्डियन प्रेस, अल्लाहाबाद.

२. चित्ररामायण—पंत प्रतिनिधि–औंधस्टेट.

(४) वार्ता

पुस्तको—आगला वर्षमां सूचवेलां पुस्तको उपरांत—

१. बादशाह अने बिरबल

२. सद्‌गुणी बाळको [सस्तु साहित्य, अमदावाद]

३ बाळ सद्‌बोध [सदर]

२. लेखन

(१) लेखन—विद्यार्थीनी ईच्छामां आवे तेनु.

(२) अनुलेखन-सीसापेन अने कांकराथी बे लीटी वच्चे-मोटा अक्षरे वाक्योनु-पुस्तकमांथी के पाटीआपरथी जोईने.

[सूचना—आगला वर्षना जेवी पाटी आंकेली राखवी.]

(३) श्रुत लेखन-पाठोमांना शब्दोनु अथवा नाना वाक्योनु.

साधन अने अवकाश होय त्यां—

३. आलेखन

(१) चोकडीवाळी पाटीपर सीधी लीटीना आकारो; जेवा के जूदी जूदी जातना साथीआ, आरसी, स्लेट वगेरे.

(२) अमुक भागोमां कांकरा वडे के रंगनी खडी वडे जग्या भरवी.

पुस्तको—[१] रांगोळीनां चित्रोना पुस्तकना बे भाग.

[मुंबईना कोइपण मराठी पुस्तक वेचनाराने त्यां मळी शके]

[२] चोरस खानांओनी आकृतिओनी आलेखनमाळाओ, वगेरे.

[३] किन्डरगार्टन पद्धतिनां पुस्तको.

(टीप—आ पुस्तको विद्यार्थीने लेवानी जरूर नथी, भींत पर पर टगाडी शकाय एवां चित्रो होय तो चाले; अथवा एक चोरस आंकेला पाटीआ पर शिक्षक आलेखी आपे)

४. गणित

१. आंक—१०×१०=१०० सुधी अने अढधां-पलाखां साथे.
पलाखांना उपयोगना दाखला.

२. संख्यानुं मंडाण—नव हजार नवसो नव्वाणु सुधी.

[सूचना—आंक नवी पद्धतिथी शरुआतमां शीखवाडवामां आवे तोये जुनी पद्धतिथी पण आवडे ए सलाह भयुं छे.]

पुस्तको

१. १ ला धोरणमां जणावेलां पुस्तकोनो आगलो भाग.
२. बाळ अंकगणित—ले. श्री. जेठालाल चीमनलाल स्वामिनारायण.
३. अंकगणित भाग १ लो—मगनलाल न. लाकडावाळा, सुरत.

५. सामान्य ज्ञान

बाळवर्गना सामान्य ज्ञानना दरेक विषय विषे. विशेषत: चार दिशाओ, वजननी ओळख; त्राजवांनो उपयोग; बनी शके त्यां धान्योना छोडनी ओळखाण, ढेफु, पत्थर अने रेती; मिश्र रंगो (लीलो, नारंगी, जांबुडो, गुलाबी, पोपटीयो, काळो, तपखीरी); पशु पक्षी वच्चे भेद; वेला, छोड अने झाडनी ओळखाण; राम अने कृष्णनी वातो; शाळा स्वच्छ कराववी; फेरा आंटावाळां सहेलां कामो कराववां; शिक्षकनी गेरहाजरीमां व्यवस्था राखतां शीखववु.

नियमपालन—

६. कवायद-रमतो—दोडधामनी रमतो; पहेला वर्ष उपरांत-दोरी कुदाववी, झाड पर चढवु; शांत रमतो; ताल साथे चालवुं; (१ ला वर्षना हुकमो वधारेमां वधारे ७ मिनिट पळाववा.)

७. उद्योग—कांततां शीखववुं; बागना क्यारा साफ कराववा, घास नींदाववु.

बीजुं धोरण-वर्ष २ जुं

विषयो—१. भाषा २. लेखन ३. आलेखन ४. गणित ५. भूगोळ ६. सामान्यज्ञान ७. कवायद-रमतो ८. उद्योग.

१. भाषा

(१) वाचन—

पुस्तक—विद्यापीठ वाचनमाळा, बीजी चोपडी [विद्यापीठ]
सरकारी वाचनमाळा, बीजी चोपडी.

(२) कविता—अ. गोखे ५० लीटी, भावार्थ साथे, बीजी १२५ लीटी सां,

पुस्तको—१. चणीबोर—भाग २ जो

२. बालवाडी भाग २ जो, खंड १ लो

३. सुंदर भेट.

आ. सहेलां भजन-धून, ताल साथे.

आवडत अने अवकाश होय तो—

इ. रास अने ढोळ आगळ.

(३) वार्ता—कहेवी अने कहेवडाववी.

विशेष पुस्तको—१. बाळकोनो आनंद भा १–२ [गूजराती प्रेस]

२. मीठी मीठी वातो.

३. नीति शिक्षण.

४. जातक माळा.

५ शिशुसद्बोधमाळा.

(सूचना—जे वातो विद्यार्थी समजी शकता नथी, अथवा एनो रस लइ शकता नथी एवु लागे, तो ते कहेवी नहि, अने एनो अनुभव कार्यालयमां लखी मोकलवो)

२. लेखन

(१) अनुलेखन—अनुलेखनमाला (जोशीनी बु ओड) मणको १ लो: पाटी उपर अथवा बेवडी लीटीमां आंकेला कागळ पर पेनसिलथी जोइने लखवु

(२) श्रुतलेखन—वाक्यो-बे लीटी

साधन अने अवकाश होय त्यां—

३. आलेखन

(१) चोरसना खूणा जोडी आकार बनाववा

(२) सीसोटी, आरसो, पाटी, कोसकी, धजा, लोटी, खडीयो, तवीओ, डुगळी, काकडी, पीपळानु पान, मुरजमुरी फुल, बीजनो चंद्र, घडी वगेरेमांथी दश चित्रो

पुस्तक—उसमान वचलनी अने एवी बीजी चित्रपोथीओ.

४. गणित

(१) आंक—पायां, दोढा, अढीआं.

(२) पलाखां—अने आंकना उपयोगना हिसाब

(३) मंडाण—लाख सुधीनु

(४) दाखला—लाख सुधीना जवाब आवे एवा सरवाळा, गुणाकार, उतरती भाजणी, बाद-बाकी अने बे आंकडाना भागाकार.

[कोष्टको—देशी-नाणानु, तोलनु, लंबाईनु विदेशी लंबाईनु (इंच, फुट, अने चार सुधी)]

पुस्तक—आगळ सूचवेला पुस्तकोना आगला भाग

बालशिक्षणनु नानु गणित.

५. भूगोळ

दिशाओ, डुंगर, नदी, तळाव, बाग, बगीचा, शहेर, वावकुवा—एनी ओळखाण, शाळाना गामनी भूगोळ, आगगाडीना नकशा द्वारा गूजरातनां जाणवा जेवां यात्रा वगेरेनां स्थळोना रस्ता बताववा.

साधनो—हिंदुस्ताननो नकशो, जेमा गूजरातना भागो स्पष्ट हदमां बताव्या होय तेवो,

गूजरातनो आगगाडीनो नकशो

६. सामान्य ज्ञान

(१) इंद्रियोनी केळवणी—नजरे जोइने नानी सीधी लीटीओ वगेरेना बे भाग करवा, चार भाग करवा, वजन ओळखवु, नानी नानी लंबाइनो अंदाज करवो, सीधी लीटी दोरवी, नीची ऊंची जग्या पारखवी; (साधन होय तो सप्त स्वर पारखवा), जुदा जुदा अक्षरोना उच्चार मुखना क्या भागमांथी नीकळे छे ते पारखवु, स्पर्शथी वजन ओळखवु, मोटा कोरेला अक्षरो ओळखवा, गरमी वगरनी वस्तुओ पारखवी—६० आशरे गंध पारखवानी टेव पाडवी, ओछो स्वाद पारखवानी टेव पाडवी

(२) व्यवहारज्ञान—

आपणा महीनाना नाम, पक्षनां नाम अने ओळखाण, तिथिओ, ऋतुओ, नीचेना तहेवारो-शिवरात्री, होळी, रामनवमी, बळेव, जन्माष्टमी, दशेरा अने दीवाळी.

तोलतां आवडवु, (त्राजवांनी दोरी दांडीपर चडवाथी तोलमां थता फरक पर ध्यान जवु), वजन ओळखवा

गामना झाडो, वेलाओ, छोडवा, शाक, भाजी, धान्य, फळ, फुल, जात-जातनां वासणो, पशु, पक्षी, पोशाक, अवयवो, पोताना पुस्तको, साहित्यो, कपडांलत्ता वगेरेनी यादी करावबी घडीयाळ जोता आवडवु.

(३) नियमोनुं ज्ञान—समय-पत्रक समजतां अने ते प्रमाणे वर्ततां आवडवु, शाळानो वाडो साफ कराववो, अल्प महेनतनां काम कराववां, शौच, खावा-पीवा, दातण करवानी नियमितताना फायदा समजाववा

७. रमत-कवायद.

कवायद—'सघव्यायाम', पाठ १ लो (प्रो माणिकराव, जुम्मादादा व्यायामशाळा, वडोदरा)

રમતો—ગ્રાહ-ગજ (દોરડું ખેંચવા) જેવી રમતોમાં સાથે બળ કરવાથી અને અવ્યવસ્થિત બળ કરવાથી હારજીતમાં થતો ફરક સમજાવવો.

શરતો—દોડવાની, કુદવાની, એક આસન ઓછું રાખી તે ઉપર બેસવાની વગેરે.

૮. ઉદ્યોગ

કાંતણ—કાંતવાની ઝડપ વધારવી; માળ કરવી; સાડી ચઢાવવી; હાથો બેસાડવો ઈ૦

શિવણ—ફાંક ભરવી, ઓટવું.

ત્રીજું ધોરણ—વર્ષ ૪ થું.

વિષયો—૧. ભાષા ૨. લેખન ૩. આલેખન ૪. ગણિત ૫. ભૂગોળ ૬. સામાન્યજ્ઞાન ૭. કવાયદ-રમત ૮. ઉદ્યોગ.

૧. ભાષા

(૧) **વાચન**—પહેલા ભાગ જેટલા પાઠો.

પુસ્તક—સરકારી ત્રીજી ચોપડી.

(૨) **ઇતર વાચન**—આશરે ૬૦ પાનાં.

પુસ્તકો—૧. **નીતિ વાચનમાળા**—ભાગ ૧-૨.

૨. **બાળવાર્તા**—ગંગાશંકર વૈષ્ણવ.

૩. જીવનદોરી, સત્ય વિના બીજું કશું નથી, માણસ કેટલી જમીનનો માલીક હોઇ શકે; મૂરખરાજ વગેરે વાર્તાઓ [ગાંડીવ સાહિત્યમંદિર, સુરત].

૪. **બાળવાર્તાઓ**—(દક્ષિણામૂર્તિ, ભાવનગર).

(૩) **કવિતા**—મોઢે ૧૦૦ લીટી; સાર્થ ૧૫૦ લીટી.

પુસ્તકો—

૧. **રાયણ** ભાગ ૧

૨. **સુંદર ભેટ**—આગળ થઇ ન હોય તે ભાગ.

૩. **બાલવાડી**—ભા. ૨ જો, ખંડ ૨ જો.

(૪) **વાર્તાઓ**—મહાભારત રામાયણની વાતો; ઐતિહાસિક વાતો.

પુસ્તકો—રાસમાળા, રત્નમાળા, કૌતુકમાળા અને બોધવચન (ગણેશજી જેઠાભાઈ), ડાશીમાની વાતો (સૌરાષ્ટ્ર મુદ્રણાલય), કુરવાનીની કથાઓ (સૌરાષ્ટ્ર મુદ્રણાલય).

(૫) **વ્યાકરણ**—અક્ષરવિચાર, શબ્દ અને વાક્ય, નામ, સર્વનામ, સકર્મક અને અકર્મક ક્રિયાપદ.

પુસ્તક-લઘુવ્યાકરણ ભા-૧ લો, પાઠ ૧ થી ૫ (કમળાશંકર ત્રિવેદી).

२. लेखन

(१) **अनुलेखन**—अनुलेखनमाळा, मणको २ जो.
पेनसिल वडे चेवडी लीटीमां आंकेला कागळ पर पुस्तकमां के पाटीआ पर जोइने लखवु.

(२) **श्रुतलेखन**—वाक्यो ३ लीटी-मुख्य विरामचिह्नो मांडीने.

(३) **निबंधलेखन**—वार्तालेखन, जोएली वस्तुओ अथवा बनावोनुं स्मृति-लेखन, नजर आगळनां चित्रनु वर्णन.

साधन अने आवकाश होय त्यां—

३. आलेखन

दश चित्रो—पदार्थ, वनस्पति, प्राणीओ (चक्रलीटी).

साधनो—उसमान वचलनी ड्रॉईंगनी चोपडीओ, परिकार (कंपास) अने अंकित आंकणी (फुटपट्टी) नो वपराश, भीना रंगनो वपराश.

४. गणित

(१) **आंक**—पोणा अने सवाया (२) **कोष्टको**—तोल-मापनां (देशी तथा इंग्रेजी)—विलायती नाणां अने तोलनां, (३) **पलाखां**—आंक अने कोष्टकोनो उपयोग थाय एवां (४) **गणित**—चढती मांजणी, विविध परिमाणना सरवाळा, गुणाकार, बादबाकी अने भागाकार, आणपाणना सरवाळा, बादबाकी.

५. भूगोळ

गामनी आसपासनो प्रदेश; अने गूजरात प्रान्त-हिन्दुस्थानना नकशामांथी.

पुस्तको—अंजारीया, वखारीया के शमीधर देसाईनी भूगोळना योग्य भाग

६. सामान्यज्ञान

त्रीजी चोपडीना त्रीजा भागना पाठो;

स्वच्छताना नियमोनु ज्ञान.

फळीउ साफ राखवु; स्पर्दा धोवां, सामान्य महेनतनां काम करवां, शाळानी कोई व्यवस्थामां भाग, ६०

७. कवायद-रमत

(१) **कवायद**—सव्यायाम, पाठ २ जो

(२) **व्यायाम**—नानां मगदळ.

(३) **रमतो**—देशी-जेवी के आटापाटा, खोखो, हु तू तू.

(४) **पर्यटन**—टुंकी मुसाफरी.

८. उद्योग

(१) **कांतण**—झडप वधारवी, पुणी बनाववी (पीजण नहि), सुतर ठरटवु

(२) **शिवण**—मोटा रुमालनी कोर ओटवी, थींगडु देवु, केस (क्यास, काच, गाज) करवा, जाळीवाळी कोर बांधवी.

चोथुं धोरण—वर्ष ५ मुं

विषयो—१. भाषा २. लेखन ३. आलेखन ४. गणित ५ भूगोळ ६. इतिहास ७. सामान्यज्ञान ८. रमत-कवायद ९. उद्योग.

१. भाषा

(१) **वाचन**—१०० पानां.

पुस्तको—(१) सरकारी चोथी चोपडी, महात्माओनां चरित्रो [दक्षिणामूर्तिभवन]

(२) **इतर वाचन**—आशरे ७५ पानां-आगलां वर्षोमांथी वार्ता कहेवा माटे सूचवेलां पुस्तकोमांथी पसदगी:

(३) **कविता**—मोढे १२५ लीटी सार्थ; २०० लीटी.

पुस्तको—(१) रायण (विद्यापीठ) मांथी नीचेमांथी पसदगी.

नागदमन, कृष्णसुदामानी भेट, चदा, फरियाद, भाई ने व्हेन, मानो गुण, देशभक्तनी याचना, स्वदेश प्रीति, वीर पुरुष, सवारनु वर्णन, एक प्रवास, खेडुत, मधमाखी, बळद, ईश्वरस्तुति, मावापना गुण, महेनत विषे, सपुत कोण, कपुत कोण, अदेखा विषे, करी देखाडवु, तारो, पोलु छे ते वागे छे, कुहाडी, पडघा विषे, टेकचद शाह, प्रार्थना, दाडम लुमे झुमे छे, लांवडी

(२) **गूजराती कविता-प्रथम वर्ष माटे** (दक्षिणामूर्तिभवन-भावनगर,)

(३) **बालवाडी** भाग ३ जो, खड १ लो.

(४) **मधुबिन्दु**मांथी उपला धोरणे पसदगी.

(५) **गोपकाव्यो.**

(६) **कवि-वाणी**, भाग १ लो (वीले-पार्ले साहित्य सभा).

(४) **इतर काव्यवाचन**—

पुस्तको—(१) बाळभजनसग्रह, भा-१-२.

(२) अजवाळी रात.

(३) वीरपसली.

(५) **व्याकरण**—कमळाशकर त्रिवेदीनु 'लघु व्याकरण' भा-१ ला जेटलु पुरु.

२. लेखन

(१) अनुलेखन—अनुलेखनमाळा मणको ३ जो अने ४ थोः बेवडी लीटीमां शाहीथी लखवु.

(२) श्रुतलेखन—५ लीटी गूजराती तथा देवनागरी लीपीमां.

(३) निबंधलेखन—नानी चीट्ठीओ लखवी, वार्तालेखन, स्मृतिथी सहेलां वर्णन.

साधन अने अवकाश होय त्यां—

३. आलेखन

(१) आगळनां दशेक चित्रो (२) मितालेखन (प्रॅक्टिकल ज्योमेट्रि)–रंग साथे.

४. गणित

आणपाणना गुणाकार अने भागाकार (गुणक अने भाजकमां, आना न आवे एवा), गुरुतम साधारण अवयव अने लघुतम साधारण अवयवी अपूर्णांकना सादा सरवाळा, बादबाकी, गुणाकार अने भागाकार: गुणोत्तर अने प्रमाणनु प्राथमिक ज्ञान आपीने समत्रिराशि.

५. भूगोळ

गूजरातनी सविस्तर, अने हिंदुस्थाननी रूपरेखा.

पुस्तको—आगला वर्षोमां सूचव्यां छे, तेना आगला भाग.

६. इतिहास

गूजरातना इतिहासनी वातो.

पुस्तको—श्री. छगनलाल ठा. मोदी (सुरत), अथवा श्री. वल्लभभाइ ल. पटेल, अथवा श्री. मानचंद वखारीया (जुनागढ) नां रचेलां पुस्तको अथवा रासमाळा भा. १–२ ने आधारे.

७. सामान्य ज्ञान

(१) सरकारी ४ थी चोपडीमांना भाग त्रीजाना पाठो
तथा नीचेनां पुस्तकोने आधारे—

[१] सामान्यज्ञान प्रश्नमाळा अने तेना खुलासा (छगनलाल ठाकोरदास मोदी, सुरत).

[२] आरोग्य विषे सामान्य ज्ञान (महात्मा गांधी, सस्तु साहित्य वर्धक कार्यालय)

[३] सामान्य घरगथु उपायो

८. कवायद--रमत

(१) **कवायद**—संघव्यायाम, पाठ ३ जो.

(२) **व्यायाम**—मगदळ, बेठक (साधन अने जाणकार होय त्यां एनी सूचना मुजब विशेष).

(३) **रमतो**—आगलां वर्षना पद्धतिसर.

(४) **पर्यटन**—मुसाफरी.

९. उद्योग

(१) **वणाट**—कपास लोडवो, नानी पींजणथी पींजवु, पुणीओ करवी.

(२) **बागकाम**

(३) **शिवण**—बटन, थेली, टोपी करवी.

पांचमुं धोरण--वर्ष ६ ठुं.

विषयो—१. गूजराती २. हिंदुस्तानी ३. गणित ४. भूगोळ ५. इतिहास ६. सामान्य-ज्ञान ७. उद्योग.

१. गूजराती

(१) **गद्य**—वाचन, अर्थ अने श्रुतलेखन साथे पाठ ३०.

पुस्तको—(१) सरकारी पांचमी चोपडी

(२) त्रिवेदी वाचनमाळा पांचमी चोपडी

(३) बाळ-मित्र

इतर वाचन माटे आगला वर्षोनां वार्ता कहेवा उपयोगमां लीधेली होय ते पकी योग्य चोपडी.

(२) **कविता**—मुखपाठ २०० लीटी; सार्थ ४०० लीटी.

पुस्तको—(१) सरकारी वाचनमाळा—मुखपाठ माटे नीचेमांथी पसंदगी :

(२) पाठ १२, २४, ४४; अनुवाद माटे-पाठ ७, १२, २४, ३०, ४४.

पुस्तको—(१) **रायणमांथी** (आगलां वर्षमां न शीखवाई होय तेमांथी अथवा नीचेमांथी)–

वळामणु, थइ मरणीया धसबु, कुभकर्ण, सद्विद्या, मोगरो ने कौंच, सर्व सरखु नथी, टेव, नाठे न मूके, जुठुं जगत, मूछ के पूछ, चोल, हलेसां, दशानन, बापानो पीपर, जोवा जोग जेवी गुजरात, सुदामा-चरित्र, कर्मी साप ने उद्यमी उंदर, पस्तावो, बगलानी वार्ता, राजबीज, दरबारमां कण्बी, गोपीचंदनो रासडो, हालरडु.

(२) **गूजराती कविता**—द्वितीय वर्ष माटे (दक्षिणामूर्ति विद्यालय, भावनगर)

(३) **व्याकरण**—त्रिवेदीकृत लघुव्याकरण भाग बीजाना पाठ १ थी ८ जेटलुं.

(४) सुलेखन—अनुलेखनमाळा मणको ५ मो.

बेवडी लीटीवाळी चोपडीमां सारा अक्षरे लखवु

(५) निबंधलेखन—थोडा वांचेला पाठनो सार; परिचित मनुष्यनु जीवन-जेवा के हरिश्चंद्र, राम, गांधी वगेरे; पत्रलेखन.

२. हिंदुस्तानी

वाचन—लेखन साथे

पुस्तको—(१) सुबोधिनी वाचनमाळा भा. १ लो (प्रोप्रायटरी हाईस्कुल, अमदावाद), अथवा
(२) राष्ट्रीय शिक्षावली

३. गणित

अपूर्णांकनो महावरो, सम अने व्यस्त त्रिराशि, बहुराशि, सादु व्याज (मात्र व्याज काढवाना सहेला दाखला), नफो टोटो (सादा दाखला)

पुस्तको—आगळ सूचव्या छे ते उपरात.—

लाकडावाळा, कांटावाळा के लालशंकर त्रवाडीनु अंकगणित

४. भूगोळ

पुस्तको—आगळ सूचव्यां छे ते उपरांत दिवानजीनी माध्यमिक भूगोळ भा. १.

५. इतिहास

पुस्तको-आपणा देशनो इतिहास भा. १. २. (दक्षिणामूर्ति विद्यालय, भावनगर)

६. सामान्य ज्ञान

राजकारण—आटलुं तो जाणजो-भाग-१ मांथी नीचेनां प्रकरणो:—

राज्यपद्धतिओ, नोकरशाही, महासभा (१), महासभा (२), असहकार, स्वदेशी, अस्पृश्यता, हिंदुमुसलमान एकता, गोरक्षा अने स्वराज्य.

आरोग्यविज्ञान-पुस्तको—आगळ सूचवेलां पुस्तको उपरात—

(१) पांचमी चोपडीना शरीर विज्ञानना पाठो.

(२) 'मानव देहधर्म विद्या अने आरोग्यविज्ञान' लेखक—भानुसुखराम निर्गुणराम महेता तथा कल्याणराय नथुभाई जोशी, प्रकाशक—एम. सि. कोठारी, वडोदरा.

(३) आरोग्यविज्ञान—ले. रामचंद्र महादेव जोशी (मॅकमिलन कु.).

समाज शास्त्र—वर्णाश्रम व्यवस्था.

७. उद्योग

पाना ५४ थी आगळ जुओ

छट्ठुं धोरण–वर्ष ७ मुं

विषयो—१ गूजराती २. हिंदुस्तानी ३. गणित अने नामु ४. भूगोळ ५ इतिहास ६ सामान्य ज्ञान ७. उद्योग.

१. गूजराती

(१) **गद्य**—पानां ७५ थी ९० भावसह वाचन, अर्थ अने श्रुतलेखन सह

पुस्तको—१. **नीति शिक्षण**

२. **सरकारी वाचनमाळा–छट्ठी चोपडी.**

३ **त्रिवेदी वाचनमाळा–छट्ठी चोपडी.**

४. **पाठ संचय भाग १ लो** (विद्यापीठ)

इतरवाचन माटे आगलां धोरणोमां वार्ता कहेवा माटे लीधेली होय ते पैकी कोइ योग्य चोपडी.

(२) **गद्य**—मुख पाठ २०० लीटी, सार्थ ४०० लीटी

पुस्तको—(१) वाचनमाळा

(२) सामळ तथा दलपतसारमांथी पसदगी
(**दलपतसार**–गूजरात साहित्य सभा, अमदावाद तरफथी प्रकाशित)

(३) **गुजराती कविता**–तृतीय वर्ष माटे (दक्षिणामूर्ति विद्यालय, भावनगर)

(४) **पद्यपाठ संग्रह भाग १ लो**—सपादक–केशव ह ध्रुव तथा डाह्या भाई पि. देरासरी (मॅक्मिलन कं.)

(३) **व्याकरण**—त्रिवेदीकृत लघुव्याकरण भाग २ जो पूरो.

(४) **लेखन**—अनुलेखनमाळा मणको छट्ठो एकवडी लीटीवाळी चोपडीमां सारे अक्षरे लखवु

(५) **निबंध**—कोइक वांचेली वार्ता, के चोपडी के आख्याननो सार, पत्रलेखन, भाडा चिठ्ठी, गणोतपट्टा, हुडी वगेरे लखवां.

२. हिंदुस्तानी

पुस्तको—(१) सुबोधिनी वाचनमाळा भा. २ जो.

(२) राष्ट्रीय शिक्षावली भा. २ जो.

३. गणित अने नामुं

(१) **गणित**—सादु व्याज पूरु, पाति, दशांश अपूर्णांक, चक्रवृद्धि व्याज (मात्र व्याज काढवु), शेर, लोन, हुडीयामण, वळतर, पतीआळु.

(२) **नामुं**—रोजमेळ (अथवा रोकडमेळ अने नोंध), खातावही.

पुस्तको—प्रेमचद *करमचद शाहनु अथवा छगनलाल लल्लुभाईनु 'देशी नामा'* विषेनु पुस्तक.

४. भूगोळ

दुनियानी प्राकृतिक भूगोळ अने खगोळ साथे

पुस्तको—आगळ प्रमाणे

५. इतिहास

रजपूतोनो इतिहास—' मेवाडनी जाहोजलाली ' अथवा एवुं कोई बीजुं पुस्तक

मराठा समय अने इ. स. १८१८ सुधीनो ब्रिटिश समय—मात्र मुख्य बीगतो

६. सामान्यज्ञान

राजकारण—आटलुं तो जाणजो भा. १ लो पूरो.

आरोग्य-विज्ञान—छट्ठी चोपडी प्रमाणे, अथवा एटलुं कोइ बीजां पुस्तकने आधारे.

समाज शास्त्र—वर्ण अने आश्रमना धर्मो, गृह प्रत्ये, गाम प्रत्ये अने समाज प्रत्येनां मनुष्यनां कर्तव्यो, पुरुषार्थो

शिक्षण शास्त्र—श्री गिरजाशंकर बधेका कृत विद्यार्थीओने उपयोगी पुस्तको (ए प्रसिद्ध करशे)

७. उद्योग

पाना ५४ थी आगळ जुओ

सातमुं अथवा शालान्त धोरण-वर्ष ८ मुं

विषयो—१. गूजराती २. हिंदुस्तानी ३. गणित अने नामुं ४. भूगोळ ५. इतिहास ६. सामान्यज्ञान ७. उद्योग.

१. गूजराती

(१) गद्य—वाचन, लेखन अने श्रुतलेखन विरामचिह्नो मूकवानी समजण साथे.

भलामण करेलां पुस्तको—

(१) सातमी चोपडी-सरकारी

(२) ,, -त्रिवेदी कृत

(३) पाठसंचय भाग २ जो (विद्यापीठ तरफथी बहार पडशे)

(४) सीताहरण (नवजीवन प्रकाशन मंदिर)

(५) रामायण तथा महाभारतनो सार (नर्मगद्य)

(६) राम अने कृष्ण (नवजीवन प्रकाशन मंदिर)

(७) गद्यसंग्रह (चरोतर ए. सोसायटी, आणंद)

(२) पद्य—२०० लीटी मुख पाठ, ५०० लीटी सार्थ.

पुस्तको--(१) वाचनमाळा अथवा नीचेनामांथी पसंदगी.

(२) **शामळ**

(३) **दलपतसार**

(४) **कविवाणी** (विलेपाल साहित्य सभा)

(५) **पद्यसंग्रह** (हिं. ग अजारीआ गु व सोसायटी)

(६) **साहित्यरत्न**

(३) **व्याकरण**—त्रिवेदी कृत लघुव्याकरणना बे भाग पूरा, अने ते उपरात त्रिवेदीना मध्य व्याकरणमाथी केटलीक पूरवणी

(४) **निबंधलेखन**—वर्णनात्मक परिचित अने सहेला विषयोपर चर्चात्मक, चरित्रात्मक वगेरे

(५) **लेखन**—पोतानी चोपडीमा सारे अक्षरे लखवु,
झडपथी सारे अक्षरे लखवा टेव पाडवी,
वगर लीटीना पुस्तकमा लखवा टेव पाडवी

२. हिंदुस्तानी

(१) **वाचन** पाना ५०—(१) सुबोधिनी वाचनमाळा भाग ३ जो, अथवा
(२) रामदास गौड कृत दुसरी पोथी
काव्य परिचय साथे

(२) **इतरवाचन**—इन्डियन प्रस, अल्हाहाबादनु 'बाल-सखा' जेवु मासिक

(३) **व्याकरण**—हिंदी-गूजराती-शिक्षा-ले० श्रीराम रामप्रसाद शर्मा (बूदायूँ सिटि)-जेवु

३. गणित

(१) आगला वर्षोनु पुनरावर्तन, तथा वर्गमूळ, क्षेत्रमापन, क्षेत्रफळ, घणफळ, घनफळ, सरासरी, वीमा, कमीशन इ०

(२) **नामुं**—रोजमेळ, खातावही, कापी व्याज, हुडी लखवानी रीत, हवाला पाडवा, वर्ष आखरनो हिसाब काढवाना मूळतत्त्वो

४. भूगोळ

दुनियानी भूगोळ साथे विशेष परिचय

पुस्तको—आगळ प्रमाणे—

५. इतिहास

हिंदुस्ताननो इतिहास-सरळ

६. सामान्यज्ञान

राजकारण—आटलु तो जाणजो, तथा हिंद केम पायमाल थयुं ?

आरोग्यविज्ञान —

पुस्तको—१. आरोग्य विषे सामान्य ज्ञान—म० गांधी.

२. गरीबोनो वैद

समाजशास्त्र—वेद धर्म, अने सम्प्रदायो, जैनधर्म, बौद्धधर्म, मुसलमान अने ख्रिस्ती धर्म विषे सामान्य माहिति; स्वदेशी धर्म, नागरिकता; गृहस्थधर्म आचारधर्म.

आधार लेवा योग्य पुस्तको—

(१) हिंदुधर्मनी बाळपोथी—आनंदशंकर बा ध्रुव
(२) धर्मवर्णन— ,,
(३) स्वदेशीधर्म—दत्तात्रय बाळकृष्ण कालेलकर
(४) मोहम्मद पयगम्बर—दक्षिणामूर्ति विद्यालय
(५) इशुख्रिस्त (नवजीवन)
(६) बुद्ध अने महावीर (नवजीवन)
(७) पाठसंचय (विद्यापीठ)

विज्ञान—खगोळ-भरती-ओट, चंद्रकळा, चोमासु, पांचमी, छट्ठी अने सातमी चोपडीना विज्ञानना पाठो.

७. उद्योग

औद्योगिक अभ्यासक्रम

छेल्लां त्रण वर्षमां नीचेमांथी एक विषयनुं व्यवहारु अने एक विषयनुं शास्त्रीय ज्ञान विद्यार्थीने थवुं जोइए.

(१) खेती (२) वणाट (३) सुथारकाम (४) शिवणकाम (५) व्यायाम (६) अथवा ते उपरांत कोई बीजा उद्योग, स्थानिक अनुकूळता मुजब.

विद्यार्थीनो जे धंधो होय तेनुं व्यवहारु ज्ञान एने घेर बेठां मळतुं होय तो एनुं शास्त्रीय ज्ञान मात्र शाळामां मळे तो चाले.

शास्त्रीय ज्ञान माटे उपयोगी थइ शके एवां पुस्तको—

खेती—अजारीया कृत पुस्तकोमांथी एक नानकडा पुस्तकनी पसंदगी

वणाट—वणाटशास्त्र—सत्याग्रहाश्रम

,, —ताराचंद पोपटलाल अडालजा.

देशी रंग—सत्याग्रहाश्रम

शिवणकाम—(१) शिववा वेतरवानी कळा (२) शिवण गूथणकळा

अभ्यासक्रम

वर्ष १ लुं

जात महेनतना सर्व धंधादारीओने नीचे प्रमाणे सामान्य ज्ञान अवश्य होवुं जोइये:

(१) **यंत्रशास्त्र** (Mechanics)–शक्ति अथवा बळ, कार्य (Work), अश्वबळ (horse-power), यंत्रोनी कार्यशीलता, शक्तिनुं एकीकरण, पृथक्करण अने स्तंभन (parallelograms and triangles of forces, and resultant and anti-resultant forces)

(२) **कारीगरी**—**सुथारी** ओजारोनो प्रयोग अने व्यवहार—चीरवुं, रंदो मारवो, जोडवुं, खरादवुं; सामान्य फर्मा बनाववा, फर्माने माटे उपयोगी लाकडु पसंद करवुं.

लुहारी—ओजारोनो प्रयोग अने व्यवहार—भट्ठी करवी, टीपीने लांबु के पातळुं करवुं, अथवा टुंकु ने जाडुं करवुं; तान चडाववो, वाळवुं, छिद्र पाडवुं, पाणी देवुं; नकामा टुकडाओमांथी गोळ के चोखुणी कडी बनाववी, छीद, शारडी, फरशी, खीला, चावी जेवी सादी चीजो बनाववी.

(३) धंधाओमांथी कोइपण एकनी प्राथमिक शरुआत.

वर्ष २ जुं–एक विषय

(१) खेती

१. जमीनना प्रकार–रेती, माटी, सेन्द्रिय पदार्थनुं प्रमाण.

२. जमीननी बनावट–पाणीना घसाराथी, कांपथी, वहेता अने बंधीयार पाणीथी; जुदा जुदा प्रकारनी वनस्पतिथी, अने जमीननां जीवडांथी थता फेरफार.

३. जमीनना प्राकृतिक धर्म–हलकी के भारे, चीकाश, छिद्रालुपणुं, पाणी राखवानी शक्ति, केशाकर्षण, उष्णता, शोषकपणुं, भिनाश, रंग, फुलवुं अने संकोचावुं, क्षार अने भेज शोषवापणुं.

४. उपला धर्मोनी पाक अने जमीन उपर थती असर, अने तेने अनुकूळ करवाना उपाय.

५. जमीननो कस–खेडाण, पाणीनो निकाश, विविध पाक, विविध जातनां खातर–लीलो पाक, छाण, खोळ, मेलु, विलायती खातर, दरेकनी पाक उपर असर; खातरने साचववानी रीत.

६. छोड उपरनां जीवडां–षट्पदोनी रचना, एथी थतुं पाकने नुकसान; तेना कुदरती दुश्मन, तेनो नाश करवानो अनुकूळ समय.

७. प्राणीओ, पक्षीओ अने जंतुओना लाभालाभ

८. पाक–स्थानिक पाक, फळ, झाड विषे सामान्य माहिति.

९. क्रियात्मक ज्ञान–क्यारो करवो, वाववुं, रोपवुं (transplant); नींदवुं, गोदवुं, पाणी पावुं, वाडभरवी, वेला चडाववा इत्यादि.

त्रीजुं वर्ष

१. छोड–एने उपयोगी मुख्य घटको–नाइट्रोजन, फॉस्फरस, पोटेश्यम, कॅलश्यम–नो पाक साथे सबंध, एकदळ अने द्विदळ अंकुरमां तफावत, बीजना भाग, थड अने मूळनु वधवु तेनी दिशा, मूळ,–धोरीमूळ–नानां मूळ–तेनां कार्यो, पांदडां, नसो, कुपळो वगेरे.

२. छोडनु कार्य–छोडमांथी पाणीनु उडी जवु, श्वासोच्छ्वास, अजवाळानी असर, फूल, पराग, फळ, बीज; मडज अने पांदडां, मडज बनावतां छोडमांथी नीकळतो वायु.

३. छोडना रोग.

४. ढोर, तेनी परीक्षा अने मावजत, तेना रोग अने खोराक

५. बीजनी साचवणी.

६. ऋतुना फेरफार अने तेनी पाक पर असर.

७. घर, कोठार अने मालनी व्यवस्था.

८. बजार, वेपारी भूगोळ, आनावारी, सहकारी बॅक

९. मजुरनी व्यवस्था, सूटल, पाक कापवानो, एकठो करवानो, लणवानो, वणवानो वखत, वार मासना कामनी वेचणी.

१०. क्रियात्मक ज्ञान—

(१) खेडवु–समारदेवो–घास काटवा–ओरवु–करवडी देवी–दतार देवु–रांपवु.
(२) नींदवु–वाढवु–लणवु–मसळवु–फटकवु–धार करवी.
(३) सळीयां पाडवां–पाणी पावु वगेरे.
(४) गाडु जोडवु, कोश हांकवो, दोहवु.
(५) साधनोनु समारकाम.

(२) वणाट

बीजुं वर्ष

१ **कांतण**—६, ९, १२, १६, अने २० आंकनु सुतर प्रत्येकनो एक एक तोलो एक सरखी रीते वळदार अने रछ वगरनु ओछामां ओछा कलाके १०० तारनी झडपे कांतवु. (उत्तम झडप कलाकनी २३३ तार) कातणमां सुतरनी सरखाई आंक अने समय ए त्रण वस्तु पर ध्यान आपवामां आवे

२ **पींजण**—ओछामां ओछु कलाके २॥ तोला प्रमाणे पींजी, पुणी बनाववी (उत्तम झडप कलाके ६॥ तोला)

(पींजणनी सफाई अने पुणीनी वणाई उपर ध्यान आपवामां आवे)

३ **पीलाइ**—कपास झूडवो अने पीलवो ओछामां ओछो कलाके ३० तोला (उत्तम झडपे कलाके बे शेर)

४ वणाट—क्लाक आछामा ओछा पाणा वार नाडा अन पोणा वार पार्गी [सादा तथा चटापटा वाळी], सादा आसना वणवा

• रगकाम—सूतर रगवु अने धोइन उजळु करवु

६ समारकाम—माट बनाववा, साडा चढाववी, तात चढाववी, नाडा अन पाग मारेना ताणी गाठववा वगर

त्रीजु वर्ष

१ कातण—५, ९ १२ अन २०।आस्नु सुतर एक एक तोला सरखा रीत वळदार अन रुछा वगरनु आछामा ओछु क्लाकना २०० वारना झडपे कातवु

२ पींजण—ओछामा ओछु क्लाकमा ५ तोला पानी पुणी बनाववी

३ पीलाइ—कपास झुडवो अन पालवो ओछामा ओछो क्लाके ०॥। शर

४ वणाट—(१) ताणा पावा अन करवा, राच बाधवी, पावडी बांधवी (२) ३० इच पनानु आछामां ओछु क्लाक ०। वार वणवु, (३) तराहनु वणाट–जीन, बेवडु जीन, लेहेर भात, मधपुडा भात, त्रण अने पाच राचनी (४) सादा आसनो के शेत्रजीओ, वणवा

५ रग—देशी रग प्रमाण

६ समार काम—गाळ गरवा नात चढाववा भाग्यु तुटयु समारी लेवु, दोरी वणवा वगेरे

(३) सुथारकाम

बीजु वर्ष

विषयो—

जुदा जुदा कामो वाट वापरवा योग्य लाकडानु ज्ञान

सुथारी गणित–उदा० लाकडानु घनमाप किंमतना दाखला वगेरे

कारीगरीनी परीक्षा—

त्रण कलाकमा तैयार करी शकाय एवा काइ वस्तु जेवा क पटा बाकडो [स्टूल], कलमदान घाडी वगेरे पालिश माटे तैयार थाय एवा बनाववा

1. रासलानु काम–लाकडाा दोरो मारीने वासलाथी सीधु करवु सरखु गाळ करवु गडतु उतरतु गोळ करवु इत्यादि

   धारा मारवा

3. रधावड साफ अन सीधु करवु सावो पाडवो बहारना (Convex) गाळाइ करवी, अदरना (Concave) गाळाइ करना जुदा जुदा जातना रधा वाप-रता आवडवा

4. करवत चलावता आवडवी–कया लाकडा माट कया करवत चलाववी एनु ज्ञान अमुक आकार कापवा वडे करवत पसद करवी मनी समज सामग्री लाकडा वेरवा

५. छिद्रकाम-बरमा अने शारडी वडे-सीधा छिद्र पाडवां, बरमो पकडवानी कुशळता इ०

६. गुणीओ अने फरमीनुं काम-गुणीआनो उपयोग, फरशी वडे छिद्र अने मूळ पाडी लाकडां जोडवां अने चोकठां बेसाडवां.

७. खीला मारवा-माथांवाळा, माथां वगरना. खीलाथी पाटीयां जोडवां, स्क्रू बेसाडवा, इ०

वर्ष त्रीजुं

१. मराडवुं अने लाकथा रगवुं

२. गोलाकृतिओ बनाववी

३ आकृतिओ कोतरवी-जेवा के पुतळाओ, जनावरो, फळो इ०

४. त्रिकोणथी अष्टकोण सुधीनां कामो

५ खानां पाडवां, बेसाडवां इ०

६ सभ वर्गे शराय एवुं लाकडानुं काम-उदा० पोथी मूकवानी बेठक, खाटलो, बाजठ.

७. पटीना धाळा, गाडा, हळ वगेरेने लगता भागो तैयार करवा इंगकोतरा पेटीओ बनाववां वगेरे.

८. सादां नकशां.

(४) शिवणकाम-(बे वर्षनो अभ्यासक्रम)

१ काप (कास अथवा गाज), बटन फाडवुं, ओटवुं, झडपो भरवो, प्लेट करवा, कपडुं गोसवुं, खांपी उफ करवो, चुण करवी, टेभा करवी.

२. नीचेनो पोशाक शिवतां आवडवो

पुरुषोनो-रुमाल, कोथळी, दफतर, गलेफ, लगोट, सदरो, सादु पहेरण, कळीवाळु पहेरण. बंडी, पासाबंडी, डबल बंडी, कबजो, ख्मीश, बांडीओं कबजो, गांधी टोपी, अचेरी टोपी, बगलथेली

बाळकोनो—झभलुं, लेधो, चड्डी, बालटोपी, फ्रॉक.

३. (१) माप लेवानुं तथा वेतरवानुं (२) कपडुं केटलुं जोईए तेनो हिसाब लेवानुं (३) संचानुं शिवण (४) हाथ शिवण (५) शिवेला पोशाक पूर्ण करवानुं (६) बगडी गयेलां कपडां सुधारी आपवानुं.

४. पोशाक पहेरवाना हेतु; तेने बर लाववा माटे शिववामां कई बाबतो उपर लक्ष आपवुं. रंगिन अने सफेद कपडां पहेरवाथी थता लाभालाभनुं ज्ञान, जुदा जुदा धंधादारीओ माटे कपडां शिववामां करवा जोईता फेरफार अने तेना कारणोनुं ज्ञान, हवामानने लीधे पहेरवेशमां फेरफार अने तेनां कारणो; शिवणकार तरीके समाजमां प्रतिष्ठा अने स्वतंत्रता जाळववा माटे जोइता नियमोनुं ज्ञान.

५ संचाना सामान्य समार कामनी माहिती उदा० कया भाग नगी ते जाणवुं, तेने नवा लावी बेसाडता आवडवुं

(५) व्यायाम-(बे वर्षनो अभ्यासक्रम)

शास्त्रीय विषयो—व्यायाम शास्त्र, शरीर मरक्षण मबधी तथा व्यायामना विषया मबधी शास्त्रीय ज्ञान.

प्रत्यक्ष विषयो—

१ दड बेठक	५. लाठी	९ कुस्ती
२ जोडी (मगदळ)	६. आटापाटा	१०. पटा
३ लेजिम	७ खोखो	११ कवायद
४. मक्खब	८. हु तु तु	१२ तरवानी कळा (साधन होय त्यां)

१ दड बेठक—नीचे लखेला प्रकारोना शात अने पद्धतिसर आवडत—

(अ) सीधे, सीनाकसी, नमस्कार वने, मयुरदड, बजरग दड, जट, दड जोर वीर दड अने साफसूफ

(आ) आगे पांव, पीछे पांव, बाजु पाव, पेट गुठन, टागतोल, मर्दी बेठक, कूदन, नीमखमरी अने खडी खमरी

२ जोडी (मगदळ)—नीचे लखेला प्रकारोनी मफाइथी एक बाजाने जोडीने करवाना आवडत—झोले, कलाट, दुर–बगल, बगली, दुहरी–बगली, बगल–लपेट, कलाइ–शीरी, रुमाली एक, रुमाली दो, दुहरी शीरी, फेकन सीधी, फेकन उलटी, मोंढा कसी, बदन फेर, वलेदार उलटी, सीधी कलाइ मोच. वनेदार कलाट मरोट अने बहार लपेट

३ लेजीम—नीचे लखेला प्रकार. मघर्मा एका अवाजे करवानी आवडत—एक जगहे, आर्वी, पविश्रा, गोलचाल, चक्र गोल, गाल बैठक, टाने मुह मिलाप

४ मल्लखंब—प्रकारो—

मलामी ने प्रकार, सीधी, बगली, कैची, खदा, एक हाता, धाय, फिरकी उडी, घोडा बे प्रकार, कानसली खोपरी, मक्क, सलामी चार प्रकार, साधी—आडी टोनो बाजु, उपेकी मलामी, बगली आडी टोनो बाजु, कैची आडी टोनो बाजु उतरनी, गर्दन आडी, खदा आडी, उलटी उडी, बदर पकड सपूर्ण

५ लाठी—

टारख, मलामी एक, मलामी दो, चोमुखी दो, बगलमो, अगमो, चोमुखी वगल, नोक्षा (क्षानी काट), चोमुखी अग, एकमे गोल, गोलसे दो कतार

६–८—आटापाटा, खो खो, हुतुतु—पद्धतिसर रमत

९—कुस्ती—

सलामी मर्व प्रकारनी नकल, मर्व प्रकारनी चाल, डुब, हाथ छोडाववाना मर्वप्रकार, उमेड, पट काढवाना अन तेना बचावना मर्वप्रकार तगवा, नोंटर खेचवो, ते उपर बनाव.

१०—पटा—तदर्थ बदन तालीम—

गीधी सलामी, दुबेद सलामी, द्विदुबेद, शरध्वज, दुबफर, माथा गदन वार, चीर आनी, पाल्ट आनी, गर्दन काट, द्विचीर

११—कवायद

पोते करवा, बीजा पासे करावबा सघ व्यायाम पुस्तकमाळा प्रथम अभ्यासना हुकमो लेता अने देता आवडवा

१२—यालचमू

१३—तरखुं—आसनो साथे—सिद्धासन, बद्ध पद्मासन, स्थासन, वारासन, पश्चिम तानासन द्विपाद शिर्षासन

भलामण करेलां पुस्तको

१ सघ-व्यायाम तथा बीजा जुम्मा-दादा व्यायाम मदिर वडोदराना पुस्तक

२ व्यायाम-शास्त्र (हिंदी)-चित्रशाळा प्रेस पूना

३ आरोग्य और व्यायाम (हिंदी)

४, ब्रह्मचर्य ही जीवन है, वीर्यनाश ही मृत्यु है-हिंदी-कर्ता स्वामी शिवानद, प्रकाशक-बाबु *केदारनाथ गुप्त, छात्र हितकारी पुस्तकमाळा, डक्नगज, मीरजापुर*

५ शरीरसरक्षण सबधी शास्त्रोक्त शिखामण-वडोदरा राज्य

६ दवा वगरनो दाक्तर याने शरीरनी खीलवणी-चे पी मादन, मुबइ

७ व्यायाम मदिर-डा वल्लभदास खेमराज आटावाळा, मुबाई

स्व-विनयमंदिरो माटे अभ्यासक्रम अने पाठ्यपुस्तको*

शिक्षकोने स्मरण

(१) विद्यापीठना नीचेना सिद्धान्तोनु× विस्मरण थवु न जोइए —

(५) धार्मिक वृत्तिने पोषवा ए केळवणीनु ध्येय छ

(७) कोइ पण व्यक्तिना धर्म, जाति के मत एना शिक्षणमा बाधा रूप न गणाय

(८) शरुथी आखर सुधी केळवणीनु वाहन गूजराती ज होवु जोइए

(९) विद्यापीठना दरेक मदिरमा औद्योगिक केळवणी अथवा शारीरिक मेहनत फरज्यात *गणवामा आवे*

(२) भणतर परीक्षा माटे नथी, पण बाळक ए माणस छ अने वधारे माणसाइ मेळववा आव्यो छे ए भुलवु नहि

(३), तबीयतने भोगे अथवा मारनी बीक बतावीने भणाववु नहि

---

* आ अभ्यासक्रम जुदो चार आनानी किंमते मळी शकशे पोस्टेज जुदु

× गूजरात विद्यापीठना बधारणनी पूरवणीमा आपेला सिद्धान्तो

(४) भणतरथी ज माणसाइ आवती नथी, माटे मंदबुद्धि विद्यार्थी तरफ दयाभाव राखवो, अने ते आपणुं भणाव्युं न भणे तो चिंता न राखवी, पण एनामां शुं भणवानी शक्ति छे, ते शोधी काढवुं

(५) विद्यार्थीना नीति अने बुद्धिमां दोष देखाय, त्यारे मावाप साथे सहकार वधारवो, अने एमनी बाळको प्रत्ये सहानुभूति मेळववी.

(६) जगतना वर्तमान बनावोथी वाकेफ रही, विद्यार्थीओने बराबर समजाववा.

(७) उदर निर्वाह माटे शिक्षक थवुं नहि; राजकीय चळवळना कार्यक्रमनुं केळवणी एक अंग छे एम समजी शिक्षक थवुं नहि; पण बाळको प्रत्येना प्रेमथी एमने अज्ञानमांथी ज्ञान तरफ दोरवा, एमनी माणसाई वधारवा, केळवणीने धर्म समजीने ज शिक्षक थवुं अने तेथी जे मंदिरनुं सूत्र हाथमां लीधुं होय, तेने बीजा प्रलोभनोने वश थइ छोडी देवुं नहि.

अभ्यासक्रम

सारांश

पूर्ण विनय मंदिरनो सात वर्षनो अभ्यासक्रम छे तेमांथी छेल्ला वर्षनो अभ्यासक्रम विनीत परीक्षा माटे होवाथी, ते दरेक वर्षना विनीत परीक्षाना अभ्यासक्रम परथी समजवानो छे

पहेलां त्रण धोरणनो अभ्यासक्रम कुमार मंदिरनां छेल्लां त्रण धोरणने मळतो छे, पण घणा विद्यार्थीओ १३-१४ वर्षनी उमरे पोतानो अभ्यास बंध करता होवाथी विनीत परीक्षानी दृष्टिथी विनय मंदिरमां दाखल करेला केटलाक विषयो टाळीने तेने बदले ए जीवनमां प्रवेश करवा योग्य बने एवुं केटलुंक ज्ञान आपवाने कुमारमंदिरनो अभ्यासक्रम घड्यो छे. पण तेथी पूर्ण कुमारमंदिरमां अभ्यास करी आवेला विद्यार्थीने विनयमंदिरना ४था धोरणमां बेसवा अडचण न आववी जोइए, अने एना शीखी गयेला विषयोमांथी एने घटती रीते मुक्त करी नवा विषयो उपर विशेष समय आपवानी व्यवस्था होवी जोइए उदा० एने अंकगणित अने उद्योगोमां भाग्ये ज नवुं करवानुं रहे; एथी उलटुं इतिहास अने भाषाना विषयोमां एने विशेष समय आपवो पडे

हालनी विनीत परीक्षाना अभ्यासक्रम प्रमाणे गणित अने प्राचीन भाषानी अवेजीमां उद्योग लइ शकाय छे आवो विकल्प राखवानो उद्देश ए नथी के विनयमंदिरोए ए बे विषयो शीखववामां पहेलेथी ज प्रमाद राखवो, अने विद्यार्थीने पसंदगी करवानो जे हक छे, ते करवी ज पडे एवी परिस्थिति उत्पन्न करवी

वर्ष १ लुं.[१]

विषयो—१. गूजराती २. हिंदुस्तानी. ३ इतिहास ४. भूगोळ. ५ अर्वाचीन भाषा—(इंग्रेजी,* मराठी, बंगाळी के हिंदुस्तानी) ६. गणित

---

[१] वर्ष १ थी ६ सुधीनो अभ्यासक्रम मार्गदर्शक अने सूचनारूपे छे

* इंग्रेजी भाषानो अभ्यासक्रम सूचव्यो छे बीजी भाषाना अभ्यासक्रम, मोगणा थयेथी सूचववामां आवशे.

१. गुजराती.

(१) गद्य—पा. ६० थी ७० भावसहित वाचन, अर्थ अने श्रुतलेखन माटे

पाठ्य-पुस्तको

१. बालमित्र.

२. सरकारी वाचनमाळा पांचमी चोपडी.

३. त्रिवेदी वाचनमाळा पांचमी चोपडी.

(२) पद्य—४०० लीटी अर्थ माटे, तेमांथी २०० लीटी कंठे

पाठ्य-पुस्तको

१. वाचनमाळानी कविताओ

२. रायणमांथी नीचेनी कविताओना भलामण:—

वळामणुं, थई मरणीया मगु, कुभकर्ण गद्दियो. मोगरो ने कौच, गर्व गरयु नथी, टेव, बोल, हलेसां, दशानन, बापानी पीपर, जोवा जोग जेवी गूजरात, गुदामानरित्र, कर्मी माए ने रूदामी उदर, पस्तायो, बगलानी वार्ता. राजबीज, दरबारमां कणबी, हालरडुं (न्हानालालनुं)

३. गूजराती कविता-द्वितीय वर्ष माटे—(दक्षिणामूर्तिभवन, भावनगर)

(३) व्याकरण—त्रिवेदीनु लघुव्याकरण भा. २ ना पाठ १ थी ८ जेटलु.

(४) सुलेखन—अनुलेखन तथा बेवडी लीटीओवाळी नोटबूकमां सारा अक्षरे लखवु
अनुलेखन माटे—अनुलेखनमाळा (जोशीनी कु. ॲन्ड.) मणको ५ मो

(५) निबंधलेखन—कोइक वांचेला पाठनो के चोपडीनो सार लखवो; परिचित माणसनु जीवन लखवु—जेवां के हरिश्चंद्र, राम, गांधी वगेरे.

२. हिंदुस्तानी

मंजुर करेलां पाठ्यपुस्तको—

(१) सुबोधिनी वाचनमाळा भा. १ लो.

अथवा

(२) राष्ट्रीय शिक्षावली.

३. इतिहास.

१. आपणा देशनो इतिहास—भा १-२ [दक्षिणामूर्ति विद्यालय, भावनगर]

४. भूगोळ

अभ्यासक्रम—हिंदुस्तान अने बृहदआर्यावर्तनी रूपरेखा: दुनियानी रूपरेखा.

पाठ्यपुस्तक—दीवानजी कृत माध्यमिक भूगोळ भा. १

५. अर्वाचीन भाषा.*

इंग्रेजी§

पाठ्यपुस्तको—नीचे पैकी कोई पण एक वाचनमालानुं† पहेलु पुस्तक अने प्राइमर.

1. आणिमानदनी Boys' Own Home Readers (कलकत्ता)
२. Yate's Reformed Readers.
३ Tipping Readers.
४ Palmerston Readers.
५. Dutt's Bengal Readers.
६. New Royal Readers.
७. Nelson Readers.
८. Literary & Scientific Readers.

६. गणित

अभ्यासक्रम—गणितनी चार मार्दा अने सयुक्त रीतो, भांजणी, सामान्य अपूर्णांक, दृढभाजक, लघुतम साधारण भाज्य, सम अने व्यस्त त्रिराशी, मात्र व्याज काढवाना महेला दाखला, नफोटोटो (सादा दाखला)

पाठ्यपुस्तक—१. लाकडावाळानु अकगणित
२. कांटावाळानु अकगणित
३. लालशकर उ. नवार्डीनु अक्गणित
४. विद्यार्थी गणित [चरोतर एज्युकेशन सोसायटी, आणद]

वर्ष २ जुं

विषयो—१ गूजराती २ हिंदुस्तानो ३. इतिहास ४ भूगोळ ५. अर्वाचीन भाषा-(इंग्रेजी, मराठी, बगाळी, हिंदुस्तानी), ६. गणित.

२. गूजराती

(१)—गद्य—पा. ७५ था ९० भावसह वाचन, अर्थ, अने श्रुतलेखन साथे.

पाठ्यपुस्तक—१. नीतिशिक्षण
२. सरकारी वाचनमाळा छठ्ठी चोपडी.
३. त्रिवेदी वाचनमाळा छठ्ठी चोपडी.

---

* इंग्रेजी भाषानो अभ्यासक्रम सूचव्यो छे. बीजी भाषाना अभ्यासक्रम मांगणी थयेथी सूचववामां आवशे.

§ सवाद पद्धतिनी भलामण करवामां आवे छे.

† जे वाचनमाळा पहेला वर्षे माटे पसद करी होय, ते ज वनता सुधी त्यार पछीनां वर्षो माटे चालु राखवी

(२) पद्य—अर्थ माधे ४०० थी ५०० लीटा तेमांथा २०० लीटा कंठे

पाठ्यपुस्तको—१. चोपडीमांना कविताओ.

२ म्हागळ तथा दलपतमारमांथा पसदर्गी
[दलपतगार, गूजरात साहित्य सभा तरफथा प्रकाशित]

३ पद्यपाठ संग्रह १ लो–कर्ता केशव ह ध्रुव तथा डाह्याभाई पी देरासर–प्रकाशक मॅकमिलन कं. मुंबाई

४ गूजराती कविता–त्रीजा वर्ग माटे [दक्षिणामूर्ति विद्यालय, भावनगर]

(३) व्याकरण—त्रिवेदी कृत लघुव्याकरण भा २ जो–पूरु.

(४) सुलेखन—अनुलेखन तथा एक लीटीवाळा नोटबुकमां सारा अक्षर लखवु
राष्ट्रीय अनुलेखनमाळा मणको ६ ठो

(५) निबंध—पत्रलेखन, पाटना मार लखवा, भाडाचिठ्ठी, गणोतपट्टो, हुंडी वगेरे लखवा

२. हिंदुस्तानी

मंजुर करेला पाठ्यपुस्तक—१ सुबोधिनी वाचनमाळा भा २ जो

अथवा

२ राष्ट्रीय शिक्षावली भा २ जो.

३. इतिहास

अभ्यासक्रम—रजपुतोनो इतिहास

पाठ्यपुस्तक—मेवाडना नाहारजाला अथवा ए विषयनी बीजी जे कोई चोपडी मळी शके ते

४. भूगोळ

पाठ्यपुस्तक—दावानजी कृत माध्यमिक भूगोळ भा. १–प्राकृतिक अने खगोळ उपर लक्षपूर्वक—पूरा

५. अर्वाचीन भाषा

इंग्रेजी—पहेला वर्षमां जणावेली काई पण वाचनमाळानी बीजी चोपडी
पाठमाळा भा १ लो

अथवा

सादा गूजराती वाक्योनो अंग्रेजीमां तरजुमो

व्याकरण—शब्दना प्रकार ओळखता शीखववु

कॉपीबुक—कास ने मेवडी लाटीनी नोट अथवा आर्नोल्ड के मेकमिलननी कोपी

६. गणित

अभ्यासक्रम—सादु व्याज, दशांश, पांति, देशी रोकडमेळनी रीति.
पाठ्यपुस्तको—पहेला वर्ष प्रमाणे.

वर्ष ३ जुं

विषयो—१. गूजराती २. हिंदुस्तानी ३. इतिहास ४. भूगोळ ५. अर्वाचीन भाषा-(इग्रेजी, * मराठी, बगाळी के हिंदुस्तानी) ६. गणित.

१. गूजराती

(१)—गद्य—पा. १०० वाचन, अर्थ अने श्रुतलेखन साथे.
मंजुर करेलां पाठ्यपुस्तको—

१. सीताहरण—ले० चंद्रशंकर प्राणशंकर शुक्ल. (नवजीवन प्रकाशन मंदिर, अमदावाद)

२. रामायण तथा महाभारतनो सार—ले० नर्मदाशंकर लालशंकर [गुजराती प्रेस]

३. राम अने कृष्ण—[नवजीवन प्रकाशन मंदिर, अमदावाद]

४. सातमी चोपडी—सरकारी.

५. „ „ —त्रिवेदी.

(२)—पद्य-अभ्यासक्रम ५०० लीटी अर्थ साथे, २०० लीटी कठे.

पाठ्यपुस्तको—१. चोपडीमांनी कविताओ.

२. सामळमांथी पसंदगी.

३. दलपतसारमांथी पसंदगी

४. कवि-वाणीमांथी पसंदगी [विले पार्ले साहित्य सभा]

(३) व्याकरण—प्र. १ थी १०, १२ तथा २९.

पाठ्यपुस्तक—त्रिवेदी कृत मध्य व्याकरण.

(४) निबंधलेखन—वर्णनात्मक—उदा० मुसाफरी, जोवालायक स्थळ, इत्यादि उपर.

(५) सुलेखन—पोतानी नोटमां सारे अक्षरे लखवु.

२. हिंदुस्तानी

१. सुबोधिनी वाचनमाळा—भा. ३ जो.

अथवा

२. दुसरी पोथी-रामदास गौड.

---

* इंग्रेजी भाषानो अभ्यासक्रम सूचव्यो छे. बीजी भाषाना अभ्यासक्रम मांगणी थयेथी सूचववामां आवशे.

३. इतिहास

पाठ्यपुस्तक-ऐतिहासिक वार्तामाळा-मोगलवंश—गूजरात विद्यापीठ

४. भूगोळ

अभ्यासक्रम—हिंदुस्ताननी वसाहतो अने एशिया खंड.

पाठ्यपुस्तक—भूगोळ भा. २ जो-दिवानजी.

५. अर्वाचीनभाषा

इंग्रेजी.

१. पहेला वर्षमां जणावेली कोइ पण वाचनमाळानी ३ जी चोपडी.

२. Oral Exercises अथवा पाठमाळा भा २

३. डिग्लोटनु इंग्रेजी-गूजराती व्याकरण भा १ (मॅकमिलन एन्ड कु मुंबाई)

४. सुलेखन.

६. गणित

अभ्यासक्रम—नफाटोटाना सादा हिसाब, चक्रवृद्धि व्याज, (मात्र व्याज काढवाना दाखला), दशांशनी रीते प्रमाणभाग अने पट्याळाना सादा हिसाब, पांती, देशीनामु, रोजमेळ अने खातावही.

पाठ्यपुस्तको—पहेला धोरणोमां सुचव्यां छे ते तथा देशीनामा पद्धतिनां बे पुस्तकोमांथी गमे ते एक.

वर्ष ४ थुं

विषयो—१. गूजराती २. हिंदुस्तानी ३. इतिहास ४ भूगोळ ५. अर्वाचीन भाषा (इंग्रेजी, मराठी, बंगाळी के हिंदुस्तानी) ६. गणित ७. प्राचीन भाषा (संस्कृत, के फारसी)

१. गूजराती

(१) गद्य—पा. १०० थी १२५ वाचन, श्रुतलेखन, अर्थ.

मंजुर करेलां पाठ्यपुस्तको—

१. वनराज चावडो.

२. प्रताप नाटक

३. इशुनुं बलिदान—नवजीवन प्रकाशन मंदिर

(२) पद्य—लीटी ६०० थी ७०० अर्थ साथे, २०० लीटी मढे.

पाठ्यपुस्तको—१. नर्मदाशंकरनां वीर काव्यो तथा

२. प्रेमानंदना प्रह्लादाख्याननुं नवनीत (हरिलाल माणेकलाल देसाई अने कल्याणराय नथुभाइ जोशी) अथवा सुदामाचरित्र.

(३) व्याकरण—त्रिवेदी कृत मध्य व्याकरणना प्र. ११, १३ थी २० अने २६ जेटलुं.

(४) निबंध लेखन—सृष्टि वर्णन.

(५) सुलेखन—सारे अक्षरे खूब लखवानो म्हावरो.

२. हिंदुस्तानी

पुस्तको-सुबोधिनी वाचनमाला भाग ३ जो, अथवा रामदास गौड कृत **तीसरी पोथी.**

३. इतिहास

हिंदुस्ताननो मुसलमान समय (ई. स. ६४८ थी १४२६)

पुस्तक-हिंदी तवारीख-पठाण अने तुर्क समय (विद्यापीठ)

४. भूगोळ

यूरोप खंड-**भूगोळ भाग २ जो**-दिवानजी

५. अर्वाचीन भाषा

इंग्रेजी—१. वाचन—पहेला वर्षमां जणावेली कोइपण वाचनमाळानी ४ थी चोपडी.

२. **इतर वाचन**—नीचे पैकी माळामांथी एक नानु क्रमिक पुस्तक.

(क) A. L. Bright Story Readers.

(ख) Oxford Readers.

(ग) Books for the Bairns.

(घ) Stories Told to Children Series.

नोंध—हिंदुस्ताननी पौराणिक के दंतकथाओ इंग्रेजी द्वारा न शीखववी.

३. Oral Exercises-अथवा पाठमाळा भा. ३

४. **व्याकरण**—डिग्लोटवुं इंग्रेजी-गुजराती व्याकरण भा-२-जो (मॅकमिलन)

५. कविता मुखपाठ-१०० लीटी वाचनमाळामांथी अथवा नीचे पैकी क्रमबद्ध काव्य-माळाना एक पुस्तकमांथी.

Types of English Poetry-By A. C. Mukerji-(Macmillan & Co., अथवा The Indian Press, Allahabad).

P. C. Wren नी काव्यमाळा (K &. J. Cooper, Bombay.)

Gems of Poetry-Wadia.

६. Simple Composition.

७. Handwriting.

६. गणित

अंकगणित—चक्रवृद्धि व्याज पूरु, वर्ग अने वर्गमूळ, घन, व्याज गणवानी देशी रीत, वीमो-कमिशन, देश देशनां नाणाना बदलाना हिसाबो (पौंड, ग्रेन अने डोलर), बीजगणितनो अंकगणित साथेनो संबंध, कौंस छोडवाना तथा बांधवाना.

बीजगणित—सरवाळा, बादबाकी, गुणाकार अने भागाकार.

भूमिति—उपकरणोनो उपयोग, ते वडे लीटी तथा खुणाना बे सरखा भाग करवा, लीटीपर लंब दोरवो, आपेली लीटीने समान्तर लीटी दोरवी; आपेला खुणा बराबर खुणो दोरवो (साबीतीनी जरूर न होय), प्रमाण मापथी अंतर, उंचाई अने भूमितिनी आकृतिओ (जेम के ओरडा मकान विगेरे) दोरवी.

पाठ्यपुस्तको—बीजगणित—छगनलाल चुनीलाल महेता (मगळदास हरकीशनदास सुरत).

भूमितिनां मूळतत्त्वो भाग १—भीखाभाई कुबेरभाई पटेल (चरोतर एज्युकेशन सोसाइटी, आणद).

७. प्राचीन भाषा

१. **संस्कृत—१. गीर्वाणभाषाप्रवेश-पूर्वार्ध**—(पांडुरंग विठ्ठल वळामे) पहेला १७ पाठ, अथवा **मार्गोपदेशिका** (भाटावडेकर) पाठ १ थी २०.

२. कथामुक्तावली पहेली श्रेणीमांथी पांच नानी वातो

३. सुभाषितरत्नसमुच्चय ३० श्लोक

२. **फारसी—गद्य** आरसीवाळानी पहेली चोपडीमांथी चार पाठ.

पद्य—करीमामांथी दश टुकडो.

व्याकरण—काळ बनाववा तथा एक वचन अने बहुवचनना रूप बनाववाना नियम

वर्ष ५ मुं

विषयो—१. गूजराती २ हिन्दुस्तानी ३ इतिहास ४ भूगोळ ५ अर्वाचीन भाषा (इंग्रेजी-मराठी-बंगाळी-हिंदुस्तानी) ६. गणित ७ प्राचीन भाषा-(संस्कृत के फारसी).

१. गूजराती

(१) **गद्य** पाना १२५ थी १५० वाचन, अर्थ, श्रुतलेखन, भाषा शैली, पात्रनुं चारित्र, इ० नो विचार.

पाठ्य पुस्तको—१. संक्षिप्त करणघेलो (गूजरात विद्यापीठ)

२. मेवाड पतन.

३. बुद्ध अने महावीर (नवजीवन)

४. बुद्धलीलासारसंग्रह (गूजरात विद्यापीठ)

पद्य ६०० थी ७०० लीटीओ अर्थ साथे, कठे २०० लीटी. लघु-गुरु तथा गणनी समज. सादी अने अलंकारिक भाषानी समज, शब्दालंकार तथा अर्थालंकारनो भेद.

पाठ्य पुस्तको—१. प्रेमानंदनी प्रसादी

२. रणयज्ञ

३. नळाख्यान अथवा मामेरुं—(भानुसुखराम महेता)

४. श्राद्ध

व्याकरण—प्र. २१ थी ३०–त्रिवेदीनुं मध्य व्याकरण

निबंध लेखन—जीवन चरित्र वर्णन

२. हिंदुस्तानी

पुस्तको—१. चौथी पुस्तक-रामदास गौड

२. हिंदी मिडल व्याकरण

३. इतिहास

१. हिन्दुस्ताननो–मुगल, शीख, मराठा अने यूरोपीय प्रजाओ–ई. स. १७६१ सुधी.

२. इंग्लांडनो इतिहास ७ मा हेन्रि सुधी (नवलरामनु ईंग्रेजी इतिहासनुं पुस्तक अथवा एवुं कोई बीजुं पुस्तक)

४. भूगोळ

आफ्रिका अमेरिका अने एशिया.

१. भूगोळ भा. २ जो–दिवानजी

५. अर्वाचीन भाषा

इंग्रेजी—१. वाचन—पहेलां वर्षमां जणावेली वाचनमाळानी पांचमी चोपडी.

२. **इतर वाचन**—४था वर्षमां वापरी होय तेना करतां उंचा क्रमनी.

३. **कविता**—मुखपाठ अने अर्थ साथे लीटी १५०

(१) वाचनमाळामांथी अथवा ४था वर्षमां जणावेली कोई एक काव्यमाळामांथी अथवा

(२) Tennyson for the Young

(३) Children's Treasury of Songs

(४) Wadia's Gems of Poetry Book II

४. Oral exercises अथवा पाठमाळा भाग ४

५. Nesfield's Grammar Part II

६. Composition–Reproduction of Stories

1 Junior Composition by Nesfield

2 Short Stories–Chambers.

६. गणित

अंकगणित—काटखुण आकृतिओनुं क्षेत्रफळ, कापीसुं व्याज, मुद्दत कापवाना हिसाब, नफोटोटो.

બીજગણિત—સાદાં સમીકરણ અને તેના કૂટ દાખલા, અનેકવર્ણ સમીકરણ, સાદા અવયવ. પુસ્તકો—છગનલાલ ચુ. મહેતાનુ બીજ ગણિત અથવા આથવલેની કે એવી કોઇ બીજી બીજગણિતની ચોપડી.

ભૂમિતિ—એક બિંદુ આગળના ખુણા, સમાન્તર લીટીઓપરના ખુણા, એકરુપ ત્રિકોણ, ત્રિકોણની બાજુઓ અને ખુણાઓની સમાનતા અને અસમાનતા.

ચોથા વર્ષમાં કરેલી ભૌમિતિક રચનાઓનુ પુનરાવર્તન–સાબીતી સાથે.

પુસ્તક—ભૂમિતિનાં મૂળતત્ત્વો (ચરો એ સાં , આણદ)

૭. પ્રાચીન ભાષા

૧ સસ્કૃત—

(૧) ગીર્વાણભાષાપ્રવેશ—પૂર્વાર્ધ–લે. પાડુરગ વિટ્ઠલ વઝામે–પૂરી

અથવા

માર્ગોપદેશિકા પૂરી અને ભાંડારકરની બીજી ચોપડી પહેલા ૧૨ પાઠ

(૨) કથામુક્તાવલી અથવા એવી જ બીજી કોઇ ચોપડીમાથી દશથી બાર વાર્તા.

(૩) સુભાષિતરત્નસમુચ્ચય શ્લોક ૪૦

૨. ફારસી—ગદ્ય–આરસીવાળાની બીજી ચોપડીમાથી ૧૦ પાઠ

પદ્ય–કરીમા–ચોથા ધોરણમાં થયેલ ભાગની આગળ ૧૦ ટુકો

ટુકોનો મુખપાઠ.

વ્યાકરણ—કાગાનુ–પ્રકરણ ૧–૩–અથવા એવા બીજા વ્યાકરણમાંથી એટલો વિષય, ગૂજરાતીમાથી ફારસીમાં તરજુમો–સીધા વાક્યોનો.

વર્ષ ૬ ઠું

વિષયો—૧ ગૂજરાતી ૨. હિંદુસ્તાની ૩ ઇતિહાસ ૪. ભૂગોળ ૫. અર્વાચીન ભાષા ૬. ગણિત ૭ પ્રાચીન ભાષા–સસ્કૃત કે ફારસી ૮. ઉદ્યોગકળા

૧. ગૂજરાતી

ગદ્ય—પા. ૧૫૦ થી ૨૦૦ વાચન, અર્થ, શ્રુતલેખન, સાદી ટીકા, ચર્ચા.

મંજુર કરેલાં પાઠ્ય પુસ્તકો—

૧. રાઇનો પર્વત (૬ઠ્ઠો અક બાદ)
૨ હિમાલયનો પ્રવાસ તથા ઉત્તરાખડની યાત્રા—નવજીવન પ્રકાશન મદિર.
૩. વીરમતી નાટક–નવલરામ
૪. મુક્તધારા કરસનદાસ માણેકનો અનુવાદ
૫ જોન ઓફ આર્ક—સસ્તુ સાહિત્ય
૬. બુકર ટી. વોશિંગ્ટન—,, ,,

पद्य—लीटी ६०० थी ७०० अर्थ साथे २०० लीटी कठे, प्रचलित छंदो अने सादा अलंकारनी परख

पाठ्य पुस्तको—१. नळाख्यान २. काव्यमाधुर्य ३. कविता प्रवेश ४ साहित्य रत्न ५. पद्य संग्रह (अजारिया)
(आ पुस्तकोमांथी शाळाना आचार्यनी मंजुरीथी शीखववानो भाग पसंद करवो.)
६. दलपतरामनु पिंगळ

व्याकरण—पुरु. त्रिवेदी कृत मध्यम व्याकरण

साहित्य—इतिहास
१. काव्य माधुर्यनी प्रस्तावना
२. साहित्य रत्ननी प्रस्तावना

निबंध लेखन—चर्चात्मक

२. हिंदुस्तानी

१. रामदास गौड कृत पांचमुपुस्तक
२. हिन्दी मिडल व्याकरण

३. इतिहास

१. हिंदुस्तान—मराठा शीख अने अंग्रेज
इ. स. १७६१ थी म० गांधीने जेलमा पूर्या त्यां सुधी
२ इग्लांड–७ मा हेन्रिथी ॲन राणी सुधी. (इ. स. १७२४)

४. भूगोळ

१. प्राकृतिक २. व्यापारी.
नोंध—शिक्षके ए विषयनी तैयारी करी लेवी.

५. अर्वाचीन भाषा

इंग्रेजी.

१. वाचन पुस्तक ६ ठुं अथवा
School Selections from Modern Prose–E. Smith. (K & J. Cooper & Co., Bombay)
अथवा
Prose Selections from Scott. (K. & J. Cooper & Co., Bombay.)

२. इतर वाचन—पांचमा वर्षथी आगळ अथवा

Stories Retold to Indian Students

(Oxford University Press) मांथी एक.

३. कविता—मुखपाठ १५० लीटी—अर्थ, तरजुमो—गद्यानुवाद (पॅराफ्रेज) साथे.

पुस्तको—Horatius—Macaulay-(बे आनावाळी)

Lake Regillus, Selections from Idylls of the King अथवा ५ मा धोरणथी आगळनी काव्यमाळा.

४. Composition—Simple Description, Essays, Letter Writing.

६. गणित

अंकगणित—लोन-शेर, क्षेत्रफळ, पृष्ठफळ, घनफळ, देशी नामु पूरु.

बीज गणित—आगळना अवयवो, दृढभाजक, लघुतम साधारण भाज्य, अपूर्णांक, अनेक वर्ण समीकरण-अने ते उपरना कूट दाखला, आलेख, बिंदुओ दर्शाववानु, द्विवर्ण समीकरण छोडवानुं.

भूमिति—पहेलो स्कन्ध पूरो, बीजो स्कन्ध-वर्तुलना स्पर्शक अने सक्रिय चतुष्कोण सुधीना सिद्धान्तो; सिद्धान्त उपर सादा दाखलाओ तथा त्यां सुधीमां आवती रचनाओ साथे.

७. प्राचीन भाषा

१ संस्कृत—(१) गीर्वाणभाषाप्रवेश-उत्तरार्ध-ले. पांडुरंग विठ्ठल वळामे अथवा भांडारकर बीजु पुस्तक पूरु

(२) गद्यपद्य माळा (जोगळेकर) अथवा लेले वाचनमाळा भाग १.

(३) श्लोको आसरे ४०.

फारसी—गद्य आरसीवाळानी त्रीजी चोपडी-१५ वार्ता अथवा बीजी कोइ चोपडीमांथी १५ वार्ता.

पद्य—बोस्तान.

व्याकरण—कांगा. १-५ प्रकरण अथवा एवु बीजुं कोइ व्याकरण, गूजरातीमांथी फारसीनो तरजुमो

८. उद्योगकळा

गणित अने प्राचीन भाषाने बदले नीचेमांथी एक

(१) वणाट, (२) सुथारकाम, (३) कृषि, (४) शीवणकाम, (५) वाणिज्य, (६) संगीत, (७) आलेखन, (८) व्यायाम

अभ्यासक्रम—विनीत परीक्षानो उद्योगोने लगतो अभ्यासक्रम बे वर्षनो छे; तेमांथी घटतो भाग आ धोरणमां करवो.

वर्ष ७ मुं

विनीत परीक्षानो अभ्यासक्रम†

विनीत परीक्षा नीचेना विषयोमां लेवामां आवशे.

१ गूजराती—भाषान्तर माटे हिन्दुस्तानी फकरा साथे (प्रश्नपत्र १०० गुणनुं ३ कलाकनुं)

२ अर्वाचीन भाषा–मराठी, बंगाळी हिन्दुस्तानी अथवा इंग्रेजी (,,)

३ इतिहास— (,,)

४ हिन्दनी राजव्यवस्था अने राष्ट्रीय महासभानुं बंधारण (१ प्रश्नपत्र ५० गुणनुं २ कलाकनुं)

५ गणित–अंकगणित, बीजगणित, अने भूमिति दरेकनुं १ प्रश्नपत्र ७५ गुणनुं बे कलाकनुं कुल गुण २२५)

६ प्राचीन भाषा—संस्कृत, अरबी अथवा फारसी (१ प्रश्नपत्र १०० गुणनुं ३ कलाकनुं)

अथवा

५ अने ६ ने बदले नीचेनामांथी गमे ते एक. (दरेकमां ३२५ गुण)

(१) कांतण, पींजण, वणाट अने रंगाट.
(२) सुथारकाम.
(३) कृषि.
(४) शीवणकाम.
(५) व्यापार अने हिन्दी अने इंग्रेजी नामाना सिद्धान्तो–
(६) संगीत.
(७) आलेखन
(८) व्यायाम

गूजराती तथा अर्वाचीन भाषा माटे प्रति वर्षे पाठ्य-पुस्तको नीमवामां आवशे.

औद्योगिक परीक्षाओ लेखित अने प्रत्यक्ष लेवाशे, कदाच मौखिक पण लेवाय.

परीक्षानी प्रावेशिक फी रु. (१०) छे.

परीक्षाओ दरेक विषयमां गूजरातीमां ज लेवाशे, सिवाय के गणित अने वाणिज्य जे इंग्रेजीमां पण आपवानी छूट रहेशे.

विनीत परीक्षामां उत्तीर्ण थवा माटे भाषाना विषयोमां ३० टका अने बीजा विषयोमां २५ टका गुण मेळववा जोईए.

वाणिज्य परीक्षामां "व्यापारनां मूळतत्त्वो" ना (१०० गुणना) प्रश्नपत्रमां ३० टका अने बीजा त्रण (२२५ गुणना) प्रश्न पत्रोमां २५ टका गुण मेळववा जोईए. आ विषय पसंद करनारे अर्वाचीन भाषा तरीके इंग्रेजी ज लेवी जोइए.

बीजा उद्योगोमां लेखी (अथवा मौखीक मळीने) १०० गुणनो प्रश्नपत्र राखवामां आवशे अने तेमां ३० टका गुण मेळववा जोईशे. प्रत्यक्ष अथवा प्रयोगात्मक परीक्षा २२५ गुणनी थशे, अने तेमां २५ टका गुण मेळववा जोइशे.

वाणिज्यमां अने उद्योगोनी प्रयोगात्मक परीक्षामां सारी रीते कसोटी करीने गुण मुकवा परीक्षकोने सूचववामां आवशे.

---

† आ अभ्यासक्रम जुदो त्रण आनानी किंमते मळी शकशे.

अभ्यासक्रम अने पाठ्य पुस्तको

विषय १ लो गुजराती

स. १९८०-८१ माटे पाठ्य-पुस्तको.

गुजराती—दि. बा. अंबालाल साकरलालनां भाषणो (श्री. ब. क. ठाकोरनी प्रस्तावना छोडीने)

मध्यम नाटक—श्री. के. ह. ध्रुव.

रणयज्ञ—प्रेमानंद.

काव्य समुच्चय भाग १ लो—संपादक श्री. पाठक-मांथी नीचेनां काव्योनी पसंदगी :—

(भोळानाथ साराभाई) स्तुति, (दलपतराम) गूजरातीनो वकील, साबेलु बजावे तो हु जाणु, अन्यनु तो एक वांकु, जुनी रीत, धीरे धीरे सुधारानो सार; (नर्मदाशंकर) सौ चलो जीतवा जग, ना हठ्वु, (भीमराव) भारत दर्शन, (ह. ह. ध्रुव) रौद्र वर्षावर्णन, युद्धना लावणी, केसरीआं; (नवलराम) वसंतवर्णन; (कान्त) म्हेमानोने, व्हालांने उपदेश; (मणिलाल) पाछली रात, रणभूमि; (कलापी) बाजसुरने, ग्राम्य माता, वनमां एक प्रभात, वीणानो मृग; (मलबारी) बोल्यु पाळो, गूजरातनु भावी गौरव, (अनवर) जागो जागो प्रेमी स्नेही, काया तारी शाथी बदलाणी, (केशवलाल भट्ट) तारनु तुटवु, (सौ. सुमति) सिंधुने; (नरसिंहराव) सहस्रलिंग तळाव, चंदा; (न्हानालाल) कवि दलपतरामने, वीरनी विदाय; (खबरदार) गुणवती गुजरात, गुजरातनो यज्ञकुंड, कवि नर्मदनु मंदिर, रम्य रजनी, दमणगंगामां विहार, (बोटादकर) सौराष्ट्र, ग्राम्य जीवन, उषा; (ब. क. ठाकोर) खेती, असलनेरनां नूर; (दोलतराम) समुद्रवर्णन; (ललित) जन्मभूमिनु जय मंगल, (मगनभाई) काळ; (करीम महम्मद) अज्ञान, (आवसथी) शिखरिन्, सरिता; अने (अज्ञात) प्रार्थना.

व्याकरण—श्री त्रिवेदीना मध्य व्याकरण जेटलु.

विषय २ जो अर्वाचीन भाषा.

स. १९८०-८१ माटे पाठ्य-पुस्तको.

(१) **इंग्रेजी पद्य**—The Coming of Arthur,
The Passing of Arthur,
Poetical Selections for the Vinita Examination
मांथी नीचेना काव्यो: क्रमांक ५, ९, १३, १४, १७, १८, १९, २३, २४, २५, २६, २९, ३३, ३४, ३६ अने ३८.

गद्य—१. Fables and Legends of Tolstoy (Ganesh and Co.) मांथी नीचेनी वार्ताओ :—

How much land does a man need;
The Story of Ivan the Fool;
Where Love is there God is;
If you neglect the little Fire.

२. Irving's Sketch-Book માંથી નીચેના નિબંધો :—

Author's account of himself; the Voyage; Roscoe; the Wife; Rip Van Winkle; English Writers; Rural life in England; the Broken-heart; the Art of Book-making; a Royal Poet; the Country Church the Widow and her Son; અને a Study in London.

(२) **बंगाली** गद्य (१) पाठ सचय. श्री रवीन्द्रनाथ ठाकुर
पद्य (१) वाल्मीकीर प्रतिभा श्री रवीन्द्रनाथ ठाकुर
व्याकरण सरल वाला व्याकरण-इडीअन पब्लीशींग हाउस, कलकत्ता.

( ) **हिंदुस्तानी—**

हिंदी-गद्य (१) **गुरु गोविंदसिंह**—ले. वेणीप्रसाद (मनोरजन पुस्तकमाला, काशी-नागरी प्रचारिणी सभा.)

(२) **हिंदी की पाँचवी पोथी**—रामदास गौड-(हिंदी पुस्तक एजेन्सी, ३२६ हॅरिसन रोड, कलकत्ता)

पद्य—(१) **मौर्य विजय**—ले० सियारामशरण गुप्त (साहित्य सदन, निरगॉव जि झांसी.)

(२) **सक्षिप्त रामायण**—(इन्डिया प्रेस, अलाहाबाद) में से अयोध्या काण्ड दो. १७४ से काण्ड के अन्त तक (पंक्ति १६४, पृ. १३८ से १४५); तथा प्रस्तावना मे से तुलसीदासजी के जीवनचरित्र की मुख्य घटनायें (पृ. १२ से ५१) कालनिर्णय आदि की क्लिष्ट चर्चा छोडकर के ।

(सर्वे हिन्दी पुस्तकों गांधी पुस्तक भडार, कालबादेवी, मुंबईमांथी घणु करीने मळशे)
व्याकरण—हिंदी मिडल व्याकरण.

उर्दु—मुन्तखे बाते उर्दु (गूजरात विद्यापीठ)
व्याकरण—सरळ.

मराठी—गद्य १. गोविन्दाची गोष्ट (शि म परांजपे)
२. टेरेन्स मॅक्स्विनी (ना. सि. फडके)

पद्य बाल नवनीत (राष्ट्रीय शाळा, खामगांव-विरार)
व्याकरण—जोशीकृत लघु व्याकरण.

(आ पुस्तको परचुरे पुराणिकनी कु., गि पि. टॅन्क रोड, मुंबईमांथी मळशे.)

विषय ३ जो इतिहास

१. हिंदुस्ताननो—मोगल, मराठा अने ब्रिटिश समयनो ई. स. १९२० सुधीनो.
२. इग्लांडनो—ई. स. १४८५थी १९१४ सुधीनो.

विषय ४ थो

हिंदमां ब्रिटिश सरकारनुं राजतंत्र अने हिंदी महासभानुं बंधारण.

(१) ऐतिहासिक दर्शन:—कंपनीनी शरुआत, वेपारमांथी राज्य, अने राज्यने लीधे राज्यबंधारणने लगता कायदा—१७७३, १७८४, १७९३, १८१३, १८३३, १८५३, १८५८, १८६१. १८९१, १९०९, १९२०ना मोटा फेरफारो नोंधी टुंकमां दर्शन करावयु.

(२) हिंदी वजीर अने तेनी सभानो टुक इतिहास अने हालनु बंधारण (व्यावहारिक दृष्टिए)

(३) वडी सरकार अने तेनी कार्यवाही सभानो टुक इतिहास: हालनी स्थिति, सत्ता तथा फरजो साथे.

(४) प्रान्तिक सरकारनो टुक इतिहास हालनी स्थिति तथा फरजो साथे.

(५) जिल्ला सरकार—सत्ता तथा फरजो—तालुको अने ग्राम्य स्वराज

(६) स्थानिक स्वराज —टुक अहेवाल तथा हालनी स्थिति.

(७) जमीन महेसुल.

(८) जाहेर सहीसलामती (लश्कर, पोलीस, छुपी पोलीस तथा जेल)

(९) न्याय अने अन्य प्रजोन्नतिकारक कामो (केलवणी, वैद्यक अने आरोग्य, दुकाळ–शमन, रेल्वे इरीगेशन, जाहेर बांधकाम.)

(१०) नाणांखातु—टुंक इतिहास–हालनी वर्गणी अने बजेट.

(११) धारासभा—टुक इतिहास–हालनु बंधारण (व्यावहारीक दृष्टिए.)

(१२) हिंदी महासभानुं हालनु बंधारण टुक इतिहास साथे

(१३) देशी राज्यो

(१४) ब्रीटीश संस्थानोमां भारतवासीओ अने तेमना हक.

विषय ५ मो गणित

अंकगणित

एक प्रश्नपत्र–(२ कलाक)–७५ गुण

त्रिराशि, बहुराशि, साधारण अने दशांश अपूर्णांक (आवर्त द. अ. सिवायना) अने तेमना गुणाकार भागाकारनी टुकी रीत, प्रमाण, मीटर पद्धति, साटु, व्याज, तुर्तकिंमत, लोन, शेर, नफोतोटो काटखुण, चतुष्कोण, वर्तुळ, तथा नळाकार पदार्थोनां पृष्टफळ, घनफळ.

बैजिक चिह्न अने पद्धतिओ वापरवा देवामां आवशे.

क्लिष्ट अने लवाणवाळी रीतोना दाखला आपवामां आवशे नहि •

बीजगणित

एक प्रश्नपत्र (૨ કલાક)—७५ गुण

प्राथमिक रीतो, सहेला अवयवो, गुरुतम साधारण अवयव अने लघुतम साधारण अवयवी (बने सहेलां अवयवीकरण द्वारा काढी शकाय तेवा), सादा अपूर्णांको, शुद्ध एकवर्ण अने द्विवर्ण समीकरणो (वार्णिक उपगुण विनाना×), अवयवीकरण द्वारा सहेलां आंकिक † वर्गसमीकरणो, उपरोक्त समीकरणो उपर कूट दाखलाओ, वर्गमूळ, बिंदुओना अने सुरेखाओना आलेखन माटे आलेखपत्रनो उपयोग, आलेख द्वारा शुद्ध अनेकवर्ण समीकरणोनो उकेल, आंकडाशास्त्रना आलेख*

भूमिति

एक प्रश्नपत्र—(२ कलाक)—७५गुण.

प्रायोगिक भूमितिः— क विभागमां बतावेली रचनाओ तथा जरुर होय त्यां दाखलाना स्वरूपमां तेमना सादा विकास उपर प्रश्नो पूछवामां आवशे. विद्यार्थी पासे नीचेनां साहित्यो होवां जोईये—इंच, दशांशइंच, सेन्टीमीटर अने मीलीमीटरना मापनी पट्टी, काटखुणियु, कोणमापक, परिकर (कम्पास) अने सखत पेन्सील. बधी आकृतिओ मापसर दोरवी जोईए.

तात्त्विक भूमितिः— ख विभागमां बतावेला सिद्धान्तो. ते पर प्रश्नो. सहेला दाखलाओ अने आंकिक उदाहरणो उपर प्रश्नो पूछवामां आवशे. विषयना व्यवस्थित निरूपणना अगत्य होय एवी कोईपण उपपत्ति स्वीकारवामा आवशे. ख विभागमां बतावेलो क्रम ए ज विषयना निरूपणनो क्रम होय एवो आग्रह नथी

सहेलाइथी समजी शकाय तेवां संक्षेप चिह्नो वापरवानी भलामण करवामां आवे छे.

क विभाग

कोण, सुरेखा अने वर्तुलना चाप (arc)नु द्विभाजन

सुरेखा पर लंबनी रचना.

आपेला कोण बराबर कोणनी रचना.

आपेली सुरेखाने समांतर सुरेखानी रचना.

पुरता पक्ष (data) परथी सहेलां त्रिकोणरचना.

सुरेखाना गमे तेटला सरखा भाग पाडवानी रचना.

वर्तुळना स्पर्शक (tangent) नी रचना.

आपेला वर्तुळने अंतरगत अथवा परिगत ३, ४, ६, ८ बाजुनी नियमित आकृतिओनी रचना.

त्रिकोण अने चोरसने अंतर्गत अथवा परिगत वर्तुळनी रचना

आपेली सुरेखा उपर आपेलो खुणो आंतराय एवा वर्तुळ खंडनी रचना.

× Not involving literal coefficients † Arithmetical

* आ विषय नवीन छे,

ख विभाग

बिंदु आगळनो कोण

जो एक सुरेखा पर बीजी सुरेखा पडे तो तेथी थता बे कोणनो सरवाळो बे मूलकोणनी बराबर छे. अने तेनो प्रतिसिद्धांत.

जो बे सुरेखाओ परस्पर छेदे तो अभिकोण सरखा थाय.

समांतर सुरेखाओ

जो एक सुरेखा बीजी बे सुरेखाने छेदे अने जो (१) युग्मकोण सरखा होय, अथवा जो (२) अनुकोण सरखा होय, अथवा जो (३) छेदक रेखानी एक बाजुना अंत:कोणनो सरवाळो बे मूलकोणनी बराबर होय तो ते बे सुरेखा समांतर होवी जोईए; अने तेनो प्रतिसिद्धांत.

एक ज सुरेखाने समांतर एवी सुरेखाओ परस्पर समांतर होय.

त्रिकोण अने सुरेख आकृतिओ

त्रिकोणना कोणोनो सरवाळो बे मूलकोणनी बराबर छे.

जो उन्नतोदर बहुकोणना भुज क्रमश लंबावीए तो तेवी रीते उपजेला कोणोनो सरवाळो चार मूलकोण बराबर छे.

जो एक त्रिकोणना बे भुज अनुक्रमे बीजा त्रिकोणना बे भुजनी बराबर होय, अने जो आ भुजना अंतर्गत कोण पण सरखा होय, तो ते बे त्रिकोण एकरूप छे.

जो एक त्रिकोणना बे कोण अनुक्रमे बीजा त्रिकोणना बे कोणनी बराबर होय अने जो एक त्रिकोणनो एक भुज बीजा त्रिकोणना अनुवर्ती भुजनी बराबर होय, तो ते बे त्रिकोण एकरूप छे.

जो त्रिकोणना बे भुज समान होय तो समान भुजनी सामेना कोण पण समान होय; अने तेनो प्रतिसिद्धांत.

जो एक त्रिकोणना भुज अनुक्रमे बीजा त्रिकोणना भुज बराबर होय, तो ते बे त्रिकोण एकरूप छे.

जो बे मूलकोण त्रिकोणना कर्ण सरखा होय, अने एक त्रिकोणनो एक भुज बीजा त्रिकोणना एक भुजनी बराबर होय, तो ते बे त्रिकोण एकरूप थशे.

जो त्रिकोणना बे भुज असमान होय तो मोटा भुजनी सामेनो कोण मोटो होय; अने तेनो प्रतिसिद्धांत.

आपेला बिंदुथी आपेली सुरेखा सुधी दोरेला सर्व सुरेखाओमां लंब सौथी टुंकी छे.

समांतर चतुष्कोणना सामसामेना भुज अने कोण समान छे, प्रत्येक विकर्ण चतुष्कोणने दुभागे छे अने बंने विकर्ण परस्पर दुभागे छे.

जो कोई सुरेखा त्रण अथवा वधारे समांतर सुरेखाओने छेदे अने जो तेथी उपजता अंतराल समान होय तो ते समांतर सुरेखाओने छेदनार बीजी कोईपण सुरेखाथी उपजता अंतरालो पण समान थशे.

क्षेत्रफळ

एक ज अथवा समान आधार अने समान उचाईवाळा समांतर चतुष्कोणोनु क्षेत्रफळ समान छे.

एक ज अथवा समान आधार अने समान उचाईवाळा त्रिकोणनु क्षेत्रफळ समान छे.

एक ज अथवा समान आधार परना समक्षेत्र त्रिकोणनी उचाई समान छे.

त्रिकोणना बे भुज वच्चेनो कोण लघु मूल अथवा गुरु होय, ते प्रमाणे अनुक्रमे ते बे भुज परना वर्गोनो सरवाळो त्रीजा' भुज परना वर्ग करतां मोटो, समान अथवा न्हानो होय ज्यां असमानता होय त्यां बे भुजमांथी एक, अने तेना उपर बीजा भुजनो प्रक्षेप-आ बे वडे थता आयात जेटलु असमानतानु अंतर होय.

कोईपण त्रिकोणनी बे बाजु परना वर्गोनो सरवाळो अर्धो आधार अने आधारने छेदती मध्यगा ए बे वर्गोना सरवाळाथी बमणो छे.

निधान

बे अचल बिंदुओने समांतर एवा कोई त्रीजा बिंदुनु निधान अचल बिंदुओने जोडनार सुरेखानो लंब द्विभाजक छे.

बे परस्पर छेदती सुरेखाथी समांतर एवा कोई बिंदुनु निधान ते बे सुरेखाथी थता चार कोणने दुभागनार बे सुरेखाओ छे.

वर्तुळ

व्यास नहि एवी कोई पण जीवानी द्विभाजक सुरेखा केन्द्रमांथी दोरी होय तो ते जीवाने लंब थाय; प्रतिसिद्धांते, केन्द्रमांथी दोरेली जीवा परनो लंब जीवाने दुभागे.

एक सुरेखा पर न आवे एवां त्रण बिंदुमांथी पसार थनार एक, अने एक ज वर्तुळ दोरी शकाय.

समान (अथवा एक ज) वर्तुळमां—(१) जो बे चाप केन्द्र आगळ सरखा कोण आंतरे तो ते बे चाप समान छे,

(२) प्रतिसिद्धांते जो बे चाप समान होय तो ते केन्द्र आगळ सरखा कोण आंतरे.

समान (अथवा एक ज) वर्तुळमां—(१) जो बे जीवा समान होय तो तेना चाप पण समान होय.

(२) प्रतिसिद्धांते जो बे चाप समान होय तो तेमनी जीवा पण समान होय.

समान जीवाओ केन्द्रथी समांतरे होय अने; अने तेनो प्रतिसिद्धांत.

वर्तुळना कोई पण बिंदु आगळनो स्पर्शक अने ते बिंदुमांथी जती त्रिज्या लंब होय.

जो कोई बहारना बिंदुथी वर्तुळने बे स्पर्शको दोरवामां आवे, तो

(१) ते बे स्पर्शको समान थाय.

(२) तेओ केन्द्र आगळ समान कोण आंतरे,

(३) आपेला बिंदुने केन्द्र साथे जोडनार सुरेखा साथे तेओ समान कोण करे,

जो बे वर्तुळो स्पर्शे तो स्पर्शबिंदु केन्द्रमांथी जती सुरेखा पर होय.

वर्तुळनो चाप शेष परिधिना कोई पण बिंदु आगळ जे कोण आंतरे तेना करतां बमणो कोण केन्द्र आगळ आंतरे.

एक ज वृत्तखंड परना कोण समान छे. अने जो बे बिंदुने जोडनार सुरेखा पोतानी एक ज बाजु परना कोई बे बिंदु आगळ सरखा कोण आंतरे तो ते चार बिंदुओ चक्रीय छे.

वृत्तार्ध परना कोण मूळकोण छे वृत्तार्ध करता मोटा चाप परना कोण गुरुकोण अने वृत्तार्ध करतां न्हाना चाप परना कोण लघुकोण छे.

चक्रीय चतुष्कोण सामसामेना कोणोनो सरवाळो मूळकोण छे; अने तेनो प्रतिसिद्धांत.

जो कोई सुरेखा वर्तुळने स्पर्शे अने जो स्पर्श बिंदुमांथी कोई पण जीवा दोरवामां आवे, तो ते जीवा अने स्पर्शक वच्चेनो कोण ते जीवाथी एकांतरवृत्तखंडमां आंतरायेला कोणनी बराबर छे.

जो वर्तुळनी बे जीवा वर्तुळनी बहार अथवा अंदर परस्पर छेदे तो एक जीवाना खंडनो आयत बीजी जीवाना खंडोना आयात बराबर छे; अने तेनो प्रतिसिद्धांत.

विषय ६ ठो प्राचीन भाषा

संस्कृत—(प्रचलित धोरण प्रमाणे-एटले) भाण्डारकरनां बे पुस्तको जेटलो: नीचेनो भाग बाद करीने—परोक्ष भूतकाळ (लिट् Perfect Tense) ना पहेला (उत्तम) अने बीजा (मध्यम) पुरुषोनां रूपो:

नीचेनां रुपो मात्र ओळखतां आवडवां जोइए; अद्यतन भूतकाळ (लुङ्) Aorist आशिर्लिंग (Benedictive), सनन्त (Desiderative), यङन्त (Frequentative) सहेलां वाक्यो अने श्लोकोनो अनुवाद.

फारसी अने अरब्बी—व्याकरण तथा अनुवाद.

५मा अने ६ठ्ठाने बदले उद्योग कळाओ

परीक्षा लेखी (अथवा लेखी अने मौखिक)	१००
प्रत्यक्ष अथवा प्रयोगात्मक	२१५

१ वणाट

वणाट माटे स. १९८०-८१ मां नीचेना अभ्यासक्रम प्रमाणे परीक्षा लेवामां आवशे:—
१ प्रश्नपत्र—१०० गुणनुं ३ कलाकनुं.

पाठ्य-पुस्तको—१. वणाटशास्त्र भा. १ लो. कर्ता मगनलाल खु. गांधी, (नवजीवन अमदावाद) २. देशी रंग-कर्ता प्रफूलचंद्र रॉय. अनुवादक: मगनलाल गांधी, (नवजीवन अमदावाद).

प्रत्यक्ष क्रिया—२२५ गुण

१ **कांतण**—६, ९, १२, १६ अने २० आंकनुं सूतर एक एक तोलो सरखी रीते वळदार अने रंछी वगरनुं ओछामां ओछु कलाकना २०० वारनी झडपे कांतवु. (उत्तम झडप कलाकनी ३५० वार)

२ **पींजण**—ओछामां ओछुं कलाकना ५ तोला पींजी पूणी बनाववी (उत्तम झडप कलाके १० तोला) (मध्यम पींजण)

३ **पीलाई**—कपास जुदवो तथा पीलवो-ओछामां ओछुं कलानो ०॥ शेर (उत्तम झडप कलाके २ शेर)

४ **वणाट**—(१) ३० इंच पनानु ओछामां ओछु कलाके ०। वार (सारी झडप कलाके ०॥ वार) (गुण आपवामां झडप करतां सुघटता पर विशेष ध्यान आपवामां आवे)

(२) तराहनुं वणाट—जिन, बेवडुं जिन, लहेरभात, हीराभात, मधपुटाभात (त्रण अने पांच रानी)

(३) रंग—'देशी रंग'ना पुस्तक प्रमाणे,

५ **समारकाम**—माळ बनाववी, साडी पहेराववी, तांत चडाववी, राच करवी, ताण करवी, त्राक सुधारवी इत्यादि.

(२) सुथारकाम

विषयो—जुदां जुदां कामो माटे वापरवा योग्य लाकडानुं ज्ञान.
सुथारी गणित-उदा. लाकडानुं घनमाप, रंधनना दाखला वगेरे

कारीगरीनी परीक्षा

त्रण कलाकमां तैयार करी शकाय एवी कोई वस्तु जेवी के पेटी: बांकडो (स्टूल), कलमदान, घोडी वगेरे पॉलिश माटे तैयार थाय एवुं बनाववा आपवामां आवशे; अने एनी परीक्षामां नीचेनी बाबतो उपर ध्यान आपवामां आवशे:—

१. वांसलानुं काम—लाकडाने वांसलाथी दोरे मारीने सीधु करवु, सरखुं गोळ करवु, चडतुं उतरतु गोळ करवुं इत्यादि

२. दोरो मारवो—

३. रंधानु काम—रंधावडे साफ अने सीधुं करवुं, खांचो पाडवो, बहारनी (Convex) गोळाई करवी, अन्दरनी (Concave) गोळाई करवी; जुदी जुदी जातना रंधा चलावता आवडवा

४. करवत चलावतां आवडवी—केवा लाकडां माटे केवी करवत चलाववी तेनु ज्ञान; अमुक लाकडु कापतां कई करवत पसन्द करवी तेनी समज, लाकडां वेरवां

५. छिद्रकाम—करमा अने शारडी वडे—सीधा छिद्र पाडवा, करमी फरडवानी शुरुआत इ०

६ गुणीओ अने फरसीनु काम—गुणीआनो उपयोग, फरसी वडे छिद्र अने चूर पाडी लाकडा जोडवा अने चोकठा बेसाडवा

७. खीला मारवा—माथावाळा अने माथा वगरना माथा वगरना खीलाथी पाटीआ जोडवा स्क्रू बेसाडवा, इ०

(३) कृषि

जमीन

१ जमीनना प्रकार (प्रयोगसह)

२. जमीननी बनावट गरमी, ठंडी, अने विजळी—पवनोनु फूलवु अने चीरावु पाणी—
(१) वहेतु पाणी, (२) वर्षाआर पाणी—बरफ, बरफना डुंगर हवा, झाकळ, धुमस, धुणा, झाड वगेरे जुदा जुदा प्रकारनी वनस्पति जमीनना जीवडा

३ जमीनना प्राकृतिक धर्म हलका के भार चाकाश (structure) कुमाश अथवा बरछट पणु (texture) छिद्राळुपणु पाणी राखवानी शक्ति—(saturation) वशाकर्षण—(सप्रयोग) उष्णताशोषकपणु—भीनाश रंग फुलवु अने गळोचावु क्षार शोषकता हवामानी भीनाश चूसवानो गुण

४ उपला धर्मोनी पाक अने जमीन उपर थती असर अने तेमा पाकने अनुकूळ घटता फेरफार करवाना उपाय

५ छोडने उपयोगी मुख्य घटको—नाइट्रोजन, फॉस्फरस, पोटेश्यम अने कॅल्श्यम, पाकनो संबंध पाणीमा तथा तेजाबमा द्रावक अने अद्रावक पदार्थ (सप्रयोग) सेन्द्रिय पदार्थोनु कोवावु, तेमाथीनु छूटा पडवु, अने अद्रावक पदार्थोनु द्रावक बनवु फॉस्फरस अने पोटेश्यम—खातर नाइट्रोजन, बॅक्टेरीआ अने लेग्युम्स लाइमींग—पोटाश अने फॉस्फरिक ॲसिडने छूटा पाडवा

६ जमीननो कस—खेडाण पाणीनी नीकाश (draining) विविध पाक खातर—विविध जात—छाण, लीलो पाक, खाळ, मेलु, विलायती खातर, वगेरे—दरेकनी पाक उपर असर, खातरने साचववानी रीत

छोड

छोडना भाग—अंकुरोद्भव—एक दळ अने द्विदळना अंकुरमा तफावत बीजना भाग (सप्रयोग) थड अने मूळनु वधवु अने तेनी दिशा मूळ—धोरीमूळ, नाना मूळ अने तेना कार्यो पादडा नसो कुपळो वगेरे

छोडनु कार्य—१ पाणीनो उपयोग अने कल्ल बिंदु (cells) (सप्रयोग) छोडनु टटार रहेवु क्षारना द्रावण अने छोडवा उपर असर (सप्रयोग) खारी जमीन अने पाक (सप्रयोग)

२. पाणीनु मूळ वाटे ऊंचे चडवु.

३. छोडवामांथी पाणीनु बाष्पीभवन

४. मंडज (starch) अने पांदडां—लीलां पांदडां अने ताप, मंडजनो ने छोडनो उपयोग-मंडज बनावतां छोडमांथी नीकळतो वायु (सप्रयोग).

५. श्वासोच्छ्‌वास (सप्रयोग).

६. छोडवा अने अजवाळु (सप्रयोग).

७. वेलाओ.

८. फूल, फळ, बीज, परागसंक्रमण, बीजनु फेलावु, वेरावु, जीवन कलह विगेरे.

छोडना रोग.

छोड उपरना जीवडां—(१) पग्पदना आद्य शरीरनी रचना, शरीरना भाग अने विकास, तेनाथी थतु पाकने नुकसान:

(२) तेना कुदरती दुश्मन, तेनो नाश करवाने अनुकूळ वखत.

(३) प्राणीओ, पक्षीओ, अने जंतुओथी थता लाभालाभ.

पाक—१. स्थानिक पाक.

२. फळ, झाड विषे सामान्य माहिती.

३. कलम करवी छांटवु (pruning) वगेरे.

सामान्य ज्ञान

१ खेडमां वपरातां ओजार, तेना भाग, तेनी किंमत, तेनाथी थतु काम, तेनी काळजी वगेरे.

२. ढोर, तेनी परीक्षा अने मावजत.

३. ऋतुना फेरफार अने तेनी पाक उपर थती असर-वळनां पाणी (monsoon currents), भेजमापक यंत्र (barometer).

४. कांस, दरियानी सपाटी (sea-level) काठो, नदी, पर्वत, झाड, हीम, ताप, धूमस, झाकळ वगेरेनी पाक अने वरसाद उपर असर.

५ खेडूतनां घर, कोठार अने माळना व्यवस्था अने हिसाब, बीजनी साचवणी.

६. मजुरनी व्यवस्था, मूडल, पाक कापवानो, एकठो करवानो, लाववानो वखत अने मोसमनु ज्ञान, खेडूतनी जरुरीआतो अने चार गामना गामनी वहेंचणी.

७. डेरी, दूधनु वेचाण.

८. पाक, फळ अने बजार.

खेतीने अंगे बीजुं उपयोगी ज्ञान

वेपारी भूगोळ: पाकना नकशानु ज्ञान, जमीनना नकशानु ज्ञान: सप्रमाण नकशो: (scale drawing) महेसुली आनावारी सामान्य सुधारीकाम · बेंक · अर्थशास्त्रनु सामान्यज्ञान: पप-पाणीनु माप, कोसनी पद्धति-लाभालाभ: गणवतपद्दानु ज्ञान अने व्याजनु ज्ञान.

५. छिद्रकाम—वरमा अने शारडी वडे—गीश छिद्र पाडवां, वरमो पकडवानी कुशळता इ०

६. गुणीओ अने परसीनु काम—गुणीआनो उपयोग, परशी वडे छिद्र अने चूर पाडी लाकडा जोडवां अने चोरसो बेसाडवा

७. खीला मारवा—माथावाळा अने माथा वगरना माथा वगरना खीलाथी पाटीआ जोडवा स्क्रू बेसाडवा, इ०

(३) कृषि

जमीन

१ जमीनना प्रकार (प्रयोगसह)

२. जमीननी बनावट गरमी, ठंडी, अने विजळी-पर्वतोनु भुकवु अने चीरावु पाणी—

(१) वहेतु पाणी, (२) बर्फीआर पाणी-बरफ, बरफना डुगर हवा, झाकळ, धुमस, हुणो, झाड वगेरे जुदा जुदा प्रकारनी वनस्पति जमीनना जीवडा

३ जमीनना प्राकृतिक धर्म हलका के भारे चीकाश (structure) कुमाश अथवा बरछटपणु (texture) छिद्राळुपणु पाणी राखवानी शक्ति—(saturation) बेशाकपण—(सप्रयोग) उष्णताशोषकपणु—भीनाश रग फुलवु अने सकोचावु क्षार शोषकता हवामानी भीनाश चूसवानो गुण.

४. उपला धर्मोनी पाक अने जमीन उपर थती असर अने तेमा पाकने अनुकूळ थता फेरफार करवाना उपाय

५ छोडने उपयोगी मुख्य घटको—नाइट्रोजन, फॉस्फरस, पोटेश्यम अने कॅल्श्यम, पाकनो सबध पाणीमा तथा तेजाबमा द्रावक अने अद्रावक पदार्थ (सप्रयोग) सेन्द्रिय पदार्थोनु कोवावु, तेजाबोनु छुटा पडवु, अने अद्रावक पदार्थोनु द्रावक बनवु फॉस्फरस अने पोटेश्यम-खातर नाइट्रोजन, बॅक्टेरीआ अने ह्युमस लाइमींग—पोटाश अने फॉस्फरिक ॲसिडने छुटा पाडवा.

६ जमीननो कस—खेडाण पाणीनो नीकाश (draining) विविध पाक खातर-विविध जात—छाण, लीलो पाक, गोळ, मेलु, विलायती खातर, वगेरे—दरेकनी पाक उपर असर, खातरने साचववानी रीत

छोड

छोडना भाग—अकुरोद्भव-एक दळ अने द्विदळना अकुरमा तफावत बीजना भाग (सप्रयोग) थड अने मूळनु वधवु अने तेनी दिशा मूळ-धोरीमूळ, नाना मूळ अने तेना कार्यो पादडा नसो कुपळो वगेरे

छोडनु कार्य—१. पाणीनो उपयोग अने कलल बिंदु (cells) (सप्रयोग) छोडनु टटार रहेवु क्षारनी द्रावण अने छोडवा उपर असर (सप्रयोग) खारी जमीन अने पाक (सप्रयोग)

२. पाणीनु मूळ वाटे उंचे चडवु.

३. छोडवामांथी पाणीनु बाष्पीभवन

४. मडज (starch) अने पांदडां—लीलां पांदडां अने ताप; मडजनो ने छोडनो उपयोग–मडज बनावतां छोडमांथी नीकळतो वायु (सप्रयोग).

५. श्वासोच्छ्वास (सप्रयोग).

६. छोडवा अने अजवाळु (सप्रयोग).

७. वेलाओ.

८. फूल, फळ, बीज, परागसंक्रमण, बीजनु फेलावु, वेरावु, जीवन कलह विगेरे.

छोडना रोग.

छोड उपरनां जीवडां—(१) पतंगिया बाह्य शरीरनी रचना, शरीरना भाग अने विकास, तेनाथी थतु पाकने नुकसान

(२) तेना कुदरती दुश्मन, तेनो नाश करवाने अनुकूळ वखत.

(३) प्राणीओ, पक्षीओ, अने जंतुओथी थता लाभालाभ.

पाक—१. स्थानिक पाक.

२. फळ, झाड विषे सामान्य माहिती.

३. कलम करवी छांटवु (pruning) वगेरे.

सामान्य ज्ञान

१ खेडमां वपरातां ओजार, तेना भाग, तेनी किंमत, तेनाथी थतु काम, तेनी काळजी वगेरे.

२. ढोर, तेनी परीक्षा अने मावजत.

३. ऋतुना फेरफार अने तेनी पाक उपर थती असर–वळता पाणी (monsoon currents), भेजमापक यंत्र (barometer).

४. कास, दरियानी सपाटी (sea-level) काटो, नदी, पर्वत, झाड, हीम, ताप, धूमस, झाकळ वगेरेनी पाक अने वरसाद उपर असर.

५ खेडूतनां घर, कोठार अने मालनी व्यवस्था अने हिसाब, बीजनी साचवणी.

६. मजुरनी व्यवस्था, मूडल, पाक कापवानो, एरुठो करवानो, लाववानो वखत अने मोसमनु ज्ञान, खेडूतनी जरुरीआतो अने बार मासना कामनी वहेंचणी.

७. डेरी, दूधनु वेचाण.

८. पाक, फळ अने बजार.

खेतीने अंगे बीजुं उपयोगी ज्ञान

वेपारी भूगोळ: पाकना नकशानु ज्ञान, जमीनना नकशानु ज्ञान सप्रमाण नकशो: (scale drawing) महेसुली आनावारी· सामान्य सुधारीकाम: बॅंक: अर्थशास्त्रनु सामान्यज्ञान: पप-पाणीनु माप, कोसनी पद्धति-लाभालाभ. गणवतपद्धनु ज्ञान अने व्याजनु ज्ञान.

क्रियात्मक ज्ञान

गेटवुं-समार टवो-काम काढवा-ओरवु-करवटी टेरी-दतार देवु-रांपवु-मीदवु-वाढवुं-लणवु-मसळवु-फटस्वुं-धार करवी' सळीयां पाटवां-पाणी पावु वगेरे: गाडु जोडवु, ढोरनी मावजत, दोहवानी क्रिया ढोरनी ओळखाण: साधनोनु समार काम.

(४) शिवणकाम

अ काच (कास अथवा गाज), बटन फांग्वु, ओटवु, क्षईडरी भरवो, प्लेट करवां कपडु सोरावु, सांधो उरफ करवो, चुण करवी, इस्त्री करवी.

आ नीचेनो पोशाक सांचा पर तथा हाथे शीवतां आवडवो—
पुरुषोनो—रुमाल, कोथळा, दफतर, गलेफ, लगोट, सदरो, गादु पहेरण, कळावालु पहेरण, बंडी, पासावडी, डबल बंडी, कबजो, खमीस, बांडीओ कबजो, गांधी टोपी, झवेरा टोपी, बगलथेली
बाळकोनो—झभलु, लेंघो, चड्डी, बालटोपी, फ्रॉक.

इ (१) माप लेवानु तथा वेतरवानु (२) कपडु केटलु जोइए तेनो हिसाब लेवानु, (३) सचानु शिवण (४) हाथ शिवण (५) शिवेला पोषाक पूर्ण करवानु (६) वगडा गयेला कपडा सुधारी आपवानु.

ई पोषाक पहेरवाना हेतु: तेने वर त्यारवा माटे शिववामां कइ बाबतो उपर लक्ष आपवु; रंगित अने सफेद कपडां पहेरवाथी थता लाभालाभनु ज्ञान: जुदा जुदा धंधादारीओ माटे कपडा शीववामा करवा जोइता फेरफार अने तेनां कारणोनु ज्ञान, हवामानने लीधे पहेरवेशमां फेरफार अने तेनां कारणोनु ज्ञान, शिवणकार तरीके समाजमां प्रतिष्ठा अने स्वतन्त्रता जाळववा माटे जोइता नियमोनु ज्ञान.

उ सचाना सामान्य समार काममी माहिती: उदा० कया भाग नथी ते जाणवु तेने नवो लावी बेसाडता आवडवु.

परीक्षा—१. पश्नपत्र
२. हाथशिवण.
३. सचानु शिवण.
४. समार काम.

(५) वाणिज्य

१. **व्यापारनां मूळतत्वो**—व्यापार एटले वस्तुओनो विनिमय. तेमां मुख्यत्वे खरीदवानी अने वेचवानी बे क्रियाओनो समावेश थइ शके—

(१) खरीद केम करवी.

(क) जथाबध वेपारीओने माटे—वस्तुओना बनावनाराओ पासेथी तेमना कॅटलॉगो, यादीओ, नमुनाओ वि. मगावीने ते क्रिया माटे कागळो लखवा, भरतीयां तपासवां, मालनो ऑर्डर आपवो, मालनी तपासणी, कोठार व्यवस्था (warehousing),

माल लाववानां वाहनो, नूर विषे जाणवा जेवी माहिती, रेल्वे, स्टीमर, बील ऑफ लेडींग, मालनो वीमो वगेरे.

(ख) छूटक वेपारी माटेः—जथाबंध वेपारीओ पासेथी माल केवी रीते लेवो; ते बनावनार पासेथी केम न लइ शके: माल आवे त्यारे तेने केम गोठववो.

(२) वेचाण केम करवुं.

(क) जथाबंध वेपारी माटेः—गामेगाम फरनारा सेल्समेनो तथा कमीशन उपर काम करनारा आडतीयाओ तथा सरक्युलर कागळो, भरतीयां (invoices) तैयार करवां, मालने पॅक करवो अने बहारगाम मोकलवो.

(ख) छूटक वेपारी माटेः—स्टोरनी शाखाओ काढीने, अथवा मल्टीपल शॉप काढीने अथवा एक ज किंमते दरेक वस्तु वेचवानी दुकान काढीने; ते रीतोनुं सामान्य ज्ञान तथा व्यवस्था, नामानी पद्धति, मालने तपासी लेवानी पद्धति, सेल्समेनोने आपवानी सूचनाओ वि.

(ग) मालनुं वेचाण केम वधारवुं:—सेल्समेनना धधा बाबत टूंक माहिती.

(घ) भरतीयां, हिसाब आपवो–लेवो (stataement of accounts), पहोंचनो नमुनो, वेचाण भाटेनो नमुनो वि.

(३) वेपारने अंगे लेवडदेवड:—रोकड, वटाव कापवो, हुंडीओ, चेको, तथा प्रॉमीसरी नोटो, आ वस्तुओनां चलण तथा लखवानी रीत विषे टूंक माहिती.

(४) शाख (credit) एटले शुं? घराकोनी शाख विषे माहिती केम मेळववी, लेणां केम पताववां अने तेनो हिसाब केम राखवो.

(५) शराफीः—बॅन्क एटले शुं? बॅन्कनी साथे बांधी मुदतनो, टूंक मुदतनो, चालु के सेवींग्स खातानो व्यवहार शरु करवा बाबत अने पैसा उपाडवा बाबत, बॅन्कमांथी पैसा केम उछीना लइ शकाय, 'बॅन्क-रेट' एटले शुं?

(६) शेर बजार:—शेर बजारनी जरुर, गुण तथा दुर्गुण, तेजी, मंदी, वायदा वि. कियाओनो व्यवहार, शेर बजारनी कार्यपद्धति, शेर दलालो, बॅन्कोनो शेर बजार साथेनो संबंध.

(७) कार्यालय (office)नुं कामः—पत्रोनी फाइलो तथा नोंध राखवानुं तथा हाल वपरातां कार्यालयने लगती नवी रीतो.

(८) तार केम करवा:—तारना देश तथा परदेशना दर; तार केम लखवा.

(९) व्यापारी पत्रव्यवहार, व्यापारने अंगे लखाता दरेक जातना कागळोनुं खास ज्ञान. आ विषय उपर वधारे ध्यान आपवानी जरुर छे.

भलामण करेलां पुस्तको:—

Pitman– Manual of Business Training for Indian Students (खास भलामण)

Mairet– Principles and Practice of Business.

Grebby– Modern Business Training.

Pitman– Theory and Practice of Commerce.

Stephenson– Principles and Practice of Commercial Correspondence.

Pitman– Commercial Correspondence.

२. नामुं—

(१)—गुजराती पाकु नामु.

(२)—इंग्रेजी—Book Keeping by Aiyar—all chapters except those on Single Entry, Interest, Ledger Method, and Exchange Operations.

३. व्यापारी भूगोळ—हिन्दनु दुनियापर स्थान, सरहदो, व्यापारनो अर्थ, तेने माटेनी हिन्दमां अनुकूळताओ, हिन्दनो असलनो व्यापार, जमीनमार्गो अने जळमार्गो, कुदरती प्रतिकूळताओ, ते दूर करवानी आपणी महेनत, तेमां सफळता केटले अंशे, राज्यनी असर, हिन्दनी स्थिति, माल लाववा लइ जवानां साधनो, हिन्दनी नदीओ, रेल्वे, नहेरो, रस्ताओ, विगेरे

हिन्दना राजकीय विभाग अने राजबंधारणनो टुंक इतिहास तथा रूपरेखा, हिन्दना कुदरती विभाग (regions) छतां हिन्दनी एकता, हिन्दनी आबोहवा, वरसाद अने भेज, तेना पर खेतीवाडीनो आधार.

व्यापारनी वस्तुओ—डांगर, घउं, चणा, तुवेर, बीजु कठोळ, रु, सुतराउ कापड, पाट, लोखंड, पेट्रोलियम, कोलसो, सोनु, लाकडु, विगेरे विगेरे—अनुकूळ पडती बीजी चीजोनो पण समावेश करवो (तेनो आधार शिक्षको उपर राखवो जोइए.)

हिन्दनां बंदरो, शहेरो, रेल्वेनां मथको, हिन्दना प्रान्तो प्रान्तो वच्चेनो वेपार, तथा ते वेपारनी चीजो विषेनो ख्याल.

व्यापारनी आपणी असलनी स्थिति अने हालनी स्थिति वच्चेनी सरखामणी अने फेर होवानां कारणो विद्यार्थीओने समजाववां.

पुस्तको—

१—व्यापारी भूगोळ (गूजरात विद्यापीठ)

२—व्यापार शिक्षक

३—हिंदुस्ताननो वेपारनी वीगत—वा. क. छापीवाळा (वडोदरा)

४—Cottons' Handbook of Commercial Information.

५—वर्नाक्युलरनो फाइनल शिक्षक

६—Indian Year Book

७ World & India by Herbertson & Wren.

ते सिवाय शिक्षके पोताने माटे बीजी केटलीक मोटी चोपडीओ वांची लेवी जोइए.

४. व्यवहारु गणित—व्याज-सादु अने चक्रवृद्धि; वळतर, हुंडीआमण, शेर, मालनी पडतर अने नफो-टोटो काढवानी रीत, नफा-टोटाना हीसाब.

(६) संगीत

शास्त्रीय ज्ञान

१. स्वर, ताल, लय, आरोहावरोह, राग, नियम.

२. खमाज, काफी, आसा, मांड (माढ), झिंझोटी, देश, सारंग, भैरवी, आसावरी, गौडमलार, कल्याण, बिहाग, केदार, तिलंग, भूपाली—आ रागोना सादा आरोहावरोहना प्राथमिक नियमो.

३. दश देशी ढाळो.

४. ताल–धुमाली, केरवा, दादरा, त्रिताल, झपताल, एकताल, तेवरा.

५. अलंकार–भद्र, नंद, जित, सोम, ग्रीव, भाल, प्रकाश.

प्रत्यक्ष ज्ञान—गायन अथवा वाद्य.

१. गायनना विद्यार्थीए तबला अथवा मृदंग जाणवां जोईए.

२. वाद्यमां सतार, वायोलिन अथवा दिलरुबा.

पाठय पुस्तको—गायन वायोलिन तथा दीलरुबा माटे —

१. संगीत तत्त्व दर्शक–पं. विष्णु दिगंबर कृत (गांधर्व महाविद्यालय, मुंबाई)
२ अंकित अलंकार ,,
३. बालप्रकाश—भा. १–२ ,,
४. गूजराती ढाळी भा. १ पं. नारायण मोरेश्वर खरे प्रसिद्ध करशे.
५. तबला मृदंगवादन पद्धति—पं. विष्णु दिगंबर

सतार माटे—

सतार की पहिली पुस्तक पं. विष्णु दिगंबर कृत.

परीक्षा—लेखी १०० गुण, प्रत्यक्ष २२५ गुण (लय, ताल ६० विचार ५०, राग १००, देशी ढाल ७५)

(७) आलेखन

	विषय	विगतो	परीक्षा	समय	गुण
१.	अनुस्मरणालेखन (memory drawing)	प्राणीओ अने निर्जीव स्थूळ वस्तुओनुं.	प्रत्यक्ष किया	अर्धो कलाक	७५
२.	हस्तालेखन अने पल्लवालेखन (freehand and foliage)–रंगकिया साथे	समसव्यापसव्य (बन्ने बाजुए सम) तेमज अनियमित आकृतिओनुं	,,	त्रण कलाक	५०

३.	प्रतिमालेखन (model drawing) रगक्रिया साथे	सहेला आकारवाळी वस्तुओनु दर्शनचित्र	,,	,,	७५
४.	मितालेखन (Geometry) रगक्रिया साथे	प्रॅक्टिकल ज्योमेटि नामना पुस्तकना सर्वे कृत्यो	प्रश्न पत्र सहित	,,	७०
५.	छेल्ला वर्षमा करेला कामनी तपासणी				२०
				कुल गुण	३२५

(८) व्यायाम

लेखी एक प्रश्न प्रत्र

विषयो —व्यायाम शास्त्र, शरीर सरक्षण सबधी तथा व्यायामना विषयो सबधी शास्त्रीय ज्ञान

प्रत्यक्ष—विषयो

	१ दड बेठक	७ खोखो
	२ जोडी (मगदळ)	८ हु तु तु
	३ लेजिम	९ कुस्ती
	४ मल्लखब	१० पटा
	५. लाठी	११ कवायत
	६ आटापाटा	१२ तरवानी कळा (मरजीयात)

१ दंडबेठक—नीचे लखेला प्रकारोनी शात अने पद्धतिसर आवडत—

(अ) सीधे, सीनाकसी नमस्कार वजे, मयुरदड, बजरग दड, जट, दड जोर, वीर दड अने साफसूफ

(आ) आगे पाव, पीछे पाव, बाजू पाव, पेट गुडन, टागतोल, खडी बैठक, नीम बैठक, कूदन, नीमखमली, अने खडीखमली

२ जोडी मगदळ—नीचे लखेला प्रकारोनी सफाईथी एक बीजाने जोडीने करवानी आवडत— झोले, कलाई, दुर-बगल, बगली, दुहरी-बगली, बगल-लपेट, कलाई-शारी, शीरी, रुमाली एक, रुमाली दो, दुहरी शीरी, फेकन सीधी, फेकन उलटी, मोढा कसी, बदन फेर, वजेदार उलटी, सीधी कलाइ मोच, वजेदार कलाई मरोड अने बहार लपेट

३ लेजीम—नीचे लखेला प्रकार सघमा एकी अवाजे करवानी आवडत— एक जग्हे, आटी, पवित्रा, गोलचाल, चक्र गोल, गोल बैठक, अने मुह मिलाफ

४ मल्लखंब—प्रकारो —

सलामी बे प्रकार, सीधी, बगली, कैंची, गदा, एक हाती, भाप, फिरकी उडी, घोडा बे प्रकार, कानसळी खोपरी, मस्क, सलामी चार प्रकार, साधी—आडी दोनो बाजु, उपेरी सलामी, बगली आडी दोनो बाजु, कैंची आडी दोनो बाजु, उतरती, गर्दन आडी, गदा आडी, उलटी उडी, बदर पकड सपूर्ण.

५ लाठी—

दोरुख, सलामी एक, सलामी दो, चोमुखी एक, चोमुखी दो, बगलमो, जगमो, चोमुखी बगल, चंकना (आर्नी काट), चौमुखी जग, एकसे गोल, गोलसे दो कतार

६-८—आटापाटा, खो खो, हुतुतु पद्धतिसर रमत

९—कुस्ती—

सलामी सर्व प्रकारनी ढकेल, सर्व प्रकारनी चाल, डुब, हाथ छोडाववाना सर्वप्रकार. उखेड, पट काढवाना अने तेना बचावना सर्व प्रकार, तराना, नीदर खेचवा ते उपर बचाव

१०—पटा—तडफथी बदन तोडीने—

सीधी सलामी, डुबेद सलामी, पालट सलामी, द्विडुबेद, शेरध्वज, डुबफेर, सीधी गर्दन काट, चीर आर्नी, पालट आर्नी, गर्दन काट, द्विचीर.

११—कवायद.

पोते करवी, बीजा पासे करावबी, सघ व्यायाम पुस्तकमांथी प्रथम अधभागना हुकमो लेता अने देता आवडवा

१२—वालचमू—

१३—तरवुं—आसनो साथे—सिद्धासन, बद्ध पद्मासन, दृढासन, वीरासन, पश्चिम तानासन, द्विपाद शिर्षासन

(आ विषयनी परीक्षा नहि लेवाय, अने एनु शिक्षण भलामण रुपे समजवु)

भलामण करेला पुस्तको

१. सघ-व्यायाम तथा बीजा जुम्मा-दादा व्यायाम मदिर (वडोदरा)ना पुस्तको
२. व्यायाम-शास्त्र (हिंदी)-चित्रशाला प्रेस पूना
३. आरोग्य और व्यायाम (हिंदी)—"
४. ब्रह्मचर्य ही जीवन है वीर्यनाश ही मृत्यु है—(हिन्दी)— कर्ता स्वामी शिवानद प्रकाशक बाबु केदारनाथ गुप्त, छात्र हितकारी पुस्तकमाला, दक्न गज, मिरजापुर
५ शरीर सरक्षण सबधी शास्त्रोक्त शिक्षामण-सरकारी बुक डीपो-वडादरा राज, वडादरा
६ दवा वगरनो डाक्टर याने शरीरनी खीलवणी-वे पी मादन, ३७१ लोअर कोलाबा, मुबाई
७ व्यायाम-मंदिर-ठक्कर वल्लभदास सेमराज आटावाळा, डकन रोड, वे नाकी मुबाई

जूदा जूदा उद्योगो विषे तज्ज्ञोनी केटलीक सूचनाओ :—

१. व्यायाम—

१ १०-१२ वर्षथी नाना विद्यार्थीओने 'दड-बेठक'नी वधारे पडती कसरत करावबी इष्ट नथी एनु प्रमाण बहु ज माफकसर होवु जोइए ए विद्यार्थीओने तडफदार (smart and brisk) रमता अने व्यायामोमा विशेष रोकवा जाइए.

तत्त्वानो विषय परीक्षामा विषय तरीके समजवानो नथी. पण ज्यां सगवड होय त्यां शीखववु सलाह भर्युं छे.

२. व्यायामनो समय हमेशां सवारे के सांजे ६ थी ८ नो ज राखवो जोईए. वखेरे व्यायाम कराववाथी नुकसान थवानो संभव छे.

३. व्यायामनो विद्यार्थी पूरेपूरी वीर्यरक्षा करे छे, तेने बीडी पान वगेरेनु कोई पण जातनु व्यसन नथी, ए एना शिक्षके बराबर जोवु जोइए. ए विद्यार्थीनां शरीर, वस्त्र अने हृदय स्वच्छ रहे ए विषे सख्त काळजी राखवी जोइए.

एने माटे शिक्षकनु निष्कलंक चारित्र अने प्रेमाळ स्वभाव अनिवार्य छे.

४. व्यायाम-मंदिर माटेनो नकशो अने मगदळ वगेरे साधनो संबंधी सुचना कोईने जोवां हशे तो कार्यालयमा जोई शकशे, अथवा प्रो० माणिकराव (जुम्मादादा व्यायाम मंदिर, वडोदरा) के श्री० छोटालाल बालकृष्ण पुराणी (न्यु इंग्लीश स्कूल, भरुच) एमने लखवाथी मळी शकशे

वणाट.

१. वणाटनां जुदा जुदां अंगोनी वहेंचणीनु समय पत्रक ५०० कलाकमां नीचे प्रमाणे गोठवी शकाय. तेमांथी रोज बे कलाक लेखे २५ दिवसनो महीनो अने ८ महीनानु वर्ष एम समजी ४०० कलाक शाळामां आपी शकाय अने १०० कलाक विद्यार्थीए खानगी समयमांथी काढवा जोइए.

पण कोई शाळा नियमितपणे रोज बे कलाकनो समय आपवाने बदले वेकेशन महीना सुधी औद्योगिक विषय पाछळ विशेष समय आपी थोडा महीनामां एने पूरो करी शके. ओछामा ओछा वर्षना ४०० कलाक जोइए एटलो ज आ गणत्रीनो अर्थ छे.

कांतण. कलाक.

१. जाडी त्राक पर कांतवु. ३६

२. झीणी त्राक पर कांतवु.
   (अ) साडी चडावी जाणवु.
   (आ) माळ बनावी जाणवु.
   (इ) रेंटीओ तैयार करी जाणवु. ५०

३. ६, ९, १२ नंबरीना आंक अंदाजथी कांततां आवडवा
   (अ आंक काढवानो हिसाब जाणवो.
   (आ) पोतानुं कांतेलु सुतर १ मीनीटमां १०० वार जेटलु फाळकीपर लपेटी शकाय तेवुं कोकडु भरी जाणवुं. ५०

४. १६ थी २० आंक अंदाजथी कांतवा. २०

५. (अ) आंक प्रमाणे मजुरीनो दर नक्की करवो.
   (आ) काचु पाकुं सुतर ओळखतां शीख़्रु

	(इ) कांतवानो झडप केळववो.	३०
६.	६ थी २० सुधीना आंको माग्या होय ते प्रमाणे बराबर अंदाजथी कांती जाणवु.	२०
		२०६

पींजण.		कलाक.
१.	कपास झुडवो.	८
२.	कपास पीलवो.	१६
३.	जुदी जुदी जातनु र सरखावतां शीखवु, बीजवाळा कपासथी तेनी परीक्षा करवी.	१०
४.	कामठा पर पींजवु.	१०
५.	जुदी जुदी पींजण पर हाथ केळववो.	३०
६.	कलाके १० तोला पींजी तेनी पुणी बनावी लेवी.	१०
		८४

वणाट.		
७.	सुतरनी मांघ जाणवी.	१६
८.	फाळकी खोली जाणवी ने कोकडां भरतां शीखवु.	१२
९.	सुतरना दडा करवा.	८
१०.	सुतर ठरडवु.	१६
११.	नाडी बनाववी.	
	(अ) ताणी करतां शीखवु.	
	(आ) राच बांधी जाणवा.	५०
१२.	चट्टापट्टावाळी नाडी बनाववी.	३०
१३.	सुतर देशी रंगो वडे रंगवु.	२०
१४.	पाटी वणतां आवडवी.	३०
		१८२
	शास्त्रीय ज्ञान	२८
	कुल कलाक	५००

२. कांतवानो ममय चनतां सुधी चोमासामां आवे एवी गोठवण करवी; वणाट ऊनाळामां राखवु.

३. एक साथे वणवानु के एक साथे कांतवानु अथवा एक साथे बौद्धिक माहितीनो क्रम राखवो उचित नथी; कारण के एथी विद्यार्थीओने कंटाळो चडे छे.

४. वणाटनो उद्योग जो शीखववाने होय तो ते गमे तेवां साधनोथी शीखवी नहि शकाय. रेंटीयो, साळ, त्राक, चमरखां, हाथा वगेरे सर्वे साधनो परिपूर्ण अने सुघड होवां जोइए. ओजारोनी आकृति न होवी जोइए पण ओजारज (एटले सारी रीते चाली शके एवां

होवां जोइए. साधन सारां हशे तो छोकराओ होंशे होंशे शीखशे अने प्रगति पण करशे. दरेक मंदिरे वणाट विभाग माटे सुधारना ओजारोनो एक सेट सज्ज राखवो जोइए.

५. हथीआरोनी यादी.—

हथोडो, एरण, लाकडुं घसवानी कानस, लोढुं घसवानी कानस, रंदो, करवत, चोरसी, वांसलो काम घसती वखते पकडवां माटे चकलीओ, लेवल, काटखुणा, फुटपट्टी, परचुरण-खातर, चप्पु, नानुं त्राजवुं.

६. विशेष माहितीवाळी एक यादी कार्यालयमां छे, जेने इच्छा होय तेने जोवा मळी शकशे.

अभ्यासक्रममां जणावेलां पुस्तको उपरांत नवजीवनमां प्रसिद्ध थती खादी विभागनी पत्रिकाओ साथे सुपरिचित रहेवुं इष्ट छे.

खेती.

नीचेनुं पुस्तक उपयोगी थवानो संभव छे—

१. खेतर, वाडी अने बगीचानी उपज वधारनारां खातर-ले० दुलेराय छोटालाल अंजारिया. प्रकाशक-गुजरात वर्नाक्युलर सोसाइटी, अमदावाद किंमत ०-५-०

२. एज लेखकनां खेतीने लगतां बीजां पुस्तको पण छे

राजबंधारण.

१. ब्रिटीश राजतंत्र अने आपणी महासभा (गूजरात विद्यापीठ)

२. Indian Administration to Dawn-B. K. Thakore. Published by D. B. Taraporewala & Sons. Rs. 4 nett.

३. हिंदुस्ताननुं राजबंधारण—हरिलाल माधवजी भट्ट.

४. Montague-Chelmsford Report: Government of India, Printing, Calcutta.

५. Government of India-Ilbert

६. Indian Constitution-Mukherji.

महासभाबंधारण.

६. Indian National Congress-Ambika Charan Mazumdar-G. A. Natesan & Co., Madras. (एनुं गुजराती भाषांतर श्री. ज. न. वर्मा, लुहाणा प्रेस, वडोदरा)

७. How India Wrought for Freedom-Mrs. Annie Besant-Theosophical Publication House, Adyar, Madras.

महासभा, गुजरात प्रान्तिक समिति इ० नां बंधारण, रोलेट एक्ट विषे समजुती इ० मंत्री, गुजरात प्रान्तिक समिति, अमदावाद.

" युगधर्म "नी डायरी

हिंदुस्तानी.

हिंदी-गूजराती व्याकरण माटे नीचेनां पुस्तको उपयोगी थाय एवां छे—

१. हिंदी-गुजराती शिक्षा-कर्त्ता-श्रीराम रामप्रसाद शर्मा, प्रकाशक, भगवद्दत्त वधु मंडली-बदायूं सिटी. (R. K. Ry)

२. हिंदीशिक्षिका–कर्ता विजयशङ्कर त्रिभुवन त्रिवेदी, राजकोट मूल्य ०–१४–०
३. हिंदी भाषा प्रबोधिनी–भाग १ कर्ता-आशाभाई काशीभाई पटेल, नडियाद मूल्य ०–६–०
४. उर्दु माटे 'उर्दुका कायदा' शीख्या पछी नीचेना पुस्तको वाची शकाय —

१ सीपाही और दरवेश
२ तीन बहनोंका कहानी
३ अलीबाबा व चालीस चोर
४ बच्चोंकी बहादरी
५ अबुलहसन
६ पेटोंनौजवानका किस्सा
७ सिपाही शादाह

ग. महाविद्यालयोना अभ्यासक्रम, पाठ्य पुस्तको वगेरे×

सामान्य नियमो

१. मान्य महाविद्यालयो—

विद्यापीठने मान्य एवा बे महाविद्यालयो* छे, गूजरात महाविद्यालय (अमदावाद) अने राष्ट्रीय महाविद्यालय (मुंबाई).

२. गूजरात महाविद्यालय—

गूजरात महाविद्यालय विद्यापीठ स्थापित छे, एनो निर्वाह, देखरेख, आचार्य, अध्यापको वगेरेनी नीमणुक विद्यापीठ तरफथी सीधी रीते थाय छे. एमां स्नातक थवा सुधी पूरो अभ्यास करवानी गोठवण छे

३. राष्ट्रीय महाविद्यालय—

राष्ट्रीय महाविद्यालय, मुंबाई, स्वतन्त्र सस्था छे, एनो निर्वाह, देखरेख, आचार्य, अध्यापको वगेरेनी नीमणुक मुंबइनी प्रांतिक सभा तरफथी थाय छे. एमां पण स्नातक थवा सुधी पूरो अभ्यास करवानी गोठवण छे एने नीचेनी शरते मान्य करवामा आव्यु छे—

"गूजराती विद्यार्थीओने गूजरात विद्यापीठ तरफथी निर्णीत करेलो अभ्यासक्रम, अने बाजा विद्यार्थीओने हिंदुस्ताननो कोई पण प्रान्तिक भाषानो अभ्यासक्रम फरजीयात शीखवे, हाल तुर्त केळवणीनु वाहन पोते नक्की करे, पण भविष्यमा केळवणीना वाहन तरीके हिंदुस्थाननी कोई पण प्रान्तिक भाषा राखे एवी शरतथी मुंबई राष्ट्रीय महाविद्यालयने मान्य करवामा आवे छे †"

४. महाविद्यालयोमां प्रवेशविधि—

गूजरात विद्यापीठनी विनीत परीक्षामा, अथवा कोइ पण राष्ट्रीय विद्यापीठनी एने मळती परीक्षामा, अथवा सरकारी युनिवर्सिटीओना मॅट्रिक्युलेशन परीक्षामा, उत्तीर्ण थयेल विद्यार्थी महाविद्यालयमा अभ्यास करवाने लायक गणाशे

अपवाद—गूजरात महाविद्यालयना विनीत मदिरमा दाखल थवा इच्छनार विद्यार्थीए उपली परीक्षा पसार न करी होय, पण ते धोरण सुधीनो अभ्यास कर्यो होय तो चालशे.

× आ भाग जुदो आठ आनानी किंमते मळी शक्शे. नाम 'स १९८१ नु बोधपत्र'

* **महाविद्यालय** एटले विद्यापीठे स्वीकारेला कोइ पण विषयोमा विद्यार्थीने निष्णात करवाना इरादाथी योजायलु मदिर.

† स १९७८–७९ नी बीजी नियामक सभानु कार्य २ ठु. महा सुद १५/७८

५. अभ्यासकाळ—

एवा विद्यार्थीने स्नातक* थवा माट ओछामा ओछा चार वर्ष गुधी अभ्यास करवो जोईशे.

६. परीक्षाओ—

अभ्यास पूरा थता सुधीमा बे परीक्षाओ उत्तीर्ण करवी जोईशे

पहेली (प्रथमा) परीक्षा पहेला वर्षने अन्ते, अने बीजी (स्नातक) परीक्षा चोथा वर्षने अन्ते

७. परीक्षाना समयो—

दरेक परीक्षा वर्षमा बे वार लेवामा आवशे पहेली (वासन्तिक) परीक्षा सामान्यत मीन सक्रान्ति पछी त्रीजा (मार्च मासना छेल्ला) अठवाडीआमा शरु थश, अने बीजी (शरत) परीक्षा कन्या सक्रान्तिना बीजा (सप्टेंबरना त्रीजा) अठवाडियामा शरु थश

८. शरत् परीक्षा वासन्तिक परीक्षाने धोरणे लेवाशे, एटले सर्वे पाठ्य–पुस्तको अभ्यासक्रमो वगेरेनी पसदगी तथा महाविद्यालयमा चलावराना अभ्यासो वासन्तिक परीक्षाने दृष्टिमा राखी करवामा आवशे

९. विभागीय स्नातक परीक्षा—

स्नातक थवा माटेना परीक्षाओमा बधा प्रश्नपत्रोनी एका साथे परीक्षा आपवाने बदले विद्यार्थीओने तेमनी इच्छा प्रमाण महाविद्यालयना आचार्य पासेथी लायकातनु प्रमाणपत्र मळ्येथी वर्षमा थता बे पैकी गमे ते परीक्षामा गमे ते प्रश्नपत्रोनी परीक्षा आपवानी छूट छे.

साधारण रीते विद्यार्थीए कोई अध्यापक साथे अमुक विषयनो अभ्यास कर्यो छे, एवी खात्री थये आचार्य आवा लायकातनु प्रमाणपत्र आपशे

अपवाद (१)—जे प्रश्नपत्रो विद्यानिधिमडळे एवा नक्की कर्यां होय के तेमा सव सत्रो पूरा थया सिवाय विद्यार्थी परीक्षा आपी शके नहि, ते प्रश्नपत्रोमा उपर प्रमाणे गमे त्यारे परीक्षा आपी शकाशे नहि

अपवाद (२)—राष्ट्रीय मदिरोमा के अन्त्यज सस्थाओमा शिक्षक तरीके काम करी स्नातक परीक्षामा बेसवा इच्छता विद्यार्थीओने अध्यापक साथे अभ्यास करवाना नियममाथी छूट आपवामा आवे छे

खुलासो (१)—प्रथमा परीक्षाना सव विषयोमा उत्तीर्ण थया सिवाय कोई विद्यार्थीने आ नियमनो लाभ मळी शकशे नहि

खुलासो (२)—बधा प्रश्नपत्रोनी परीक्षा अलग थया पहेला विद्यार्थीए ३ वर्षना पूरा हाजरी आपवी जोइए

१० विभागीय प्रथमा परीक्षा—

प्रथमा परीक्षामा निष्फळ नीवडेल अथवा कोई सबळ कारणसर नहि बेठेल विद्यार्थीना परीक्षा ते निष्फळ गया होय ते विषयमा फरीथी शरत्मा लेवाशे शरत परीक्षामा आगामी वासन्तिक परीक्षाना अभ्यासक्रम राखवामा आवशे

---

* स्नातक एटले विद्यापीठ तरफथी कोई पदवी मेळवनार.

आवो विद्यार्थी प्रथमा परीक्षा पसार कर्या सिवाय स्नातक परीक्षानां व्याख्यानोमां हाजरी भरी शकशे, पण प्रथमा परीक्षा पसार कर्या पछी ओछामां ओछु एक शिक्षण वर्ष पुरु थयेज स्नातक परीक्षामां बेसी शकशे.

खुलासो—

१. जे विद्यार्थी प्रथमा परीक्षामां एक वखत निष्फळ गयो होय तेने फरी पसार थाय त्यारे वर्ग मळी शकशे नहि.

२. जे विद्यार्थीनां शरत् परीक्षा वखते सत्रो पुरां थयां होय ते प्रथमा परीक्षाना बधा विषयमां ते वखते परीक्षा आपी शकशे.

११. लवाजमो—

(क) लवाजमोना दर नीचे प्रमाणे छे—

१. महाविद्यालयमां हाजरी आपवा माटे सत्र दीठ रु ३०.

२. संगीत अथवा चित्रकलाना मंदिरमां ज मात्र शिक्षण लेवा माटे सत्र दीठ रु. १५.

३. प्रथमा परीक्षामां बेसवा माटे रु. १०.

४. विभागीय स्नातक परीक्षामां बेसवा माटे प्रश्नपत्र दीठ रु. ३. पण वधारेमां वधारे रु. २०.

५. एकी वखते आखी स्नातक परीक्षामां बेसवा माटे रु. २०.

६. निष्फळ थयेल विद्यार्थीओने गुण जाणवा माटे रु. १.

७. विभागीय परीक्षानु प्रमाणपत्र गुम थाय तो नकल माटे रु. १.

८. उपाधिपत्र के परीक्षामां पसार थयानु प्रमाणपत्र गुम थाय तो नकल माटे रु. ५.

९. प्रमाणपत्र के उपाधिपत्रना इंग्रेजी भाषांतर माटे रु. ५.

१०. नाम बदलामणी माटे रु. २.

११. राष्ट्रीय मंदिरमां काम करी परीक्षामां बेसवा इच्छता विद्यार्थीओनी नाम नोंधामणी माटे रु. १.

१२. बीजी विद्यापीठना स्नातकोने स्नातक मतदार मंडळमां नाम नोंधाववा माटे वार्षिक रु. १, अथवा एकी वखते रु. २५.

१३. पदवीदान समारंभ वखते पदवी लेवा हाजरी न आपी शकवा माटे रु. १०.

१४. सेवार्थे पदवी मेळवनारने माटे रु. २०.

१५. मुंबाईना राष्ट्रीय महाविद्यालयमां लवाजमो—
प्रवेश फी. रु. ५. बे सत्रोनी प्रत्येकनी फी रु. ५०. प्रयोगशाळानी सत्रदीठ फी रु. १०. जीमखानानी फी सत्रदीठ रु. ४.

(ख) परीक्षामां बेसवानी अरजी मंजुर थया पछी सामान्य रीते विद्यार्थी पाछळथी कोइ पण प्रश्नपत्रमां बेसवानु मांडी वाळे तो तेने माटे भरेलु लवाजम पाछु न मळी शके.

अपवाद—ओचींती मांदगी के एवा कोई आकस्मिक कारणथी विद्यार्थी परीक्षा आपी न शके, तो तेनु लवाजम जमे राखवा बाबत जो परीक्षा पूरी थया पछी एक मासमां अरजी करवामां आवशे, तो ते उपर कार्यवाहक सभा विचार करी शकशे

१२. इष्ट गुण—

कोई पण परीक्षामा पसार थवा माटे नीचे प्रमाणे इष्ट गुण छे —

प्रथम वर्ग ६० टका, बीजो वर्ग ४५ टका, सामान्य वर्ग ३० टका.

१३. सरळ अभ्यासक्रम—

स्नातक परीक्षामा पहेला के बीजा वर्गमा उत्तीर्ण थवा न इच्छनार विद्यार्थीओने जुदां जुदा मदिरोनी परीक्षाओमाथी केटलाक प्रश्नपत्रो अथवा पुस्तकोनी परीक्षामाथी मुक्ति मळशे

१४. सत्रो—

गूजरात महाविद्यालयमा वर्षमा त्रण सत्रो राखवामा आवे छे तेनो विभाग वखतोवखत नक्की करवामा आवे छे

दरेक सत्रमा विद्यार्थीने सैंकडे ८० दिवस हाजरी भरवी आवश्यक छे

१५ हाजरीमांथी मुक्ति —

(क) सामान्य रीते महाविद्यालयोमा हाजरी भर्या विना खानगी रीते कोई विद्यार्थीने परीक्षा आपवानी छूट आपवामा नहि आवे पण खास सजोगामा दस दिवस सुधानी गेरहाजरी दरगुजर करवानी आचार्यने सत्ता आपवामा आवी छे तेथी वधारे छूट आपवानी कार्यवाहक सभा सत्ता राखे छे

अपवाद—विद्यापीठे मान्य करेल महाविद्यालयमा ओछामा ओछु एक वर्ष गाळ्यु होय, जो कोई मान्य राष्ट्रीय मदिरमा शिक्षक तरीके काम करता होय, तो तेओ बारीनी मुदत माटे स्नातक परीक्षाना विद्यार्थी तरीके महाविद्यालयना कोई मदिरमा ठरावेली फी आपी पोतानु नाम नोंधावी शके, पण एवा विद्यार्थीओ एको वखते बे करता वधारे प्रश्नपत्रो माटे उमेदवारी करी शके नहि

(ख) अन्य राष्ट्रीय विद्यापीठना विद्यार्थीओ गूजरात विद्यापीठनी कोई परीक्षामा बेसवा इच्छा धरावता होय, तो ते विषेनी अरजीओ ते विद्यापीठना महामात्र के बीजा कोई मुख्य अधिकारीनी मारफते अने भलामण साथे आवशे तो कार्यवाहक सभा तेनो विचार करशे

(ग) कोई परीक्षा माटे तैयार न थता होय तेवा विद्यार्थीओ गूजरात महाविद्यालयमा लवाजम भरी व्याख्यानोमा हाजरी आपी शकशे

१६ ईनामो इ०

महाविद्यालयना विद्यार्थीओने माटे नीचे मूजब ईनामो वगेरे नक्की थया छे

(१) विद्यार्थी परिषदनु ईनाम—द्वितीय भारतीय महाविद्यालय विद्यार्थी परिषद् पासेथी मळेली रु १३५५-८-० नी रकमना व्याजमाथी स्नातक परीक्षामा जे विद्यार्थी गूजराती भाषाना प्रश्नपत्रमा पहेलो आवे तेने ते समय सुधीमा मळेला व्याजनु ईनाम पुस्तक रूपे आपवामा आवशे

(२) तारागौरी चन्द्रक—श्री रणछोडलाल छगुभाई देसाई तरफथी तेमनी पुत्री बेन तारागौरीनी यादगीरीमां मळेली रु २५०) नी रकमना व्याजमाथी दरवर्ष 'साबरमती पत्रमा

उत्तम लेख लखनार विद्यार्थीने 'तारागौरी चंद्रक' नामे एक रुपानो चांद अर्पण करवामां आवशे.

(३) उपाध्याय वृत्ति—गूजरात महाविद्यालयना अध्यापक मंडळनी सलाह लई स्नातक थया पछी वधु अभ्यास करवा वधारेमां वधारे रु. ६०)ना वेतनथी त्रण उपाध्याय नीमवानी गूजरात महाविद्यालयना आचार्यने सत्ता आपवामां आवी छे.

१७. खास सगवडो—

(१) ट्रेनिंग कॉलेजना विद्यार्थीओ—ट्रेनिंग कॉलेजना त्रीजा वर्षमां पसार थयेल विद्यार्थीने महाविद्यालयमां दाखल करवामां आवशे; पण विनीत परीक्षाना जे विषयोमां तेओ ट्रेनिंग कॉलेजमां पास न थया होय, ते विषयमां तेओने पास थवुं पडशे.

(२) अ-गूजराती विद्यार्थीओ—जेमनी स्वभाषा गूजराती न होय, तेमने माटे गूजरात महाविद्यालयमां गूजरातीनी सरळ परीक्षा राखवामां आवशे.

(३) गरीब विद्यार्थीओ—गरीब विद्यार्थीओने फीनी बाबतमां नीचे मुजब राहत आपवा गूजरात महाविद्यालयना आचार्यने सत्ता आपवामां आवी छे:—

(क) दर वर्षे १५ टका जेटला लायक गरीब विद्यार्थिओने फीनी रकम धर्म-ऋण तरीके आप्या समान गणी एमने दाखल करवानी. विद्यार्थीओए पोताना जीवनमां सदरहु रकम भरी देवानुं धर्म-ऋणपत्र लखी आपवु जोईशे.

(ख) उपरना नियमो योग्य करवामां जो १५ टका करतां वधारे विद्यार्थीओने राहत आपवानी जरूर पडे, तो बीजा ५ टका जेटला विद्यार्थीओ माटे एज प्रमाणे करवानी आचार्यने विशेष सत्ता आपवामां आवी छे.

(४) स्नातक मतदार मंडळ (क) गूजरात विद्यापीठनो तेमज बीजी कोई पण विद्यापीठनो स्नातक जे आ विद्यापीठना उद्देशो स्वीकारतो होय, अने कार्य विषे सहानुभूति धरावतो होय तेमज कोईपण सरकारी विद्यापीठ साथे प्रत्यक्ष संबध न राखतो होय, तेणे कोई पण वखते विद्यापीठना महामात्रने पोतानु नाम "नोंधायेल स्नातक मतदार मंडळ"मा नोंधवाने अरजी कर्याथी तेनु नाम आ मतदार मंडळमां नोंधवामां आवशे. ते एवी शरते के आ नोंधणी बाबत वखतोवखत नियामक सभाए जे फी ठरावेल हशे ते, ते स्नातक ज्यां सुधी आपे त्यां सुधीज ते मतदार रही शकशे.*

(ख) स्नातक मतदार मंडळ तरफथी नीचे प्रमाणे प्रतिनिधिओ चुंटी शकाशे:—

मतदारोनी संख्या	प्रतिनिधिनी संख्या
१ थी २०	२
२१ थी ३०	३
३१ थी ५०	४
५१ थी १००	८
१०१ थी १३०	१०
१३० थी वधु	१२

* गूजरात विद्यापीठना स्नातको पासेथी पदेलां पांच वर्ष सुधी कांई पण लवाजम लेवामां नहि आवे.

२ प्रथमा परीक्षा

सामान्य अभ्यासक्रम

१. प्रथमा परीक्षानी रचना नीचे मुजब छे:—

विषयो, प्रश्नपत्रो ६०

विषय	प्रश्नपत्रो	समय कलाक	गुण	टीप
१. स्वभाषा[1]	२	३ ३	१०० ५०	नियत पाठ्य-पुस्तको तथा निबंध
२. राष्ट्रीय भाषा[2]	१	[illegible]	१००	नियत पाठ्य-पुस्तको तथा
३. अर्वाचीन भाषा[3]	१	[illegible]	१००	,,
४. ऐच्छिक विषय[4]	२	३ दरेकना	७५ दरेकना कुल १५०	भाषाओ माटे नियत पाठ्य पुस्तको परथी: बीजा विषयो माटे आगळ जणावेली विगतो मुजब
५. संपत्तिशास्त्र	१	३	१००	आगळ जणावेली विगतो मुजब
६. हिंदनी आधुनिक राज्य व्यवस्था अने महासभानो इतिहास	१	३	१००	,,
कुल	८		८००	

१. गूजरात महाविद्यालयमां मात्र गूजरातीने स्वभाषा स्वीकारवामां आवी छे. एटले सर्वे विद्यार्थीओने गूजरातीनुं ज्ञान आवश्यक छे. पण जेनी स्वभाषा गूजराती न होय, तेमने माटे जुदो अभ्यासक्रम सूचव्यो छे. राष्ट्रीय महाविद्यालय (मुंबई)मां गूजराती तथा मराठी बे स्वभाषा तरीके राखी छे.

२. हिंदी अथवा उर्दू पण आ भेद लीपीगत पूरतो ज छे. हिंदी एटले संस्कृत प्रचुर अने उर्दू एटले फारसी प्रचुर एम समजवानुं नथी.

३. बंगाळी, मराठी, इंग्रेजी के फ्रेन्च.

४. (क) प्रमाणशास्त्र, (ख) गणित, (ग) संस्कृत, (घ) अरबी (च) फारसी, (छ) संगीत, (ज) चित्रकळा, के (झ) वाणिज्य.

२. (१) विषय १ थी ३

स्व-, राष्ट्रीय-, अने अर्वाचीन भाषाओना अभ्यासनी बीगतो माटे वखतो वखत पुस्तक ठराववामां आवे छे.

खुलासो—गूजराती स्वभाषा नथी एवा विद्यार्थीओनी मौखिक तेमज लेखी परीक्षा लेवामां आवशे. लेखी परीक्षामां एक आपेला विषय उपर निबंध लखवो पडशे.

(२) विषय ४—ऐच्छिक विषयो

(क) प्रमाणशास्त्र

प्राचीन न्यायशास्त्रना आधारे आ विषयनुं निरूपण करवामा आवशे. योग्य स्थले युरोपीय लॉजिकनी उपयोगी बाबत जणाववामां आवशे. एमां नीचे जणावेला विषयोनो समावेश करवामां आव्यो छे:—

प्रमाणशास्त्रनो विषय-निर्देश (प्रमाणशास्त्र एटले यथार्थ ज्ञानना साधनोनुं शास्त्र); विचार अने भाषा; लक्षण; विभाग; प्रमाणना प्रकारो; प्रत्यक्ष (आधुनिक मानसशास्त्रनी दृष्टिए चर्चा); अनुमान, व्याप्ति, व्याप्तिनी सिद्धि; दोष; शास्त्र पद्धति, उद्देश, लक्षण अने परीक्षा; तात्पर्य निर्णय; वादनीति.

(ख) गणित

१ लुं प्रश्नपत्र:—

(क) बीजगणित—शेष-सिद्धान्त (Remainder Theorem), घात चिह्नो (Indices), करणी (Surds), वर्गसमीकरणनो सिद्धान्त (Theory of Quadratic Equations), श्रेढीओ (Progressions), सादी श्रेणीओ (Simple Series), मान (Logarithms), व्याज अने वर्षासनो (Interests and Annuities).

(ख) बीजभूमिति (Algebraic Geometry)—सुरेख अने वृत्त-समीकरणो (Equations of a line and a circle).

२ जुं प्रश्नपत्र:—

(क) भूमिति—सजातीय के अनुपाती त्रिकोणो (Similar Triangles) टॉलेमि (Ptolemy) सेवा (Ceva) अने मेनालॉ (Menalau)ना सिद्धान्तो, त्रिकोणना अन्तर्वृत्त अने परिवृत्त (In-circle and Circum-circle of a Triangle).

(ख) त्रिकोणमिति—०, ३०, ४५, ६०, ९० अंशना अने अनुवर्ती (corresponding) गुरुकोणो (obtuse angles)ना त्रिकोणमैतिक फळो (Trigonometrical Functions), त्रिकोण धर्मो (Properties of Triangles), त्रिकोण पूर्तिकरण (Solution), उंचाई अने अंतरने लगता सहेला प्रश्नो.

(ग थी ज) जुओ आगळ

(ब) वाणिज्य—

१ लुं प्रश्नपत्र—इंग्रेजी नामानां मूळतत्त्वो-सिंगल अने डबल एन्ट्रि, बूक-कीपिंग, भागीदारोना हीसाब, नफाटोटाना हीसाब, लिमिटेड कंपनीना सहेला हीसाब, भरतीओ, कन्साइन-मेंट, व्याज गणवानी रीतो वगेरे.

२ जुं प्रश्नपत्र—हिंदना आर्थिक जीवननो इतिहास.

खुलासो—वाणिज्यनो विषय लेनार विद्यार्थीए अर्वाचीन भाषा तरीके 'इंग्रेजी' ज लेवी जोइए.

(३) विषय ५-संपत्तिशास्त्र

टूंको इतिहास—आ शास्त्रनो बीजा शास्त्र साथे संबंध

संपत्ति एटले शुं ? संपत्तिशास्त्रना विभागो—(क) उत्पत्ति (ख) वहेंचणी (ग) विनिमय (घ) उपभोग.

(क) उत्पत्ति · संपत्तिनी उत्पत्तिनां कारणो—मूर्त अने अमूर्त · मूर्त—नैसर्गिक शक्ति, मानवी शक्ति, भंडोळ अथवा मुडी, व्यवस्था; अमूर्त जानमालनी सुरक्षितता, वासनानी वृद्धि : छ कारणोना छ स्वामी : (१) नैसर्गिक शक्तिनो जमीनदार, (२) मानवी शक्तिनो मजूर, (३) मुडीवाळो, (४) कारखानदार, (५) सरकार, (६) समाज.

उत्पत्तिना नियमो·—मोटा प्रमाण उपर उत्पत्ति अने नाना प्रमाण उपर उत्पत्ति—वधतु प्रमाण अने घटतु प्रमाण–श्रमविभाग अने श्रमसंयोग सामाजिक श्रमविभाग· आंतरराष्ट्रीय श्रमविभाग–निग्रहानुग्रही नीति–निराग्रही नीति–राष्ट्रीय स्वाश्रय.

(ख) वहेंचणी,—छ वच्चे वहेंचणी थवी जोइए, तेमां न्याय अने समता महत्त्वार, रूढि अने हरिफाई, अनियन्त्रित वहेंचणी अने राज्य नियंत्रित वहेंचणी, समाज सत्तावाद, मजूर संघ, हडताळ, शांतिव्यवस्था.

(ग) विनिमयः—मूल्य अने किम्मत, विनिमय सामान्य अने तेना गुणो, परदेश साथेनो व्यापार.

(घ) उपभोगः—कर अने तेनां तत्त्वो, अनुपार्जित आवक, युद्धनु सांप्रतिक स्थिति उपर परिणाम.

(४) विषय ६–हिंदुस्ताननी राजव्यवस्था अने हिंदी राष्ट्रीय जागृति.

विद्यार्थीने नीचेना विषयोमां छेल्लामां छेली माहिती होवी जोइए; राष्ट्रीय चळवळनां जुदां जुदां अंगो, राजव्यवस्था पाछळ रहेली वृत्ति (spirit), अने ए बेनु परस्पर परिणाम (interaction).

---

३ स्नातक परीक्षा.

१. मंदिरो—

ऊंचां त्रण वर्षनो अभ्यास गूजरात महाविद्यालय (अमदावाद) अथवा राष्ट्रीय महाविद्यालय (मुंबई) नां नीचेनां कोईपण मंदिरमां दाखल थई विद्यार्थी पूरो करशे अने स्नातक परीक्षा आपशे, तेने ते विषयना 'विशारद' थयानी पदवी आपवामां आवशे:—

मंदिर	पदवी	अंतर्गत विषयो	जे महाविद्यालयमां शीखववानी व्यवस्था छे तेनुं नाम
१. आर्य विद्या-मंदिर	आर्यविद्याविशारद (आ. वि.) (भाग विभागना नाम साथे)	(१) पुरातत्त्व अने आर्यसंस्कृति	प्रथम वर्ष
		(२) धर्म अने तत्त्वज्ञान	अमदावाद
		(३) साहित्य अने कला (४) समाज शास्त्र	} प्रथम वर्ष
२. समाज विद्या-मंदिर	समाजविद्या विशारद (स. वि.) (भाग विषयना नाम साथे)	(१) राजकारण	अमदावाद अने मुंबई
		(२) इतिहास	मुंबई
		(३) अर्थशास्त्र	अमदावाद अने मुंबई
३. वाग्विद्या— (अथवा भाषा) मंदिर	भाषा विशारद (भा. वि.) (भाग विषयनां नामो साथे)	संस्कृत, पाली, मागधी, हिंदुस्तानी, (हिंदी अने उर्दू), बंगाली, मराठी, गूजराती, अरबी, फारसी, इंग्रेजी, फ्रेन्च.	सर्व (अमदावाद) हिंदी, मराठी, गूजराती, इंग्रेजी (मुंबई)
४. गणित विद्या-मंदिर	गणित विशारद (ग. वि.)	... ...	अमदावाद
५. वाणिज्यविद्या (अथवा व्यापार) मंदिर	वाणिज्य विशारद (वा. वि.)	... ...	अमदावाद
६. तत्त्वज्ञान मंदिर	तत्त्वज्ञान विशारद (त. वि.)	... ...	अमदावाद

७. औद्योगिक रसायन मंदिर	औद्योगिक रसायन विशारद (औ. र. वि.)	... ...	मुंबई
८. ललित कला मंदिर	ललितकला विशारद (ल. वि.) (विषयना निर्देश साथे)	१. संगीत २. चित्रकला*	अमदावाद

२ प्रवेश माटे लायकात—

स्नातक परीक्षामा बेसवा माटे कोईपण हिंदी विद्यापीठनी प्रथमा परीक्षा पसार करेल विद्यार्थीने त्रण शिक्षण वर्षनी हाजरी, मध्यमा परीक्षा पसार करेल विद्यार्थीने बे वर्षनी हाजरी अने स्नातक थयेल विद्यार्थीने एक शिक्षण वर्षनी हाजरी भरवी पडशे, अने परीक्षा वखते हाजरी भर्यानु प्रमाणपत्र महाविद्यालयना आचार्य पासेथी रजु करवु पडशे.

३. फरजियात विषयो –

दरेक मंदिरना स्वभाषा अने राष्ट्रीय भाषानो अभ्यास फरजियात छे. (जुओ पा. ९८ मे पृष्ठान्ते नोंध १ अने २)

४. परीक्षा विधि—

७ मा अने ८ मा मंदिर सिवाय बीजा मंदिरोनी स्नातक परीक्षा चार प्रश्नपत्रोथी लेवाशे. दरेक प्रश्नपत्र सो गुणनु अने त्रण कलाकनु रहेशे. चार पैकी बे प्रश्नपत्रो बे फरजियात विषयोना थशे, अने मंदिरना विषयो माटे बे प्रश्नपत्रो आपवामां आवशे

आर्य विद्यामंदिर.

१ प्रथम वर्ष

प्रथम (सामान्य) वर्षमा चार प्रश्नपत्रो नीचे प्रमाणे राखवामा आव्या छे—

१ प्राचीन भारतवर्षनो इतिहास

२ धर्म अने तत्त्वज्ञान

३ साहित्य अने कला

४ समाज व्यवस्था

२. वाग्विद्या मंदिरमां जवानी छूट

आ मंदिरनो प्रथम वर्षनो अभ्यास कर्या पछी कोईपण विद्यार्थीने संस्कृत, प्राकृत अथवा पाली लईने वाग्विद्या मंदिरमां जवु हशे तो तेने जवा देवामां आवशे.

---

* चित्रकलाने स्नातक परीक्षानो विषय बनावी 'विशारद' पदवी आपवानी योजना नथी, पण एक वधाराना विषय तरीके एने शीखववानी योजना छे.

३. छेल्लां बे वर्षना विषयो

पछीनां बे वर्षोमां नीचेमांथी एक विषयनो विशिष्ट अभ्यास करवानो छे.

१ पुरातत्त्व अने आर्य संस्कृतिनो इतिहास

२ धर्म अने तत्त्वज्ञान

३ साहित्य अने कला

४ समाजशास्त्र

४. विशिष्ट विभागना विषयो

दरेक विभागनी वहेंचणी नीचे मुजब छे:—

१. पुरातत्त्व अने आर्य संस्कृतिनो इतिहास

नीचे प्रमाणे बाकीनां छ प्रश्नपत्रो राखवामां आव्यां छे:—

५ संशोधन पद्धति अने अत्यार सुधीना भारतवर्षीय संशोधननी रूपरेखा

६ प्राचीन लिपि, शिलालेखो, अने निष्कविद्या

७ शासनतंत्र

८ (क) महाभारतनुं अध्ययन, अथवा (ख) मौर्यवंश अने गुप्तवंशनो; अथवा (ग) हर्षना समयनो, अथवा (घ) प्राचीन गूजरातनो इतिहास.

९ (क) पश्चिमनो जूनो इतिहास (रोम, ग्रीस, मीसर, खाल्डीआ, एसीरीआ, इरान वगेरे). (ख) पूर्वनो जूनो इतिहास (ब्रह्मदेश, जावा, चीन, जापान वगेरे).

१० युरोपनो अर्वाचीन इतिहास

२. धर्म अने तत्त्वज्ञान

नीचे प्रमाणे बाकीनां छ प्रश्नपत्रो राखवामां आव्यां छे.

५ न्याय, वैशेषिक अने पूर्वमीमांसा दर्शन तथा पाश्चात्य प्रमाणशास्त्र

६ योगदर्शन तथा मानसशास्त्र

७–८ सांख्य, वेदान्त अने तत्त्वमीमांसा

९ जैन अने बौद्ध दर्शन

१० धर्म चर्चा

सरळ अभ्यासक्रम—

नोंध:—सरळ अभ्यासक्रममां प्रश्नपत्र सात अने आठ काढी नाखवामां आव्या छे.

साहित्य अने कला

नीचे प्रमाणे बाकीनां छ प्रश्नपत्रो राखवामां आव्यां छे:—

५ काव्य

६ पुराण

७-८ अलंकार शास्त्र

९-१० आनन्दमीमांसा (Aesthetics) कलानुं निरूपण (चित्र, शिल्प, स्थापत्य, संगीत-गीत, वाद्य अने नृत्य)

सरळ अभ्यासक्रम—

नोंध :—सरळ अभ्यासक्रममां प्रश्नपत्र नवमो अने दशमो बादी नाखवामा आव्या छे.

४. समाजशास्त्र

नीचे प्रमाणे बारांना छ प्रश्नपत्रो राखवामा आव्यां छे :—

५ भारतवर्षीय लोकव्यवस्था अने राजव्यवस्था

६ लौकिक साहित्य सम्प्रदाय

७ सामाजिक-विप्लव विचार

८ इस्लाम अने पाश्चात्य विचारोनी हिंदुस्थान उपर असर

९ नात बंधारणनो इतिहास

१० पाश्चात्य लोकव्यवस्था अने राजव्यवस्था.

समाज विद्यामंदिर

१ विभागो.

समाज विद्यामंदिरमां नीचेमांथी एक विभागमां विद्यार्थी अभ्यास करशे (१) राजकारण, (२) इतिहास, (३) संपत्तिशास्त्र.

समाज विद्यामंदिरमां गमे ते प्रश्नपत्रमां ओछामां ओछा एक सत्रनी हाजरी पछी बेसी शकाशे.

१. राजकारण विभाग

राजकारण विभागमां—नीचे प्रमाणे दश प्रश्नपत्रो राखवामा आव्यां छे :—

१ राजनीति शास्त्र

२ आधुनिक राजनीति मीमांसा

३ हिंदु अने मुसलमान राजतंत्रो.

४ प्राचीन अने मध्यकालीन राजनीति विषयक मतमतांतरो, अने Plato's Republic, Aristotle's Politics, Gierke's Theories of Middle Ages, Figgi's Gerson to Grotius.

५ अर्वाचीन राज्यबंधारणो

६ दण्डनीति अने प्राचीन भारतीय इतिहास

७ संपत्तिशास्त्रना मूळतत्त्वो

८ यूरोपना इतिहासनु दिग्दर्शन

१० आंतर राष्ट्रीय कायदानी रूपरेखा

सरळ अभ्यासक्रम—

नोंध—सरळ अभ्यासक्रममां त्रीजा अने दशमा प्रश्नपत्रो काढी नाखवामां आव्या छे

२. इतिहास विभाग

नीचे प्रमाणे दश प्रश्नपत्रो राखवामां आव्यां छे:

१ हिंदुस्ताननो इतिहास संपूर्ण

२ महान सीकंदरना मरणपर्यंत ग्रीसनो इतिहास अने प्रजासत्ताक रोमनो इतिहास

३ इस्लामी साम्राज्यनो इतिहास

४ चीन अने जापाननो ईतिहास

५ (क) प्राचीन हिंदुस्थान

के

(ख) हिंदुस्थानमां मुसलमानोनो समय, मराठा अने शीखोना इतिहास साथे

के

(ग) हिंदुस्तानमां यूरोपीयनो अने ब्रिटिश राज्य अने ए समयनो इंग्लंडनो इतिहास.

६ यूरोपनो इतिहास सने ४७६ थी १४५३ इस्तंबुलना पतन सूधी.

७ यूरोपनो इतिहास सने १४५३ थी १९२० सूधी

८ राजनीतिनां मूळतत्त्वो

९ संपत्तिशास्त्रनां मूळतत्त्वो

१० भारतीय संपत्तिशास्त्र

सरळ अभ्यासक्रम—

नोंध—सरळ अभ्यासक्रममां बीजा अने छट्ठा प्रश्नपत्रो काढी नाखवामां आव्या छे.

३. संपतिशास्त्र विभाग

नीचे प्रमाणे दश प्रश्नपत्रो राखवामां आव्या छे:

१-२ संपत्तिशास्त्र मीमांसा अने तेनो तात्त्विक इतिहास

३ भारतीय संपत्तिशास्त्र

४ सामाजीक जमाखर्च के आंकडाशास्त्र

५ समाज सत्तावाद अने मजुरमयवाद

६ भारतीय नाणां चलण, विनिमय अने शराफी

७ राज्यनीतिनां मूळतत्त्वो

८ यूरोपना इतिहासनु दिग्दर्शन

९ व्यापारी भूगोळ

१० हिंदनी अने बहारनी सहकारी चळवळ

सरळ अभ्यासक्रम—

नोंध—सरळ अभ्यासक्रममा छठ्ठा अने नवमा प्रश्नपत्रो काढी नाखवामा आव्या छे

वाग्विद्या मंदिर

१. विषय निरूपण

वाग्विद्या मंदिरमा अभ्यास करवा इच्छनार विद्यार्थीए नीचेमाथी चे भाषाओ पसद करवा पडशे —

संस्कृत, प्राकृत, पाली, बगाळी, मराठा, हिंदुस्तानी, गूजराती, अरबी, फारसी, इग्रजी अने अन्य दरेक भाषा माटे पाच प्रश्नपत्रो राखवामा आव्यां छे

संस्कृत

२ संस्कृत

(क) नीचे प्रमाणे पाच प्रश्नपत्रो राखेला छे —

१ वेद-मन्त्र, ब्राह्मण अने भाषा

२ उपनिषद तथा स्मृति

३ रामायण, महाभारत, महाकाव्य अने नाटक

४ गद्य, चपू अने अलकार

५ दार्शनिक ग्रथो

(ख) सरळ अभ्यासक्रम माटे पहेलु प्रश्नपत्र बाद

(ग) पूरी हाजरी भर्या सिवाय १ ला अने ४ था प्रश्नपत्रोमा परीक्षा आपी शकाशे नहि.

३ अर्वाचीन हिन्दी भाषाओ

गूजराती, हिंदुस्थानी, मराठा, बगाळी वगेरे भाषाओना अभ्यासमा "भाषाशास्त्र" अथवा "साहित्यनो इतिहास" ए प्रश्नपत्रमा ते शास्त्रना मूळतत्त्व सबधी अर्धु प्रश्नपत्र बधी भाषाओमा सामान्य रहेशे.

गूजराती

४ गूजराती

(क) नीचे प्रमाणे पाच प्रश्नपत्रो राखेला छे —

१ भाषाशास्त्र अने जूनु गूजराती

२ प्राचीन काव्यो

३ अर्वाचीन पद्य अने साहित्य चर्चा

४ अर्वाचीन गद्य

५ साहित्यनो इतिहास

(ख) सरळ अभ्यासक्रममां प्रश्नपत्रोनी संख्या घटाडवामां आवती नथी, पण वांचवानां पुस्तकोनी संख्या ओछी राखवामां आवे छे.

(ग) पूरी हाजरी सिवाय १ ला अने ५मा प्रश्नपत्रोनी परीक्षा आपी शकाशे नहि.

(घ) उपरना फेरफारो सं. १९८१ नी वासन्तिक परीक्षाथी अमलमां आवशे.

(च) जूना अभ्यासक्रम प्रमाणे 'अर्वाचीन साहित्य'ना (३जा) प्रश्नपत्रमां जे विद्यार्थी पसार थयो होय; तेणे स. १९८० नी शरद् परीक्षा पछी निबंधनी परीक्षा आपी देवी.

(छ) जूना अभ्यासक्रम प्रमाणे 'निबंध'नी परीक्षा जेणे पसार करी होय, तेने 'अर्वाचीन गद्य' अने 'अर्वाचीन पद्य'मांथी कोई एक प्रश्नपत्र पसंद करवा देवामां आवशे; पण तेने वर्ग नहि मळी शके. तेने वर्ग मेळववो होय तो ते 'निबंध'ना गुण जता करी 'अर्वाचीन गद्य' तथा 'अर्वाचीन पद्य' ए बन्ने प्रश्नपत्रोमां बेसी वर्ग मेळवी शकशे.

मराठी

५ मराठी

(क) नीचे प्रमाणे पांच प्रश्नपत्रो राखेलां छे.—

१ काव्य

२ नाटक अने कादंबरी

३ इतिहास अने चरित्र

४ निबंध अने साहित्य चर्चा.

५ भाषाशास्त्र

(ख) सरळ अभ्यासक्रममां पांचमो प्रश्नपत्र कमी छे.

(ग) गमे ते समत्रे गमे ते प्रश्नपत्रनी परीक्षा आपी शकाशे.

हिंदी

६ हिंदी

(क) नीचे प्रमाणे पांच प्रश्नपत्रो राखेलां छे.

१ पद्य

२ गद्य

३ नाटक

४ व्याकरण अने काव्य

५ समालोचना अने साहित्यनो इतिहास

(ग) सरळ अभ्यासक्रममां पांचमो प्रश्नपत्र कमी छे.

(ग) गमे ते समये गमे ते प्रश्नपत्रनी परीक्षा आपी शकाशे.

बंगाळी

७ बंगाळी

(क) नीचे प्रमाणे पांच प्रश्नपत्रो राखेलां छे—

१ काव्य

२ गद्य

३ नवलकथा

४ नाटक

५ प्राचीन बंगाळी काव्यो अने बंगाळी साहित्यनो इतिहास

(ख) सरळ अभ्यासक्रममां पांचमो प्रश्नपत्र कमी छे.

(ग) पूरी हाजरी भर्या सिवाय गमे ते प्रश्नपत्रनी गमे ते समये परीक्षा आपी शकाशे.

इंग्रेजी

८ इंग्रेजी

(क) नीचे प्रमाणे पांच प्रश्नपत्रो राखेलां छे—

1. English Language and Literature
2. Prose including Essays and Novels
3. Poetry including Dramas
4. A Special Author, or Translation of a foreign classic in Gujarati or Marathi
5 Composition: An Essay on a given subject.

(ख) पहेला प्रश्नपत्रमां समालोचना पर सवालो पूछवामां आवशे.

(ग) चोथा प्रश्नपत्र माटे भाषांतर करनार विद्यार्थीए एक विदेशी शिष्ट पुस्तकनुं नाम अनुमति माटे जणावी रजा मेळववी पडशे, अने भाषांतर विद्यार्थीए पोते करेलुं छे एवा महाविद्यालयना आचार्यना प्रमाणपत्र साथे ते विद्यापीठ कार्यालयमां पहोंचाडवुं जोईशे. भाषांतर मळ्या पछी त्रण महीनामां विद्यापीठ भाषांतरनी योग्यता संबंधी निर्णय जाहेर करशे, अने भाषांतर अयोग्य जणाये विद्यार्थीने कोइ एक साक्षरना ग्रंथोनो अभ्यास करी परीक्षामां बेसवानी छूट रहेशे.

(घ) सरळ अभ्यासक्रम माटे चोथो प्रश्नपत्र कमी करवामां आव्यो छे.

(च) पहेला प्रश्नपत्रनी परीक्षा संपूर्ण हाजरी भर्या पछीज आपी शकाशे.

फारसी

९. फारसी

नीचे प्रमाणे पांच प्रश्नपत्रो राखेला छे—

१. गद्य. २. पद्य.

३. प्राचीन अने अर्वाचीन फारसी साहित्यनो इतिहास

४. इराननो इतिहास अने साहित्य उपर तेनी थयेली असर

५. निबंध, अनुवाद तथा मौखिक

अरबी

१० अरबी

नीचे प्रमाणे पाच प्रश्नपत्रो राखेलां छे—

१. गद्य २ पद्य. ३. व्याकरण

४. अरबस्ताननो इतिहास ५. अनुवाद.

फ्रेंच

११ फ्रेंच

नीचे प्रमाणे पाच प्रश्नपत्रो राखेलां छे—

(१) गद्य (२) पद्य (३) अनुवाद फ्रेंचमांथी इग्रेजी अथवा गूजरातीमां, अने इग्रेंजी अथवा गूजरातीमांथी फ्रेंचमां (४) इ. स. १७८८ थी फ्रेंच साहित्यनो इतिहास (५) नीचेमांथी कोईपण एक साक्षरनो खास अभ्यास Moliere, Anatole France, Balzac, Victor Hugo

(ख) सरल अभ्यासक्रम माटे ५ मो प्रश्नपत्र कमी.

(ग) गमे ते वखते गमे ते प्रश्नपत्रमा बेसी शकाशे.

प्राकृत

१२. प्राकृत

नीचे प्रमाणे पाच प्रश्नपत्रो राखेलां छे—

१. व्याकरण, भाषा शास्त्र, नाटक अने शिलालेखोनु प्राकृत

२. काव्य अने छद-अपभ्रंश साथे

३. गद्य-अपभ्रंश साथे, अने प्राकृत साहित्यनी ऐतिहासिक रूपरेखा.

४-५. जैन आगमो, निर्युक्ति, भाष्य अने चूर्णि

पालि

१३ पालि

नीचे प्रमाणे पांच प्रश्नपत्रो राखेलां छेः—

१. सुत-अने विनयपिटक

२. अभिधम्म

३. व्याकरण अने भाषाशास्त्र

४. इतिहास

५. अट्ठकथा.

गणित मंदिर

१ अभ्यासक्रमः

नीचे प्रमाणे दश प्रश्नपत्रो राखवामां आव्या छे—

(१) बीज गणित अने त्रिकोणमिति—

Algebra-Complex Quantities, Logarithmic and Exponential Theorems, Convergency and Divergency of Series, Theory of Equations and Determinants.

Trigonometry-Properties of Triangles, Inverse Trigonometrical Functions, Demoivre's Theorem, Summation of Simple Trigonometrical Series, Exponential Values of Circular Functions, Expressions of Circular Functions as Infinite Products.

(२) वैजक-भूमिति—पृष्ठ अने घननी (*Analytical Geometry of two and three dimensions*)-Equations of a General Conic in the Rectangular and Polar Co-ordinates, Plane, Sphere and Ellipsoid with their Elementary Properties.

३ शून्य लब्धि (*Differential Calculus*)—

Elementary Calculus-Differentiation, Tangents, Normals, Maxima and Minima Values, Integration of Standard Forms. Integration by Parts, Method of Partial Fractions for Integration, Application to Area.

Differential Calculus-Expansion, Partial Differentiation, Asymptotes, Singular Points, Curvature, Curve Tracing.

(४) शून्ययुति (*Integral Calculus*)-Definite Integrals, 'Gamma' Functions, Applications to Rectifications and Quadrature and Volumes.

(५) शून्यसमीकरण अने फलसिद्धान्त (*Differential Equations and Theory of Functions*)–

Differential Equations–Standard Forms of Differential Equations, Linear Equations of the First and Second Degree, General Equations with Constant Co-efficients, Applications to Geometry and Physics.

Theory of Functions–Contour Integration, Theory of Residue, Fourier's Series, 'Gamma' and 'Beta' Functions.

(६) स्थितिशास्त्र (*Statics*)

Elementary Mechanics–Parallelogram of Forces, Couples, Equilibrium of Forces in one Plane, Centre of Gravity, Machines, Friction.

Higher Mechanics–General Conditions of Equilibrium, Centres of Gravity, Eqbilibrium of Heavy Strings.

(७) गतिशास्त्र (*Dynamics*)

Elementary–Rectangular Motion, Projectiles, Circular Motion, Simple Harmonic Motion.

Higher–Motion under the Law of Direct Distances and Inverse Square of Distance, Central Forces, Moments of Inertia, D'Alemberts' Principle, Motion of a Rigid Body about a Fixed Axis.

(८) द्रवस्थशास्त्र (*Hydrostatics*)–

Resultant Thrusts of Fluids on Bodies, Centre of Pressure. Floating Bodies, Specific Gravity of Liquids and Solids, Properties of Gases, Hydrostatic Machines and Rotating Fluids.

(९) गोलीय त्रिकोणमिति अने खगोलविद्या (*Spherical Trigonometry and Astronomy.*)

Spherical Trigonometry–Fundamental Formula, Solution of Triangles, Properties of Tringles.

Astronomy–Refraction, Aberration, Paralax, Earth, Moon, Eclipses, Transits, Planets, Direct and Retrograde Motion.

(१०) कूट प्रश्नो (Problems)

२. **सरळ अभ्यासक्रम** माटे प्रश्नपत्रोनी संख्या घटाडवामां नथी आवी, पण दरेक प्रश्नपत्रमां पूरता प्रमाणमां सरळ प्रश्नो पूछवामां आवशे.

३. कूट प्रश्नोनो पत्र संपूर्ण हाजरी पूरी थये ज आपी शकाशे.

वाणिज्य विद्यामंदिर

१ नीचे प्रमाणे दश प्रश्नपत्रो राखेलां छे:—

(१) लघु लेखन अने इंग्रेजी *

आ प्रश्नपत्रमां सरखागुणना बे विभाग रहेशे, इंग्रेजी विभागमां सार दोहनना, व्याकरण-ना, अने नियत करेलां पाठ्य पुस्तकोमांथी नियधना सवालो पुच्छामां आवशे.

लघुलेखनमां उत्तीर्ण थवा माटे १०० शब्दनी झडप होवी जोइए.

(२–३) नीचेना चार विषयोमांथी कोईपण एक-विद्यार्थीनी पसंदगी मुजब; दरेक उपर बे प्रश्नपत्रो

(क) अंग्रेजी नामुं अने नीमतानी (Auditing)

(२) नामु, रॅायल्टि, आवक अने खर्च, कॅान्ट्रेक्ट वगेरेना हिसाब, डबल एकाउन्टस, शराफीनामु, शाळाओना हीसाब, वीमाना हीसाब, नादारीना हीसाब, लिमिटेड कंपनीना अघरा हीसाब वगेरे टूकामा, वधी जातना हीसाब

(३) नीमतानी.

अथवा

(ख) शराफी अने शराफी कायदो—

(२). शराफी–धातुओनु नाणाचलण, नाणांनु उपयोगीपणु, जूदी जूदी जातनु नाणु, नाणां चलण अने सिक्का, विलायतनी टकशाळ, तेनी जाणवा जेवी बाबतों अने कायदा, कायदेसर नाणाचलण, जूदा जुदा देशोनु नाणांचलण, नाणांनी क्रयशक्तिमां थता फेरफार, कारणो, क्रयशक्ति टकावी राखवाना उपायो, आंतरराष्ट्रीय नाणांचलणनो प्रश्न, ते विषेनी माहिती, हिंदी नाणां-चलण, हिंदी टकशाळ, नियमो, हिंदने लगता सवालो वगेरे.

शराफी अने शराफी बजार, तेनी जरुरियात अने फायदा, विलायतनी शराफी पेढीओ; एक पद्धति, बॅन्क, क्लियरिंग–हाउस, शराफी, पेढीओना नाणांनु रोकाण, पैसा धीरवानी पद्धति, पेढीओ तरफथी छापेला भाव (Quotations) वगेरे.

चलणी नोटोनो प्रतिबंध; परदेशनी शराफी पेढीओ साथे सरखामणी; हिंदनी शराफी पेढीओ, इतिहास, सामान्यज्ञान, शराफी पेढीओने लगतु आंकडाशास्त्र, परदेशना नाणांमां आपणा नाणांनो बदलानो भाव, वधघटनां कारणो वगेरे.

३ शराफी कायदो

अथवा

(ग) रू अने रूनो उद्योग—

(२) रूनु उत्पादन, तेने जरुरी संयोगो, जूदी जूदी जातोनुं निरीक्षण, सुधारवाना उपायो परख, रूनी आयात अने निकास.

---

* स. १९८१ नी वासन्तिक परीक्षा पछी वाणिज्य मंदिरमां दाखल थनार विद्यार्थीओ माटे. ते पूर्वे दाखल थयेला विद्यार्थीओने माटे पहेलु प्रश्नपत्र 'इंग्रेजी नामानां मूळतत्त्वो' रहेशे.

(ग) रुनु हुंडी तथा तेमनां स्वरूप अने प्रकार, हुंडीनो दर, हुंडी तथा करन्सीनां बाबत तथा विक्रय, मिलोनी मजूरोनी स्थिति, राज्य तरफथी मिलोने लगता कायदा, अने तेनुं पालन, मजूर मंडळो वगेरे

अथवा

(घ) वीमा पेढीओनुं शास्त्र.

(४–५) व्यापारी कायदा–बे प्रश्नपत्रो—

(४) कंपनीनो कायदो, भागीदारी अने व्यापार आवकवेराना कायदा, दरुनो कायदो अने स्टॅम्पनो कायदो, रेल्वेनो कायदो.

(५) शराफी अथवा हुंडीओ वगेरेने लगता कायदा (Negotiable Instruments Act), करारनो कायदो (Contract Act) तथा बीजा कायदा.

(६) संपत्तिशास्त्र, नाणांचलण अने शराफीनां मूळतत्त्वोना खास अभ्यास साथे.

संपत्तिशास्त्र; द्रव्य अने मजूरी, फळदायक अने निष्फळ महेनत, श्रमविभाग अने हालनी औद्योगिक प्रवृत्ति, म्होटा पायापर उत्पादन, मुडी, उद्योगोनी व्यवस्था, उत्पादननां फेरफार थवानां कारणो, वस्तुओनी आपले (Exchange), उपयोगिता (Utility), वसरियात (Value) अने किम्मत (Price), मालना जथ्था अने उठाव वच्चेनो संबंध; खर्चो, उत्पादननुं खर्च अने तेनी जरुरियात; घटतुं जतुं फळ; वधतुं जतुं फळ; इजारो; संयुक्त उत्पादननुं खर्च; संयुक्त मालनो उठाव; सिक्का, नाणुं, किम्मत, जूदी जूदी जातनुं नाणुं चलण, किम्मतमां फेरफार, चलणी नोटो, शराफी, परदेशनां नाणां अने आपणा नाणां वच्चेनो संबंध, व्यापार समता (Balance of Trade); आंतर राष्ट्रीय व्यापार; प्रतिबाधित अने अबाधित व्यापार, मुडीनो जथ्थो अने उठाव; भाडुं, खेती, विघोटी पद्धति; ईजारानो नफो, म्हेनताणुं, अने जरुरियात; नफो, वस्ती, मजूरमंडळी, मजूर कायदाओ, सहकारी प्रवृत्ति, रेल्वे विषेना सवालो वगेरे मुख्यत्वे हिंदी दृष्टिबिंदुथी.

(७) भारतीय संपत्तिशास्त्र.

(८) आंकडाशास्त्र अने सामाजिक जमाखर्च.†

(क) सामाजिक जमाखर्चनां मूळतत्त्वो अने सामाजिक जमाखर्च, सरकारी म्हेसुल पद्धति, आवक अने खर्चनुं वर्गीकरण, कर, राज्यनुं देवुं, तेनो इतिहास अने टाळवाना अने भरी देवाना उपायो.

(ख) आंकडाशास्त्रनां मूळतत्त्वो अने हिंदी आंकडाशास्त्र.

आंकडाशास्त्रनो अर्थ, तेना विभाग, तपास केम शरु करवी, पत्रक योजना, पत्रकपरीक्षा, कोष्टक योजना, सरेराश, विचलन, बेडोळपणुं, आलेख अने आलेखाकृतिओ, ऐतिहासिक श्रेणीओ, संबंध सूचक संख्याओ वगेरे.

---

† सं. १९८० नी सालनी बन्ने परीक्षाओमां त्रीजा वर्षना विद्यार्थीओने जुना अभ्यासक्रम प्रमाणे प्र. प. ६–संपत्तिशास्त्र अने प्र. प. ८ (संपत्तिशास्त्रना विभागोमां) मेळववानी अने बधा विद्यार्थीओने जुना अभ्यासक्रम प्रमाणे प्र. प. ७ माटे राजबंधारण, अथवा आर्थिक जीवननो इतिहास ए विषय पसंद करवानी छूट हती.

हिंदी आंकडाशास्त्र–जन्ममरणने लगतुं; वस्तीगणत्रीने लगतुं; हिंदना अंदरना अने परदेशना जमीन अने जळमार्गना वेपारने लगतुं; खेतीने लगतुं; रेल्वेने लगतुं; पगार अने किम्मतने लगतुं वगेरे.

(९) व्यापार व्यवस्था

व्यापार व्यवस्था, संक्षिप्तलेखन, जाहेरखबर, शेरबजार, भागीदारी पेढीओ, लिमिटेड कंपनीना पत्रव्यवहार, मंत्री तरीकेनी फरजो, कार्यपद्धति, व्यापारी पेढीओनी कार्यपद्धति, भरतीयां, तार, व्यापारी पत्रव्यवहार, अने तेमना जवाबोनी गोठवणी–औद्योगिक व्यवस्था अने मजूरोनी काम करवानी शक्ति, विमा विषे, जळमार्गे माल मोकलवा विषे वगेरे माहिती

(१०) भूगोळ

(१) व्यापारी भूगोळ–मनुष्य प्रवृत्ति तेनो आधार; हुन्नर उद्योग अने व्यापारने अनुकूळ संयोगो; उत्तेजन वगेरे: उत्पत्ति—खेतीनी नीपज, खनीज पदार्थो, जंगलनी नीपज, प्राणी नीपज, हुन्नर उद्योग, जूदी जूदी वस्तुओ–खास करीने हिंदने लगती; तेनी जरूरीयातो: परदेश साथेना व्यापार-वगेरेनी माहिती; जुदा जुदा देशोनी उपज, उद्योग, व्यापार, कुदरती अने मानुषी अनुकूळ संयोगो वगेरे.

(२) प्राकृतिक भूगोळ–पृथ्वीनी उत्पत्ति, आकार, कद, रातदिवसनां अने ऋतु बधारणनां कारणो, स्थळ, जळ, जमीननां स्वरूपो, तेनो घसारो, आबोहवा, उष्णतानुं प्रमाण, पवनना प्रवाह, महासागरना जळप्रवाह, कुदरती प्रदेशो, तेमनी मुख्य नीपजो, नकशा अने तेमना पाट, वगेरे

२ सरळ अभ्यासक्रम अने परीक्षामां बेसवानो क्रम

सरळ अभ्यासक्रम राखवामां आवेल नथी. प्रश्नपत्र पहेलानी परीक्षा प्रश्नपत्र बे अने त्रणनी साथे आपवी पडशे के ते पहेलां आपवी पडशे. बाकीना प्रश्नपत्रोनी परीक्षा गमे ते समये आपी शकाशे.

तत्त्वज्ञान मंदिर

१. छ पाश्चात्य फिलसुफिनां, त्रण आर्य फिलसुफिनां, अने एक इस्लामी फिलसुफिनु, एम नीचे प्रमाणे दश प्रश्नपत्रो राखवामां आव्यां आव्यां छे:

(१) पाश्चात्य तत्त्वज्ञाननो इतिहास अने एक पाश्चात्य तत्त्वज्ञानीनो अभ्यास.

पाश्चात्य तत्त्वज्ञानीना अभ्यासक्रम माटे प्लेटो, ॲरिस्टोटल, कान्ट, बर्गसन पैकी एकने दर ३ वर्ष आगळथी ठराववामां आवशे.

(२) चित्तशास्त्र (Psychology)

(३) चारित्र्यमीमांसा (Ethics)

(४) प्रमाणशास्त्र (Logic) अने तत्त्वमीमांसा (Metaphysics)

(५) ईश्वरवाद (Theology)

(६) आनंदमीमांसा (Aesthetics) अने काममीमांसा (Sex-psychology)

(७) बौद्ध अने जैनधर्मो

(८–९) वैदिक धर्म

(१०) इस्लाम धर्म

(आ मंदिरनी योजना अमलमां आवी नथी. ए विषय माटेना विद्यार्थीओ नीकळतां एनी योजना विशेष पूर्ण करवामां आवशे.)

औद्योगिक रसायन मंदिर

१. आ मंदिरमां अभ्यास करवानी गोठवण मुंबाईना राष्ट्रीय महाविद्यालयमां छे.

२. अभ्यासक्रम त्रण वर्षनो छे, अने ते अरसामां विद्यार्थीने (खास करीने हिंदुस्तानना केटलाक*) उद्योगोने लगतु रासायनिक ज्ञान एटले दरज्जे आपवा उमेद छे के जेथी एटलो अभ्यास कर्या बाद विद्यार्थी सरळताथी आज मंदिरनो चोथा वर्षनो अनुस्नातक (Post-graduate) अभ्यास करी शके, अथवा कोई कारखानामां रही शके, अथवा विशेष अभ्यास माटे विदेश जई शके.

३. प्रथम वर्षने अन्ते प्रथमा वैज्ञानिक परीक्षा प्रथम वर्षना बधा विषयोमां लेवाशे: ते परीक्षा माटे नीचे प्रमाणे विषयो ठरावेला छे.

(१) निरिन्द्रिय रसायननां मूळतत्त्वो

(२) पदार्थविज्ञान (Physics) नां मूळतत्त्वो

(३) गणित

(४) यन्त्रशास्त्रनी व्यावहृति (Applied Mechanics)

(५) यन्त्रालेखन (Machine Drawing)

रसायनमां प्रयोगशाळामां विद्यार्थीए जाते काम करवु पडशे, अने बीजा विषयोमा सप्रयोग साबीतीओ शीखवाशे.

विद्यार्थीनी इच्छा हशे तो इंग्रेजी अने समाजशास्त्रना विषयोमां ए हाजरी आपी शकशे.

४. बीजा वर्षना विषयो नीचे मुजब छे:—

(१) निरिन्द्रिय रसायननो विशेष अभ्यास

(२) सेन्द्रिय रसायननां मूळतत्त्वो

(३) निरिन्द्रिय औद्योगिक रसायन

(४) शारीर (Physical) रसायननां मूळतत्त्वो

(५) पदार्थ विज्ञान (Physics)

(६) गणित

---

*जेवा के वनस्पतिजन्य तेलो, वणाट रसायन, चर्मरसायन इत्यादि.

निरिन्द्रिय रसायनना महत्वना प्रयोगो अने तात्विक (Qualitative) पृथक्करण विद्यार्थी जाते करशे.

बीजा वर्षने अंते पदार्थ विज्ञान अने गणितना विषयो पुरा थशे अने तेमां परीक्षा थशे.

कारखानां अने यंत्रालयोनी मुलाकात

५. त्रीजा वर्षना विषयो नीचे मुजब छे:—

(१) सेन्द्रिय रसायननो विशेष अभ्यास

(२) शारीर रसायन (Physical Chemistry)

(३) औद्योगिक रसायन शास्त्र-रासायनिक उद्योगोना खास उल्लेख सहित

त्रीजा वर्षने अंते परीक्षा थशे तेमां जे बाकीना बधा विषयोमां उत्तीर्ण थशे तेने संपूर्ण पणे उत्तीर्ण गणवामां आवशे.

आ विषयोमां विशेष माहिती राष्ट्रीय महाविद्यालय (मुंबाई)मांथी मळी शकशे.

पारंगत परीक्षा

१. गूजराती भाषामां कोईपण विषयपर स्वतंत्र निबंध (thesis) लखनार स्नातकने 'पारंगत' पदवी आपी शकाय.

२. निबंध माटे पसंद करेल विषय माटे विद्यानिधि मंडळनी अनुमति उमेदवारे मेळववी जोइए. एवो निबंध तैयार थये, विद्यानिधि मंडळ ते पर भलामण करवा परीक्षको नीमशे.

अनुस्नातक अभ्यास

गणित

गणितविशारद ने माटे नीचे प्रमाणे अनुस्नातक (post-graduate) अभ्यास करवानी गोठवण थई शकशे.

(१) बीजगणित, उन्मितिफलो (Determinants) अने समीकरण सिद्धान्त (Theory of Equations).

(२) शून्यलब्धि अने शून्ययुति, शून्यसमीकरण.

(३) पृष्ठ अने घननी शुद्ध अने पृथक् बैजिक भूमिति.

(४) फलसिद्धान्त, अने Quarternions.

(५) स्थितिशास्त्र, बैजिक आकर्षणनो सिद्धान्त (Theory of Potential Attractions).

(६) त्र्यसरेणु गतिशास्त्र (Dynamics of a Particle) अने असंह पदार्थनुं गतिशास्त्र (Rigid Dynamics).

(७) द्रवस्थितिशास्त्र (Hydrostatics) अने द्रवगतिशास्त्र (Hydrodynamics).

(८) विद्युत, लोहचुंबक अने खगोळ गणित.

तत्त्वज्ञान

तत्त्वज्ञान विशारद माटे नीचे प्रमाणे अनुस्नातक अभ्यासनी भलामण छे.

१ इतिहास	१ एशियाई फीलसुफी
	२ युरोपीय फीलसुफी
२ नीचेमांथी एक विषय	
(१) प्रमाणशास्त्र	१ युरोपीयन
	२ प्राचीन (भारतीय)
(२) चित्तशास्त्र	१ उच्च प्रकारनु सामान्य (प्राचीन चित्तशास्त्र साथे)
	२ शारीर चित्तशास्त्र अथवा समाज-चित्तशास्त्र
(३) चारित्रमीमांसा (Ethics)	१ चारित्रमीमांसानो इतिहास (प्राचीन चारित्रमीमांसा सहित)
	२ चारित्रमीमांसाना मूळतत्त्वो (प्राचीन चारित्रमीमासा सहित)
३ नीचे पैकी कोईपण एक विषय	
(१) राजनैतिक तत्त्वमीमांसा (Political Philosophy)	१ उचा प्रकारनु सामान्य प्रश्नपत्र
	२ एशिया अने युरोपना राजनैतिक सिद्धान्तो अने प्रवृत्तिओनो इतिहास
	३ आर्यनीति शास्त्रो
(२) समाजविद्या (Sociology)	१ एशिया अने युरोपना सामाजिक सिद्धान्तो अने सामाजिक जीवनना इतिहास
	२ सामाजिक सपत्तिशास्त्र
	३ सामाजिक चित्तशास्त्र
(३) तत्वमीमासा (Metaphysics)	१ तत्त्वमीमासानो इतिहास
	२ क्रिटीक ओफ प्योर रीझन
	३ शकर अने रामानुज
(४) प्राचीन दर्शनो	१ प्राचीन दर्शननो इतिहास
	२ नीचे पैकी कोई पण एक दर्शन समूह
	(क) न्याय-वैशेषिक
	(ख) साख्य-योग

(ग) पूर्व मीमांसा

(घ) वेदान्त

(च) जैन

(छ) बौद्ध

३ एक विशिष्ट दार्शनिक के धर्मप्रवर्तक

(५) धर्म अने ईश्वरवाद (Religion and Theology)

१ धर्म अने ईश्वर विषयक सिद्धान्तो

२ धर्मोनो इतिहास

३ भिन्न भिन्न धर्मोनो तुलनात्मक अभ्यास ब्राह्मण, जैन, बौद्ध अने जरथोस्ती धर्मनो विशेष

सूचना—विद्यार्थीओने २ जा अने ३ जा विषय समूहमांथी पसंद करवामां नीचेना विषयोनी जोडणी करवानी सलाह आपवामां आवे छे.

२ जा मांथी	३ जा मांथी
(१) प्रमाण शास्त्र	तत्त्वमीमांसा अथवा प्राचीन दर्शनो
(२) चित्तशास्त्र अथवा चारित्र मीमांसा	राजनैतिक तत्त्व मीमांसा अथवा समाजविद्या अथवा दर्शनो, अथवा धर्म अने ईश्वरवाद

ललित कला मंदिर

संगीत

वाद्यवादननो अभ्यासक्रम

(१) सतार

१ लुं वर्ष—आशरे २० सादी गत

२ जुं वर्ष—तोडानी साथे आशरे १० गतो

३ जुं वर्ष—गततोडा तथा मींड गमक

४ थुं वर्ष—संपूर्ण ज्ञान

(२) फिडल

१ लुं वर्ष—सादा गायनो तथा अभ्यास

२ जुं वर्ष—आलाप साथे थोडां गायनो

३ जुं–४ थुं वर्ष—अभ्यास तथा संपूर्ण ज्ञान

(૩ દીલરુબા સતારના અભ્યાસક્રમ પ્રમાણે
તબલા અને જલતરંગ ગાયનના અભ્યાસક્રમની સાથે લઈ શકાય.

ગાનવિદ્યાનો અભ્યાસક્રમ:

૧ લું વર્ષ

શાસ્ત્ર—(થિયરી) સપ્તસ્વર, આરોહ, અવરોહ તથા સાદા સ્વરાલંકાર.

પ્રત્યક્ષ પ્રદર્શન (પ્રૅક્ટિસ) નીચેના રાગોની ચીજો—સાદી થોડા તાન આલાપની સાથે:—

ભૂપ, કલ્યાણ, આસા, ગૌરી, કૌશિયા, દેશ, સારંગ, ખમાજ, ઝીંઝોટી, કાફી, આસાવરી, પીલુ તથા ભૈરવી.

૨ જું વર્ષ

શાસ્ત્ર—બધા સ્વરાલંકાર, ગ્રામ, શ્રુતિ, મૂર્ચ્છના વગેરેનુ જ્ઞાન

પ્રત્યક્ષ પ્રદર્શન—નીચેના તાલ વગાડતાં આવડવા જોઇએ:—

દાદરા, ધુમાળી, કેરવા, એકતાલ, ત્રિતાલ, ચૌતાલ, રુપક, તેવરા, જપતાલ, તથા સુરફાકતાલ. દ્રુપદો અને તરાણા.

સાથે નીચેના રાગની ચીજો:—હમીર, ગૌડસારંગ, બાગેશ્રી, શંકરા, સિંધુરા, મોહની, કમોદ, કેદાર, ભીમપલાસ, બિલાવલ

૩ જું વર્ષ

શાસ્ત્ર—ચીજોનું સ્વરલેખન (નોટેશન) અને ઉચ્ચ તાનાલાપનું જ્ઞાન.

પ્રત્યક્ષ પ્રદર્શન—નીચેના તાલ વગાડતાં આવડવા જોઈએ:—

દીપચંદી, ઘુમાર, ઝુમરા, આડાચૌતાલ, પંજાબી.

નીચેના રાગોની ચીજો:—

કાનડા, બિભાસ, તોડી, લલિત, મુલતાની, હિંદોળ, ગૌડમલ્હાર, પુરબી, તથા કાલિંગડો.

૪ થું વર્ષ

શાસ્ત્ર—ગમે તે ચીજનું સ્વરલેખન તથા સારીગમ કરતાં આવડવું જોઇએ. જૂદા જૂદા રાગો વચ્ચેનો ફરક પારખવો. સંપૂર્ણ તાનાલાપ સાથે ચીજ ગાવી.

પ્રત્યક્ષ પ્રદર્શન:—નીચેના રાગો તાન આલાપ સાથે ગાવા—

ભૈરવ, માલકંસ, કલ્યાણ, ભીમપલાસ, ભૂપ, બાગેસરી, આસાવરી, અને સારંગ.

બધા પ્રસિદ્ધ તાલોનું સંપૂર્ણ જ્ઞાન–પ્રયોગ સાથે.

ભલામણ કરેલ પુસ્તક:—ભાતખંડેનું હિંદુસ્થાની સગીત પદ્ધતિ ભાગ ૧ લો.

સરળ અભ્યાસક્રમ માટે વાદન અથવા ગાયન પૈકી એક.

चित्रकला

गूजरात महाविद्यालयना चित्रकला मदिरमां नीचेना विषयो शीखववामां आवे छे. ए पदवी संपादननो विषय नथी, पण एनुं नियमित शिक्षण अने परीक्षा लईने प्रमाणपत्र आपवामां आवशे. अपवाद रूपे, कोई बीजा विषयने बदले एने ऐच्छिक विषय तरीके लेवा देवामां आवे.

अभ्यासक्रम

१ लुं वर्ष—चित्रक्रिया

१. हस्तालेखन (Free-hand)—समसव्यापसव्य (Symmetrical) चित्रो अने पल्लवालेखनना नमुना परथी चित्रो दोरीने तेमां रग पूरवा. (लाल, पीळो अने वादळी ए त्रण रंगोनो ज उपयोग.)

२ अनुस्मरणालेखन (Memory Drawing)—सामान्य जोवामां आवती सहेला आकारवाळी वस्तुओनु यादगीरी परथी चित्र दोरवु उदा० चप्पु, कातर, देगडो, टोपली, कलम वगेरे

३. प्रतिमालेखन (Model Drawing) अने यथादर्शन (Perspective)—सादा भौमितिक आकारना पदार्थो, जवा के घनचोरस, त्रिकोण, चोरस, षट्कोण, सूचि, पार्श्व, नळाकृति, शकु वगेरे पदार्थोनी यथादर्शनना नियमोने अनुसरी आकृतिओ काढवी.'

२ जुं वर्ष चित्रक्रिया

१. मर्यादालेखन अने पल्लवालेखन—झाडना छोड परथी तेनु चित्र रग साथे करवु वगेरे

२. अनुस्मरणालेखन—पशु, पक्षी, फळ, फुल वगेरेनु यादगीरी उपरथी चित्र दोरवु.

३. प्रतिमालेखन अने यथादर्शन—सादा अने अघरा पदार्थोना समुहना यथार्थ चित्रो काढवां, अने तेमना रग पूरवा अने मर्यादा बांधवी

४ भात (Designing)—पल्लवालेखनना नमुनाने आधारे वणाटकाम *(textile)*, कीनारीओ (border),चोपडीनां पूठां वगेरे

३ जुं वर्ष-रंगाकृत वर्ष १ लुं.

१. छाया लेखन—सादा भौतिक आकारना पदार्थो उपरथी छायाचित्र दोरवु, जेमके—चोरस, त्रिकोण, षट्कोण, सूची, पार्श्व, नळाकृति शकु, सादी प्लास्टर परथी वगेरे.

२. अनुकरण-चित्र—अजटानी गुफाओ वगेरे स्थळोना चित्र उपरथी रग साथे नकलो करवी

३. प्रकृतिदर्शनालेखन (Landscape)—झाड, नदी, किनारा वगेरेनु सुदर चित्र जोईने काढवु, गूजरातनां प्रसिद्ध चित्र काढवां.

४.सच्छायप्रतिमालेखन—फळ, फुल, अथवा सारा आकारनां वासणो वगेरेना रग अने छाया लेखन सहित चित्र दोरवु.

४थुं वर्ष-रंगक्रिया वर्ष २जुं;

१. छायालेखन—पुतळाओ उपरथी काळी खडी (चारकोल) वडे छायाचित्र दोरवुं.

२. रंगक्रिया—तेलनां, पाणीना के खडीना रंगथी प्रत्यक्ष देखावो चितरवा, तथा जनावरो वगेरे चितरवा.

३. सच्छायप्रतिमालेखन(Still—life) फळ-फूलनो समुह रंग साथे चितरवो.

४. आदमे कदम—प्रत्यक्ष माणस उपरथी छायाचित्र काळी खडी वडे चितरवुं; तथा माणसनुं आखुं चित्र काढवुं.

५. हिन्दुस्ताननां भाव चित्र—प्राचीन चित्रकारोनां चित्रोनुं अनुकरण तथा तेमणे दर्शावेला भावो उतारवानी दृष्टिए अभ्यास.

४ पाठ्य तथा भलामण करेलां पुस्तको

प्रथमा परीक्षा–सं. १९८०–८१

मातृभाषा

१. गूजराती–सामान्य अभ्यासक्रम

१. नवल ग्रंथावली भाग २ जो (शालोपयोगी आवृत्तिमांथी) नीचेना निबधोः (१) स्व. साक्षर नवलराम लक्ष्मीरामनुं जीवन वृत्तांत–स्व. गोवर्धनरामनुं लखेलुं; (२) रघुवंश काव्य; (३) गूजरात तथा काठीयावाड देशनो वार्ता; (४) देशी कारीगरीने उत्तेजन; (५) हरिश्चंद्र नाटक; (६) गूजराती भाषानो मोटो कोष; (७) रामरत्न निरूपण; (८) करसनदास मूलजी चरित्र; (९) महेताजी दूर्गाराम मंछारामनुं चरित्र; (१०) गूजराती शब्दमूलदर्शक कोष; (११) करण घेलो-एक वार्ता; (१२) कांता; (१३) सुबोध चिंतामणी विवेचन; (१४) विधवानो वकील; (१५) संस्कृतमय गूजराती; (१६) नाटकशाला ने गोपीचंद नाटक; (१७) बाळलग्न ने बलात्कार वैधव्य; (१८) नात सुधारो; (१९) गूजराती भाषानुं ऐक्य; (२०) प्रेमानन्द (मामेरुं); (२१) कवि नर्मदाशंकरनी कविता, (२२) नर्म कविताती प्रस्तावना; (२३) कवीश्वर दलपतराम डाह्याभाई; (२४) हिन्दुस्तानमां एक भाषा; (२५) देशी पिंगळ; (२६) भाषाशास्त्र; (२७) अक्षर लिपिनी उत्पत्ति; (२८) स्वभाषाना अभ्यासनुं अगत्य; (२९) जनावरने संस्कृत कर्युं.

२. काव्य समुच्चय भाग १ लामां थी—नीचेना अंकनां काव्यो १, २, ३, ५, ७, १२अ, १४ थी १८, २१, २२, २४, २७, २९, ३०, ३६, ३७, ३९, ४०, ४३, ४४, ४६ थी ४९, ५२, ५५, ५७ थी ५९, ६१ थी ६६, ६८, ६९, ७१, ७३ थी ७५, ८० थी ८४, ९६.

३. मामेरूं अने सुदामाचरित्र-प्रेमानन्द

२. मराठी—(मुंबई राष्ट्रीय महाविद्यालय माटे ज)

१ महाराष्ट्र इतिहास मंजरी

२ विनायकाची कविता (वीणाकाव्य मालेचा द्वितीय ग्रंथ) (खाडिलकर)

३ सोतंयाचें बड (केळकर) व त्या वरील टीकात्मक लेख (कोल्हटकर)

४ नवनीत [पेचे]

५ सुलभ अलंकार [जोशी]

३. हिंदी (मुंबई राष्ट्रीय महाविद्यालय माटे अ.)

१ सौ अजान एक सुजान

२ कविता कौमुदी भाग १—२

प्राचीन—चंद, कबीर, नंददास, रहीम, केशवदास, रसखान, बिहारी और भूषण
अर्वाचीन—भारतेन्दु अम्बीका व्यास, श्रीधर, अयोध्यासिंह, रामदेवीप्रसाद, शंकर गुप्त, सत्यनारायण

३ मुद्राराक्षक नाटक—(भारतेन्दु)

व्याकरण, काव्य, अलंकार, छंद, पिंगल

सूचित पुस्तको

१ हिन्दी व्याकरण (अम्बिकाप्रसाद)

२ हिंदी पद्यरचना (रामनरेश त्रिपाठी)

३ छंद-पिंगल-छंद प्रभाकर.

४ अलकार मंजुषा (भगवानदीन)

(निम्नलिखित अलंकार—उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्ति, अनुप्रास, यमक, अर्थान्तरन्यास, समेद व्याज, विभावना, श्लेष, दीपक, अपन्हुति)

५ समालोचना-बिहारी सतसई भाग १—पद्मसिंह. (डी. एल्. राय)

६ साहित्य का इतिहास-हिंदीभाषा की उत्पत्ति-द्विवेदी

सरळ अभ्यासक्रम

गूजराती (अथवा मुंबाई राष्ट्रीय महाविद्यालयमां मराठी के हिंदी) जेमनी स्वभाषा नथी, तेमने माटे सरळ अभ्यासक्रम—

१ नीति शिक्षण.

२ दलपतसार

भलामण—'नवजीवन'ना लेखो.

नोंध—आ विद्यार्थीओनी परीक्षा मौखिक तेमज लेखी लेवामां आवसे. लेखी परीक्षामां आपेल विषयपर विद्यार्थीओने निबंध लखवो पडसे.

'नवजीवन'ना लेखो समजवा पुरतुं ज्ञान विद्यार्थीने होवुं जोइए.

राष्ट्रीय भाषा

हिंदी

१ किसान–मैथिलीशरण गुप्त

२ हिंदी रीडर–भाग ६–रामदास गौड

३ बाल व्याकरण–इन्डीयन प्रेस–अल्हाहाबाद

उर्दु

१ कायदाए उर्दु

२ अलीबाबा चाळीस चोर

३ उर्दु व्याकरण

ऐच्छिक विषय

प्रमाणशास्त्रः

प्रमाणशास्त्रप्रवेशिका : रामानारायण पाठक

संस्कृतः

१ स्वप्नवासवदत्तम्

२ कुमार सभवम् सर्ग १–५

३ उपनिषत्पाठावली

फारसीः

१ गुलिस्तान : बाब १ अने ८

२ बोस्तान : १ लो बाब

३ कवायद फारसी (व्याकरण)

अरब्बी

१ अरब्बीनी पहेली चोपडी

२ कवायद अरब्बी

अर्वाचीन भाषा–मरजियात

मराठीः

स्फुट गोष्टी–भाग १ ला· हरि नारायण आपटे

नवनीत–कर्ण पर्वः मोरोपंत

वनवासी फूलः टिळक

वाचन पाठमालाः भाग १ ला—पहेला १०० पाना

बंगाळी

१ वर्णपरिचय: चैटरजी

२ कथामाळा ओ शिशुशिक्षा: विद्यासागर

३ पद्यपाठ: भट्टाचार्य

४ राजपूत काहिनी: दासगुप्त

नीचेनां पुस्तको वांचना भलामण करवामां आवे छे:

१ शिशुरंजन रामायण

२ अरबोपन्यास: चटरजी

इंग्रेजी

१ Readings in English Prose (विद्यापीठ तरफथी प्रकाशित)

२ Poetical Selections: (विद्यापीठ तरफथी प्रकाशित)

३ Rime of the Ancient Mariner-Coleridge

फ्रेंच

१ Un Heritage-Sandeau

२ Auzas-Les poetes francais du XIXme siecle

संपत्तिशास्त्र

संपत्तिशास्त्र (विद्यापीठ तरफथी प्रकाशित)

हिंदुस्ताननी राजव्यवस्था अने हिंदी राष्ट्रीय जागृति-भलामण करेलां पुस्तको—

Indian National Evolution—Ambika Charan Mazumdar

हिंदुस्ताननी राजव्यवस्था उपर कोई पण जाणीतुं अने सारुं पुस्तक.

स्नातक परीक्षा

मातृभाषा

गूजराती (फरजीयात)-सामान्य अभ्यासक्रम

स. १९७८-७९, १९७९-८०, १९८०-८१ माटे

१ सरस्वतीचंद्र भा॰ १

२ नळाख्यान-प्रेमानंद

३ पहेली अने बीजी साहित्य परिषद्ना प्रमुखोनां व्याख्यानो

४ गूजराती पद्यसंग्रह-काव्यांक १३६ थी १७१.

सं. १९७९–८०, १९८०–८१, १९८१–८२

१ सरस्वतीचंद्र भा० ३

२ गोविन्दगमन–नरसिंह महेता (विद्यापीठ प्रकाशित) मूल्य ०–५–६

३ वसन्तविलास.

४ गूजराती पद्यसंग्रह–काव्यांक १७९ थी अंत सुधी

सं. १९८०–८१, ८१–८२, ८२–८३ माटे

१ सरस्वतीचंद्र भा. ४ प्रकरण १ थी १४

२ भालणकृत कादंबरी–पूर्व भाग कडवां १ थी १३

३ काव्यसमुच्चय–भाग २ जो–नीचेनां अंकवाळां काव्यो—१, ४, ७, १०, १३, १५, १९, २२, २५, २८, ३१. ३४, ३७, ४०, ४१, ४४, ४७, ५०, ५३, ५७, ६०, ६३, ६८, ७१, ७४, ७७, ७८, ८१, ८३, ८४, ८७, ९०, ९२, ९६, ९९, १०२, १०६, १०९, ११०, ११२, ११७, १२०, १२३, १२४, १२५, १३०, १३२, १३८, १४१.

सं. १९८१–८२, ८२–८३, ८३–८४ माटे

१ सरस्वतीचंद्र भा. ४, प्रकरण १५ थी

२ भालणकृत कादंबरी—पूर्व भाग कडवां १४ थी २५

३ काव्यसमुच्चय भाग २जामांथी नीचेनां अंकवाळां काव्यो—२, ५, ८, ११, १४, १७, २० २३, २६, २९, ३२, ३५, ३८, ४२, ४५, ४८, ५१, ५४, ५६, ५८, ६१, ६४, ६६, ६९, ७२, ७५, ७९, ८२, ८५, ८८, ९१, ९४, ९७, १००, १०३, १०५, १०७, १११, ११५, ११८, १२१, १२५, १२७, १३१, १३४, १३७, १३९, १४२.

सं. १९८२–८३, ८३–८४, ८४–८५ माटे

१ सरस्वतीचंद्र भाग ४ प्रकरण थी पुरुं

२ नळाख्यान

३ काव्य समुच्चय भाग २ जामांथी नीचेना अंकवाळां काव्यो:—३, ६, ९, १२, १६, १८, २१, २४, २७, ३०, ३३, ३६, ३९, ४३, ४६, ४९, ५२, ५५, ५९, ६२, ६५, ६७, ७०, ७३, ७६, ८०, ८६, ८९, ९३, ९५, ९८, १०१, १०४, १०८, ११२, ११४, ११६, ११९, १२२, १२८, १२९, १३२, १३५, १३६, १४०, १४३, १४४.

सर्वे वर्षो माटे वांचवा भलामण—

गूजराती साहित्यना मार्गसूचक स्तंभो (कृ. मो. झवेरी. गूजरात वर्नाक्युलर सोसाइटी)

मराठी (फरजीयात)

स. १९७८-७९

१ नीतिशास्त्र प्रवेश-उत्तरार्ध-वा. म. जोशी.

२ गीतारहस्य-प्रकरण २, ४, १४, १५

३ नवनीत (नीवडक वेचे)

४ मराठी वाङ्मय विवेचन-रा. ब. जोशी.

स. १९७९-८०

१ नीतिशास्त्र प्रवेश-वा. म. जोशी

२ मराठी गद्याचा इंग्रजी अवतार-पोतदार

३ अभिनव काव्यमाला भाग. ३

सरळ अभ्यासक्रम

गूजराती (अथवा मुंबाइ राष्ट्रीय महाविद्यालयमां मराठी) जेनी स्वभाषा नथी तेमने माटे सरळ अभ्यासक्रम—

१ गूजरातनो नाथ-कनैयालाल मुनशी

२ काव्य समुच्चय भाग १ लो—प्रथमा परीक्षामां सामान्य विद्यार्थीओ माटे नियत करेलां काव्यो

३ साहित्य विलास-रतनलाल भट्ट.

भलामण—'नवजीवन' ना लेखो

नोंध—आ विद्यार्थीओनी परीक्षा मौखिक तेमज लेखी लेवामां आवशे. लेखी परीक्षामां आपेल विषयपर विद्यार्थीओने निबंध लखवो पडशे. 'नवजीवन' ना लेखो समजवा पुरतु ज्ञान विद्यार्थीने होवुं जोइए.

राष्ट्रीय भाषा

हिंदी:

स. १९७८-७९, ७९-८०, ८०-८१

१ सत्य हरिश्चन्द्र-भारतेन्दु

२ जयद्रथवध-मैथिलीशरण गुप्त

३ सुंदरकाण्ड-तुलसी रामायण-इन्डियन प्रेस, अलाहाबाद

४ नवनिधि-प्रेमचंद

५ बाल-व्याकरण

उर्दु :

स. १९७९–८०, १९८०–८१ अने १९८१–८२

१ मुन्तखे बाते उर्दु (विद्यापीठ प्रकाशित)

२ गुल्झारे नसीम

स. १९८०–८१, १९८१–८२, ८२–८३

१ स्वराज्य उर्दु

२ मस्नवी मीर हसन

स. १९८१–८२, १९८२–८३, १९८३–८४

१ वागो बहार

२ मस्नवी सुमे उम्मीद

आर्य विद्यामंदिर

प्रथम वर्ष

१ आर्य संस्कृतिनो इतिहास—

मध्ययुगीन भारत–चिं वि. वैद्य

Oxford History of India–V. A. Smith

Aryan Rule in India–E B Havell

२ धर्म अने तत्त्वज्ञान

वैदिकपाठावलि (विद्यापीठ प्रकाशित)

काठकोपनिषद्

भगवद्गीता अ० २, १३, १८

धम्मपद

तर्कभाषा

षड्दर्शनसमुच्चय (हरिभद्रसूरिकृत)

३ साहित्य अने कला

किरातार्जुनीय–सर्ग १, २, ८

काव्यादर्श–परिच्छेद १, २

पालिपाठावलि (विद्यापीठ प्रकाशित)

प्राकृत कथासंग्रह („)

शिशुपालवध–सर्ग १, २, ११

भरतामण

Handbook of Indian Art–E. B. Havell

४ समाज व्यवस्था

मनुस्मृति अ० १–९

शान्तिपर्व (राजधर्मपर्व, आपद्धर्मपर्व

चीजुं अने त्रीजुं वर्ष–विशिष्ट अभ्यास

१ पुरातत्त्व अने इतिहास विभाग

(५) संशोधन पद्धति अने भारतवर्षीय संशोधनना इतिहासनी रूपरेखा

Early History of India–V. A. Smith (मुख्यतः परिशिष्ट)

भलामण

पुरातत्त्वनो पूर्व इतिहास–मुनिश्री जिनविजयजीनो आर्यविद्या व्याख्यानमाळामांनो लेख

प्रथम प्राच्यविद्या परिषद (पूना) ना अध्यक्ष (डॉ. भांडारकरनुं व्याख्यान

(६) प्राचीन लिपि, शिलालेखो अने निष्कविद्या

प्राचीन लिपिमाला गौरीशंकर ओझा

Ancient Coins–Rapson

भलामण

प्राचीन शोध संग्रह–भावनगर राज्य प्रकाशित

Bombay Gazetteer Vol. I

प्राचीन मुद्रा (र. दा. बानर्जी–बंगाळीमां)

(७) शासनतंत्र

शान्तिपर्व–(राजधर्मपर्व अने आपद्धर्मपर्व) नीतिसार–कामन्दक

अर्थशास्त्र–कौटिल्य मनुस्मृति–अध्याय ७–८

भलामण

Madras Epigraphy: Annual Reports

Village Communities—Henry Mayne

Ancient Law–Henry Mayne

Carmichael Lectures on Ancient History and Administration of India–Devadatta Bhandarkar.

Ancient Administration of India—PramathaNath Bannerjee

Political Theories and Institutions of Ancient Hindus—B. K. Sarkar

प्राचीन ग्राम संस्था

वैदिक स्वराज्य

चाणक्यकौटिल्य (श्री. रा. वि. पाठकनो आर्यविद्याव्याख्यानमाळामांनो लेख)

(८) (क) महाभारतनुं अध्ययन

संक्षिप्त महाभारत-चिं वि. वैद्य

भलामण—

महाभारत-उपसंहार-चि. वि. वैद्य. (मराठी अथवा हिंदी)
The Great Epic of India—Hopkins
A Prospectus of Mahabharat–Udgikar
भारतामृत-बळवंत त्र्यंबक ठ्रवीड

(ख) मौर्य अने गुप्तवंशनो समय

Ashoka-Smith
A Peep into the Early History of India–Bhandarkar.

भलामण—

आर्य चाणक्य (मराठी)
'मैत्री मुद्रिका'नी प्रस्तावना-केशव हर्षद ध्रुव
'स्वप्न स्वप्न'नी प्रस्तावना-केशव ह ध्रुव
Introduction to Mudra–Rakshasa: P. K. Telang.
Early History of India–V. A. Smith
Indica–Megasthenis.
Corpus Inscriptionem Indicarum

(ग) हर्षना समयनो इतिहास माटे

भलामण—

हर्षचरितम्-बाण
श्री हर्ष (मराठी)-पांडुरंग शास्त्री पारखो
बाण (मराठी) ,, ,,
'प्रियदर्शना'नी प्रस्तावना-केशव ह. ध्रुव.
Huentsang—Waters

(घ) गूजरातनो प्राचीन इतिहास

भलामण—

गूजरातनो प्राचीन इतिहास भाग १-गोविंदभाई हाथीभाई देसाई.
रासमाळा भाग १
Bombay Gazeteer–Gujarat

कुमारपाल चरित-हेमचंद्र
द्व्याश्रय— ,,
हाम्मर मदमर्दन.

(९) (क) पश्चिमनो जुनो इतिहास

भलामण—

Ancient and Modern Europe-2 Parts-Robinson and Beard
History of Greece-J. C. Owen
History of Rome—Bury

(ख) पूर्वनो जुनो इतिहास

भलामण—

The Soul of a People—Fielding Hall
The Ancient East (Home University Library)
Civilisation of China (Home University Library)
Bactria-Rawlinson.

(१०) यूरोपना अर्वाचीन इतिहास माटे

Re-making of Modern Europe-Marriot
Modern Europe-E. Philip
Outlines of European History by Robinson and Beard-Vol. II

२. धर्म अने तत्त्वज्ञान विभाग

(५) न्याय, वैशेषिक अने पूर्वमीमांसा दर्शन, तथा पाश्चात्य प्रमाणशास्त्र

अर्थ संग्रह (लौगाक्षि भास्कर)
कारिकावलि.
प्रमाणशास्त्र प्रवेशिका-रा. वि. पाठक (गूजरात विद्यापीठ)

(६) योग दर्शन तथा मानसशास्त्र

योगसूत्र-भोजवृत्तिसह-पाद १
योग विषयक व्याख्यान (पं. सुखलालजीकृत आर्यविद्या-व्याख्यानमाळा)
मानसशास्त्र (गूजरात वर्नाक्युलर सोसाइटि)

(७-८) सांख्य, वेदांत अने तत्त्वमीमांसा

ब्रह्मसूत्र-शांकरभाष्य सह-अध्याय २ (स्मृतिपाद अने तर्कपाद)
सांख्यकारिका

Philosophy of Kant-as explained by Watson.
Problem of Truth-H. W. Carr (People's Book Series)
Elements of Constructive Philosophy-Mackenzie

(९) जैन अने बौद्ध दर्शन

प्रवचनसार — भलामण—
अभिधम्मत्थसंगहो (विद्यापीठ) — जैन दर्शन-पं. बेचरदास
Budhist Psychology-Rhys Davids — बुद्धलीलासारसंग्रह-श्री. धर्मानन्द कोसंबी

(१०) धर्मचर्चा

धर्मवर्णन — नीतिशास्त्र प्रवेश-वा. म. जोशी.
गीतारहस्य — Shakti and Shakta-Woodroffe
धर्मपर व्याख्यान-भांडारकर — Elements of Islamic Philosophy-Ameer Ali

२. साहित्य अने कला विभाग

(५) काव्य

भास, कालिदास, भवभूति, बाण, अश्वघोष, क्षेमेन्द्र, वगेरेमांथी एक कविनां पुस्तको.

(६) पुराण

देवी भागवत — भलामण
कथा सरित्सागर-लंबक १, २ — Ancient Indian Historical Traditions-Pargiter
पंचतन्त्रादिक कथा — Introduction to Mythology.
Wilson's Introduction to Vishnu Purana

(७-८) अलंकार शास्त्र

काव्यप्रकाश-मम्मट — काव्यालंकारसूत्र-वामन
ध्वन्यालोक-आनंदवर्धन — दशरूपक-धनञ्जय
Modern Study of Literature-Molten.

(९-१०) आनंदमीमांसा अने कलानिरूपण

Lectures on Aesthetics -Bosanquet
Essay on the Sublime (Oxford Lectures on Poetry: A. C. Bradley)
Creative Unity-Tagore
What is Art-Tolstoy
An Essay towards a Theory of Art: Abercrombie
Theory of Indian Music-Clements
A Hand-book of Indian Art: Havell

Rupam માંના નીચેના લેખો

Name	Vol.	No.	Article	Page
1. The Continuity of Pictorial Tradition in the Art of India	I	1	2	7
2. A note on Kirtimukha	I	1	4	11
3. Continuation of 1.	I	2	3	5
4. Indian Art and Iconography	I	2	7	19
5. Problems of Indian Art	I	3	2	2
6. Some temples on Mt. Abu	I	3	3	11
7. Indian Art in Siam	I	3	4	21
8. Asiatic Art	I	4	2	3
9. The History of Hindu Iconography	I	4	5	11
10. The subject-matter of Art	II	1	8	26
11. Note on the History of Sikhara temples	III	10	2	42
12. Indian Sculpture	III	12	3	120
13. The training of Architects in Ancient India	III	12	7	128
14. Aims and methods of painting in ancient India	III	13-14	5	19

भाषा मंदिर

संस्कृत

(१) वेद, मंत्र, ब्राह्मण अने भाषाशास्त्र

Introduction to Philology-Gune
वैदिक पाठावलि (विद्यापीठ)
निरुक्त—यास्क, अ० १ (सं. १९८१ नी वासन्तिक परीक्षा सुधी त्यार पछी)
वैदिक साहित्यना इतिहासनी रूपरेखा-वेद, ब्राह्मण, उपनिषद अने वेदांग-मॅक्समूलरना प्राचीन संस्कृत साहित्यमांथी

(२) उपनिषत् अने स्मृति

अर्थसंग्रह-लौगाक्षी भास्कर
काठकोपनिषत्
भगवद्गीता अ० २, १२, १८
मनुस्मृति अ० १—३

(३) रामायण, महाभारत, काव्य, नाटक

वाल्मीकिरामायण-अयोध्याकाण्ड अने अरण्यकाण्ड
महाभारत-विराटपर्व
शाकुन्तल
उत्तररामचरित
मृच्छकटिक
रघुवंश सर्ग २, ५, ८, १३, १४
किरातार्जुनीय सर्ग १, २, ८
शिशुपालवध सर्ग १, २, ११
नैषधचरित सर्ग १९.

(४) गद्य, चंपू, अलंकार

कादंबरी अच्छोद सरोदर्शनथी पूर्वार्ध पूरो
भारतचंपू-स्तबक १ थी ३
काव्यप्रकाश
दशरूपक

(५) दार्शनिक ग्रंथो

शांकरभाष्य-चतुः सूत्री
वात्स्यायन न्याय भाष्य
पातंजल योगदर्शनपर व्यासभाष्यमांथी समाधिपाद

गूजराती

१ भाषाशास्त्र अने जूनुं गूजराती :

*संक्षिप्त रामायण (संस्कृत): शब्दोना पदच्छेद समजवा पुरतु.
*प्राकृत कथासंग्रह (विद्यापीठ) „
थूलिभद्र कथा—अपभ्रंश
गिरनार चैत्य परिपाटी (गूजरात पुरातत्त्व मंदिर)
पृथुराज चरित-प्राचीन गुर्जर काव्य संग्रह (गायकवाड ओरिएन्टल सीरीझ)
भालण कृत कादंबरी (पूर्व भाग)

*Introduction to comparative Philology: P. D. Gune
वृहद् व्याकरण: कमळाशंकर त्रिवेदी
*History of Gujarati Language and Literature–N. B. Divetia.

२ प्राचीन काव्यो:

नरसिंह महेतो—
 शामळशानो विवाह
 भक्ति ज्ञाननां पदो

अखो—
 *अखे गीता

प्रेमानन्द—
 नळाख्यान
 तपत्याख्यान

शामळ—
 पद्मावतीनी वारता

दयाराम—
 *रसिक वल्लभ

विनयविजय—
 श्रीपालनो रास

३ अर्वाचीन पद्य अने साहित्य चर्चा.

फार्बस विरह	दलपतराम
हरिप्रेम पंचदशी	बालाशंकर उल्लासराम
क्लान्त कवि	,, ,,
*अमेदोर्मि	मणिलाल नभुभाई द्विवेदी
कान्ता नाटक	,, ,, ,,
पूर्वालाप	मणिशंकर रत्नजी भट्ट
भणकार	बळवंतराय क. ठाकोर
विभावरी स्वप्न	त्रिभुवन प्रेमशंकर
नूपुर झंकार	नरसिंहराव भोळानाथ दिवेटीआ
इन्दुकुमार	न्हानालाल दलपतराम कवि
राईनो पर्वत	रमणभाई
पिंगळ	दलपतराम
कविता अने साहित्य,	रमणभाई

४ अर्वाचीन गद्य.

*राज्य रंग	नर्मदाशंकर
नवलग्रंथावलि भाग २	नवलराम

*सरळ अभ्यासक्रम माटे * आवी निशानीवाळां पुस्तक कमती समजवां तथा श्री. आनंदशंकर ध्रुवना 'आपणो धर्म'माथी नीचेना लेखो ज वाचवानी जरूर समजवी १ थी ३, ५ थी ८, १३, १६, १८ थी २०, ३०, ३१, ३३, ३७, ४४, अने ४९ थी ५७ (उभय अंक सह)

भाषणो अने लेखो	अंबालाल साकरलाल
गुलाबसिंह	मणिलाल नभुभाई द्विवेदी
नारी प्रतिष्ठा	,, ,,
सरस्वतीचंद्र भाग. ४	गोवर्धनराम
भद्रंभद्र	रमणभाई
आपणो धर्म	आनंदशंकर

भलामण—

रणजीतरामना निबंधो, सन्यासी, उत्तरराम चरित्र, गूजरातनो नाथ अने जयाजयन्त उपरनां नरसिंहरावनां विवेचनो

५ साहित्यनो इतिहास

भलामण—

दयारामनो अक्षर देह	गोवर्धनराम
Classical Poets of Gujarat:	
गूजराती साहित्यना मार्गसूचक स्तंभो	कृ. मो. झवेरी
बृहत् काव्यदोहननी प्रस्तावनाओ	साठीनु साहित्य
गूर्जर साक्षर जयन्तिओ	लोकगीतः
साहित्य परिषद्ना हेवालो	रासमाळा भाग १लो (नवी आवृत्ति)

मराठी

१ काव्य

तुकाराम—महाराष्ट्र वेद अभंग १–३००	अनंतफंदी—'दो दिनमाची' ही लावणी
एकनाथ— ,, पान १–५०	रामजोशी—'टटा तटाने' ही लावणी
रामदास—दासबोध दशक १–२	मध्वमुनीश्वर—"तु माझा यजमान" हें पद
मोरोपत—केकावलि	विठोबा अण्णा—'उत्तम जन्मा येऊनि रामा' हें पद
वामन—भरतभाव	अफझुलखानाचा पोवाडा
मुक्तेश्वर—शकुन्तलाख्यान	अभिनवकाव्यमाला भाग २ रा
श्रीधर—प्रियालाख्यान	टिळक—वनवासी फूल

२ नाटक व कादंबरी

शारदा, सत्वपरीक्षा, एक च प्याला, पण लक्षांत कोण घेतो, रागिणी (पूर्वार्ध)

३ इतिहास व चरित्र

शिवाजीचें चरित्र—केलुस्कर	झांशीची लक्ष्मीबाई
मराठे आणि इंग्रेज—केळकर	एकनाथ चरित्र—पांगारकर
नाना फडनवीस—खरे	

(४) निबंध व साहित्य चर्चा

निबंध मालेतील 'इतिहास व भाषांतर' हा निबंध
भांडारकरांची 'धर्मपर व्याख्यानें व लेख'
नीतिशास्त्र—वा. म. जोशी
गीतारहस्य प्रकरण २, ४, १४, १५
भावे कृत 'महाराष्ट्र सारस्वत'

(५) भाषाशास्त्र

अवलोकन—

मराठी भाषेची घटना
मराठी भाषेतील संप्रदाय व म्हणी
मराठी छंद (वि. का. राजवाडे यांचा लेख)
अलंकार प्रकाश—लेले शास्त्री
ज्ञानेश्वरीची प्रस्तावना व ज्ञानेश्वरीचें व्याकरण—राजवाडे

Wilson Philological Lectures—Bhandarkar
Introduction to Philology—P. D. Gune

हिन्दी

१ पद्य

संक्षिप्त सूरसागर
संक्षिप्त रामायण—श्याम सुन्दरदास
प्राचीन पद्य—कविता कौमुदी भाग १ मेंसे—चंद, कबीर, नंददास, मीराबाई, रहीम, केशवदास, रसखान, बिहारी और भूषण के काव्य
अर्वाचीन काव्य—कविता कौमुदी भाग २ मेंसे—भारतेन्दु, अंबिकादत्त व्यास, श्रीधर पाठक, अयोध्यासिंघ, रा. देवीप्रसाद, नथुराम शंकर शर्मा, मैथिलीशरण गुप्त, और सत्य नारायण के काव्य.

२ गद्य—

मुद्राराक्षस—
सौ जान एक सुजान—बालकृष्ण भट्ट
प्राचीन पंडित और कवि—द्विवेदी

३ नाटक

शकुन्तला—राजा लक्ष्मणसिंघ
राजस्थान केसरी—राधाकृष्णदास
उत्तररामचरित—सत्यनारायण

४ व्याकरण और काव्य

हिन्दी व्याकरण—अम्बिका प्रसाद वाजपेयी
अलंकार मंजूषा—लाला भगवानदीन

५ समालोचना और साहित्यका इतिहास ·

समालोचना—	साहित्य का इतिहास—
नवरत्न: मिश्रबन्धु	संक्षिप्त इतिहास: मिश्रबन्धु
बिहारी सतसई—पद्मसिंघ	हिन्दी भाषा की उत्पत्ति—द्विवेदी
	नागरी अंक और अक्षर: ओझा

बंगाली

१ पद्य-मेघनाद बोध, गीताजलि, पलासीर युद्ध.

२ गद्य-निवृत्ति चिन्ता, प्रतिव, प्राचीन साहित्य.

३ नवलकथा-दुर्गेशनन्दिनी, गोरा, दत.

४ नाटक-शाहजहान, डाक-घर (टागोर) रिजियाबेगम.

ENGLISH

1 **English Language and Literature**

Books recommended:

An Introduction to the study of English Literature: Pancoast

The Making of English: H Bradley

2 **Prose Including Essays and Novels—**

English Essays: Lobban

Speeches on Taxation and Representation; and on Conciliation with America: Burke

Essays on Goldsmith and Johnson; Macaulay

Spanish Military Nun: De Quincey

The English Mail Coach: De Quincey

Heroes and Hero Worship: Carlyle

Essays in Criticism-2nd. Series: M. Arnold

Pride and Prejudice: Jane Austen

Kenilworth: Scott

Pickwick Papers: Dickens

The Ordeal of Richard Feverel: George Meredith

A Modern Utopia: H. G. Wells

Last Days of Pompeii: Lytton

Unto This Last: Ruskin

3 Poetry including Dramas–

Golden Treasury complete with additional Poems
Paradise Lost–Book I: Milton
Absalom and Achitophel–Part I: Dryden
Child Harold–Canot IV: Byron
In Memoriam: Tennyson
Pippa Passes: Browning
Othello: Shakespeare
Julius Caesar: Shakespeare
Merchant of Venice: Shakespeare
Every Man in his Humour: Ben Jonson
Doctor Faustus: Marlowe
The Rivals: Sheridan
The Doctor's Dilemma: G. Bernard Shaw
The Post Office: Tagore

4 Special Author–One of the following:–Shakespeare, Tennyson, Browning, Carlyle, Burke, Ruskin, Tagore.

फारसी

सं १९८१-८२ माटे

गद्य– १. सफरनामाह–ईब्राहीम वेग- १५० पानां
२. रसाले अब्दुल वास्स्-येसां

पद्य– १. दीवाने हाफीज–वाय् दाल्.

सं. १९८१–८२ तथा १९८२–८३ माटे

गद्य– १. मीर अतुम सलातीन–(मात्र गूजरातना शहेनशाहो)
२. सफरनामाह–नासीर खुशरो

पद्य– १. कसायद उर्फी–२० पानां.

सं. १९८१–८२, १९८२–८३ तथा १९८३–८४ माटे

गद्य– १. मुन्तखुत तवारीख–भा २ जो–२०० पानां
२. रुक्का–आत आलमगिरी

पद्य– १. कुलिआत ग्याकानी (पंजाब युनिवर्सिटीए बी. ए. ना अभ्यासक्रम माटे प्रसिद्ध करेल)

प्रश्नपत्र ३ माटे भलामण- १. शेरुल अजम्
२. सखुन्दाने फारस
३. निगरिस्ताने फारस-आझादकृत

प्रश्नपत्र ४ माटे भलामण- 1. Literary History of Persia-Broun
2. History of Persia-John Malcolm

अरब्बी

सं. १९८ -८२ माटे

१-२. गद्य-पद्य- अरब्बी २ जी अने त्रीजी चोपडी

सं. १९८१-८२ अने १९८२-८३ माटे

पंजाब युनिवर्सिटीए प्रसिद्ध करेलो अरब्बीनो मॅट्रिक्युलेशननो अभ्यासक्रम

शेख बगुस-सफा १००
अलिफ लयला-२०० पानां
दिवान अबुल अताह्यिा

३. व्याकरण- कवायद अरब्बी.

४. इतिहास- १. अर्झुल कुरान-उर्दुमां-बे भाग
२. अलखुतबात अहमदीया-उर्दुमां.

फ्रेन्च

१. गद्य-

Balzac-Pére Goriot
A. Frânce-Les opinions de Jerome Coignara
Ste. Beuve-Trois Portraits Litterarires
Hugo-Preface du Cromwell
Laboulaye-Abdullah

२. पद्य-

Moliere-Le Bourgeois gentilhomme Les Femmes Savantes
Auzas-Les poetes francais du XIX me siecle.
Raeime-Brittanicus
Hugo-Hernane
Augier-Le gendre de M. Poirier

४. साहित्यनो इतिहास–इ० स० १७८९ थी अत्यार सुधीना फ्रेंच साहित्यनो इतिहास
भलामण करेलां पुस्तको–

History of French Literature-Saintsbury
Histore de la litterature Francaise–Lanson.

प्राकृत

१. व्याकरण, भाषाशास्त्र इ०

प्राकृत व्याकरण-पं. बेचरदास (छपाय छे)
देशी नाममाला-हेमचंद्र
Wilson Philological Lectures–Bhandarkar
प्राकृत शिलालेखो–अशोकना बधा शिलालेखो अने खारवेलनो लेख.
अश्वघोष, भास अने कालिदासना नाटकोमां आवतु प्राकृत

२. काव्य, छंद–अपभ्रंश

गौडवहो–सर्ग १ थी ५
भविसयत्त कहा–संधि १ थी ११
प्राकृत पिंगळ
गाहासत्तसई
कुमारपाल चरिय–पहेला त्रण अने छेल्ला बे सर्ग
हेमचंद्रना व्याकरणमांथी अपभ्रंशदुहा.
वज्जा लग्ग

३. गद्य अने साहित्यनो इतिहास

वसुदेव हिंडी–अधिकार १ थी ३
समराइच्च कहा–भव १ थी ५
सामयिक आवश्यकमांनी कथाओ
उत्तराध्ययन–१८ मा अध्ययननी कथाओ (टीका)
(प्राकृत साहित्यना इतिहास माटे अध्यापको वर्गमां व्याख्यानो आपशे)

४–५. जैन आगमो, निर्युक्ति इ०

आयारंग सुत्त–प्रथम श्रुतस्कंध पूरो, अने बीजा श्रुत स्कंधनुं पहेलुं अने छेलुं अध्ययन
सूयगड सुत्त–प्रथम श्रुत स्कंध पूरो, अने बीजा श्रुत स्कंधनुं 'आर्द्रकीय' अध्ययन.
उत्तरज्झयण सुत्त–नीचेनां ११ अध्ययन–१,२,३, नमि, १०, १७, २३, २५, २८, २९ अने तप अध्ययन
सामाइय निज्जुत्ति–नुं भाष्य अने चूर्णि.

पालि

१. सुत्त अने विनयपिटक

मज्झिमनिकाय–भाग १ सूत्रो १ थी ५०
महावग्ग (विनयपिटकमांथी)
सुत्तनिपात

२. अभिधम्म

अभिधम्मत्थसगहो (विद्यापीठ)　　　धम्मसगणि

३. व्याकरण अने भाषाशास्त्र

कातन व्याकरण—कचायन व्याकरण
Gune's Comparative Philology
Wilson's Philological Letrures-Bhandarkar.
भक्तिशतक-ले रामचद्र कविभारती

४. इतिहास—

महावंस-भाग १
अशोकना शिलालेखो—लिपिज्ञान साथे
Buddhist India-Rhys Davids

५. अट्ठकथा

भाग ३

निवेदन अने यादीओ

१ सं. १९८० ना पदवीदान समारंभ समये करेलुं निवेदन

(सं. १९७९.)

राष्ट्रीय शिक्षण मंडळ

१. अमदावाद खाते मळेली चोथी गूजरात राजकीय परिषदे ता. १९ जुलाई १९२०ने दिने 'राष्ट्रीय केळवणीनी संस्थाओ रचवानी' तथा 'ते हेतु गूजरातमां सिद्ध करवा' माटे एक 'गूजराती विद्यापीठ स्थापवानी जरुर' छे एम स्वीकारी, 'राष्ट्रीय शिक्षणनो गूजरातमां प्रचार करवाने सारु योग्य उपायो योजवा' एक नानकडुं मंडळ नीम्युं हतुं ए मंडळमांथी गूजरात विद्यापीठनी स्थापना थई.

प्रारंभिक कार्य

२. मंडळनुं शरुआतनुं कार्य शिक्षणमां असहकार करवा शाळाना व्यवस्थापको, शिक्षको अने मावापोने समजाववानुं, धनिकोने विद्यापीठनी स्थापनामां मदद करवा विनति करवानुं, गूजरात महाविद्यालयनी स्थापना माटे योजना करवानुं अने गूजरात विद्यापीठनुं बंधारण नक्की करवानुं हतुं.

३. सदरहु मंडळे गूजरात विद्यापीठनुं बंधारण रची सं. १९७६ना आसो सुद ७ ने दिने एनी स्थापना करी, अने प्रथम नियामको तरीके ए मंडळना सभ्योनी नीमणुक करी. महात्मा

गांधीजीए विद्यापीठनुं कुलपति पद स्वीकार्युं, अने श्री गिदवाणीजी कुलनायक नीमाया. सा विद्या या विमुक्तये ए विद्यापीठनो ध्येय मंत्र थयो. एनी साथे 'अल हिकमतो ज़ाल्लतुल मोमीन फहयसु वजदहा अखज़हा' (डहापण मुसलमाननी खोवायेली चीज छे, ज्याथी ते मळी आवे त्याथी तेने लई लेवा ए तेमनो हक छे) एवुं इस्लामी प्रतिनुं सूत्र पण उमेरायुं, अने आ रीते मुक्तिना अने विद्याना उपासना ए विद्यापीठनुं ध्येय थयुं.

४ विद्यापीठनुं पहेलुं महत्त्वनुं कार्य आचार्य कुलपतिजीना हाथे महाविद्यालयनी स्थापनानुं थयुं. हमणाज एना मकानने एक वरस पूरुं थयुं छे. प्रतिष्ठान विधिमें ७० विद्यार्थीओए असहकार करी महाविद्यालयमां नाम नोंधाव्यां हतां. आ पैकी २० विद्यार्थीओ अभ्यास करे छे. थोडा वखत बाद सुरत अने मुंबईमां पण राष्ट्रीय महाविद्यालयोनी स्थापना थई, अने ते बे विद्यापीठ साथे जोडाया. पण मुंबईमां मात्र प्रथमाना अभ्यासक्रमनो वर्ग नाखवा होवाथी हाल ए महाविद्यालयमां विद्यार्थी नथी. सुरतमां हाल ३२ विद्यार्थीओ छे.

५. महाविद्यालयोनो उद्देश विद्यार्थीओमां राष्ट्रसेवकनी योग्यता उत्पन्न करवानो छे*

दरेक मंदिरमां स्वभाषा अने राष्ट्रभाषाना अभ्यास फरजियात छे.

औद्योगिक रसायन मंदिर अने वनिताविश्राम मंदिर सिवाय बाकी मंदिरोनां प्रथमा परीक्षा बाद त्रण वरसना अभ्यास थये चार प्रश्नपत्रोनी परीक्षा लेवानो नियम छे. ते पैकी बे प्रश्नपत्रो स्वभाषा अने राष्ट्रीय भाषाना फरजियात विषयोना थाय छे.

६ महाविद्यालयनी स्थापना साथेज विद्यापीठ उपर तात्कालिक अगत्यतानुं काम परीक्षाओ लेवानुं आवी पड्युं. अनेक विद्यार्थीओए छेक परीक्षाने टाकणेज—केटलाके परीक्षा माटे अरजीओ पण करी चुक्या बाद—असहकार कर्यो हतो. म. गांधीजीए अने कलकत्तानी महासभाए असहकारनुं आव्हान आखा भारतवर्षना विद्यार्थीओने कर्युं हतुं, पण विद्यापीठनी तात्कालिक स्थापना तो केवळ गूजरातमाज थई हती. गूजरात विद्यापीठनुं कार्यक्षेत्र तो गूजरात अथवा गूजरातीओ पूरतुज अंकायेलुं हतुं, पण आखा हिंदमांथी अनेक विद्यार्थीओ पोते परीक्षा माटे करेली महेनत फोकट न जाय ए विषे इंतेजार हता. तेथी श्री कुलनायक गिदवाणीजीने हिंदुस्थानमां फरता फरता आ विद्यार्थीओ माटे परीक्षा लेवानी सगवड गूजरात विद्यापीठ द्वारा थवीज जोईए एम लाग्युं, अने एमनी सूचना स्वीकारी त्यार पछीना, एटले स. १९७७ना उन्हाळामां, आखा भारतवर्षना असहकारी विद्यार्थीओनी परीक्षा पोतपोताना विषयोमां तेमनी युनिवर्सिटीओना अभ्यासक्रम प्रमाणेज लेवानुं ठरावावामां आव्युं. तुर्तना स्थपायेल विद्यापीठने आ बोजो उपाडवो अघरो पडत, पण बोजो उपाड्या पछी थोडा समयमांज पूनामां टिळक महाराष्ट्र विद्यापीठ अने पंजाबमां राष्ट्रीय केळवणी मंडळ स्थपाया, अने तेमणे परीक्षानी सर्व व्यवस्था विद्यापीठनी वती करी, तथा स्नातकोने पदवीदान आप्यां. मद्रासना विद्यार्थीओने माटे स्थायी पदवीदान अने प्रमाणपत्र आपनार कोई राष्ट्रीय संस्था अस्तित्वमां आवेली न होवाथी, ए विद्यार्थीओने गूजरात विद्यापीठमांथी प्रमाणपत्रो आपवामां आव्यां छे अने ९ स्नातकोने पदवीदान आपवाना रहेला होवाथी आजे एमने माटे भलामण करवामां आवशे.

* मूळ निवेदनमां आ पछी महाविद्यालयोना मंदिरोनी वेचणी आपेली छे. ते भा. २ मां आवी छे तेथी अहींथी काढी नाखी छे.

स. १९७७मां गूजरात विद्यापीठ द्वारा लेवायेली भारतवर्षीय परीक्षामां नीचे मुजब विद्यार्थीओ बेठा हता.

युनिवर्सिटी	विनीत परीक्षा	मध्यमा परीक्षा	स्नातकपरीक्षा
	उमेदवार	उमेदवार	उमेदवार
मुंबाई	५४७	१०८	५०
अमदावाद	११२	४२	२५
मद्रास	६९	१६	१६
पंजाब	२५	७	१४
बनारस हिंदु	३	...	...
कलकत्ता	...	...	३
पटना	१	...	२
कुल	७५७	१७३	११० कुमल्ले १०४०

ते साथेज गूजरात विद्यापीठमां अभ्यास करनारा विद्यार्थीओनी स. १९७७ अने ७८मां परीक्षाओ थई. आ परीक्षाओ लगभग मुंबाई युनिवर्सिटीना अभ्यासक्रम मुजबज लेवाई हती, कारण के जे विद्यार्थीओ विद्यापीठनां महाविद्यालयोमां जोडाया हता, तेमणे पोतानो घणोखरो अभ्यास ए युनिवर्सिटीनी पद्धति प्रमाणे कर्यो हतो. वधारामां गूजराती अने हिंदुस्तानना फरजियात विषयो दाखल करवामां आव्या हता. स्दरहु विद्यार्थीओनो पदवीदान समारंभ सं. १९७८ ना जेठ वद ३ ने रोज श्री वल्लभभाई झवेरभाई पटेलना प्रमुखपणाथी थयो हतो ते वखते ६६ उमेदवारोने पदवीदान आपवामां आव्यां हतां. विद्यापीठना प्रथम उमेदवारोनी नामावळी परिशिष्ट× १ परथी जणाशे. उपरना कोष्टकमां मुंबाई युनिवर्सिटीना ५० स्नातक परीक्षाना उमेदवारो जणाव्या छे, तेमां गूजरात महाविद्यालय मारफते बेठेला विद्यार्थीओनो पण समावेश थाय छे.

निवार्थ पदवीदान

७. परीक्षा लेवा माटेनी आटली व्यवस्था पूरती जणाई नहि. असहकारनो संदेशो आपवामां महात्मा गांधीजीनो उद्देश विद्यार्थीओने सरकारी संस्थाओनो त्याग कराववानो हतो. असहकारना अंगे राष्ट्रीय शिक्षण संस्थाओ स्थापवीज अथवा असहकारी विद्यार्थीओने शिक्षण के पदवी प्राप्त करवानुं साधन करी आपवुं एवो प्रधान उद्देश न हतो जो के आ वस्तुने प्रजानो घणो ओछो भाग समजतो हतो, छतां केटलाक विद्यार्थीओ आ वस्तु बराबर समजी गया हता, अने तेथी छेक परीक्षानी घडीए असहकार करी, कोई पण महाविद्यालयनी के पदवीनी अपेक्षा राख्या विना तेमणे राष्ट्रीय कार्यमां झंपलावी दीधुं हतुं. आमांना केटलाकनी कॉलेजनी कारकीर्दी झळकती हती, राष्ट्रीय कार्यमां पण एमणे भारे भाग भजव्यो छे, केटलाकने तेने

× परिशिष्ट १ थी ४ अने ६ मां आपेली हकीकत, आ विज्ञापकमां बीजे स्थळे आपेली होवाथी, अहिं आपी नथी.

माटे वारंवार सजाओ सहन करवी पडी छे; केटलाक माटे एमना प्रांतना कार्यकर्ताओए एवां प्रमाणपत्र आप्यां छे के एमने सोंपेला कार्यक्षेत्रमां एमना उपरज कार्य टकी रहेलुं छे. ए विद्यार्थीओने कांई परीक्षाना विधिमांथी पसार थवा कहेवुं एटले एमने राष्ट्रीय कार्य केटलोक समय सुधी बंध करवाज कहेवुं पडे. आ सर्व वस्तुओनो विचार करी तथा तेमनी सेवानी कदर करवानी इच्छाथी सं. १९८४ना महा सुद १५ ने दिवसे नियामक सभाए नीचे प्रमाणे एक ठराव कर्यो: "जे विद्यार्थीओए सीनीअर बी. ए. सुधी महासभाना आमंत्रणने लीधे चळवळना कार्यमां पडवा अभ्यास मुलतवी राख्यो छे, तेमने परीक्षा लीधा सिवाय स्नातकनी पदवी आपवी." आ ठरावनी रुए १६ विद्यार्थीओने छेल्ला पदवीदान समारंभ वखते विशारद पदवी आपवामां आवी हती. आजना समारंभमां १५ वधु विद्यार्थीओ माटे भलामण करवामां आवशे.

८. एटले आ समारंभ वखते जे उमेदवारोने पदवी आपवा भलामण थशे, तेमनी वेंचणी नीचे मुजब छे:—

१ विद्यार्थी— गूजरात विद्यापीठनो, पण मुंबई युनिवर्सिटीने अनुसरी रचेला धोरणे उत्तीर्ण थयेला.

९ विद्यार्थीओ—मद्रास युनिवर्सिटीने धोरणे परीक्षित.

२५ विद्यार्थीओ— गूजरात विद्यापीठना स्वतंत्र अभ्यासक्रम प्रमाणे पूर्ण अभ्यास करी उत्तीर्ण थयेला.

१५ विद्यार्थीओ—राष्ट्र सेवा करी पदवी मेळवनारा.

कुल ५०

सदरहु ५० उमेदवारोने जे पदवीओ एनायत करवामां आवशे तेनुं वर्गीकरण नीचे मुजब छे:—

	१ लो वर्ग	२ जो वर्ग	सामान्य वर्ग	सेवार्थे
१ भाषा विशारद			७	
२ समाजविद्या विशारद	१	४	१५	५
३ गणित विशारद			२	२
४ वाणिज्य विशारद		३	२	
५ विज्ञान विशारद				५
६ तत्त्वज्ञान विशारद	१			३
कुल	२	७	२६	१५

कुमले ५०

स्नातकोनी नामावली परिशिष्ट २ मां आपी छे.

९. स्नातकनी मुख्य परीक्षा उपरांत तथा विद्यापीठ तरफथी उपर जणावेली परप्रान्तीय गौण परीक्षाओ सिवाय बीजी गौण परीक्षाओ नीचे मुजब लेवामां आवी हती:—

परीक्षा	सं. १९७७ उमेदवार	उत्तीर्ण	स. १९७८ उमेदवार	उत्तीर्ण	सं. १९७९ चैत्र मास उमेदवार	उत्तीर्ण	सं. १९७९ भाद्र. उमेदवार	उत्तीर्ण
विनीत	५४७	३७४	३९३	२९३	२८०	१४८	...	...
प्रथमा	१०८ (मध्यमा)	७४ (मध्यमा)	१३१	१११	११०	७९	१८	९
स्नातक	५०	४०	८	७	...	२५	...	१
प्रथमा वैज्ञानिक	...	...	...	...	१३	६	...	...
शालान्त	...	१८	...	८५	...	...	...	...

१०. गूजरात महाविद्यालयनी स्थापना पछी थोडा ज वखतमां मागशर सुद १२ सं. १९७७ ने दिवसे गूजरात पुरातत्त्व मंदिरनी स्थापना थई.

गूजरात पुरातत्त्व मंदिर नाम प्रमाणे आ मंदिरनो उद्देश प्राचीन हकीकतोनुं संशोधन करवानो छे. ए मंदिरने अंगे अत्यार सुधीमां आठ पुस्तको बहार पडयां छे, जे पैकी त्रण पुस्तको सामान्य वाचकोने उपयोगी छे.[१] ए आठमांना चार नो प्रधान विषय वैदक संस्कृतिमांथी छे[२]; त्रणनो बौद्ध संस्कृतिमांथी छे[३], अने एकनो जैन संस्कृतिनो छे[४]. बीजां पांच पुस्तको छपाय छे, जेमांथी बे भाषाशास्त्रने लगतां छे, एक वैदिकपाठावली छे, एक बौद्ध ग्रंथ छे, अने एक जैन ग्रंथ छे. आ उपरांत "पुरातत्त्व" माटे एक त्रिमासिक पत्र ए मंदिर तरफथी बहार पडे छे.

११. त्यारबाद सं. १९७९ ना वैशाख वदी १० ने दिवसे शिक्षकोने तैयार करवा माटे एक अध्यापन मंदिर स्थापवामां आव्युं हतुं. ए मंदिरमां

अध्यापन मंदिर ४० शिक्षकोने एक एक सत्रमां तैयार करवानी योजना राखी हती, ते प्रमाणे चार समूह वडे ११४ शिक्षको तैयार थया. परन्तु ए रीतनी योजना संतोषकारक न जणावाथी ए मंदिर सं. १९७९ना महा सुद १५ ने रोज बन्ध करवामां आव्युं.

१२. आ उपरांत विद्यापीठ द्वारा सीधी रीते अमदावादमां नवी गूजराती शाळा (कुमार मंदिर), नवा वाडजमां राष्ट्रीय कुमार मंदिर अने कोचरबमां रात्रिशाला चाले छे; तथा मांगरोळना राष्ट्रीय कुमारमंदिरनी व्यवस्था तेना फंडमांथी विद्यापीठनी देखरेख नीचे थाय छे.

१ प्राचीन साहित्य, बुद्धलीला सार संग्रह अने आर्योना तहेवारोनो इतिहास.

२ आर्यविद्या व्याख्यानमाळा, प्राचीन साहित्य, तहेवारनो इतिहास; अने उपनिषदे पाठावली.

३ बुद्धलीला सारसंग्रह, पाली पाठावली अने अभिधम्मत्थसंगहो.

४ प्राकृत कथा संग्रह.

१३ विद्यापीठनी एक बीजी प्रवृत्ति पाठ्य पुस्तकनी प्रसिद्धि विषे छे. विद्यापीठनो उद्देश गूजराती भाषाद्वाराज सर्व शिक्षण आपवु एवो छे. महाविद्यालयमा केटलाक मदिरोमा ए उद्देश फलीभत थयो छे, केटलाक मदिरोमा पुस्तकोने अभावे, अथवा गूजराती पर पूरो काबू धरावनार अध्यापकोने अभावे अथवा आ विषयमा हजु आपणामा रहेली केटलीक अश्रद्धाने लीधे तद्दन फलीभूत नथी थयो, परन्तु विनय मदिरोमा गूजरातीने केळवणीनु वाहन करवानी रीति सारी रीते अमलमा आवती जाय छे, अने तेने माटे पुस्तको प्रसिद्ध करवानु काम ठीक झपाटा बध चाले छे, तथा विद्यापीठे अत्यार सुधी परिशिष्ट ३ मा जणाव्या मुजब २५ पुस्तको छाप्या छे, तथा केटलाकनी योजना थई छे.

पुस्तक प्रकाशन

१४ सरकार साथे पूर्वे सबध धरावता विनय मदिरो पैकी चोथी गुजरात राजकीय परिषद अने त्यार बादनी कलकत्ता तथा नागपुरनी हिंदी महासभाना ठरावोने मान आपी आशरे १० विनय मदिरो असहकार करी विद्यापीठ साथे जोडाइ गया हता असहकार वखते ए शाळाओमा विद्यार्थीओनी कुल सख्या ३००० थी उपर हती

शाळाओनो असहकार

१५. ते साथेज केटलाक राष्ट्रीय कुमार मदिरो अने विनय मदिरो नवा स्थपाया अने एमाथी केटलाक पैसाना अभावे अथवा आतरिक विग्रहने लीधे भागी पड्या. पण जूनी शाळाओए पाछो सरकार साथे सबध जोडयो आज दिने मान्य मदिरोनी सख्या आदि नीचे प्रमाणे छे—

नवा मदिरो

मदिरनो प्रकार	मदिरनी स	विद्यार्थीओनी आशरे सख्या	शिक्षकोनी आशरे सख्या	आशरे वार्षिक आवक रु	आशरे वार्षिक खर्च रु	विद्यापीठनी मदद रु	प्रान्तिक समितिनी मदद रु	इतरफाळा वगेरे	शेरो
महाविद्यालयो	२	२७७*	३८	२७,९००	८९,८५०	४२,१२०	२२,६००	...	...
पूर्णविनय मदिरो	१३	४५०६+	१९६	१,३६,०३६	१,८६,३३०	१८,१००	३२,५००	..	चोक्सआकडा उपलब्ध नथी.
अपूर्ण विनय मदिरो	१५	१३८६§	८१	१७,९०५	३९,५९५	३,४००	५,५२५	८,१४५	...
कुमार मदिरो	४३	२७००†	१२०	३२,०००	२७,०००	६,८००	१,८००	१०,३००	आ केवळ अदाज छे पुष्कळ आकडा उपलब्ध नथी
सरवाळो	७३	८,८६९	४३५	२,१३,८४१	३,४२,७७५	७३,४२०	५८,९६५		

सर्वे मान्य मदिरोनी यादी परिशिष्ट ४ मा आपी छे

*कन्याओ ६ +कन्याओ ४३ §कन्याओ १४ †कन्याओ आशरे ४५०

१६. आ उपरांत अमदावाद, सुरत अने नडीआदनी म्युनिसीपालीटीओए साकारनी ग्रान्ट न लेवानो ठराव करवाथी, अमदावाद अने सुरतनी म्युनीसीपालीटीओने बरतरफ करवामां आवी. तेने लीधे अमदावादमां प्रजाकीय प्राथमिक केळवणी मंडळ, अने सुरत तथा नडीआदनां राष्ट्रीय केळवणी मंडळोए ए शहेरोनी प्राथमिक केळवणीनुं कार्य पोताना हाथमां लइ लीधुं. ए त्रणे शहेरोनी प्राथमिक शाळाओ राष्ट्रीय होवाथी एनी हकीकत आ निवेदनमां सामील करवामां आवी छे.

शहेरोनी प्राथमिक शाळाओ

नाम	शाळाओनी सं.	विद्यार्थीनी आ. संख्या	आशरे वार्षिक आवक रु.	आशरे वार्षिक खर्च रु	प्रान्तिक वगेरे समितिनीमदद रु.	इतर फाळा वगेरे रु.
प्रजाकीय प्राथमिक केळवणी मडळ, अमदावाद	४४	९४५३	१,५४,३५०	२,१०,४००	६५,६३०	१५६,०५०
राष्ट्रीय शिक्षण समिति, नडीआद	११	२७४६	६५०	३१,१००	१२,५००	१९,३५०×
राष्ट्रीय शिक्षण मडळ, सुरत	?	८७००	?	?	५६,०००	?

१७. आ उपरांत विद्यापीठ पासे मान्यता न मेळवेली एवी पण केटलीक छूटी छवाई राष्ट्रीय शाळाओ छे. गूजरात बहार वसता दूर दूरना गूजरातीओ पोत पोतानां गामोमां राष्ट्रीय शाळाओ चलावे छे. एनी चोक्स हकीकतो आपवी अशक्य छे; पण एवी समग्र शाळाओमां ओछामां ओछा ७००-८०० विद्यार्थीओ राष्ट्रीय केळवणी लेता हशे ज. आवी शाळाओमां मुख्य वढवाण केळवणी मंडळनां मदिरो छे; एमां कुल आशरे ३०० विद्यार्थीओ शीखे छे.

बीजी राष्ट्रीय शाळाओ

१८. आ रीते समग्र गूजराती राष्ट्रीय विद्यार्थीओनी संख्या आसरे त्रीस हजारनी उपर थाय छे. अने तेमने अगे जे आंकडा मळ्या छे ते तपासतां वार्षिक खर्चनो अदाज रु. ३,४२,७७५ नो थाय अने वार्षिक आवक तुर्तमां रु. २,११,४०५ नी थयेली छे. आ आंकडाओ अत्यत अचोक्स छे. कारण के घणी शाळाओ तरफथी छेल्ली अथवा वीगतवार माहिती मळी शकी नथी. आवकमां घणीखरी संस्थाओनो आधार दानो के स्वराजफाळा उपरज छे. प्रोप्रायटरी हाइस्कूल सिवाय बीजी कोइ पण शाळा केवळ फीनी आवक पर पोतानो निर्वाह करी शकती नथी, अने आने लीधे स्वाभाविक रीते घणे खरे ठेकाणे शिक्षको अने कार्यवाहकोने पैसानी मुझवण रात्रिदिवस अनुभववी पडे छे.

समग्र विद्यार्थीओनी संख्या अने आवक खर्च

×आमांथी ज राष्ट्रीय विनय मदिरनु खर्च नीकळे छे

१९. आ सव नानी मोटा सस्थाओना शिक्षकोनी मह्यानो अदाज ८०० नो छे आ

शिक्षको

पैकी जुज शिक्षकोना पगारनु धोरण सतोषकारक छे, केटलाकनो माड निर्वाह चाले छे, अने घणा खरानो तो निर्वाह केम थतो हशे ते कल्पनामा आवी शकतु नथी यद्यपि शिक्षणनी दृष्टिए लायक शिक्षकोनी उणप लाग्या ज करे छे, छता जुदे जुदे ठेकाणे जे आपभोग शिक्षको आपी रह्या छे, तेनी कदर गूजराते करवी ज जोइए घणी जग्याए तो शिक्षकोना भोग उपर ज शाळाओ टका रही छे एम कहेवु जोइए शिक्षकोने पेट दाबी बेसी रहेवा उपरात केटलीक वार अनेक बीजा प्रकारनी मुश्केलीओमा काम करवु पडे छे, कोईक ठेकाणे गामना लोको एटला अज्ञान छे के शिक्षणमा रस ज लइ शकता नथी केटलीक जग्याए शहेर के गामना लोको शक्तिवाळा अने समजदार होवा छता शिक्षण अथवा राष्ट्रीय शिक्षण विषे एमनी भावना खेडायेली न होवाथी शाळाओ विषे बेपरवा छे, कोइ ठकाणे जग्यानी तो कोइ ठकाणे साधनोनी अगवड वेठवी पडे छे, कोइ जग्याए ए बधु सानुकूळ होय छे, त्यारे विद्यार्थीओना वालीओ टुकी दृष्टिवाळा होय छे, आ बधामा काइक जग्याए सुशिक्षण विषेना प्रजानी शक्ति उपरात रामेला खोटा महत्वाकाक्षी आदर्शो पण मुश्केलीओ उत्पन्न करे छे ज

२० विद्यापीठ पासे मदद मेळववा दरेक मदिर आशा राखी रह्यु छे छेल्ला वर्षमा

मदद

विनय मदिरोने रु ३००००) सुधी मदद आपवानु विद्यापीठे ठराव्यु छे पैकी रु २१,५००) नी जवाबदारी स्वीकाराई चुकी छे, कुमार मदिरोने मदद आपवानी अत्यत जरुरियात होवा छता विद्यापीठने खेदपूर्वक ए विषे लाचारी बताववी पडे छे, अने ज्या सुधी विद्यापीठ समृद्ध न थाय त्या सुधी एवी लाचार स्थिति रहेशे ज

२१. विद्यापीठना स्थापना समये दीवाळी नजीक आवेली हता, म० गाधी छूटा हता.

विद्यापीठ फाळो

ठकाणे ठेकाणे फरी एमणे स्त्री, पुरुष, बाळक, तरुण, वृद्ध पासे दान माग्या अने स्हेनोए पोताना शरीर परना दागीना काटी काढीने आप्या, त्यारबाद ए कारावासमा चाल्या गया, आथी गूजरात प्रान्तिक समिति उपर विद्यापीठना खर्चनो बोजा पड्या केटलोक समय स्वराज फाळानी शिक्षण माटे अपायेली रकमगाथी ए खर्च चलाव्या बाद स. १९७८ना जेठ मासमा कार्यवाहकोए विद्यापीठ माटे खास रुपिया उघराववानु ठराव्यो गूजराती प्रजाने रु. १०) लाख आपवा विनति करी गूजराती प्रजाए ए विनति साभळी रु १२) लाखनी टीप भरी आ दाताओमा डॉ. प्राणजीवनदास जगजीवनदास महेताए रु ३॥ लाखनी रकम जाहेर करी फाळो उघराव-नाराओनी महेनत हलकी करी टीप भराया बाद नाणानी तगी देशमा सामान्य थई पडी, अने तेथी रुपिआ उघराववानु काम मुश्केल थइ पड्यु गया वर्षनी आखर सुधीमा रुपीआ ५,१०,५२५-८-० प्रातिक समितिमा विद्यापीठ खाते जमा थया छे डॉ प्राणजीवनदास अने बीजा केटलाक गृहस्थो तरफथी एमना फाळा पेटे नियमित हपता आवे छे, अने बाकीना पैसा उघराववानु कार्य चालु छे रु ५००) थी वधु दान आपनार दाताओनी यादी परिशिष्ट ५ मा आपी छे.

२२. खास दानोमां अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् तरफथी स्नातक परीक्षामां फरजियात गूजरातीमा प्रथम आवनार विद्यार्थीने व्याजमाथी ईनाम आपवा

खास दानो रु १६५०),× गूजरात महाविद्यालयना विद्यार्थीओ तरफथी प्रसिद्ध थता 'साबरमती' पत्रमां श्रेष्ठ लेख लखनारने प्रतिवर्षे 'श्री तारागौरी चंद्रक' आपवा माटे रु. २५९), अने श्री. अमुलख शाह निबंध ईनाम माटे मळेला रु. ५० नी नोंध लेवी घटे छे. आ वर्षना ईनामो मेळवनारानां नाम वगेरेनी नोंध परिशिष्ट ७ मे अंते मालम पडशे.

२३ स. १९७८ ना आसो वद ३० सुधीना अन्वेषके तपासेला हिसाबो प्रसिद्ध थई चुक्या छे स १९७९ नी आखर सुधीना आवक खर्चनो सक्षेप

हिसाबो परिशिष्ट ६ मा आप्यो छे. ते मुजब विद्यापीठ खाते आ वर्षना प्रारंभमां रु. १,३४,८०१–१३–३* नी सीलक हती ते उपरांत बांधकाम खाते जुदी राखेली रु १,५०,००० नी रकममांथी रु. ९०,६१७–१३–९ नी सीलक छे विद्यापीठना सर्व खाताओनो मळी सरेराश मासिक खर्च आ वर्षमां रुपीआ बार हजारथी उपर जवा सभव छे

२४ विद्यापीठने माटे आ समारभना स्थानकथी आशरे एक माईल दूर रु ८७, ७९८–६–० नी किंमतनी जमीन खरीदवामां आवी छे, अने

जमीन अने मकानो तेनी उपर विद्यार्थीओने रहेवाने छात्रालय बांधवानु शरु कर्युं छे. छात्रालयना पाया पुराई जई ओटला सुधी काम आव्यु छे, तथा पाठशाळा अने स्नानगृहो अने कोठार बधाई गया छे बांधकाम खाते अत्यारसूधीमा रु. ७९,३८२–२–३ नो खर्च थयो छे.

२५. विशेष बनावोनी नोंधमा श्री प्रफुल्लचद्र रायना हस्ते स १९७९ ना फागण वद ७ ने रोज विद्यापीठना छात्रालयना खात मुहूर्तनी क्रिया ए

विशेष बनावो महत्वनो प्रसग थयो

२६ आवी गूजरात विद्यापीठनी त्रीजा वर्षने अंते तवीयत छे एना निर्वाह माटे जेमणे जेमणे सेवाथी के धनथी मदद करी छे, तेमनो आभार मानीए

उपसंहार तेटलो ओछो छे, पण तोये हजु वधारे पोषणनी जरुर छे ज. एने पोषण आपी हृष्टपुष्ट करवु के एने क्षीण करवु, एने लोकोपयोगी करवु के भाररूप करवु, ए गूजरातना सेवको अने दाताओना हाथमां छे.

मागसर सुद ४ मं. १९८० मगळवार ता ११–१२–२३.

× आ रकममाथी रु २९४–८–० पाछा आपवा पड्या छे.

* आ आकडाओ प्रान्तिक समितिना हिसाबो प्रमाणे आप्या छे. विद्यापीठना छेल्ला वर्षना हिसाबो मेळवी चोकस करवाना बाकी छे.

परिशिष्ट–५

दाताओनी यादी

वर्ग पहेलो

१ श्री. यशवतप्रसाद हरिप्रसाद देशाई
मुबाई १०,०००
२ ,, शेठ जमनालाल बजाज ,, २१,०००
३ डॅा. प्राणजीवनदास महेता रगुन ७५,०००

वर्ग बीजो

१ शेठ रमणभाई साराभाई अमदावाद १२५०
२ अमदावाद न्यु कॉटन मिल्स ,, १००१
३ श्री जीतेन्द्रलाल कनैयालाल परीख
नडीआद १००१
४ ,, हरिलाल वल्लभदास महेगाणावाळा
मुबाई १५०१
५ शेठ दुर्गाप्रसाद शभुप्रसाद अमदावाद १००१
६ श्रीमती लेडी मुलोचना चीनुभाई
अमदावाद ५०००
७ श्री. प्रेमचद झवेरचद मुबाई १००१
८ ,, परषोत्तमदास रामजी ,, १५००
९ ,, जावणलाल एन्ड कु कलकत्ता ५०००
१० ,, छगनलाल पीताबर परीख
मुबाई १५०१
११ शेठ भवानजी करसनदास ,, १००१
१२ शेठ सोमनाथ रूपजी अमदावाद १५००
१३ एक पारसी बहेन मुबाई २००१
१४ एक गृहस्थ ,, ३०००
१५ एस जे. अर्मान, देसाई एन्ड कु.
सोलीसीटर्स मुबाई १०००
१६ तुलसीदास वी. पटेल एन्ड कु. ,, १०००
१७ एक गृहस्थ ,, १००१
१८ शेठ गांगजी प्रेमजीनी कु रंगुन १०००
१९ शेठ रतिलाल नाथालाल अमदावाद १००१
२० शेठ खीमजी आसर वीरजी मुबई १०००
२१ खादी प्रिय सज्जन ,, ५०००
२२ श्री. कानजी द्वारकादास ,, २५०१
२३ श्री. गोरधनदास गेतसी मुबाई १२५१
२४ श्री. कल्याणजी उत्तमभाई मुबई १०८१
२५ ,, दामोदर आणदजी ,, १२५१
२६ ,, रतनजी मुलजी टक्कर ,, १०००
२७ ,, चांपसी भारा ,, १५०१
२८ ,, केशवलाल रतनजी शाह ,, १००१
२९ ,, हीरालाल वर्कारदास चोकसी,, १२५१
३० ,, मेघजी जीवनदास ,, २५००
३१ ,, हीरजीभाई होरमसजी
नेलगामवाळा ,, १०००
३२ ,, केगुशरु मोरावजी
नीस्लगन ,, १०००
३३ शेठ सोरावजी कावसजी
दीनशाजी ,, २००१
३४ सेक्रेटरी–बोम्बे क्लब, कलकत्ता ५०००
३५ ... ... ,, ३०७०
३६ एक सखी गृहस्थ ,, ५००१
३७ एक दानवीर ,, ५००१
३८ शेठ करमचद लालचद ,, २५०१
३९ शेठ उमरशी रायशीनी कु. ,, २००१
४० शेठ केशवलाल धारसी ,, २००१
४१ शेठ शोभाचद अनुपचद ,, १५००
४२ परचुरण (हा रा. करमचद
लालचद) ,, १०२२
४३ शेठ डाह्यालाल मकनजी झवेरी
मुबई ४०००
४४ शा. पोपटलाल नेमचंदनी कु. ,, १००१
४५ श्री. वनमाळीदास वीरजी ,, २५०१
४६ शेठ एम. वी. भडुनी कु. ,, ३८३०
४७ श्री. जेठालाल रामजी दलाल ,, ३०००
४८ शेठ मानसींग कचराभाई भुज-कच्छ २५००
४९ सातांकुझ ग्रामसमितिना मत्री मारफत १०८२
५० पी. एस. जोशी जोहानीसबर्ग १०१०
५१ श्री भोजलाल केशवलाल अमदावाद १०००

५२ धी आरा मरचन्ट एसोशियेसन मुंबाई १००१
५३ मोतीनो धरमनो कांटो मुंबाई ५०००
५४ श्री नहालचंद लल्लुभाई पाटणवाला ,, २५००
५५ मी. आर. के. मोदीनी कुं. ,, ५०००
५६ शेठ परभुभाई वल्लवदास पटेल मुंबाई १०००
५७ ,, वसनजी खीमजी एन्ड सन्स ,, १५०१
५८ ,, खीमजी विश्रामनी कुं. ,, १००१
५९ ,, जेठाभाई देवजीनी कुं. ,, १००१
६० ,, जमनादास नरसी जीनींग एन्ड प्रेसींग कुं. ली. ,, १००१
६१ ,, अर्जुनलाल खीमजीनी कुं. ,, १००१

त्रीजो वर्ग

१ श्री. शामळदास वहेचरदास वडोदरा ५००
२ एक पारसी गृहस्थ अमदावाद ५०१
३ श्री. डाह्याभाई मकनजी झवेरी मुंबाई ५००
४ श्री ... ... मुंबाई ५००
५ श्री गीरधरदास लीलाधर ,, ५००
६ मी. रतनबेन ,, ५००
७ श्री. शिवजी पुजा कोठारी ,, ५००
८ श्रीमती हीराबाइ जमशेदजी पीटीट ५०१
९ ,, बचुबाई मेरवानजी सर जमशेदजी मुंबाई ५०१
१० ,, व्हेन मानबाई ,, ५०१
११ श्री. भाणजीभाई गोरधनदास ,, ५०१
१२ शेठ हीराचंद मुळचंदनी कुं ,, ५०१
१३ एक पारसी गृहस्थ ,, ५०१
१४ शेठ खीमजी दामजी ,, ५०१
१५ धी बेस्ट एसोशियेशन ,, ६२६
१६ पाटीदार परिषद ,, ६०१
१७ गुजराती मरचन्ट मंडळ ,, ५०१
१८ शेठ करसनदास धरमशी ,, ५०१
१९ शेठ मगनभाई अमीननी कुं. ,, ५०१
२० शेठ उमेदराम भगवानदास ,, ५०१
२१ शेठ उमेदराम जीवाभाई ,, ७५१
२२ श्री खडुभाई नरोत्तम सुरत ५०१
२३ ठक्कर मथुरादास ठाकरशीनी कुं. मुंबाई ५०१
२४ एक गृहस्थ ,, ९००
२५ श्री. मनमोहनदास अने अमरचंद,, ५०१
२६ ,, हरिदास वल्लभदास ,, ५०१
२७ ,, करसनदास रणछोडदास ,, ७५१
२८ भुलेश्वर सी. वॉर्ड कमिटिना मंत्री ,, ८७१
२९ एक भाइ तरफथी मुंबाइ ५००
३० अकीआब (बरमा) गामना उघराणीना अकीआब ६०५
३१ शेठ मुलजी शीवा गोंदीआ (मध्य प्रा.) ५५१
३२ ,, चतुर्भुजदास हाथीभाई कलकत्ता ५०१
३३ शेठ कस्तुरचंदभाई ,, ५०१
३४ ,, एम. इलीयासनी कुं. ,, ५०१
३५ ,, लक्ष्मीचंद त्रीभोवनदास झवेरी मुंबाइ ५०१
३६ ,, मोतीलाल मुळजी ,, ५०१
३७ ,, द्वारकादास कानजी ,, ५०१
३८ ,, वसनजी जेतसी हुबलीवाळा,हुबली ५०१
३९ ,, बापुलाल भोगीलालनी कुं. मुंबाई ५०१
४० ,, फुलचंद कस्तुरचंद ,, ७०१
४१ ,, रायचंद मोतीचंद ,, ५०१
४२ ,, अमृतलाल रायचंद ,, ५०१
४३ ,, पुरुषोत्तमभाई कच्छ अंजार ५००
४४ परचुरण उघराणाना हा. गुलाबदास वि. लालजी वेरावळ ९८५
४५ श्री. नानालाल छगनलाल शाह मुंबाई ५०१
४६ शेठ खंडेराव विठ्ठल ,, ५०१
४७ ,, माधवजी घेलाभाइ ,, ५५१
४८ व्हेन चंद्रमणी अमदावाद ६००
४९ शेठ उमेदराम भगवानदास मुंबाई ५०१
५० श्री गोरधनदास नाथाभाइ पटेल ,, ५०१
५१ ,, पूनमभाइ छनाभाइ पटेल ,, ५०१
५२ ,, गोविंदजी कानजीनी कुं. ,, ५०१
५३ ,, लालजी ठाकरशीनी कुं. ,, ५०१
४५ ,, ओधवजी शीवजीनी कुं ,, ५०१

२ सं. १९७९–८० सुधी जुदां जुदां मंदिरोना अहेवाल

गूजरात महाविद्यालय

स्थापना—

गूजरात महाविद्यालय स. १९७७ ना कारतक सुद ५ ता. १५ नवेम्बर १९२० ने सोमवारना रोज महात्मा गांधीजीना हस्ते कोचरब पासेना शेठ हाथाभाई ईजतरामना बंगलामां स्थापवामां आव्युं हतुं. हाल ते सत्याग्रहाश्रमने रस्ते श्री. नरीमान कोठावाला अने श्री. भुलाभाई प्रागजीभाई पटेलना मकानमां छे. संस्थानो निभाव गूजरात विद्यापीठ तरफथी थाय छे

सत्रो—

वर्षमां त्रण सत्रो होय छे तेना विभागो वखतो वखत नक्की करवामां आवे छे दरेक सत्रनुं लवाजम रु ३०) होय छे

स. १९८०–८१ ना वर्ष माटे नीचे मुजब सत्रो गोठववामां आव्यां छे:—

पहेलुं सत्र—जेठ सुद ७ स १९८० (ता ९–६–२४) थी श्रावण वद ७ स १९८० (ता. २१–८–२४) सुधी (दिन ७४)

बीजुं सत्र—भादरवा वद ९ स. १९८० (ता २२–९–२४) थी मागशर वद २ स. १९८१ (ता. १३–१२–२४) (दिन ८३)

त्रीजुं सत्र—पोष वद २ स. १९८१ (ता. १२–१–२५) थी फागण वद ४ स. १९८१ (ता. १४–३–२५) सुधी (दिन ६२)

(कुल दिन २१९)

आचार्य—

स. १९७७ ना कारतक सुद ५ थी स १९८० ना पोष सुद ७ सुधी श्री. असुदमल टेकचंद गिद्वाणी आचार्य तरीके हता ते पछी श्री. जीवतराम भगवानदास कृपालानी आचार्य तरीके नीमाया छे.

मंदिरो—

गया वर्षनी आखरे दरेक मंदिरनी हकीकत नीचे मुजब छे

मंदिर	अध्यापको	विद्यार्थीनी संख्या
आर्यविद्या मंदिर	अ. हरिनारायण आचार्य अ. रामचंद्र बळवंत आठवले अ. इन्दुभूषण मजमुदार (पुरातत्त्व मंदिरना श्री धर्मानन्द कोसम्बी, श्री. रसिकलाल परीख, पंडित बहेचरदास अने पंडित सुखलालजी पण वर्गो ले छे)	६

भाषामंदिर	अ हरिनारायण आचार्य—संस्कृत	३७
	अ रामचंद्र बळवंत आठवले—संस्कृत अने मराठी	
	अ बापुराव गणपतराम ठाकोर—अंग्रेजी अने फ्रेंच	
	अ अबु झफर नद्वी—फारसी	
	अ बनारसीदास चतुर्वेदी—हिंदी, अरबी अने उर्दु	
	अ इन्दुभूषण मजमुदार—बंगाळी	
	अ रामनारायण विश्वनाथ पाठक—गुजराती	
	आचार्य जीवतराम कृपालानी—अंग्रेजी	
गणित मंदिर	अ छोटालाल चीमनलाल स्वामीनारायण	२
	अ विमळलाल मनसुखलाल शाह	
समाज विद्यामंदिर		
(क) राजकारण	आचार्य जीवतराम कृपालानी	१२
	अ. खानचंद पेसूमल वीपाहीमलानी	
(ख) संपत्तिशास्त्र	अ नारायण मलकानी	४
वाणिज्य विद्यामंदिर	अ चंदुलाल भगुभाई दलाल	६६
	अ. श्यामलाल हरिलाल भगवती	
	अ होमी पदमजी महेता	
संगीतमंदिर	अ शंकर दत्तात्रेय पाठक	२
	अ श्रीपाद केशव पूजारी	
प्रथम वर्ष		४६
		कुल १८५*

विद्यार्थीओनी वर्षवार संख्या—

विद्यार्थीओनी वर्षवार यादी नीचे मुजब छे

		प्रथम वर्ष	मंदिरो	कुल
संवत १९७७ चैत्र वद ०)) सुधी		३८	३८	७६
१९७८	,,	१०४	९७	२०१
१९७९	,,	९१	१३७	२२८
१९८०	,,	४६	१३९	१८५
१९८०-८१	,,	६५	१३५	२००

शिष्यवृत्ति अने इनामो—

खामजी दयाळ स्मारक फंडनी व्यापार मंदिरना विद्यार्थीओ माटे मासीक रु. २०)नी आठ शिष्यवृत्ति छे जे अरजी मंजुर थया मुजब आपवामां आवे छे ते शिष्यवृत्ति संवत १९७९–८० मां नीचेना विद्यार्थीओने मळती हती.

* सं. १९८०–८१ना वर्षमां कुल २०० विद्यार्थीओ दाखल थया छे.

१ पटेल छोटाभाई नारणभाई	५ महेता आनंदलाल मगनलाल
२ पटेल उमेदभाई नारणभाई	६ जोषी चीमनलाल बालुभाई
३ शाह जीवराज हरिचंद	७ महेता रमणलाल मगनलाल
४ महेता भुरालाल आशाराम	८ पटेल चतुरभाई दलसभाई

'साबरमती' द्विमासिकमां दरवर्षे उत्तम लेख लखनार विद्यार्थीने 'दारागौरी चंद्रक' नामनो एक रुपानो चांद आपवामां आवे छे. आ चांद सं. १९७९ ना वर्षमां रिखुभाई रतनजी देसाई अने गोपाळ रामचंद्र कुलकर्णीने आपवामां आव्यो हतो.

अध्यापक मंडळनी सलाह लई सं. १९७८ ना कारतक मासथी आज सुधीमां नीचे मुजब अध्येताओनी नीमणुंक करवामां आवी छे.

वर्ष	नाम
१९७९ ना कारतक वद ९	श्री रामस्वरूप शर्मा, श्री जीवणलाल कल्याणदास चांपानेरीआ श्री वी. वी गोखले (मागसर सुद १ सुधी)
१९७९–८०	श्री मगनलाल प्रभुदास देसाई, श्री जीवणलाल कल्याणदास चांपानेरीआ, श्री विठ्ठलदास मगनलाल कोठारी.

माफी विद्यार्थीओनी वर्षवार संख्या:—

स. १९७७ थी स. १९८० ना फागण सुधीमां नीचे प्रमाणे विद्यार्थीओने माफी आपवामां आवी हती.

वर्ष.	प्रथम वर्ष	मंदिरो	कुल
सं. १९७७ चैत्र वद ०)	१९		१९
,, आसो वद ०)	१९	२५॥	४४॥
१९७८ चैत्र वद ०)	१८	२६॥	४४॥
,, आसो वद ०)	१२॥	१९॥	३२
१९७९ चैत्र वद ०)	१२॥	२०॥	३३
१९७९–८० पहेलुं सत्र	८	२९	३७
,, बीजुं सत्र	४	१८	२२
,, त्रीजुं सत्र	३	२३	२६

आवक तथा खर्च:—

वर्षवार आवक तथा खर्चना आंकडा नीचे मुजब छे.

वर्ष	सत्रना लवाजमनी आवक	खर्च
सं. १९७७ वैशाख वद ०)	रु. ३,७९४– ८–०	११,४९५– ९–०
,, आसो वद ०)	८,४५२– ८–०	३१,९७६–१२–०
१९७८ चैत्र वद ०)	६,९६५–१४–०	२८,०१५– १–८
,, आसो वद ०)	९,५५४– ०–०	२७,७०२– १–७

१९७९ चैत्र वद ०)	८,८२३– ८–०	२९,७३६– ०–३
१९७९ आसो वद ०)	९,५५२–१०–८	३१,२९१–११–५॥
†१९८० चैत्र वद ०)	४,४१३– ५–४	२४,९४३– ४–३

महाविद्यालयनां छात्रालयो—

सं. १९७९–८० नी आखरे छात्रालयोमां विद्यार्थीओनी संख्या नीचे मुजब हती.

छात्रालयनुं नाम	विद्यार्थीनी संख्या	देखरेख राखनारनुं नाम
हिंद आश्रम	८	श्री. रामनारायण वि. पाठक
तिलक छात्रालय	२५	श्री. श्यामलाल ह. नगपती
गुलिस्तान	१६	श्री. इन्दुभूषण मजमुदार
आनंदाश्रम	२२	श्री. खानचंद सीपाहीमलानी
कुल	७१	

महाविद्यालयनी बीजी प्रवृत्ति

महाविद्यालयने अने एक पुस्तकालय छे जेनी अंदर भाषावार अने दरेक जातना विषयवार रु. ३६५००) ना आशरानां पुस्तको छे; जेनो लाभ अध्यापको तथा विद्यार्थीओ ले छे. महाविद्यालयना जुना विद्यार्थीओ अने बहारना माणसोने पण नियमो प्रमाणे पुस्तकोनो उपयोग करवा देवामां आवे छे.

आ उपरांत संवत् १९७७ ना वर्षमां विद्यार्थीओए तिलक स्वराज फाळो उघराववानुं, महासभाना सभासद नोंधवानुं अने दारुनां पीठांपर चोकीनु कार्य कर्यु हतु.

महाविद्यालयना बधा विद्यार्थीओ दर वर्षे पंचायतनी नीमणुक करे छे. तेना दरेक सभ्यने पंचायतनां जुदां जुदां कामो सोंपवामां आवे छे. पंचायतना प्रमुख तरीके आचार्य होय छे. पंचायत मारफते महाविद्यालयनु कार्य चालु होय त्यारे विद्यार्थीओ अने अध्यापको शहेरमां फरीने महीनामां एकाद बे वार खादीनु वेचाण करे छे. ते उपरांत पंचायत व्यायामशाळा, वांचनालय अने चर्चा परिषद्नी पण व्यवस्था करे छे. विद्यार्थीओ तरफथी एक द्विमासिक 'साबरमती' बहार पाडवामां आवे छे अने अठवाडिक 'पचतन' नामनुंलीस्टादललुं काढवामां आवे छे. ते बंनेनी व्यवस्था पण पचायत तरफथी थाय छे.

गया वर्षना त्रीजा सत्रनां प्रथम वर्षना विद्यार्थीओनी रीतसर दररोज एक समय कांतवानु राखवामां आव्यु हतु. बीजा विद्यार्थीओ पोताने वर्ग न होय ते वखते कांतता हता. घणीओ पण विद्यार्थीओ पोतानी मेळे ज बनावी लेता हता.

आ उपरांत श्री. दत्तात्रेय बाळकृष्ण महुलीकरनी देखरेख तळे चित्रकला अने फोटोग्राफीना वर्गो चाले छे.

---

† वर्षनां बे सत्रो हता तेनां त्रण सत्रो करवामां आव्यां छे अने दरेक सत्रनु लवाजम रु. ४४) ने बदले रु. ३०) राखवामां आव्युं छे तेथी लवाजमनी आवकमां घटाडो जणाय छे.

राष्ट्रीय महाविद्यालय, मुंबाई

स्थापना—

राष्ट्रीय महाविद्यालय मुंबाईनी स्थापना ता. १ ली फेब्रुआरी १९२१ ना दिने आचार्य गिडवाणीना हस्ते करवामां आवी हती. शरूआतमां आठ अध्यापको अने ११३ विद्यार्थीओ हता.

आचार्य—

आचार्य तरीके शरूआतथी श्री. श्रीकृष्ण व्यंकटेश पुणतांबेकर काम करे छे.

अभ्यासनी व्यवस्था अने खर्च.—

महाविद्यालयनी बे मुख्य शाखाओ छे.—साहित्य अने विज्ञान—साहित्य शाखानुं काम मराठी शाळाना मकानमां सवारने समये चाले छे. गूजरात विद्यापीठना धोरण मुजब आ मंदिरोमां चार वर्षनो अभ्यासक्रम छे प्रथम वर्षनो सामान्य अने त्रण वर्षनो विशिष्ट. विज्ञान मंदिरनुं मकान भायखाला आगळ विक्टोरीआ गार्डननी पूंठे छे.

महाविद्यालयमां वर्षमां बे सत्रो होय छे अने सत्र दीठ लवाजम रु. ५०) लेवाय छे. विज्ञानना विद्यार्थीओने सत्र दीठ रु. १०) प्रयोगशाळा माटे वधारे आपवा पडे छे. ते उपरांत केटलीक खास फी पण छे.

मंदिरो—सं. १९७९ ना चैत्रनी आखरे दरेक मंदिरनी हकीकत नीचे मुजब हती.

मंदिर	अध्यापको	संख्या
भाषा मंदिर	अ. बिमलमोहन मजुमदार—अंग्रेजी अने बंगाली	१२
	अ. जन्मशंकर महाशंकर बुच (ललित)—गूजराती	
	अ. विश्वनाथ गोपाळ दांडेकर—मराठी	
	अ. दिनकर विष्णु गोखले—संस्कृत	
	पंडित काशीप्रसाद दुबे—हिंदी	
समाजविद्या मंदिर		
(क) राजकारण	आचार्य श्रीकृष्ण व्यंकटेश पुणतांबेकर	१०
	अ. शंकर विष्णु फडनीस-प्रमाणशास्त्र अने समाजशास्त्र	
(ख) इतिहास	१ आ. श्रीकृष्ण व्यंकटेश पुणतांबेकर	१
	२ अ. रामराव मल्लापा पदर्बीद्री	
(ग) संपत्तिशास्त्र	अ. छेदीलाल गुप्ता	८
विज्ञानमंदिर	अ. कृष्णाजी गोपाळ खरे	३७
	अ. महादेव गणेश काळे	
वाणिज्यविद्या मंदिर	—	३
स्थापत्यविद्या मंदिर	—	१
प्रथम वर्ग		१
		कुल ६२

विद्यार्थीओनी वर्षवार संख्या—

विद्यार्थीओनी वर्षवार यादी नीचे मुजब छे

सने	विद्यार्थीओनी संख्या	सने	विद्यार्थीओनी संख्या
१९२१–२२ पहेलु सत्र	८६	१९२२–२३ बीजु सत्र	८४
१९२१–२२ बीजु सत्र	७५	१९२३–२४	६६
१९२२–२३ पहेलु सत्र	९६	१९२४–२५	४०

शिष्यवृत्ति—

श्री रेवाशंकर झवेरी, श्री डाह्यालाल मकनजी झवेरी अने मेसर्स छोटालाल मोतीचंदनी इच्छा प्रमाणे मुंबाई तिलक स्वराज फंडनी ट्रस्ट कमीटी तरफथी रु. १२००नी रकम नीचे प्रमाणे मंजूर करवामां आवी छे.

रेवाशंकर शिष्यवृत्ति

१ एक शिष्यवृत्ति	मासिक रु. १५)	कुल वार्षिक १८०
२ पांच शिष्यवृत्तिओ	,, रु. १०)	,, ६००

डाह्यालाल झवेरी शिष्यवृत्ति

३ एक शिष्यवृत्ति	मासिक रु १०	कुल वार्षिक १२०
४ बे शिष्यवृत्तिओ	,, रु. १२॥	,, ३००
		रु. १२००)

आ प्रमाणे रु. १५) नी एक रु. १०) नी छ अने रु १२॥ नी बे शिष्यवृत्तिओ छे आ शिष्यवृत्तिओ दशाश्रीमाळी ज्ञातिना विद्यार्थीओने आपवानी छे ए ज्ञातिनो कोई विद्यार्थी न होय तो ते बीजा विद्यार्थीओने आपवामां आवे छे.

गये वर्षे शिष्यवृत्तिओ नीचेना विद्यार्थीओने आपवामां आवी हती.

पहेलु सत्र	बीजु सत्र
१ अमीन एम. तैयबजी	१ गोखले आत्माराम नारायण
२ भट्ट नानुभाई हरिप्रसाद	२ सांडेसरा रमणिकलाल ठाकोरदास
३ पीवलकर शंकर भीखाजी	३ पटेल नाथाभाई मोतीभाई
४ कमोदिया वी. वी.	४ नेवटिया रामेश्वरप्रसाद
५ शिवकर विष्णु विनायक	५ शास्त्री वी. शिवराम
६ नाडकर्णी रत्नाकर गणपत	६ वाटवे वासुदेव केशव
७ महेता चंपकलाल टी.	७ पुराणी जयकृष्ण हरिकृष्ण
८ सांडेसरा रमणिकलाल ठाकोरदास	८ नाडकर्णी रत्नाकर गणपत
९ नायक काशीनाथ पांडुरंग	९ सलवीआ नारायण उधोजी
१० कानडे दिवाकर खंडेराव	१० फडके नागेश पांडुरंग
११ फडके नागेश पांडुरंग	११ शिवकर वी. वी.
१२ शास्त्री वी. शिवराम	१२ शामभाग नागप्पा मुकुंद
१३ शामभाग नागप्पा मुकुंद	१३ पत्ताय मारुती मंदार
	१४ दातार मधुसूदन रामचंद्र
	१५ कान्हे टी. एन.

संस्थानो निभाव—

सस्थाना निभाव माटे कायमनु फंड नथी. बधु खर्च मुंबाई प्रांतिक समिति तरफथी आपवामां आवे छे. जुन १९२३ थी मे १९२५ नां बे वर्षो माटे रु. ५००००) मंजुर करवामां आव्या छे.

माफी विद्यार्थीओ—

	माफीनी सख्या
१९२१–२२	१०
१९२२–२३	१०
१९२३–२४ पहेलु सत्र	६
,, बीजु सत्र	२

छात्रालयनी व्यवस्था—

सस्था तरफथी छात्रालय माटे कई व्यवस्था करवामा आवी नथी.

बीजी प्रवृत्ति—

१९२१ ना जुनथी ओगस्ट सुधी अध्यापको अने विद्यार्थीओए परदेशी कापड एकठुं करवामां मदद करी हती. १९२१–२२ ना पहेला सत्रमा, १९२२–२३ ना बीजा सत्रमां अने १९२३–२४ मां खादी वेचाणनु काम थयु हतु.

विद्यार्थीओ पोतानी चर्चा परिषद् चलावे छे तेनुं नाम 'सरस्वती मदिर' राख्यु छे. तेनी सभा दर शनिवारे थाय छे. एक त्रिमासिक 'उदय' पण गया वर्षथी छापीने बहार पाडवामां आवे छे.

गूजरात पुरातत्त्व मंदिर

गूजरात विद्यापीठनी, कार्तिक वद ३ स. १९७७नी, सभामां मुनिश्री जिनविजयजीनी पुरातत्त्व मदिरना आचार्य तरीके नीमणुक करी, कामचलाउ प्रबंध समितिनी मददथी, तेमने अदाजपत्रो, योजना वगेरे तैयार करवा विनति करवामां आवी हती. ते ठरावनी रुइए, ते समितिए एक योजना नियामक सभा आगळ रजु करी अने नियामक सभाए ते मागशर सुदी १२ स. १९७७ना बेठकमां मंजुर करी. (आ योजना भाग १ला मां आपवामां आवी छे) ते योजना प्रमाणे नीमायली नवी प्रबन्ध समितिनी स. १९७७ना फागण शुदमां मळेली सभामां नीचेना ठरावो पसार थया हता.

ठराव १—शेठ पुंजाभाई हीराचंद तरफथी आवेला कागळनी बाबत ध्यानमां लई आ पुस्तक भण्डारनु नाम "श्रीमद राजचन्द्र ज्ञानभण्डार" राखवामां आवे छे; अने आ भंडार माटे उक्त शेठे जे मोटी उदार मदद आपी छे ते माटे तेमनो आ मंदिर आभार माने छे. आभारनो ठराव तेमने उपर मोकलवा मन्त्रीओने सत्ता आपवामां आवे छे.

ठराव २.—रा ईश्वरलाल त्रि. पारेखे पोतानी खगत मालिकनी लगभग बधी फाइलो आ ज्ञानभण्डारने भेट आपी छे ते माटे तेमने आ मंदिर धन्यवाद आपे छे.

ठराव ३—श्रीमद् राजचंद्र ज्ञानभण्डारना पुस्तकोनो उपयोग गू पु. मदिरनी अंदर ज थशे. कोई पण सन्जोगोमां ते बहार लई जवा देवामां आवशे नहि.

आ त्रीजा ठरावना बाबतमा नियामक सभानी बे बेठकोमा चर्चा थई हती; अने नियामक सभानी बन्ने बेठकोमा ते ठराव मंजुर राखवामां आव्यो हतो

प्रबंध समितिनी स. १९७७ ना जेठ शुद ९ ना रोज मळेली सभामा मंदिरमा काम करता अभ्यासीओ पासे तथा अन्य विद्वानो पासे व्याख्यानो अपाववानु तथा व्याख्यानमाळानु नाम "आर्य विद्याव्याख्यानमाळा" राखवानु नक्की करवामा आव्यु हतु

आ ठराव प्रमाणे आ व्याख्यानमाळानु पहेलु व्याख्यान श्रावण शुद १५ स. १९७७ ना रोज मुनि जिनविजयजीए 'पुरातत्त्व संशोधननो पूर्व इतिहास' ए विषय उपर आप्यु हतु. त्यार पछी क्रमे क्रमे बीजा आठ व्याख्यानो आपवामा आव्या हता

आ व्याख्यानमाळा फरी पण शरू करवामा आवी हती. तेमा अ. धर्मानंद कोसम्बीए 'बुद्धकालीन राजकीय तथा सामाजिक परिस्थिति' ए विषय उपर बे व्याख्यानो आप्या हता जाहेर प्रजाने सुगम पडे ते माटे केटलाक गृहस्थोनी सूचनाथी आ व्याख्यानो प्रेमाभाई हॉलमा राखवामा आव्या हता.

प्रबन्ध समितिनी स. १९७८ ना मागशर वद ७ नी बेठकना बीजा ठरावमा "प्राचीन साहित्यना जे जे पुस्तको प्रसिद्ध करवामा आवे ते ग्रंथमाळानु नाम गूजरात पुरातत्त्वमंदिर ग्रन्थावलि राखवु" एम नक्की करवामा आव्यु

प्रबन्ध समितिना स. १९७८ ना महा शुद ८ नी बेठकना बीजा ठराव प्रमाणे अने आसो वद १२ ना पहेला ठराव प्रमाणे "पुरातत्त्व" नामनु त्रैमासिक गूजराती भाषा अने गूजराती लिपिमा प्रसिद्ध करवानु नक्की करवामा आव्यु

अत्यार सुधीमा रॉयल साइझना पदर फर्मांना कदनाळा आठ अंको बहार पडी गया छे पहेलो अंक महात्मा गांधीनी ५४मी जन्मतिथिने दिवसे बहार पाडवामा आव्यो हतो

पोताना उद्देशो पार पाडवा माटे आ मस्थानु प्रथम कार्य ज्ञानभंडारमा योग्य ग्रंथोनो संग्रह करवानु हतु संस्कृत, प्राकृत, अने पाली भाषाना छपाएला मळी शकता तेटला बधा ग्रंथोनो संग्रह करवामा आव्यो छे, तेमज नेटलाक अरबी अने फारसी ग्रंथोनो पण संग्रह करवामा आव्यो छे हिन्दुस्थानना धर्म, राज्य, इतिहास, पुरातत्त्व, भाषाशास्त्र, साहित्य, कला इत्यादिने लगता गूजराती, मराठी, बगाळी, हिन्दुस्थानी, इंग्रेजी, फ्रेंच, अने जर्मन भाषामा लखाएला ग्रंथो तथा संस्कृत, प्राकृत, पाली, अरबी, अने फारसी ग्रंथोना ते ते भाषामा थएला अनुवादो पण एकठा कर्या छे मंडलाचार्य मुनिश्री कमलविजयजी तरफथी सत्याग्रह आश्रम द्वारा केटलाक जैन ग्रंथो तथा हस्त लिखित प्रतो मंदिरने भेट मळ्या छे. तुलनानी दृष्टिए उपयोगी थाय एवा धर्म, तत्त्वज्ञान, साहित्य, कला इत्यादिना केटलाक सामान्य ग्रंथो पण राखवामा आव्या छे. उपरना विषयोने लगता चोपानीआ पण मगाववामा आवे छे. (आमा घणा खरा पुरातत्त्वना बदलामा आवे छे थोडाकनु लवाजम भरवु पडे छे) टूकामा भारतवर्षनी प्राचीन संस्कृतिनु सर्वांग अध्ययन करवा माटे आवश्यक ग्रंथ सामग्री भेगी करवानो प्रयत्न कर्यो छे अत्यार सुधीमा आ बाबतमा रु २९७३०-०-० आशरे खर्चाया

छे तथा वैशाख वद ०) स. १९८५ सुधीमां ४४८७ ग्रंथो श्रीमद् राजचंद्र ज्ञान भंडारमां एकठा थया छे.

उपरना उद्देशो पार पाडवा माटे चोथुं कार्य ग्रंथो तैयार करवानुं छे. पुरातत्त्व मंदिर ग्रन्थावलीमां आज सुधीमां प्रगट थयेलां पुस्तकोनी माहिती आ विज्ञापकने छेवटे आपेली पुस्तकोनी यादीमांथी मळशे. ते उपरांत नीचेनां पुस्तको टुंक वखतमां बहार पडशे.

१ काव्य प्रकाशनो अनुवाद भा. १ (उल्लास १–६)

२ धम्मपद-(मूळ तथा गूजराती अनुवाद)

३ सम्मति तर्क भाग. १

४ बौद्ध संघनो परिचय (थोडा वखत पछी छापवा अपाशे)

५ वैदिक पाठावली (मूळ भाग छपाई रहेवा आव्यो छे. अनुवाद साथे टुंक मुदतमां बहार पडशे)

६ प्राकृत भाषाओनुं तुलनात्मक व्याकरण.

पुस्तकोनुं संपादन वगेरे संबंधी नियमो भाग १ लामां आपवामां आव्या छे.

पांचमुं कार्य अध्यापननुं छे. मंदिरना अध्यापको गूजरात महाविद्यालयमां अने खास अभ्यासीओ माटे वर्गो ले छे.

आ वर्गोनो लाभ लई शके ते माटे तेनी जाहेर खबर स्थानिक वर्तमानपत्रोमां तथा पुरातत्त्वमां आपवामां आवे छे.

श्रीमद् राजचंद्र ज्ञानभंडारनो उपयोग करवानी सुगमता पडे ते माटे सवारना आठथी ते सांजना पांच सुधी उघाडो राखवानी गोठवण करी छे. मोटी रजाओमां पण ज्ञानभंडार उघाडो राखवामां आवे छे. पहोंचथी नजर आपनार माटे खास सगवड करी आपवामां आवे छे.

नवी गूजराती शाळा, अमदावाद

स्थापना अने मान्यता—

नवी गूजराती शाळा अमदावादनी शरुआत ता. १–३–२० ना रोज थई हती. अने संवत् १९६८ ना कारतक सुद १ ने दिने गूजरात विद्यापीठे मान्य करी हती.

विद्यार्थीओनी संख्या—

वर्षवार विद्यार्थीओनी संख्या नीचे मुजब छे.

	छोकराओ		कन्याओ		कुल
सं. १९७८ कारतक सुद १	१४५	+	३२	=	१७७
आसो वद ०))	१९५	+	४३	=	२३८
१९७९ बीजा जेठ सुद १५	१५४	+	३६	=	२३०
१९८० फागण वद ०))	१५३	+	३८	=	१९१

वर्गवार विद्यार्थीओ—

कुल आठ वर्गो अने दश शिक्षको छे. वर्गवार विद्यार्थीओनी संख्या नीचे मुजब छे.

वर्गो—	विद्यार्थीओनी संख्या
१ तालीम वर्ग	२२
२ बाळ वर्ग	१०
३ धोरण १ लुं	२८
४ ,, २ जुं	२५
५ ,, ३ जुं	३१
६ ,, ४ थुं	३३
७ ,, ५ मुं	२९
८ ,, ६ ठुं	१३
कुल	१९१

शाळानो निभाव—

शाळानुं कायमी फंड नथी. तेनो नीभाव गूजरात विद्यापीठ करे छे. स. १९८० ना वर्षना खर्च माटे रु. ४३३०–०–० मंजूर करवामां आव्या छे.

राष्ट्रीयशाळा (मांगरोळ)

स्थापना अने मान्यता—

श्री मांगरोळ राष्ट्रीय शाळानी स्थापना स. १९७८ ना कार्तिक शुद ३ने रोज थई हती. अने तेज तारीखे गूजरात विद्यापीठे तेने मान्य करी हती.

विद्यार्थीओनी संख्या—

वर्षवार विद्यार्थीओनी संख्या नीचे मुजब छे.

	छोकराओ		कन्याओ		कुल
सं. १९७८ कारतक शुद ३	२	+	१	=	३
,, आसो वद ०))	१७२	+		=	१७२
१९७९ बीजा जेठ शुद १५	११६	+		=	११६
१९८० फागण वद ०))	९३	+	१	=	९४

वर्गवार विद्यार्थीओ—

कुल नव वर्गो अने नव शिक्षको छे वर्गवार विद्यार्थीओनी संख्या नीचे मुजब छे

वर्गो	विद्यार्थीओनी संख्या
१ तालीम वर्ग	१४
२ बाळ वर्ग	१३
३ धोरण १ लुं	१०
४ ,, २ जुं	९

५ ,, ३ जु	१०
६ ,, ४ थु	१२
७ ,, ५ मु	१४
८ ,, ६ ठु	७
९ ,, ७ मु	५
	९४

शाळानो नीभाव—

शेठ हरीदास प्रेमजी हस्ते ट्रस्टी शेठ जेठालाल रामजीए श्री मांगरोळ कुमार मंदिर चलाववा माटे रु. २००००) वीस हजार गूजरात प्रान्तिक समितिमां भर्या छे तेमांथी खर्च पेटे विद्यापीठ दरवर्षे अमुक रकम आप्या करे छे. सं १९८०ना खर्च माटे रु ८०००–०–० मंजुर करवामां आव्या छे

कुमार मंदिर (नवुं वाडज)

स्थापना अने मान्यता—

कुमार मंदिर नवुं वाडजनी स्थापना संवत १९७७ ना वैशाख सुद ३ ने दिवसे थई हती; अने ते ज दिवसे गूजरात विद्यापीठे मान्य करी हती.

विद्यार्थीओनी संख्या—

वर्षवार विद्यार्थीओनी संख्या नीचे प्रमाणे छे.

	संख्या.				
	छोकराओ		कन्याओ		कुल
सं. १९७८ कारतक सुद १	५७	+	८	=	६५
,, आसो वद ०))	७०	+	२१	=	९१
१९७९ बीजा जेठ सुद १५	६५	+	१९	=	८४
१९८० फागण वद ०))	६३	+	८	=	७१

वर्गवार विद्यार्थीओ—

कुल आठ वर्गो अने त्रण शिक्षको छे. वर्गवार विद्यार्थीओनी संख्या नीचे मुजब छे.

वर्ग	विद्यार्थीनी संख्या
१ बाळवर्ग	२६
२ धोरण १ लु	८
३ ,, २ जु	१८
४ ,, ३ जु	१२
५ ,, ४ थु	५
६ ,, ५ मु	६
७ ,, ६ ठु	१
८ ,, ७ मु	१
	कुल ७१

शाळानो नीभाव—

शाळानु खर्च गूजरात विद्यापीठ आपे छे स. १९८० ना वर्षना खर्च माटे रु. १७५०-०-० मंजुर करवामां आव्या छे.

रात्रिशाळा (कोचरब)

स्थापना अने मान्यता—

रात्रिशाळा कोचरबनी स्थापना स. १९७७ना चैत्र शुद १५, ने रोज थइ हती अने ते ज दिवसे गूजरात विद्यापीठे तेने मान्य करी हती.

विद्यार्थीओनी संख्या—

वर्षवार विद्यार्थीओनी संख्या नीचे प्रमाणे छे.

	संख्या—				
	छोकराओ		कन्याओ		कुल
स. १९७८ कारतक सुद १	१६	+	३	=	१९
,, आसो वद ०))	२८	+	३	=	३१
१९७९ बीजा जेठ सुद १५	१४	+	५	=	१९
१९८० फागण वद ०))	१६	+	४	=	२०

आ शाळामां बधा अंत्यज विद्यार्थीओ भणे छे कुल चार वर्ग छे अने त्रण शिक्षको छे. वर्गवार विद्यार्थीओनी संख्या नीचे मुजब छे.

वर्ग	संख्या
१ बाळ वर्ग	१६
२ धोरण १ लु	१०
३ ,, ३ जु	३
४ ,, ४ थु	१
	कुल ३०

शाळानो नीभाव—

शाळानु खर्च गूजरात विद्यापीठ आपे छे स. १९८० ना खर्च माटे रु. ६१७-०-० मंजुर करवामां आव्या छे.

संवत १९८० नी सालनुं निवेदन

श्रीमान कुलपतिजी,

कार्यवाहक सभानी आज्ञाथी गया वर्षनुं नीचे प्रमाणे निवेदन रजु करवा रजा लउ छुं.

१. विद्यापीठनी प्रवृत्तिओना अहेवालमां उतरतां पहेलां पहेली नोंध कुलनायकनी लेवी घटे छे. गया वर्षना मार्च मासमां थएली कुलनायक गिदवाणीजीनी गिरफतारी वधाने जाणीती छे. गिरफतार थया ते पहेलांनी नियामक सभामां ३ वर्षना कार्य पछी एमणे कुलनायक पद छोडी दीधुं हतुं अने एमनी जग्याए श्री. कालिदास नेयवजीने चुटवामां आव्या हता. परंतु एमणे ए पद स्वीकारवा अशक्ति जणाव्याथी ए स्थान खाली रह्युं, ते हजु सुधी पूरी शकायुं नथी.

कुलनायक

२. गया वसंतमां लेवाएली विनीत परीक्षामां २४२ मांथी १४४ उमेदवारो उत्तीर्ण थया हता. ते पैकी एक कन्या हती अने एक मुसलमान हतो. विद्यापीठनी शरुआतथी गया वर्ष सुधी आ परीक्षानां नीचे प्रमाणे परिणामो आव्यां हतां.

विनीत परीक्षा

	उमेदवार	उत्तीर्ण
सं. १९७७*	५४७	३६९*
स. १९७८	३९२	२९३
स. १९७९	२८०	१४८
स. १९८०	२४२	१४४

गया वर्षमां विनीत परीक्षाना धोरणमां पणी फेरफार करवामां आव्यो हतो. विद्यापीठनी शरुआतमां सामान्य अभ्यासक्रमने बदले कांतणकाम करनारा विद्यार्थीओने माटे एक जुदो अभ्यासक्रम राखवामां आव्यो हतो. तेने बदले गया वर्षथी सामान्य अने औद्योगिक एवा बे अभ्यासक्रमोनी परीक्षा लेवामां आवे छे. आ अभ्यासक्रम प्रमाणे हिंदुस्थानी अनुवाद सहित गूजराती, एक अर्वाचीन भाषा, इतिहास अने राजतंत्र, ए विषयो सर्व विद्यार्थीओने फरजियात होय छे अने तदुपरांत सामान्य अभ्यासक्रममां गणित अने एक प्राचीन अथवा फ्रेन्च भाषा अने ते न लेवामां आवे तो वणाट, सुथारकाम, कृषि, शिवणकाम, संगीत, आलेखन, व्यायाम अथवा वाणिज्य पैकी एक उद्योग पसंद करवानो होय छे. उपरोक्त उमेदवारोनुं विषयवार वर्गीकरण नीचे प्रमाणे छे —

---

* गया निवेदनमां आ आंकडाओ अहेवालमां भूलभरेला हतो. ते सुधारीने अहीं आप्या छे.

	उमेदवार	उत्तीर्ण
सामान्य अभ्यासक्रम	७७	४८
औद्योगिक अभ्यासक्रम	१६५	९६
	२४२	१४४
ते पैकी—		
वाणिज्य	११७	७८
वणाट	१८	८
शिवणकाम	१४	५
सुतारकाम	१३	१
संगीत	४	४
व्यायाम	२	०
आलेखन	१	०
	१६५	९६

प्रथमा परीक्षा

३. औद्योगिक रसायननी प्रथमा परीक्षा सह, गया वर्षनी बे वखतनी प्रथमा परीक्षामां कुल ८४ उमेदवारो बेठा हता, तेमांथी ४३ विद्यार्थी सफळ थया हता; १७ द्वितीय वर्गमां अने २६ सामान्य वर्गमां. आगला वर्षोना आंकडा नीचे मुजब छे:—

	उमेदवार	उत्तीर्ण
सं. १९७८	१३१	१११
सं. १९७९	१२८	८८
सं. १९८०	८४	४३

गया वर्ष सुधी प्रथमा परीक्षामां विद्यार्थीनी पसंदगी प्रमाणे लेवाना विषयोनी यादीमां प्रमाणशास्त्र, गणित, संस्कृत, अरबी तथा फारसी एटला विषयो हता. विनीत परीक्षामां वाणिज्य, संगीत अने आलेखनना विषयो दाखल करवामां आव्या अने स्नातक परीक्षामां पण पहेला बे विषयो छे; तथा आलेखननो विषय प्रथमा परीक्षामां खास संजोगोमां लेवा देवानी परवानगी आपवामां आवी हती. एटले सं. १९८१ थी आ त्रणे विषयोने प्रथमा परीक्षामां ऐच्छिक विषयोनी यादीमां उमेरवामां आव्या छे. ते उपरांत ए ज वागन्तिक परीक्षाथी हिंदनी आधुनिक राज्यव्यवस्था अने महासभानो इतिहास ए विषयो फरजियात दाखल करवामां आवेल छे.

८. छेल्ला वर्षनी चे स्नातक परीक्षाओमां जुदा जुदा मंदिरोमांथी नीचे प्रमाणे परिणाम छे. स्नातक परीक्षा विभागीय धोरणे लेवाती होवाथी कुल
स्नातक परीक्षा उमेदवारो पैकी थोडा उमेदवारो ज आखी परीक्षामां बेसनारा होय छे.

आखी परीक्षामां उत्तीर्ण—

	उमेदवार	१ लो वर्ग	२ जो वर्ग	सामान्य वर्ग	कुल
आर्यविद्या मंदिर	११	...	...	...	...
भाषा मंदिर	६८	...	५	५	१०
समाजविद्या मंदिर	४९	...	१	४	५
वाणिज्यविद्या मंदिर	९७	...	५	१६	२१
गणित मंदिर	६	२	...	१	३
औद्योगिक रसायन	२२	२	९	३	१४
संगीत मंदिर	२	...	...	...	...
कुल......	२५१	४	२०	२९	५३

छेल्लां त्रण वर्षना स्नातक उमेदवारोना आंकडा नीचे मुजब छे:—

संवत १९७७*......४१,   सं. १९७८......७,   सं. १९७९......२६

स्नातक परीक्षामां पसार थएला आ वर्षना ५३ विद्यार्थीओमांथी आजे ५१ विद्यार्थीओए पदवी मेळववा इच्छा दर्शावी छे. गये वर्षे जाहेर थएल एक स्नातकनुं पदवीपत्र बाकी रहेलुं होवाथी एणे पण आजे ते मेळववा इच्छा दर्शावी छे. ए रीते आजे ५२ स्नातको आपनी पासे पदवी मेळववा सायेस राखे छे. सं. १९७८ मां सेवार्थे पदवी लेनार स्नातको सहित ६६ अने सं. १९८० मां ५० (ओछो १) स्नातकोने पदवी आपवामां आवी हती, एटले आ वर्षना ५२ स्नातको मळी कुल १६७ स्नातको आज सुधीमां विद्यापीठनी पदवी मेळवशे. आ वर्षना पदवीना उमेदवारोनी नामावली परिशिष्ट १ मां आपी छे.†

* गया निवेदनमां ८० आंकडो छपायो छे ते भूल छे.

† ए सुर्वे टेराने आ पुस्तकमां छपावेलुं होवाथी अने पुनः छाप्युं नथी.

महाविद्यालयो

५. उच्च शिक्षण आपवा माटे विद्यापीठनी पासे बे महाविद्यालयो छे गूजरात महाविद्यालय अने मुंबाई राष्ट्रीय महाविद्यालय. गूजरात महाविद्यालयमां गया वर्षनी शरुआतमां २०५ विद्यार्थीओ हता अने राष्ट्रीय महाविद्यालयमां ३७ हता ते ज वर्षने आखरे अनुक्रमे १८० अने ३३ विद्यार्थीओ हता. राष्ट्रीय महाविद्यालयमां साहित्य विभागना विद्यार्थीओनी संख्या बहु ओछी थवाथी एने आ वर्षना मार्च मासथी बंध करवानो मुंबाईनी राष्ट्रीय शिक्षण समितिए ठराव कर्यो छे.

गूजरात पुरातत्त्व मंदिर

६ गूजरात पुरातत्त्व मंदिरे गया वर्षमां ३ नवां पुस्तको प्रसिद्ध कर्यां छे ते मळी ए संस्थाना कुल ११ पुस्तको थाय छे. नवां पुस्तकोनां नाम– अभिधानप्पदीपिका (संपादक मुनि जिनविजयजी) सम्मतितर्क भाग १ लो (संपादक पं० सुखलालजी तथा पं० बेचरदास), काव्यप्रकाश अनुवाद भाग १ लो (अनुवादक अ० रामनारायण पाठक तथा अ० रसिकलाल परीख) अने धम्मपद अनुवाद सहित. ते सिवाय प्राकृत भाषाओनुं व्याकरण, वेदिक पाठावली अने बौद्धधर्मनो परिचय एटलां पुस्तको ए मंदिर तरफथी छपाय छे. ते उपरांत 'पुरातत्त्व' त्रैमासिक निरन्तर प्रमाणे गये वर्षे प्रसिद्ध थयुं हतुं.

पुस्तक प्रकाशन

७. विद्यापीठे सं १९७९ सुधीमां २५ पुस्तको प्रसिद्ध कर्यां हतां. गया वर्षमां संपत्तिशास्त्र भा. ५–६ तथा व्यापारी भूगोळ (लेखक अ० चदुलाल दलाल) ए बे पुस्तको नवां उमेरायां छे, ते उपरांत विद्यापीठ वाचनमाळानी पहेली तथा बीजी चोपडीओनी सुधारेली आवृत्तिओ छपाया मां आवी हती. वाचनमाळानी त्रीजी चोपडी, वनवीरनी सुधारेली त्रीजी आवृत्ति, ऐतिहासिक वार्तामाळा–मोगलदरबारनी सुधारेली त्रीजी आवृत्ति, प्राकृतिक भूगोळ (लेखक श्री. छोटालाल पुराणी) एटलां पुस्तको छपाय छे, तथा अंकशास्त्र (लेखक अ० चदुलाल दलाल), अने रासमनी सुधारेली त्रीजी आवृत्ति, ए छपाववा निश्चय थयो छे. विद्यापीठनुं संपूर्ण (Calendar) पण छपाय छे.

केळवणी अंक

८. गये वर्षे विद्यापीठ तरफथी चालेली प्रवृत्तिमां नवजीवनना प्रतिमासे एक वधारानो एक खास केळवणी अंक काढवानुं मान्य राखेलुं छे. सदरहु वधाराना गये वर्षे ७ अंक बहार पड्या हता.

मान्य मंदिरो

९ मान्य मंदिरोमां गया वर्षना निवेदन करतां झाझो फरक नथी. अने गामेना कोठामां जणावेला आंकडाओ परथी कांईक सुधारो थएलो पण लागशे. पण ए सुधारा उपर वजन आपवा जेवुं नथी, कारण के गये वर्षे घणा आंकडा तदारथी मोडा पडता हता अने घणा आंकडा मळी शक्या ज न हता.

गये वर्षे एक पूर्ण विनयमंदिरे नग्गार साथे पाछो संबंध जोड्यो छे.

मंदिरोनो प्रकार	संख्या	विद्यार्थीओनी संख्या		शिक्षकोनी संख्या	आशरे वार्षिक खर्च
		का. सुद १	आसो वद ३०		
महाविद्यालयो	३	२४२	२३०[1]	३२	७७,०५१– ३–२
पूर्ण विनयमंदिरो	१४	४,६२५	४,०८२[2]	२०९	१,७१,१३८– ५–३¾
अपूर्ण विनयमंदिरो	११	९२२	९४३[3]	६३	२६,३२६–१०–१¾
कुमार मंदिरो[4]	४७	२,८१८	३,०८२[5]	१४८	५१,९३८– १–८
सरवाळा	७५	८,६०७	८,२६६	४५२	३,२६,५२२–४–३

सव मान्य मंदिरोनी यादी परिशिष्ट २† मां आपी छे. मान्य मंदिरोमां बे कन्या शाळाओ अने चार अंत्यज शाळाओ पण छे तेनी खास नोंध लउं छुं. आ उपरांत केटलीक गूजरात बहार तेमज गूजरातमां पण राष्ट्रीय गूजराती शाळाओ छे के जेमणे विधिसर मान्यता मेळवी नथी, पण विद्यापीठ साथे पत्रव्यवहार अने सलाह मसलतनो संबंध राखे छे.

गये वर्षे भराएली राष्ट्रीय शिक्षण परिषदना ठरावोने परिणामे अंत्यजो बाबतनो प्रश्न मंदिरोमां पुनः खळभळाट मचावी मूकयो हतो. एने परिणामे ३ कुमार मंदिरोए अवमान्यता मेळवी हती अने विद्यापीठ तरफथी चालता नवुवाडजना कुमारमंदिरनुं अस्तित्व जोखममां छे.

१०. स. १९७९ मां स्वीकारेली विनय मंदिरोने मदद आपवानी पद्धति गये वर्षे पण चालु राखवामां आवी हती. मदद आपवानुं वर्ष वैशाखथी चैत्र सुधीनुं गणवामां आवे छे. स. १९८०–८१ माटे रु. ३५०००) मंजुर करवामां आव्या छे.

मदद

११. विद्यापीठना अन्वेषके तपासेला हीसाबो परिशिष्ट २† मां सामील कर्या छे. सदरहु हीसाबो उपरथी आप जोई शकशो के विद्यापीठ पासे दीवाळी बाकी आशरे रुपीआ १,२९,०००* सीलक हती अने आशरे रु. ८०० नुं चोख्खुं लेणुं हतुं. विद्यापीठनी स्थावर–जंगम मिलकतनी

विद्यापीठनो आवक खर्च

१. कन्याओ ५
२. कन्याओ ३६ अंत्यजो ८
३. कन्याओ १७
४. बे कन्याशाळा तथा चार अंत्यजशाळा
५. कन्याओ ५२४ तथा अंत्यजो १४२

* निवेदनमां सरळता खातर आवा आंकडा आप्या छे. नक्की हीसाबो परिशिष्ट ३ मां आपेला छे.

† ए जुदे ठेकाणे आ पुस्तकमां छापेला होवाथी पुनः आ साथे छाप्या नथी.

किंमत ४ लाखथी कांईक ओछी आकारवामां आवी छे. आ मिल्कत सामे विद्यापीठ उपरनी जवाबदारीने अंगे रु. ३६,६०० जेटला गणवाता छे; एटले विद्यापीठने खरचवा मळी शके एवी सीलक आशरे ९३,२०० रुपीआ दीवाळीने दिवसे हती.

विद्यापीठे गये वर्षे जुदी जुदी संस्थाओ पाछळ नीचे प्रमाणे खर्च कर्युं हतुं :—

	रु. आ. पा.
शाळा मदद खाते	३३,५५०—०—०
गूजरात महाविद्यालय+	२६,०८३—२—०
गूजरात पुरातत्त्व मंदिर	१०,१७४—६—०
गूजरात विद्यापीठ कार्यालय	७,३९७—२—०
नवी गूजराती शाळा	३,९७२—३—५
नवु वाडज राष्ट्रीय शाळा	१,५०१—१४—९
काचरव रात्रीशाळा	६११—५—१०
बीजा खरचो	१,९४०—६—३
कुल	८६,०३०—९—१०

आ खर्च सामे विद्यापीठने उपली संस्थाओनी फी वगेरेनी आवका उपरांत नीचे प्रमाणे आवक थई हती :—

	रु. आ. पा.
विद्यापीठ पुस्तक प्रकाशननो नफो	१,०१५—१०—३
परीक्षाना लवाजम खाते	४,६१८—१२—३
भेट	१,०९८—१—०
परचुरण आवक	३४७—६—०
कुल रु.	७,०७९—१३—६
नक्की खर्च रु.	७८,९५०—१२—४
	८६,०३०—९—१०

आ खर्च माटे रु. ७,५११—७—०॥ आगला वर्षना जमे हता, अने रु. ७१,३३९—५—३॥ विद्यापीठ फाळामांथी गये वर्षे ओछा थया छे.

१२. स. १९७९ मां विद्यापीठ फाळामां रु. ५,०९,२६५—३—३ वसुल आव्या हता, तेमां आ वर्षे रु. ९१,४२४—९—० नो उमेरो थई कुल रुपीआ ६,००,६८९—१२—३ वसुल आव्या छे. नवा दाताओनी यादी परिशिष्ट ८ मां आपी छे.

विद्यापीठ फाळो

+ आ बधा खर्चो ते ते संस्थाओनी आवक रकम बाद करीने अहीं मूक्या छे.

१३. गये वर्षे मळेलां खास दानोमां श्री. हीरालाल आत्माराम पटेल (मुंबाई) तरफथी महाविद्यालयमां दस दस रुपीआनी पांच छात्रवृत्तिओ आपवा माटे रु. ६०० मळ्या हता. छात्रवृत्तिनुं नाम दातानी इच्छाथी 'महात्मा छात्रवृत्ति' राखेलु छे अने ते महाविद्यालयना स्नातकवर्गना प्रत्येक वर्षमां भणता एक विद्यार्थीने अने प्रथमा वर्गमां भणता बे विद्यार्थीने आपवामां आवे छे. सदरहु छात्रोने आने अंगे प्रतिमासे ३००० वार सुतर कांतवुं फरजियात छे.

खास दानो

आज रीते श्री रामचंद्र डी. नाईक तरफथी गरीब विद्यार्थीने मदद तरीके आपवा रु. ५० मळ्या हता.

१४. श्री तारागौरी चंद्रक "साबरमती"मां उत्तम लेख लखवा माटे आपवामां आवतो आ चंद्रक आ वर्षमां भाई मगीनदास नारणदास पारेखने आपवा ठराववामां आव्यु छे.

ईनामो ई०

फरजियात गुजराती ईनाम—अखिल भारतवर्षीय विद्यार्थी परिषदनुं गई वासन्तिक परीक्षानु आ ईनाम भाई मणिलाल शकरलाल ठाक्करने आपवा ठर्युं छे.

आ बन्ने ईनामो आजे आपवामां आवशे.

१५. विद्यापीठनो आजनो समारंभ पोतानी जमीन अने मकानोमां थाय छे. एने खुल्लु मुकवानी क्रिया पण आपे आजे करवानी छे. आ जमीननी किंमत रु. ८५,२६५-९-० पडी छे, अने आ मकानोनी पाछळ गई दीवाळी सुधीमां रु. १,९७,३२२-११-५ खर्च थयो छे.

जमीन अने मकानो

१६. गया वर्षना विशेष बनावोमां ऑगस्ट महीनामां थयेली राष्ट्रीय शिक्षण परिषदनी नोंध लेवी घटे छे.

विशेष बनावो

१७. भविष्यमां विद्यापीठने जे रीते दोरवुं घटे ते रीते सूचना करवा आपने विनंति करी निवेदन पुरु करुं छुं.

उपसंहार

परिशिष्ट ४

सं. १९८० मां उमेरायला दाताओनी यादी

वर्ग पहेलो

१	डॉ. प्राणजीवनदास महेता, रंगुन		कुल रु. १,२५,०००-०-०
२	एक गृहस्थ पुरातत्त्व मंदिर सारु, अमदावाद		२५,०००-०-०
३	श्री ईश्वरदास इच्छाराम मशरुवाळा, मुंबाई		११,०००-०-०
४	श्री जीवणलाल वल्लभदास तथा श्री परशोत्तम जीवणदास मुळजी, मुंबाई		१०,०००-०-०

वर्ग बीजो

५	शेठ ठाकरसी रणसीनी कुं मुंबाई		१,००१-०-०

वर्ग त्रीजो

६	श्री हीरालाल आत्माराम पटेल	मुंबाई	६००-०-०
७	,, रवजी नारणजी	,,	५०१-०-०
८	गोविंदलाल नरसेराम ठाकोर	,,	५००-०-०

संवत १९८१ नी जुदी जुदी समितिओ

कुलपति

महात्मा मोहनदास करमचंद गांधी (विद्यापीठनी शरुआतथी)

कुलनायक

१ श्री असुदमल टेकचंद गिदवाणी (स. १९७७ना कारतक वद ३ थी स. १९८०ना पोष वद ६ सुधी.)

२ श्री. अब्बास तैयबजी (अधिकार न स्वीकार्यो.)

महामात्र

१ श्री. किशोरलाल घनश्यामलाल मशरूवाळा (स. १९७६ ना आसो सुद ७ थी स. १९७७ ना पोष सुद ३ सुधी.)

२ श्री त्रिकमलाल मनसुखलाल शाह (स. १९७७ ना पोष सुद ३ थी स १९७९ ना चैत्र सुद ३ सुधी)

३ श्री. किशोरलाल घ. मशरूवाळा (स. १९७९ ना चैत्र सुद ३ थी)

नियामक सभा

[गूजरात प्रान्तिक समितिना प्रतिनिधिओ]

१ श्री वल्लभभाई झवेरभाई पटेल
२ ,, महादेव हरिभाई देसाई
३ ,, बळवंतराय परमोदराय ठाकोर
४ ,, मणिलाल वल्लभजी कोठारी
५ ,, इमाम अब्दुलकादर बावझीर
६ ,, फुलचंद बापुजी शाह
७ ,, दयालजी नानुभाई देसाई
८ ,, गोपालदास अंबाईदास देसाई
९ ,, अब्बास एस. तैयबजी
१० ,, चंदुलाल मणिलाल देसाई

सं. १९८०ना कारतक मासमां चुंटाइ आवेला प्रतिनिधिओ

(महाविद्यालय मतदार मंडळ)

११ सैयद अबु झफर नद्वी
१२ श्री श्रीकृष्ण व्यंकटेश पुणतांबेकर
१३ ,, शंकर विष्णु फडणीस

(आचार्य तथा निरीक्षक मंडळ)

१४ ,, मनसुखलाल का पंड्या

(स्नातक मतदार मंडळ)

१५ श्री. जीवणलाल क चांपानेरीआ
१६ ,, शंकरलाल भा. त्रिवेदी

सं. १९८१ना कारतक मासमां चुंटाइ आवेला प्रतिनिधिओ

(स्नातक मतदार मंडळ)

१७ श्री. दिलखुश ब. दिवानजी
१८ ,, नटवरलाल गि त्रिवेदी

(कुमार मंदिर मंडळ)

१९ ,, प्रेमशंकर वसनजी दवे

(आचार्य अने निरीक्षक मंडळ)

२० ,, जीवणलाल ह दीवान

(विनय मंदिर मंडळ)

२१ ,, मणिलाल मोहनलाल त्रिवेदी
२२ ,, नानालाल मोहनलाल त्रिवेदी

भेळवेला नियामको

२३ ,, बळवंतराय न. कानुगा
२४ ,, रमणकांत श. देसाइ

२५ श्री. चुनीलाल बे. भट्ट
२६ ,, दत्तात्रेय बा. कालेलकर
२७ ,, कृष्णलाल न. देसाइ
२८ ,, परीक्षितलाल ल. मजमुदार
२९ ,, प्राणशंकर ह. भट्ट
३० ,, शंकरलाल घे. बेंकर
३१ ,, पुंजाभाई हीराचंद
३२ ,, चंदुलाल म. दलाल
३३ ,, जीवतराम कृपालानी
३४ ,, मोहनलाल वि. गांधी
३५ ,, बाबुराव ग. ठाकोर
३६ ,, नरहरि द्वा. परीख
३७ ,, त्रिकमलाल म. शाह
३८ ,, रामनारायण वि. पाठक
३९ ,, श्यामलाल ह. भगवती
४० ,, गोपाळलाल नंदलाल अध्यारु
४१ ,, खानचंद वे. सिपाहीमलानी
४२ ,, हरिशंकर दु. त्रिवेदी
४३ ,, हरिप्रसाद व्र. देसाइ
४४ ,, भीखाभाई कु. पटेल
४५ ,, छोटालाल बा. पुराणी

जुना नियामको (प्रतिनिधिओ)

(महाविद्यालय मतदार मंडळ)

४६ श्री. धर्मानंद कोसम्बी
४७ ,, नारायण मलकाणी
४८ ,, महादेव गणेश काळे
४९ ,, दिनकरराय वैष्णव (आचार्य अने निरीक्षक मंडळ)
५० ,, पानाचंद झवेरचंद सांगाणी (कुमार मंदिर मंडळ

कार्यवाहक सभा—

सं. १९८१ नी निमामक सभानी पहेली बेठक ठराव ९ मिति कारतक वद ५/८१

१ श्री. दत्तात्रेय बालकृष्ण कालेलकर
२ ,, शंकरलाल घेलाभाई बेंकर
३ ,, श्रीकृष्ण व्यंकटेश पुणतांबेकर
४ ,, छोटालाल बालकृष्ण पुराणी
५ ,, जीवतराम भ. कृपालानी
६ ,, बळवंतराय परमोदराय ठाकोर
७ ,, रामनारायण विश्वनाथ पाठक
८ ,, भीखाभाई कुबेरभाइ पटेल
९ ,, जीवणलाल हरिप्रसाद दीवान
१० ,, वल्लभभाई झवेरभाई पटेल
११ ,, नारायण रामचंद मलकाणी

कुमार अने विनय मंदिर समिति—

सं. १९८१ नी नियामक सभानी पहेली बेठक, ठराव १० मिति कारतक वद ५/८१

१ श्री. बळवंतराय परमोदराय ठाकोर(प्रमुख)
२ ,, हरिशंकर दुर्लभजी त्रिवेदी
३ ,, भीखाभाई कुबेरभाई पटेल
४ ,, मनसुखराम का. पंड्या
५ ,, दत्तात्रेय बालकृष्ण कालेलकर
६ ,, छोटालाल बालकृष्ण पुराणी
७ ,, पानाचंद झवेरचंद सांगाणी
८ ,, दिनकरराय आ. वैष्णव
९ ,, रतिलाल मोहनलाल त्रिवेदी
१० ,, दिलखुश ब. दिवानजी*

विद्यानिधि मंडळ

१ श्री जीवतराम भ. कृपालानी (आचार्य तरीके तथा समाज विद्या समिति तरफथी)
२ ,, श्रीकृष्ण व्यंकटेश पुणतांबेकर (आचार्य तरीके)
३ ,, रामनारायण विश्वनाथ पाठक (आर्य वाग्-तथा विद्यासमिति)
४ ,, अबु झफर नदवी (इस्लाम् वाग् वियासमिति)
५ ,, बाबुराव गणपतराम ठाकोर (युरोपीय वाग् विद्यासमिति)

* नियामक सभा ?/८१ ठराव ३६

६ ,, निकमलाल मनसुखलाल शाह (गणित विद्यासमिति)
७ ,, हरिप्रसाद व्रजराय देसाइ (ललित कला समिति)
८ ,, श्यामलाल हरीलाल भगवती (वाणिज्य विद्यासमिति)
९ ,, बी. जी. कोठारे (आचार्य तरीके)

आर्यविद्या अने भाषा समिति

(स. १९८१ नी नियामक सभानी पहेली बेठक ठराव १३ मिति कारतक वद ५-८१

१ श्री दत्तात्रेय बालकृष्ण कालेलकर
२ ,, रामनारायण विश्वनाथ पाठक
३ ,, बनारसीदास चतुर्वेदी
४ ,, धर्मानन्द कोसम्बी
५ ,, रामचद्र बळवत आठवले
६ ,, इन्दुभूषण मजमुदार
७ ,, मुनि श्री जिनविजयजी
८ ,, रसिकलाल छोटालाल परीख
९ ,, हरिनारायण आचार्य

इस्लामी भाषा समिति

स. १९८१ नी नियामक सभानी पहेली बेठक ठराव १४ मिति कारतक वद ५-८१

१ श्री सैयद अबु झफर नदवी

युरोपीय भाषा समितिः—

स. १९८१ नी नियामक सभानी पहेली बेठक ठराव १५ मिति कारतक वद ५/८१

१ श्री बाबुराव ग. ठाकोर
२ ,, खानचद सीपाहीमलानी

समाज विद्या समिति

स. १९८१ ना नियामक सभानी पहेली बेठक ठराव १६ मिति कारतक वद ५/८१

१ श्री श्रीकृष्ण व्यकटेश पुणतांबेकर
२ ,, जीवतराम भ. कृपालानी
३ ,, नारायण मलकाणी
४ ,, खानचद सीपाहीमलानी
५ ,, दत्तात्रेय बालकृष्ण कालेलकर

वाणिज्य विद्या समिति

स. १९८१ ना नियामक सभानी पहेली बेठक ठराव १७ मिति कारतक वद ५/८१.

१ श्री चंदुलाल भगुभाई दलाल
२ ,, श्यामलाल ह. भगवती
३ ,, नारायण मलकाणी

गणित विद्या समिति

सं. १९८१ नी नियामक सभानी पहेली बेठक ठराव १८ मिति कारतक वद ५/८१

१ श्री निकमलाल मनसुखलाल शाह
२ ,, नदलाल मणीलाल शाह

ललित कला समिति

स. १९८१ नी नियामक सभानी पहेली बेठक ठराव १९ मिति कारतक वद ५/८१

१ श्री शकरराव पाठक
२ ,, रामचद्र बळवत आठवले
३ ,, नारायण मोरेश्वर खरे
४ ,, बी. जी कोठारे
५ ,, द. बा. महुलीकर
६ ,, हरिप्रसाद व्रजराय देसाई
७ ,, रविशकर रावळ
८ ,, नारायण मलकाणी
९ ,, दत्तात्रेय बाळकृष्ण कालेलकर

(पुस्तक समिति वधारे सभ्यो मेळववानी सत्ता सहित

स. १९८१ नी नियामक सभानी पहेली ठराव ११ मिति कारतक वद ५/८१

१ श्री जीवणलाल हरिप्रसाद दीवान
२ ,, छोटालाल बालकृष्ण पुराणी
३ ,, रामनारायण विश्वनाथ पाठक
४ ,, रसिकलाल छोटालाल परीख
५ ,, बापुराव ग. ठाकोर

६ ,, भीखाभाइ कुबेरभाइ पटेल
७ ,, कालिदास वसनजी दवे (मंत्री)

पुरातत्त्व प्रबंध समितिः—
सं. १९८१ नी नियामक सभानी पहेली बेठक ठराव १२ मिति कारतक वद ५/८१
१ मुनि श्री जिनविजयजी—आचार्य
२ श्री रसिकलाल छोटालाल परीख (मंत्री)
३ श्री. धर्मानन्द कोसम्बी
४ ,, रामचंद्र बळवंत आठवले
५ ,, रामनारायण विश्वनाथ पाठक (मंत्री)
६ ,, पंडित सुखलालजी संघवी
७ ,, दत्तात्रेय बाळकृष्ण कालेलकर

संवत १९७८ना प्रथम समारंभमां पदवी लेनार स्नातकोनी नामावली

सं. १९७७ थी १९८० सुधीनी स्नातक परिक्षाओमां पसार थएला विद्यार्थीओ*

भाषा विशारद

प्रथम वर्ग
१ महेता कनैयालाल फकीरभाई

द्वितीय वर्ग
२ कोनकर नारायण केशवराय (गू. म.)
३ डाभी फुलसिंहजी भारतसिंहजी (गू. म.)
४ पंड्या करणलाल हिंमतलाल (गू. म.)
५ गांधी रणछोडदास काळीदास (मुं. यु.)
६ कामट पद्मनाभ सुवराव (मुं. यु.)

सामान्य वर्ग
७ दवे चुनीलाल रघुराम (मुं. यु.)
८ देसाइ काळीप्रसाद धनेश्वर (मु. यु.)
९ ढढार जोइताराम मीरातराम (गू. म.)
१० त्रिवेदी शंकरलाल भाईशंकर (गू. म.)

दर्शनशास्त्र विशारद

द्वितीय वर्ग
११ पटेल मणिभाई बाबरभाई (गू. म.)
१२ देसाइ रमणकान्त शंकरप्रसाद (मु. यु.)

सामान्य वर्ग
१३ पटेल चंदुभाई रावजीभाई (गू. म.)
१४ परांजपे भालचंद्र त्रंबक (रा. म.)
१५ देसाइ दलपतभाई डाह्याभाई (मुं. यु.)

अर्थशास्त्र विशारद

प्रथम वर्ग
१६ देसाइ खंडुभाई कसनजी (मुं. यु.)
१७ नीलकंठ हेमन्तकुमार गुणाभाई (गू. म.)
१८ पटवर्धन श्रीपति पुरुषोत्तम (मुं. यु.)
१९ गोरे पुरुषोत्तम वासुदेव (मुं. यु.)
२० तळपदे रामराव मोरेश्वर (मु. यु.)
२१ देसाई छोटुभाई रघनाथजी (गू. म.)
२२ महेता बळवंतराय गोपाळजी (मुं. यु.)

सामान्य वर्ग
२३ देसाई अंबेलाल भीखाभाई (गू. म.)
२४ देसाई रतिलाल बापुभाई (गू. म.)
२५ परीख माणेकलाल रणछोडदास (गू. म.)
२६ पटेल आदितभाइ खुशालभाइ (गू. म.)
२७ पाठक लाभशंकर केशवलाल (मुं. यु.)
२८ शाह हीमचंद कपुरचंद (मुं. यु.)
२९ वैद्य पद्मकान्त बाळाशंकर (मुं. यु.)
३० फोजदार रणछोडदास करसनदास (मु. यु.)
३१ चांपानेरीआ जीवणलाल कल्याणदास (गू.म.)
३२ देसाइ चतुरभाइ काशीभाई (गू. म.)
३३ पटेल लल्लुभाई गुलाबभाई (मुं. यु.)
३४ पटेल पोपटलाल गुलाबदास (मुं. यु.)
३५ शाह दलसुखभाइ महीजीभाई (मुं. यु.)

गणित विशारद

प्रथम वर्ग
३६ देसाई मगन प्रभुदास (गू. म.)
३७ शर्मा व्यासदेव लक्ष्मणदास (गू. म.)

द्वितीय वर्ग
३८ गुम्बर हकीमराय मयादास (गू. म.)

*गू. म. = गूजरात महाविद्यालय, रा. म. = राष्ट्रीय मुं. यु. = मुंबाई युनिवर्सिटी

सामान्य वर्ग

३९ दामु दामोदर राव (गु. म.)
४० भट्ट केशव गणेश (मु. यु.)

विज्ञान विशारद

प्रथम वर्ग

४१ कान्टेंबेट शंकरराव (मु. यु.)

द्वितीय वर्ग

४२ वोरा हीरालाल मथुरदास (गु. म.)

सामान्य वर्ग

४३ महेता हरिवदनराय आणंदराय (गु. म.)
४४ परीख वाडीलाल कचराभाई (गु. म.)
४५ पटेल डाह्याभाई अरजुनभाई (मु. यु.)
४६ शाह जमनादास चुनीलाल (गु. म.)
४७ अमीन अंबालाल झवेरभाई (मु. यु.)
४८ कोठारी रमणलाल मणीलाल (गु. म.)
४९ पटेल रावजीभाई मथुरभाई (मु. यु.)
५० शुक्ल व्रजलाल मयाशंकर (मु. यु.)

संचार्थे पदवी प्रतिग्राहको

भाषा विशारद

१ शाह चीमनलाल जेठीभाई (मु. यु.)
२ मोदी अमृतलाल नाथाभाई (मु. यु.)
३ महेता अमृतलाल गोकळदास (मु. यु.)
४ वराभे पांडुरंग विट्ठल (मु. यु.)
५ व्यास अंबालाल पुरुषोत्तम (मु. यु.)
६ पटेल रामभाई चुनीभाई (मु. यु.)

अर्थशास्त्र विशारद

७ देसाई नानुभाई राङभाई (मु. यु.)
८ पटेल ईश्वरभाई मोतीभाई (मु. यु.)
९ महेता प्रभुभाई विट्ठलभाई (मु. यु.)
१० त्रिवेदी अंबालाल प्राणलाल (मु. यु.)
११ अमीन चीमनलाल त्रिभोवनदास (मु. यु.)
१२ देसाई बापुभाई रणछोडजी (मु. यु.)
१३ सरैया जगमोहन घेलाभाई (मु. यु.)
१४ दवे दोलतराम सुंदरजी (मु. यु.)

गणित विशारद

१५ महेता प्राणशंकर मणिशंकर (मु. यु.)*

विज्ञान विशारद

१६ शाह नरसिंह मुळजीभाई (मु. यु.)

सं. १९८० ना द्वितीय समारंभमां पदवी लेनार स्नातकोनी नामावली.

भाषा विशारद

सामान्य वर्ग

१ नायक डाह्याभाई जीवणजी (गु. म.)
२ देसाई छगनलाल हरगोविंद (गु. म.)
३ पटेल छोटाभाई उमेदभाई (गु. म.)
४ बारोट चुनीलाल पुरुषोत्तम (गु. म.)
५ भट्ट चीमनलाल पुरुषोत्तम (गु. म.)
६ महेता जशभाई हीराभाई (गु. म.)
७ देसाई केशवलाल मथुरदास (गु. म.)

समाज विद्याविशारद

राजकारण

द्वितीय वर्ग

८ पिंगळे त्र्यंबक गणेश (रा. म.)

सामान्य वर्ग

९ पटेल मणिलाल हरजीवनदास (गु. म.)
१० त्रिवेदी नटवर गिरिजाशंकर (रा. म.)
११ चंगेरा नरेशवल्लभ सदाशिव (रा. म.)

संपत्तिशास्त्र

द्वितीय वर्ग

१२ कोठारी विट्ठलदास मगनलाल (गु. म.)
१३ आचार्य ईश्वरलाल हिंमतराम (रा. म.)
१४ थत्ते श्रीधर हरि (रा. म.)

सामान्य वर्ग

१५ पटेल चुनीलाल धनजीभाई (गु. म.)

* मुंबाई युनिवर्सिटीना अभ्यासक्रम प्रमाणे.

१६ परीख मणिलाल हरिलाल (गू. म.)
१७ मजमुदार परिक्षित लल्लुभाई (गू. म.)
१८ धैर्यवान जयवंत कृष्णराव (रा. म.)
१९ महेता धीरजलाल रेवाशंकर (रा. म.)
२० चोकसी गोर्धनदास मणिलाल (रा. म.)

वाणिज्य विशारद

द्वितीय वर्ग

२१ त्रिवेदी नर्मदाशंकर जेठालाल (गू. म.)
२२ मोहिले प्रभाकर नारायण (गू. म.)
२३ शाह उत्तमचंद दीपचंद (गू. म.)

सामान्य वर्ग

२४ परीख हीमतलाल वाडीलाल (गू. म.)

गणित विशारद

सामान्य वर्ग

२५ पटेल छोटालाल शंकरलाल (गू. म.)

मद्रास इलाकाना स्नातको

[संवत १९७७ मां पसार थयेला]

तत्वज्ञान विशारद

खास वर्ग

२६ डी. सुब्बायर

समाजविद्या विशारद

प्रथम वर्ग

२७ रामराव उकील

सामान्य वर्ग

२८ हेरीअदका रामरायमल्या
२९ कंद्रेगुल रामचंद्रराव
३० कळा व्यंकट राव
३१ देसराज रामचंद्रराव
३२ देसराज सत्य सुब्रह्मण्यम्
३३ मुडिगन्टी जगन्न

गणित विशारद

३४ कोन्डा संजीव राव

सेवार्थे पदवीप्रतिग्राहको

आर्यविद्या विशारद

(मुं = मुंबाई म = मद्रास यु = युनिवर्सिटी)

१ हीराचंद करमचंद मग्गीजाणी (मु. यु.)
२ दीनवल्लु सत्यनारायणम् (म. यु.)
३ एन. एम. हिंमतसिंघाणी (मुं. यु.)

समाजविद्या विशारद

४ हनमंत राघवेन्द्रराय मोहरे (मुं. यु.)
५ शंकर वामन देशपांडे (मुं. यु.)
६ पाठक के. एन. (मुं. यु.)
७ मानसिंग चूहरमल बालचंदाणी (मुं. यु.)
८ परसराम नारायणदास बालाणी (मुं. यु.)

गणित विशारद

९ सबनिवीसु वेकट सुब्रह्मण्य कृष्णराव (म. यु.)

विज्ञान विशारद

१० राम भोजराज मोटवाणी (मुं. यु.)
११ सी. टी. वलेछा (मुं. यु.)
१२ कृष्ण हरि मनोहर (मुं. यु.)
१३ शामराव अनाजी कामट (मुं. यु.)
१४ पशुभाई ओघडभाई भाथी (मुं. यु.)
१५ हरिहरदिक्षीत रामनाथ अय्यर् (म. यु.)

संवत १९८१ ना तृतीय सभारंभमां पदवी लेनार स्नातकोनी नामावली

भाषा विशारद

द्वितीय वर्ग

संस्कृत-बंगाळी

१ तट्ट गजानन महादेवराव (गू. म.)
२ महेता विठ्ठलदास मथुरदास (गू. म.)

संस्कृत-मराठी

३ सोमण रामचद्र जगन्नाथ (गू. म.)

इंग्रेजी-मराठी

४ गोखले आत्माराम नारायण (रा. म.)
५ वाड सदाशिव विठ्ठल (रा. म.)

सामान्य वर्ग

गूजराती-इंग्रेजी

६ ठाकर मणिलाल शंकरलाल (गू. म.)
७ देसाई हरिभाई बाबाभाई (गू. म.)

संस्कृत-इंग्रेजी

८ शाह शंकरलाल रतिलाल (गू. म.)

भाषा-जुनो अभ्यासक्रम

९ देसाई मणिभाई प्राणभाई (गू. म.)

समाजविद्या विशारद

द्वितीय वर्ग

संपत्तिशास्त्र

१० मारु अजितराय हरिलाल (रा. म.)

सामान्य वर्ग

संपत्तिशास्त्र

११ देसाई खडुभाई रणछोडजी (गू. म.)
१२ शाम्भाग नागप्पा मुकुद (रा. म.)
१३ श्रोफ कंचनलाल हरगोवनदास (रा. म.)

राजकारण

१४ पटेल रामभाई शिवाभाई (गू. म.)

वाणिज्य विशारद

द्वितीय वर्ग

नामुं-नीमतानो

१५ पटेल चतुरभाई वल्लभभाई (गू. म.)
१६ त्रिवेदी चीमनलाल हीरालाल (गू. म.)
१८ शाह छोटालाल हरिवल्लभदास (गू. म.)

शराफी

१९ महेता रमणलाल मगनलाल (गू. म.)

सामान्य वर्ग

नामुं-नीमतानो

२० अमीन नटवरलाल उमेदभाई (गू. म.)
२१ देवडा मुळजीभाई नारणभाई (गू. म.)
२२ देसाई छोटुभाई भीखाभाई (गू. म.)
२३ देसाई जीवणजी डाह्याभाई (गू. म.)
२४ पटेल नारणदास वल्लभदास (गू. म.)
२५ पटेल भाईलालभाई नारणभाई (गू. म.)
२६ पटेल मगनभाइ वल्लभभाई (गू. म.)
२७ पंड्या कमळाशंकर लल्लुभाई (गू. म.)
२८ परीख मदनलाल छोटालाल (गू. म.)
२९ शाह कनैयालाल माणेकलाल (गू. म.)
३० शाह वाडीलाल मोतीलाल (गू. म.)
३१ देसाई छोटुभाई खंडुभाई (गू. म.)

शराफी

३२ जोषी चीमनलाल बाळुभाई (गू. म.)
३३ देसाइ बापजीभाइ मगनभाई (गू. म.)
३४ पटेल रमणलाल जेठालाल (गू. म.)
३५ शाह जीवराज हरिचंद (गू. म.)

गणित विशारद

प्रथम वर्ग

३६ कुलकर्णी गोपाळ रामचद्र (गू. म.)
३७ शेठ गिरधरलाल चतुरदास (गू. म.)

---

* गूजरात महाविद्यालय अमदावाद ×राष्ट्रीय महाविद्यालय पुनाई

सामान्य वर्ग

३८ गोडशे गणेश वासुदेव (गू. म)

विज्ञान विशारद

प्रथम वर्ग

औद्योगिक रसायन

३९ मुळे सदेराव निवृत्त (रा. म.)
४० रॉले हरवन्स लाल (रा म)

द्वितीय वर्ग

४१ करदीकर आत्माराम सदाशिव (रा. म)
४२ काण्पीकर गणेश मगेश (रा. म)
४३ गगाळ अच्युत गजानन (रा. म.)
४४ घाणेकर दत्तात्रेय गणेश (रा. म)
४५ देशमुख श्रीपाद नारेश्वर (रा म)
४६ परीख मगनलाल त्रिकमलाल (रा म)
४७ चिपळूणकर शकर भीमाजी (रा म)
४८ भट्ट नानुभाई हरिप्रसाद (रा. म)
४९ अमीन एम रैयदउर (रा. म.)

सामान्य वर्ग

५० कोण्पीकर वसट नवानाथराव (रा म)
५१ गडभार मगेश गणानाराव (रा. म,)
५२ नाडकर्णी शकर मारुतिराव (रा म)

५ मान्य मंदिरो

महाविद्यालयो (३)

क्रमाक मुस्थानु नाम अने स्थळ

१ गूजरात महाविद्यालय, अमदावाद
२ राष्ट्रीय महाविद्यालय, मुंबाई
३ कोलेज आफ फाइन आर्टस, मुंबाई

पूर्ण विनय मंदिरो (१०)

अमदावाद जील्लो

४ प्रोप्रायटरी हाइस्कूल, अमदावाद

खेडा जील्लो

५ लो तिलक विनय मंदिर, नडियाद
६ दादाभाइ नवरोजी विनय मंदिर, आणद
७ एडवर्ड स्मारक विनय मंदिर, बोरसद

सुरत जील्लो

८ राष्ट्रीय विनय मंदिर सुरत
९ ,, ,, ,, अमलसाड

भरुच जील्लो

१० न्यु इंग्लिश स्कूल, भरुच
११ दक्षिणामूर्ति विनय मंदिर, भावनगर
१२ राष्ट्रीय शाळा, राजकोट
१३ ,, वढवाण शहेर

मुंबाई

१४ राष्ट्रीय शाळा मुंबाई

अपूर्ण विनय मंदिरो (१०)

खेडा जील्लो

१५ राष्ट्रीय विनय मंदिर करमसद
१६ ,, ओड
१७ ,, अडास
१८ ,, सुणाव
१९ ,, आकलाव

पंचमहाल जील्लो

२० राष्ट्रीय विनय मंदिर, कालोल

भरुच जील्लो

२१ संयुक्त राष्ट्रीय शिक्षण मंदिर, सिनोरा
२२ एडवर्ड विनय मंदिर, आमोद
२३ राष्ट्रीय विनय मंदिर, अकलेश्वर

गायकवाडी राज्य

२४ राष्ट्रीय विनय मंदिर पाकरोल

कुमार मंदिरो (३९)

अमदावाद जील्लो

२५ नवी गूजराती शाळा अमदावाद
२६ रात्री शाळा कोचरब

२७ राष्ट्रीय कुमार मदिर — नवु वाडज
२८ श्री मोहन विद्या मदिर — मांडळ

खेडा जील्लो

२९ नवी गूजराती शाळा — बोरसद
३० „ — आणद
३१ अत्यज शाळा — नडियाद
३२ राष्ट्रीय कुमार मदिर — वासद
३३ „ — ओड
३४ „ — रास
३५ मद्रेसा ए हिदायतुल इस्लाम — चिखोद्रा

पचमहाल जील्लो

३६ अत्यज शाळा — गोधरा

भरुच जील्लो

३७ राष्ट्रीय शाळा — वागरा

सुरत जील्लो

३८ राष्ट्रीय कुमार मदिर वालोड (ता. बारडोली)
३९ „ साकळी „
४० „ वराड „
४१ „ हरिपुरा „
४२ „ सींगोद „
४३ „ आफवा „
४४ राष्ट्रीय कुमार मदिर शिकेर (ता बारडोली)
४५ „ स्यादला „
४६ „ समथाण „
४७ „ अमेटी „
४८ „ पेरा „
४९ „ अकोटी „
५० „ रायेम „
५१ „ सेगवा (स्यादला)(ता ओरपाड)
५२ „ रादेर (ता चोर्यासी)
५३ „ रीसोदरा (ता जलालपुर)
५४ „ मटवाड „
५५ „ पारडा (सरपोर) „
५६ राष्ट्रीय कुमार मदिर कराडी (ता जलालपुर)
५७ „ नरथाण (ता ओरपाड)
५८ „ एरथाण „

दिल्ही

५९ राष्ट्रीय शाळा — दिल्ही

देशी राज्यो

६० अत्यज शाळा — बीदडा
६१ राष्ट्रीय शाळा — मागरोळ

थाणा जील्लो

६२ राष्ट्रीय कुमारी मदिर — मलाड
६३ लक्ष्मी राष्ट्रीय शाळा — बोरीवली

६. पुस्तक समितिए मंजुर करेलां पुस्तको

(क) पुस्तकालय माटे मंजुर

पुस्तकनु नाम	प्रकाशक के लेखकनु नाम
१ कविवाणी भा १, २, ३,	विलेपार्ले साहित्य सभा
२ नीति वाचनमाळा भाग १, २, ३, ४	
३ शीखोनु बलिदान	
४ Poems from Tagore	
५ बाळक	
६ श्रीमद् भागवत सक्षिप्त	
७ A Selection from English Letters	के. एम. नं. टुगर, इं
८ School Selections from Modern Prose	„

पुस्तकनुं नाम	प्रकाशक के लेखकनुं नाम,
९ Lotus Book of English Verse	के. एन्ड जे. कूपर, मुंबाई
१० हिंदुस्तानी हितोपदेशमांनी वातो	मेकमीलन एन्ड कुं. मुंबाई
११ अनवारे सुहेलीमांनी वातो	,,
१२ मुकुल	युगधर्म कार्यालय, अमदावाद
१३ बाळ भजन संग्रह भा. १, २	गोविंदराम बालाशंकर ठाकर
१४ डुबतुं वहाण (टागोर)	कृष्णप्रसाद मणिशंकर शास्त्री
१५ सहकार प्रवृत्ति	गूजरात वर्नाक्युलर सोसायटी
१६ भीष्म चरित्र भाग १	वैद्यशास्त्री दामोदर कामजी
१७ एशियानु कलंक	सौराष्ट्र मुद्रणालय
१८ Quentin Durward	ओक्सफर्ड युनिवर्सिटी प्रेस मुंबाई
१९ Kenilworth	,,
२० Story of Aeneas	,,
२१ The Prisoner of Zenda	,,
२२ A Legend of Montrose	,,
२३ West-Ward Ho!	,,
२४ स्वास्थ्य कुंजी	बाबुराव गर्ग मुझफरनगर
२५ King Arthur	ओक्सफर्ड युनिवर्सिटी प्रेस
२६ हिंदनुं संक्षिप्त राज्यबंधारण	भारत मंडळ वडोदरा
२७ Nagnatham at School	के. एन्ड जे. कूपर, मुंबाई
२८ पारसमणि याने हृदय तेज	साकरचंद माणेकचंद धडीयाळी
२९ विजय कळा	,,
३० Inductive Logic.	मॅकमीलन एन्ड कुं. मुंबाई
३१ The Man born to be King	लॉंगमन्स ग्रीन एन्ड कु. मुंबाई
३२ Heroes of Industry	,,
३३ The White Company	,,
३४ Stories from the Earthly Paradise	,,
३५ Stories from the Deccan History (उर्दू)	,,
३६ भारतीय इतिहास के नायक	,,
३७ भारत के उपाख्यान	,,
३८ रामकथा	,,
३९ पंचतन्त्र की कहानियां	,,
४० सूरजबाई	,,
४१ श्री कृष्णचंद्र की बाललीला	,,
४२ सीताराम	,,
४३ The Laureate Poetry Books Pts. I to XII	,,

पुस्तकनुं नाम	प्रकाशक के लेखकनु नाम
४४ Hindu India from Original Sources 2 Pts.	के. एन्ड जे. कूपर
४५ The Bride of Lammermoor	”
४६ Letters to Boys	”
४७ Cobbett's Advice to Young Men	”
४८ प्राचीन काव्यसुधा भाग. १, २	”
४९ वाचन	जीवणलाल क. ठाकर अमदावाद
५० पडियारनी जीवनकथा	”
५१ भरत भक्ति	चीमनलाल जी. परीख कजरी
५२ श्री रुक्मिणीहरणम्	नागरदास अ. पड्या वढवाण
५३ जय भारती	वर्धमान एन्ड सन्स मुंबाई
५४ Personality	मॅकमीलन एन्ड कुं. मुंबाई
५५ Sacrifice	”
५६ Mashi	”
५७ The Fugitive	”
५८ The King of the Dark Chamber	”
५९ The Home and the World	”
६० वीरसिंहनी वीरता	नाथाभाइ म. पटेल
६१ शरतबाबुनी त्रण वार्ताओ	नवजीवन कार्यालय
६२ मोटी बहेन	”
६३ वाता कहेनारने	दक्षिणामूर्ति विद्यालय भावनगर
६४ बालवार्ता भा. ३	”
६५ दमयन्ती-चरित्र (सचित्र)	महाशंकर पाठक
६६ केटलांएक स्तोत्रो	दक्षिणामूर्ति विद्यार्थीभवन
६७ अचलायतन	नवजीवन कार्यालय
६८ आश्रम भजनावली	”
६९ अमदावाद शहेरनी भूगोळ	नारणदास मोतीलाल अमदावाद
७० ओखा हरण	”
७१ श्रीमद् भागवत प्रवेशिका	मूळशंकर केशवराम शास्त्री
७२ कुमार (मासिक)	रविशंकर रावळ
७३ कलकत्तानो कारागृह	गांडीव साहित्य मंदिर सुरत
७४ बोम्बयुगनुं बगाळा	”
७५ हाय ! आसाम ! ! !	”
७६ नीति धर्म अने सर्वोदय	”
७७ महात्मा गांधीने पुष्पांजलि	वर्धमान एन्ड सन्स मुंबाई
७८ बाळ विहार	गांडीव साहित्य

पुस्तकनुं नाम	प्रकाशक के लेखकनुं नाम
७९ रथयात्रा	युगधर्म कार्यालय
८० मोहनमाळा	छोटालाल नारणदास पटेल
८१ संस्कृत भाषा प्रदीप	ठाकोरदास जमनादास पंजी
८२ गांधी–शिक्षण भा. १ थी १३	नगीनदास अमुलखराय मुवाई–घाटकोपर
८३ वर्नाक्युलर स्कूल ज्योग्राफी हिंदी धो. ५ माटे	लोंगमेन्स ग्रीन एन्ड कुं.
८४ ,, ,, वि. २ जो	,,
८५ ,, ,, धो. ६ माटे	,,
८६ ,, ,, वि. ३ जो	,,
८७ ,, ,, धो. ७ माटे	,,
८८ ,, ,, वि. ४ थो	,,
८९ ,, ,, धो. ८ माटे	,,
९० वर्नाक्युलर स्कुल ज्योग्राफी (उर्दु) धो. ५ माटे	लोंगमेन्स ग्रीन एन्ड कुं.
९१ ,, ,, वि. २ जो	,,
९२ ,, ,, धो. ६ माटे	,,
९३ ,, ,, वि. ३ जो	,,
९४ ,, ,, धो. ७ माठे	,,
९५ ,, ,, वि. ४ थो	,,
९६ ,, ,, धो. ८ माटे	,,

(ख) पाठ्य पुस्तक तरीके मंजुर

९७ सरळ बाळपोथी	नवी गूजराती शाळा, अमदावाद
९८ हिंदी सुबोधिनी माळा भा. १ थी ४	भीमाशंकर शर्मा
९९ गीर्वाण भाषा प्रवेश	पांडुरंग विठ्ठल वळामे
१०० बीज गणित	मंगळदास हरकीशनदास सुरत
१०१ उतरता वर्गो माटे भूगोळ	मॅकमीलन एन्ड कुं.
१०२ Types of English Poetry Pts. I. & II	,,
१०३ Matriculation and Intermediate Unseens	,,
१०४ राम अने कृष्ण	नवजीवन प्रकाशन मंदिर
१०५ बुद्ध अने महावीर	,,
१०६ सीता हरण	,,
१०७ कुरबानीनी कथाओ	सौराष्ट्र मुद्रणालय राणपुर
१०८ Simple Poems Book III	के. एन्ड जे. कूपर
१०९ Prose Selections from Scott	,,
११० पद्य-पाठ संग्रह भाग १	केशवलाल ध्रुव अने देरासरी
१११ History of Gujarati Language &c. Vol. I	मेकमीलन एन्ड कुं.

पुस्तकनु नाम	प्रकाशक के लेखकनु नाम
११२ गुजराती भाषानु लघु व्याकरण भाग १, २	रा ब कमळाशंकर त्रिवेदी
११३ ,, मध्य	,,
११४ Types of English Poetry Parts I & II	इन्डीयन प्रस, अलाहाबाद
११५ राष्ट्रीय अनुलेखनमाळा मणका १ थी ६	बी ए जोशीनी कु, ओड
११६ Tale of the Two Cities	ओक्सफर्ड युनीवरसीटी प्रेस-मुबाई
११७ Don Quixote-Abridged	,,
११८ The Last Days of Pompeii	,,
११९ Stories from Scott	,,
१२० Scott's Ivanhoe	,,
१२१ Fort Amity	,,
१२२ Gulliver's Travels	,,
१२३ The Cloister and the Hearth	,,
१२४ आरोग्य विज्ञान	मेकमीलन एन्ड कु
१२५ Guinevere	,,
१२६ Hereward the wake	ओक्सफर्ड युनीवर्सिटि प्रस
१२७ A First Book of English Verse	के एन्ड जे कुपर मुबाई
१२८ Poets for Schools	,,
१२९ The Golden Book of English Verse	,,
१३० School Favourites IV & V	,,
१३१ Robinson Crusoe	,,
१३२ The Vicar of Wakefield	,,
१३३ आपणा देशनो इतिहास भा २	नृसिंहप्रसाद
१३४ बालवार्ता भा. ३	दक्षिणामूर्ति विनयमन्दिर
१३५ हिंदनु सक्षिप्त राज्य बधारण	भारतमडळ वडोदरा
१३६ रचनात्मक भूमिति	गणेश रामराव भोकरी
१३७ न्यु इग्लीश प्रायमर ४ भाग	बगाल लायब्रेरी ढाका
१३८ Stories of Love & Life	
१३९ Stories of the Teacher and the Taught	
१४० विद्यार्थी गणित भाग १ लो	चरोतर केळवणी मडळ
१४१ Micah Clarke	लोंगमेन्स ग्रीन एन्ड कु
१४२ Tom Brown's School Days	,,
१४३ Tangle wood Tales	,,
१४४ Tales from Shakespeare	,,
१४४ Readings in Modern Prose	,,
१४५ Geography of the Indian Empire (उर्दु)	,,

पुस्तकनुं नाम	प्रकाशक के वेचनारनुं नाम
१४६ Gould's Youth's Noble Path Parts I & II	लॉंगमेन्स ग्रीन एन्ड कु.
१४७ भूमितिनां मूळतत्त्वो	चरोतर केळवणी मंडल
१४८ Story Poems	के. एन्ड जे. कूपर
१४९ Progressive English Composition	,,
१५० Swift's Gulliver's Travels	,,
१५१ A First Book of English Verses	,,
१५२ The Simple Parts of Speech	,,
१५३ वीरपसली	श्री जीवकोर वनिताविश्राम अमदावाद
१५५ कौटिल्य अर्थशास्त्र	मोतीलाल बनारसीदास, लाहोर
१५६ उर्दु की पहेली प्रायमर	बाबु गोपालचंद आग्रा
१५७ ,, दूसरी ,,	,,
१५८ गांधी गीरामृत	आपाभाई मोतीभाई पटेल
१५९ हिंदी सुभाषितो प्रथम वर्ष	दक्षिणामूर्ति विद्यार्थीभवन
१६० कैलास मानसरोवर दर्शन	,,
१६१ भूमितिनां मूळतत्त्वो भा. २	चरोतर केळवणी मंडळ आणंद
१६२ गद्य संग्रह	,,
१६३ गीर्वाण भाषा प्रवेश	दक्षिणामूर्ति विद्यार्थीभवन
१६४ प्रेमानंदनां काव्य	नारणदास मोतीलाल
१६५ नळाख्यान क. १थी ६४	,,
१६६ कुंवरबाइनु मामेरुं क. १थी १६	,,
१६७ भूमितिनां मूळतत्त्वो भा. ३-४	चरोतर केळवणी मंडळ
१६८ राष्ट्रीय गरबावली	गांडीव साहित्य मंदिर सुरत
१६९ टॉलस्टोयनी त्रण वार्ताओ	,,
१७० बालनवनीत	टिलक राष्ट्रीय विद्यालय खामगांव
१७१ नरसैं महेतानु आख्यान	गूजरात वर्नाक्युलर सोसायटी
१७२ अनंता	युगधर्म कार्यालय अमदावाद
१७३ संस्कृत साहित्यनो इतिहास	गुजरात साहित्य परिषद् भंडार-मुंबाई
१७४ Selections from the Valmikiya Ramayana	हिंदु युनिवरसिटी काशी
१७५ संस्कृत प्रातिपदिक रूपावलि	ठाकोरदास जमनादास पर्जी सुरत

(ग) शिक्षकोने उपयोगी

१७६ A Simple Algebra for Middle Schools	के. एन्ड जे. कूपर
१७७ A Modern Algebra Parts I to IV	,,
१७८ Map Studies for Schools in India	के. एन्ड जे. कूपर
१७९ Geography for Indian Schools	मेकमीलन एन्ड कु.

पुस्तकनुं नाम	प्रकाशक के लेखकनुं नाम
१८० ब्रिटीश साम्राज्यनो इतिहास	मॅकमिलननी कुं.
१८१ New Readings from Indian History	के. एन्ड जे. कूपर
१८२ A Short History of Hindu India	,,
१८३ Poetical Selections	,,
१८४ Picture Composition	,,
१८५ A Book of Verse	,,
१८६ Mughal Administration	एम. सी. सरकार एन्ड सन्स कलकत्ता
१८७ Hindu India from Original Sources Pts. I & II	के. एन्ड जे. कूपर
१८८ इंग्रेजी राज्य बंधारण	गूजरात वर्नाक्युलर सोसाईटी अमदावाद
१८९ गुजराती भाषानुं बृहद् व्याकरण	कमळाशंकर प्रा. त्रिवेदी
१९० The English People	मॅकमीलन एन्ड कु
१९१ डोशीनी वातो	सौराष्ट्र मुद्रणालय राणपुर
१९२ Easy stories from English History	के. एन्ड जे. कूपर
१९३ A Simple History of England	,,
१९४ A First History of England	,,
१९५ केळवणीना अखतरा १९२१-२२	दक्षिणामूर्ति भवन भावनगर
१९६ परिचय पद्धति	,,
१९७ A First History of India	के. एन्ड जे. कूपर
१९८ Easy Stories from Indian History	,,
१९९ संस्कृत रूपकोष भाग १ अने २	
२०० शिक्षक अने शिक्षण	दक्षिणामूर्ति विद्यार्थीभवन

गूजरात विद्यापीठनुं सं. १९८० ना आसो वद ०)) ना रोज पुरा थता वर्षनुं सरवैयुं.

ज

२,२६७–७–३ शिष्यवृत्ति, चंद्रक, इनाम वि० खाते देवा.

- ६००–०–० श्री. महात्मा छात्रवृत्ति
- ५०–०–० ,, रामचंद्र डी. नायक छात्रवृत्ति
- २८८–०–३ ,, तारागौरी चंद्रक
- १३२९–७–० ,, विद्यार्थी परिषद इनाम

२२६७–७–३

२४,३८७ ३–० खर्च, संस्था अने आसामीओना देवा.

- ७६–१३—३ केळवणी अंक
- २१६००—०—० शाळामदद, यादी नं. १ मुजब
- ६००—०—० निरीक्षण मदद बारडोली
- ९—०—० परीक्षा अनामत
- १०११–११—६ राष्ट्रीयशाळा, मांगरोळ
- २४—३—९ श्री. भीखाभाइ कु. पटेल
- ५—०—० श्री कुमार कार्यालय
- ४१४–११—९ ,, नवजीवन पुस्तक प्रकाशन
- ७३—९—० ,, ,, पुस्तक वेचाण
- १२७—१—९ ,, काळीदास न. दवे

उ

२,८२,५८८–४–५ जमीन खरीदी तथा मकान बांधकाम खाते लेणा.

- ८५२६५—९–० जमीन खरीदी
- १९७३२२–११–५ मकान बांधकाम खर्च

२,८२,५८८–४–५

१,०५,०५७–१०–७ संस्थाओ पासे लेणा:

- ५५३१५—८–८ गूजरात महाविद्यालय–यादी नं. २
- ४४२९९–१५–६ गूजरात पुरातत्त्व मंदिर–यादी नं. ३
- १९८४–१३–० नवी गूजराती शाळा–यादी नं. ४
- १४२९–१५–६ गूजरात विद्यापीठ कार्यालय–यादी नं.५
- १२५५—९–८ अध्यापन मंदिर–यादी नं. ६
- ६१४—८–३ राष्ट्रीयशाळा नवुं वाडज–यादी नं ७
- ५७—४–० कोचरब रात्रिशाळा–यादी नं. ८

१,०५,०५७–१०–७

४७,४२५–१३–३ खर्च, धर्मादा, अंदाजपत्र तथा पुस्तक प्रकाशन खाते लेणा

- ५०—०–० परचुरण रोजमेळ

१२५-०-० श्री. रसिकलाल छो. परीख
३२०-०-० ,, जमनादास मजलाल

३४,३८७-३-०

५,२९,२५० ६ ११३ श्री विद्यापीठ स्वराजफाळानी आवक.

५०९२६५-३-३ वसुल आवी आसो व. ०))/७९
९१४२४-९-० ,, आसो व. ०))/८०

६,००,६८९-१२-३ कुले वसुल मळी.

७१,४३९-५-३३ आवक खर्च खाताना वधाराना खर्चनी बाकीना माडवाळना बाद यादी न १ प्रमाणे

५,२९,२५०-६-११३

५,६५, १०५-१-२३

उपरनु सरवैयु अमोए गूजरात विद्यापीठना स. १९८० नी सालना हिसाबना चोपडाओ साथे मेळव्यु छे, अने अमो खाता आपीए छीए के ते अमारा सारामा सारा अभिप्राय तथा मत प्रमाणे बराबर छे.

गूजरात महाविद्यालय खाते लेणा रु ५०,४१०-८-८ अने गूजरात पुरातत्त्व मदिर खाते लेणा रु ४४,२९९-१९-६ छे, ते मध्ये ते दरेकनी पासे एक एक पुस्तकालय छे, जेमा अनुक्रमे रु २८,०७८-५-११ अने रु ३०,८५२-४-६ नी किमतना पुस्तको छे

५०-०-० धर्मऋण
३६५५०-०-० अदाजपत्र
१०७७५-१३-३ पुस्तकप्रकाशनना स्टॉकनी किंमत

४७,४२५-१३-३

१,२८,९९९-१३-१३ खास लेणा
१०६६०१-७-१० गूजरात प्रातिक समिति
२२३९८-५-३३ शेठ नेमचद कचराभाई

१२८९९९-१३-१३

७९९-१४-३ परचुरण लेणा·
७४५-१४-९ श्री. बालगोविंद कुबेरदास
५३-१५-६ राष्ट्रीय महाविद्यालय, मुबाई

७९९-१४-३

१०००-०-० रोकाण:
आर्योदय स्पीनींग एन्ड वीवींग कु ली० ना शेर न ४ नी किंमत. आ शेरो गू० विद्यापीठना खजानची शेठ नेमचद कचराभाईना नाम उपरना तेमने दयां छे

३३-९-७ हाथपर रहेल शीलक.

५,६५,१०५-१-२३

ता १७-१२-२४

नगीनदास एन्ड माणेकलाल
अन्वेषको (ऑडीटर्स)

चीमनलाल द. शाह.
हिसाबनीस.

किशोरलाल घ. मशरुवाळा
महामात्र.

यादी नं १

गूजरात विद्यापीठनो सं. १९८० ना आसो वद ०)) ना रोज पुरा थता वर्षनो आवक जावकनो हिसाब.

आवक

२,९११—७—०२ श्री सरवाइ बाकी देरा. आसो व. ०))/७९

१५२—१२—० रेंटियानी लोननी आवक:
वा. अधुमर राष्ट्रीयशाळाने रेंटियानी लोन आपेली, ते शाळा बंध थवाथी स. १९७८ मां मांडी वाळेला ते रेंटियाना वेचाणनी उपजना

२,२४८—७—० नवी गूजराती शाळानी आवक.
२१५०—३—० वा. विद्यार्थीओना मासिक लवाजमना
९८—४—० वा. परचुरण खातांनी मांडवाळना

२२४८—७—०

१,०१५—१०—३ श्री गूजरात विद्यापीठ पुस्तक प्रकाशन आवक:
२०३०३—१२—३ वेचाण; स्टोक आसो व. ०))/८०
९५२७—१५—०; १०,७७५—१३—३

११२८८—२—० स्टोक का. सु. १/८०; वार्षिक प्रसिद्धि खर्च
८,२३२—१३—३; ११,०५५—४—९

१,०१५—१०—३ नफाना

१२,३८९—७—१ श्री गूजरात महाविद्यालयनी आवक:
१५,१६९—७—१ विद्यार्थीओना सकलराजमना

खर्च

३३०—१०—९ श्री अध्यापन मंदिर खाते खर्च.
वा. विद्यार्थीओने शरुआतमां आपेल लोन, ते पछी शिष्यवृत्तिनी पद्धति दाखल थवाथी पाछी वसुल आववा संभव न होवाथी मांडवाळना

२८७—८—० श्री वणाटलोन खाते खर्च.
वा. राष्ट्रीयशाळा, रांदेर अने चीखलीने वणाट माटे आपेल लोन, ते शाळाओ पासेथी पाछी वसुल आववा संभव न होवाथी मांडवाळना

९४—१२—९ श्री राष्ट्रीय शिक्षण परिषद खर्च.
वा. गू० वि० मारफत बोलावेल उपरोक्त परिषदनी बेठक अंगे थएल खर्चना

१,२२७—२—९ "साबरमती" द्वैमासिक खर्च:
१२३४—९—९ वर्ष दरमीआन ६ अंकनुं खर्च
१०७—०—० लवाजम वि०

१,१२७—२—९

३३,५५०—०—० शाळा मदद खाते खर्च:
वा. सं १९७९—८० नी मंजुरी मुजब चूकवायेल रकम यादी नं. ९ मुजब

४३,४७२—१०—८ गूजरात महाविद्यालयनो खर्च:
३२०५४—६—० पगार
६५३८—१२—९ मकान भाडुं तथा वेरो

१,९७०—०—० बा. छात्रालय सत्र लवाजमना
२५०—०—० बा. चित्रकळाना वर्ग ,,

१७,३८९—७—१

१०४—२—६ श्री गूजरात पुरातत्त्व मंदिरनी आवकः
११६६४—७—३ वेचाण; स्टोक आ. व. ०)))/८०
८———— २०७९—१३—९; ११,५८४—९—६
११६४५—९—९ स्टोक का मु १/८०; वार्षिक प्रसिद्धि खर्च
९,७२७—३—९ ३९१८—६—०

१८—१३—६ चोख्खो नफो.
४२—१४—३ त्रैमासिक खाते थयेल नफो
४२—६—९ परदेशनी हुंडीना वटावना

१०४—२—६

५,९११—७—३ श्री गूजरात विद्यापीठ हस्तकनी आवक.
४,६१८—१२—३ परीक्षा खातानी आवक
१००—१४—९ पदवीदान खातानी आवक
३५—०—० स्नातक मतदार मंडळनी आवक
२—११—३ सत्याग्रहाश्रमना खातानी मांडवाळना
५०—०—० व्याजखातानी आवक
६—०—० उपलक खातानी मांडवाळना
१,०९८—१—० भेट खातानी आवक

५,९११—७—३

२७१२—१५—९ छात्रालय भाडु तथा वेरो
४२—४—० ,, सरसामान घसाराना
१७०—६—० सरसामान घसाराना
१०८—१२—० वार्जीत्रशाळाना सामानना घसाराना
४३—१०—४ चित्रशाळा ,,
१३९—४—७ रेडिया ,,
१०८—०—० टाइप राइटर ,,
३—६—० गणित साहित्य ,,
२७३—१०—९ पुस्तकालय, पॅकींग, पोस्टेज
२८३—०—० पुस्तक वधामणी
८३—७—९ रेडिया-चाउ खर्च
१९१—९—६ तार, टपाल, स्टेशनरी
३२—४—० टाइपराइटर खर्च
३९७—१—६ गाडीभाडु
२२७—१२—३ परचुरण खर्च
६१—१५—६ छात्रालय परचुरण खर्च

४३,४७२—१०—८

११,०७८—८—६ श्री गूजरात पुरातत्त्व मंदिरनो खर्च
९१०२—१—९ पगार
१२७०—०—० मकानभाडु
३४५—३—० पुस्तक वधामणी

७१,८३९–५–३२ गूजरात विद्यापीठ स्वराजफाळानी आवक:
वा. खर्चना रु. १,०६,८७२–१०–५ मांथी आवक्ना
रु. ३५,४३३=१–१२ जतां छुटता खर्चनी रकमनी
गांडवाळना

१,०६,८७२–१०–५

१९७–७–० स्टेशनरी, तार, टपाल, परचुरण खर्च
८३–४–९ पुस्तकालय, पेकींग, पोस्टेज
७७–८–० सरसामान घसाराना

११,०७८–८–६

७,३९७–२–० श्री गूजरात विद्यापीठ कार्यालयनो खर्च
३६६८—३–३ पगार
१४५४—७–३ निरीक्षण खर्च
७५५—०–० मकानभाडुं
४७९—९–० छपामणी
३६१–१०–६ तार, टपाल, गाडीभाडु
३४८–१२–६ सभासद लवाजम
१९६—१–६ स्टेशनरी
१४१—९–० परचुरण खर्च
२१–१३–० सरसामान घसाराना

७,३९७–२–०

७,३२०–१०–५ श्री नवी गूजराती शाळानो खर्च.
५७३८–११–५ पगार
११९८—४–० मकानभाडु
१३०–१४–० परचुरण खर्च
१२०—०–० कटींजन्ट
६१—८–० छपामणी-ईनाम
७१—५–० मुसाफरी-पर्यटन

७,३२०–१०–५

१,५०१–१४–९ श्री राष्ट्रीयशाळा, नवु वाडजनो खर्च.

१२३६—३–९ पगार
८८—८–० मकान भाडुं
१३–१४–३ रेंटिया खाते खर्च
१३–१५–० कंटीजंट
१४९—५–९ रेंटियाखर्च, आगळनो नहीं मांडी वाळेल

१,५०१–१४–९

६११–५–१० श्री कोचरब रात्रीशाळानो खर्च.

५११–१५–१० पगार
३६—०—० मकान भाडुं
३५—१—० ग्यासतेल
१७—१५–० ईनाम
९—६—० कंटीजन्ट
१—०—० परचुरण खर्च

६११—५–१०

१,०६,८७२–१०–५

तपास्युं अने बराबर छे.

ता. १७–१२–२८ नगीनदास पन्ड माणेकलाल
अन्वेषको (ऑडीटर्स)

चीमनलाल द. शाह
हिसाबनीस.

किशोरलाल घ. मशरूवाळा
महामात्र.

पादी नं. २ थी ८ विस्तारभयथी छापी नथी.

यादी नं. ९
शाळा मददनी यादी

शाळानुं नाम	मंजुर-१९७९-८०	चूकवेल-१९८०	शेरो.
राष्ट्रीय शाळा, अमलसाड	१०००-०-०	१०००-०-०	
राष्ट्रीय विनयमंदिर, करमसद	२४००-०-०	२४००-०-०	
न्यू इंग्लीश स्कूल, भरुच	५०००-०-०	५०००-०-०	
राष्ट्रीय शाळा, वलसाड	१०००-०-०	१०००-०-०	
राष्ट्रीय विनयमंदिर, उत्तरसंडा	१२००-०-०	१२००-०-०	
राष्ट्रीय आदर्श विनयमंदिर, अमदावाद	३२००-०-०	३७००-०-०	अवमान्य थवाथी छेल्लो हप्तो चुकववानो नथी.
दादाभाई न. विनयमंदिर, आणद	४७००-०-०	४७००-०-०	
राष्ट्रीय विनयमंदिर, मोडासा	२५००-०-०	२५००-०-०	
एडवर्ड स्मारक विनयमंदिर, बोरसद	२५००-०-०	२५००-०-०	
राष्ट्रीय विनयमंदिर, आमोद	१०००-०-०	१०००-०-०	
,, सुणाव	१२००-०-०	१२००-०-०	
,, ओड	१३५०-०-०	१०००-०-०	रु. ३५०-०-० चुकववा बाकी छे.
टिळक राष्ट्रीय विनयमंदिर, नडियाद	३५००-०-०	३५००-०-०	
राष्ट्रीय विनयमंदिर, निकोरा	६००-०-०	६००-०-०	
,, आंकलाव	५००-०-०	५००-०-०	
,, कालोल	७००-०-०	७००-०-०	
,, शाळा, उमरेठ	१६५०-०-०	१६५०-०-०	
मंजुर—	३४०००-०-०	३३२००-०-० चुकवेल	
नहि चुकववाना	४५०-०-०	३५०-०-० चुकववाना	
	३३५५०-०-०	३३५५०-०-०	

शाळा मददनुं सं. १९८० ना आसो वद ०)) ना रोज पुरा थता वर्षनुं सरवैयुं.

जमा रकम

शाळामदद अनामत	२२४००-०-०	जुदी जुदी शाळाओ खाते मंजुर करवा बाकी रहेली रकम.
राष्ट्रीय विनयमंदिर, ओड	३५०-०-०	
दादाभाई न. वि. मं. आणंद	२५००-०-०	
न्यू इंग्लीश स्कूल, भरुच	३७५०-०-०	
राष्ट्रीय विनयमंदिर, करमसद	२६००-०-०	
	३१,६००-०-०	

भाग ४ पत्रकोना नमुना

(क) शाळाओने भरवानां पत्रको

१ शाळानी मान्यता मेळववा माटे भरवानां पत्रको

(१) अरजी

श्री० महामात्र,

गूजरात विद्यापीठ,

अमदावाद

वि. ______________________________ मंदिरने

मान्य करवा माटे अरजी करुं छुं. मंदिर संबधी सर्वे माहीती जोडेना पत्रकमां भरीने मोकलुं छुं.

२ | ली. सेवक[१]

(२) मान्यता मेळववा माटे मोकलवानी विगतो

१. मंदिरनुं नाम अने ठेकाणुं	
२. मदिरनी स्थापना थयानी मिति	
३. मंदिरना व्यवस्थापको अने मालीकोनुं नाम अने ठेकाणुं. जो मंदिर कोई पण मंडळ तरफथी चालतुं होय तो तेनी कार्यवाहक समितिना सभासदोना नाम अने ठेकाणां.	
४. केटलां धोरणो सुधी मंदिरमां शीखववानी व्यवस्था छे, तेनी विगतवार माहिती.	

१. आचार्य, व्यवस्थापक अथवा व्यवस्थापक मंडळ होय तो तेना प्रमुखनी सही करवी अने होद्दो लखवो.

२. गामनुं नाम, ठेकाणुं अने मिति लखवां.

५. दरेक वर्गमां विद्यार्थीनी संख्या अने सरेराश हाजरी.

६. विद्यार्थीओनुं जात अथवा धर्मवार वर्गीकरण.

	छोकरा	छोकरीओ.	कुल.
हिंदु–अंत्यज			
बीजी कोमना			
जैन			
पारसी			
मुसलमान			
खिस्ती			
याहुदी			

७. अध्यापकोनां नाम, लायकात अने पगार.

८. मंदिरना दरेक धोरणना अभ्यासक्रम अने पाठ्य पुस्तको संबंधी माहिति. (जो मंदिरे स्वतंत्र अभ्यासक्रम राख्यो होय तो)

९. मंदिरनी उपजनां साधनो अने उपजनो आंकडो.

१०. मंदिरनां खर्च खातांओ अने खर्चनो आंकडो

११. दरेक धोरणनी फी, प्रवेश फी, बीजी फीओ.

१२. मफत अने ओछी फीए भणता विद्यार्थीओनी संख्या.

१३. मंदिरमां केटला रेंटिया चाले छे ?	
१४. केटला विद्यार्थीओ कांते छ ? दररोज सरेराश केटला कलाक ?	
१५. दररोजनुं केटलुं सुतर पेदा थाय छे ? (छेल्ला पखवाडियानी सरेराश लइने जणाववुं)	
१६. सूतरनी शी व्यवस्था थाय छे ?	
१७. धार्मिक शिक्षण, हिन्दुस्तानीनुं शिक्षण तथा औद्योगिक शिक्षण माटे कांई प्रबंध छे के केम ? होय तो केवा प्रकारनो छे ?	

मिति ______________ प्रमुख, मंत्री अगर आचार्यनी सही

(३) निरीक्षकनुं निवेदन

श्री० महामात्र,

गूजरात विद्यापीठ

अमदावाद

वि. ______________ मंदिरनी तपास में करी छे. ए विषे मारो अहेवाल अने सलाह नीचे मुजब छे:

१. मंदिरनी गाममां/लतामां जरूरीआत छे/नथी, कारण के विद्यार्थीओनी संख्या छे. गामना लोकोनो उत्साह सारो/मंद छे. गामना लोकोए मंदिरना निभाव माटे नीचे मुजब/कशी सगवड करी छे/नथी.

२. मंदिरना मकाननी हवा, अजवाळु अने तंदुरस्तीना नियम प्रमाणे योग्यता सारी छे/नथी. विशेषता . खामीओ

३. मंदिरमां तंदुरस्ती अने व्यवस्थितता उपर ध्यान सारुं अपाय छे/अपातुं नथी.

विशेषता खामीओ

४. मंदिरमां शिक्षणने माटे योग्य अने पूरतां साधनोनी सामग्री $\frac{\text{छे}}{\text{नथी}}$.

विशेषता　　　　　　　　　　　　　　　　　　　　　　　　खामीओ

५. मंदिरना अध्यापक वर्ग अने तेमना पगार विषे मारो नीचे मुजब अभिप्राय छे.

६. मंदिरोनां पत्रको अने हीसाबो राखवानी पद्धति चोख्खी $\frac{\text{छे}}{\text{नथी}}$

७. मंदिर अने गामना लोकोनुं अंत्यजो प्रत्ये वर्त्तण नीचे मुजब छे.

८. मंदिरमां $\frac{\text{औद्योगिकशिक्षण}}{\text{कंतामण}}$ उपर सारुं ध्यान $\frac{\text{अपायछे}}{\text{अपातुंनथी}}$

विशेषता　　　　　　　　　　　　　　　　　　　　　　　　खामीओ

९. मंदिरना विद्यार्थीओ विषे मारा उपर नीचे प्रमाणे छाप पडी छे.

१०. मंदिरनी आर्थिक स्थिति $\frac{\text{सारी}}{\text{नबळी}}$ छे.

११. एकदरे मारी सलाह छे के मंदिरने $\frac{\text{______ मान्य करवुं नहि.}}{\text{नीचेनी शरतेथी ______ धोरण सुधी मान्य करवु.}}$

शरतो—

ली० सेवक

निरीक्षक

(४) मान्यतानुं प्रमाणपत्र

____________________ समिति आगळ रजु

मिति　　$\frac{\text{सुद}}{\text{वद}}$　　सं. १९

ठरावः ______________ मंदिर गाम ______________

तालुको __________ जील्लो __________ ने धोरण

सुधी $\frac{\text{नीचेनी शरते मान्य करवामां आवे छे.}}{\text{मान्य करवामां आवतुं नथी.}}$

शरतो—

सिक्को

मिति　　$\frac{\text{सुद}}{\text{वद}}$　　१९

महामात्र

२ मदद मेळववा माटे भरवानां पत्रको

पत्रक १

(१) मददनी अरजी माटेनो नमुनो

श्री॰ महामात्र,

गूजरात विद्यापीट

अमदावाद

जत विद्यापीठे मदद माटे ठरावेला नियमोने अनुसरीने स. १९ ना सुदी १थी स. १९ ना वदी ३० सुधी एक वर्ष माटे[१] ______ माटे रु. ______ अंके रुपिया ______ नी मदद करवा विनति करु छु.

मदिर सनधीं सर्व माहिति साथेना परिशिष्ट १–२–३ मा आपी छे.

[२]ली॰

पत्रक २

(२) निरीक्षकनुं निवेदन

श्री॰ महामात्र,

गूजरात विद्यापीठ

अमदावाद.

वि॰ ______ विनय मदिरनी मदद माटेनी अरजी विषे तपास करी हु नीचे मुजब जणाववा रजा लउ छु

क. मदिरनी गाम अगर लतामां जरुरीआत छे/नथी. कारण के

ख. मदिरना मकाननी हवा, अजवाळा अने तदुरस्तीना नियमो प्रमाणे योग्यता सारी छे/नथी. खामीओ

ग. मदिरमां तदुरस्तीना नियमो उपर ध्यान सारु अपाय छे/अपातु नथी

विशेपता खामीओ

घ. मदिरमां शिक्षणने माटे योग्य अने पूरतां साधनोनी सामग्री छे/नथी

विशेपता खामीओ

---

१ विनयमदिरनु नाम

२ मदिरना मालीके अथवा व्यवस्थापक मडळना प्रमुखे सही करवी, अने जे अधिकारे सही करी होय ते अधिकार जणाववो.

च. मंदिरना अध्यापक मंडळनी लायकात अने पगार विषे मारो अभिप्राय नीचे मुजब छे.

मंदिरना [illegible] कनो पोताने खाते $\frac{\text{मासिक}}{\text{वार्षिक}}$ उपाड रु. छ; मारा मानवा मुजब ए उपाड व्याजवी $\frac{\text{छे}}{\text{नथी}}$[1]

ज.झ. में मंदिरनुं कायमनुं भंडोळ अने तेने जिल्ला के तालुका समिति तरफथी मळेली रकम ध्यानमां लीधी छे.

ञ. मंदिरनी $\frac{\text{औद्योगिक}}{\text{कांतण}}$ शिक्षणनी सगवड संतोषकारक $\frac{\text{छे}}{\text{नथी}}$

विशेषता खामीओ

ट. अंत्यज विद्यार्थीओ प्रत्ये मंदिरमां दर्शावाती वृत्ति विषे में पुछपरछ करी छे. मने लागे छे के अंत्यजोने दाखल थवा माटे मंदिरमां पूरतुं अनुकूल वातावरण $\frac{\text{छ}}{\text{नथी}}$[2]

मंदिरोनां पत्रको तथा हीसाबो विगेरे चोख्खी रीते राखेला $\frac{\text{छे}}{\text{नथी}}$

खामीओ

ठ. मदिरने मदद आपवा माटे मारी नीचे मुजब सलाह छे. मंदिरने मदद $\frac{\text{नीचे प्रमाणे}}{\text{न}}$ करवी

१. मददनी रकम—
२. क्यारे—
३. कई बाबतमां खर्चवा—
४. केवे प्रकारे—
६. खास शरतो—

ली॰ सेवक

समिति आगळ रजु मिति $\frac{\text{सुद}}{\text{वद}}$ सं. १९ **निरीक्षक**

समितिनो ठराव :

---

[1] वाजवी न होय तो वाजवी आंकडो सूचववो.

[2] कांइ खास प्रसंगो जाणवामा आव्यां होगे तो तेनी नोंध लखवी.

(३) माहिती
परिशिष्ट १
मंदिरनी रचनानी माहिती

	१ नाम	ठेकाणु	मिति	
मदिरनु			स्थापनानी मान्यतानी	
आनार्थनु			नीमणुकनी	
मालिक, ० ापक के व्यवस्थापक मडळनु			मडळ होय तो स्थापवानी	
मडळनी कार्यवाहक समितिनु	प्रमुख उपप्रमुख— मन्त्री सभ्यो		चुटणीनी	

२
विद्यार्थीओनु जातवार वर्गीकरण

	छोकरा	छो	कुल
हिंदु-अत्यज			
हिंदु-बीजा			
जैन			
पारसी			
मुसलमान			
ख्रीस्ती			
याहुदी			
सरवाळो			

परिशिष्ट १ (चालु)

३

अध्यापक मंडळनां अने कायमना नोकरोनां नाम	लायकात	मासिक पगार	नीमणुक
	सरवाळो		
शिक्षक	शिक्षकोना सरेराश मासिक पगार		

४

वर्ग	वर्गनी फी	विद्यार्थीओनी संख्या			विद्यार्थीओनी सरेराश हाजरी		
		छोकरा	छोकरी	कुल	छोकरा	छोकरी	कुल
सरवाळो							
सरेराश वर्ग दीठ							

आर्थिक स्थितिनी माहिती
परिशिष्ट २

मंदिरनी आर्थिक स्थितिनी माहिती

मंदिरनुं वर्ष मासथी मास सुधी छेल्लुं वर्ष सं. अंदाजपत्रनुं वर्ष सं.

उपज	छेला वर्षनी नरी	मददना वर्षनुं अदाज	मददना वर्षनी छेला* मासनी नरी	खर्च	छेला वर्षनी नरी	मददना वर्षनुं अदाज	मददना वर्षनो छेला* मासनो खरो
१. कायम फंडना व्याज खाते				१. शिक्षकोना पगार खाते			
२. लागाओ खाते				२. नोकरोना पगार खाते			
३. सामान्य दान खाते				३. पाठ्य पुस्तको खाते			
४. विद्यार्थीओनां लवाजम खाते				४. पुस्तकालय खाते			
५. उद्योग विभागनी उत्पत्ति खाते				५. सरसामान खाते			
६. तालुका के जिल्ला समिति अथवा कोई संस्था तरफथी मळती मदद खाते				६. औद्योगिक विभाग खाते			
७. विद्यापीठनी मदद खाते				७. प्रयोगशाळा खाते			
८. बीजी आवक खाते				८. बांधकाम खाते			
				९. ईनामो अने मेळावडा खाते			
				१०. प्रवास खाते			
				११. परचुरण खर्च खाते			
				सरवाळो			
				सरेराश विद्यार्थी दीठ खर्च			
सरवाळो				खूटती रकमनो आंकडो			
सरेराश विद्यार्थी दीठ				मागेली रकमनो आंकडो			

* मागनी मूकवी

परिशिष्ट २ (चालु)

मिलकतनी वीगत	किंमत	जंगम मिलकतनी वीगत	किंमत
१ कायमनां भंडोळ अने व्याजना दर साथे वीगत मुजब		१. घरसामान	
		२. पुस्तको	
		३. ओजारो	
२. स्थावर मिलकत		४. औद्योगिक माल	
		५. प्रयोगशाळाओनो सामान	
३. लागाओ			

टीप:—उपर जणाव्या सिवाय बीजा अगत्यनां खाताओनां उपज, खर्च, माल, भंडोळ, वगेरेनी माहिती छेल्ला आंकडाथी आगमआंकडो पाडी मोकलवी

अभ्यासो अने उद्योगोनी माहिती

परिशिष्ट ३

मंदिरना अभ्यासो अने उद्योगोनी माहिती

७

१. रेंटियानी सख्या

२. केटला विद्यार्थी कांते छे ?

३. केटलो समय कांते छे ?

४. रेंटियो सरेराश रोज केटला कलाक चाले छे ?

सुतरनो थांक	मासिक उपज शेर	किंमत

६. सुतरनो शो उपयोग करवामां आवे छे.

८

उद्योग नाम			
१ विद्यार्थीओनी संख्या			
२. कयाथी कया धोरण			
३. उद्योग पाछळ अपातो नित्य समय			
४. वर्ग पाछळ खर्च			
५ उद्योगनो विद्यार्थी दीठ खर्च			
६. वर्गनी उपज			
७. उत्पन्न थता मालनी वीगत किंमत			
८. मालनी व्यवस्था			

अभ्यासो धोरणोमां साप्ताहिक समय

विषयो	१	२	३	४	५	६	७

३ निरीक्षण करवा माटे

(१) §आचार्यनुं निवेदन

मंदिरनुं नाम ______________________

ग्राम ______________ तालुको ______________ जिल्लो ______________

स्थापना मिति ______________ मान्यता मिति ______________

विगत	छेल्ला निरीक्षण समये (मिति)	आज रोज (मिति)
१. धोरण संख्या		
२. विद्यार्थीनी संख्या		
पत्रक प्रमाणे — छोकरा .		
पत्रक प्रमाणे — छोकरी ...		
पत्रक प्रमाणे — कुल		
हाजर — छोकरा .		
हाजर — छोकरी ..		
हाजर — कुल ...		
३ शिक्षकोनी संख्या		*
४ कातण		
चालु स्थितिमां रेंटिया कुल		
चलावनार विद्यार्थीनी संख्या		
रेंटिया माटे रोज केटलो समय अपाय छे		
सूतरनो सरेराश उत्पत्ति×		
शाळा माथे कपास पीलवा अने पींजणनी व्यवस्था	छे / नथी	छे / नथी
हाथ के चरखा संख्या		
पींजण ,,		
वणाट चालु होय तो सादीनी साळ संख्या		
शतरंजीनी साळ ,,		
पट्टीनी ,, ,,		
५. बीजो कोई धंधो होय तो ते धंधा विषे		

§निरीक्षक तपास करवा आवे, त्यारे आ पत्रक भरीने निरीक्षकने आपवुं. *फरक पड्यो होय तो क्यारथी ते मिति साथे सूचववुं. ×उत्पत्ति दैनिक, साप्ताहिक के मासिक ए जणाववुं.

६. प्रगति　　१ अभ्यासमा　　२ उद्योगमा

७ प्रकीर्ण　　१ मकाननी स्थिति　　भाडानु होय तो रकम

२ बहार गामना छोकरा

३ छेल्ला निरीक्षण पछी मन्दिरनी मुलाकात कोणे लीधी ?

४ छेल्ला निरीक्षण बाद कोईनी कसुर जणाई होय, अने तेने माटे शिक्षा के प्रायश्चित करवामा आव्या होय तो तेनी वीगत

कसुरनो प्रकार	कसुर करनारनु नाम	शिक्षा के प्रायश्चित्तना प्रकार, कोई पीजाए प्रायश्चित कर्यु होय तो तेनो सबब

५ मंदिरनी जरूरियातो

६ मदिरनी विशेषताओ

विद्यार्थीओनी जातवार हकीकत

	उजळियात वर्णो			पछात वर्णो			अंत्यज			मुसलमान			रजिस्टर कुल	हाजर कुल	पास कुल	सेंकडे टका		शेरो	शाळानी शिस्त केवी छे.
	छो.	क.	कुल	छो.	क.	कुल	छो.	क.	कुल	छो.	क.	कुल				रजिस्टरने	हाजरने		
रजिस्टर सख्या																			
हाजर सख्या																			
पास सख्या																			
सेंकडे टका – रजिस्टर																			
सेंकडे टका – हाजर																			

विद्यार्थीओनी धोरणवार हकीकत

धोरण	रजिस्टर सख्या			परीक्षा वखते हाजर			पास थया ते							तेज धोरणमां केटली मुदतथी छे – पास थयेला			तेज धोरणमां केटली मुदतथी छे – नपास तथा गेरहाजर		
	छोकरा	कन्या	कुल	छोकरा	कन्या	कुल	लेखन	गणित	भाषा	इतिहास, भूगोळ			सर्व विषयोमां कुल पास	१ वरस रहेला	२ वरसना	३ वरस उपरना	१ वरस रहेला	२ वरसना	३ वरस उपरना
७																			
६																			
५																			
४																			
३																			
२																			
१																			

१ दफतरनी व्यवस्था केवी छे ?

२ आ वर्षमां शाळानी भेट कोणे कोणे लीधी ?

३ छठ्ठा धोरणमां बेठा

४ शाळाना परिणाम विषे शेरो.

५ पाछली सालमां शिक्षा थइ होय अगर लाभ मळ्यो होय तो ते

शिक्षकनां नाम होद्दा साथे	लायकात	कयुं धोरण केटली मुदत शीखव्युं		रजिस्टर संख्या	हाजर संख्या	पास संख्या	नोकरीनी मुदत		पगार	वतनी	विशेष हकीकत	शेरो
		धोरण	मुदत				खातामां	आ शाळामां				

(२) निरीक्षकनुं निवेदन

निरीक्षकना मन पर थयेली असर

	विद्यार्थीओनां	शिक्षकोनां
१. तंदुरस्ती विषे		
२. चारित्र विषे		
३. शिस्त विषे		
४. अभ्यास विषे		
५. व्यवस्थितता विषे		
६. दफ्तरो विषे		
७. हाजरी विषे		
८. अरसपरस प्रत्येनी वृत्ति विषे		

८. प्रकीर्ण

१. हाजरी कमती रहेती होय तो तेनुं कारण

२. कई कोम गाममां वसती होय छतां तेना विद्यार्थी आवता नथी; अने तेनुं कारण

३. मंदिरना शिक्षणमां प्रत्यक्ष जणायेली खामीओ अने लीधेला इलाज

४. मंदिर तथा शिक्षको प्रत्ये लोकोनो भाव केवो छे ?

५. मंदिरना आचार्य विषे अभिप्राय

६. मंदिरना मकाननी स्थिति

७. छेल्ली परीक्षानां परिणामो विषे टीका

८. निरीक्षके लीधेली परीक्षानो प्रकार अने ते विषे टीका

९. सूचनाओ

१०. सामान्य टीका

मिती ______ निरीक्षकनी सही ______

आचार्यनी सही* ______

(३) मासिक निवेदन

मास ______ संवत् १९८

मंदिरनुं नाम ______ गाम ______ ता. ______ जिल्लो ______

विद्यार्थीओनी संख्याः—

	छोकरा	कन्या	कुल
कारतक सुद १ ने रोज			
गये मासने अन्ते { दफतर उपर...			
गये मासने अन्ते { सरेराश हाजर			
मास दरम्यान उठी गयेल			
,, ,, दाखल थयेल			
आ मासने अन्ते { दफतर उपर...			
आ मासने अन्ते { सरेराश हाजर			

* पोताने आ निवेदन विषे कांई जणाववुं होय तो तेनो शेरो आनी उपर ज करी, निरीक्षकने बताधी, आ निवेदन अने पोतानुं निवेदन कार्यालयमां रवाना करवुं.

धोरण अने जातवार विद्यार्थीओनु वर्गीकरण —

धोरण	हिंदु*		अंत्यज	मुसलमान	पारसी	खिस्ती	कुल
	उजळियात	पछात					
७ मु							
६ ठ्ठु							
५ मु							
४ थु							
३ जु							
२ जु							
१ लु							
बाळ	—						
तालीम							
कुल				— —			

शिक्षकोनी सख्या ______ पगार–श्रेष्ठ रु ______ पगार कनिष्ठ रु ______ सरेरास रु ______

आ मासनी उपज रु , कुल उपज (चालु वर्षना छेला मासानी मळी) रु
आ मासनु खर्च रु , कुल खर्च ,, ,, रु
आ वर्षे करेलो अदाज रु
अदाज प्रमाणे आ मास सुधीमा खर्च थात रु
अदाज प्रमाण आ मास सुधीमा थवी जोईती उपज रु.
उद्योग: अने ते सबधी विशेष विगतो —
मन्दिरनी जरूरियातो:—

जाणवाजोग बनावो+:—

मिति ______ आचार्यनी सही ______

* जैनोने उजळियात हिंदुमा गणवा

\+ कोई शिक्षक शाळा छोडी जाय के नवा आवे तो तेमनां नाम, कारणो अने पगार दर्शाववा

सूचनाः—आ निवेदन सर्वे मान्य मंदिरोए मास पूरो थया पछी सुद ५ सुधीमा मोकलवु नियमितता राखवा खास विनति छे

(ख) पुस्तकोना अवलोकन संबंधी पत्रको

१ अभिप्रायनु पत्रक

गूजरात विद्यापीठ—पुस्तकसमिति

मिति Date	निर्णय अंक Decision No.	पुस्तकनु नाम Name of the book	लेखक वा संपादक Author o Editor	प्रकाशक Publisher	मूल्य Price	अभिप्राय Decision	लेखक या प्रकाशकने माटे अवलोकनकारनो शेरो Remarks by reviewers (for the author or publisher)

मिति ग्रु/ष सं. १९
Dated 192

महामात्र
(Registrar)

२ अवलोकन माटे मोकलवानुं पत्रक

गूजरात विद्यापीठ कार्यालय,

अमदावाद सुद/वद स. १९७९ने वार

भाईश्री,

विनंती के आ साथे कौंसमां जणावेलुं पुस्तक मोकल्युं छे, ते उपर नियत समयमां आपनो अभिप्राय मोकलशो.

ली. सेवक,

महामात्र.

मळ्युं सुद/वद पाछुं मोकल्युं सुद/वद

अभिप्रायः—

(ग) चुंटणीनां पत्रको

१ नियामक सभानी चुंटणी माटे

(१) स्नातक मतदार मंडळमां नाम नोंधावानुं अरजीपत्र

श्री॰ महामात्र,

गूजरात विद्यापीठ,

अमदावाद

भाईश्री,

हुं नीचे सही करनार आथी जणावुं छुं के गूजरात विद्यापीठना उद्देशो मने मान्य छे अने एना कार्य विषे हुं सहानुभूति धरावुं छुं, तेमज कोई पण सरकारी विद्यापीठ साथे मारे प्रत्यक्ष संबंध नथी.

हुं स्नातक मतदार मंडळमां मारुं नाम नोंधाववा इच्छुं छुं अने आ साथे लवाजमना रु. २५ मोकलावुं छुं, तो मारुं नाम स्नातक मतदार मंडळमां नोंधशो.
(५ वार्षिक हफताना)

ली॰

सही ______

पूरेपूरुं नाम ______

ठेकाणुं ______

कई विद्यापीठना स्नातक ______

कया वर्षमां ______

बीजी परीक्षाओ संबंधी हकिकत ______

(२) दाता–मतदार–मंडळमां नाम नोंधाववानुं अरजीपत्र

श्री० महामात्र,

गूजरात विद्यापीठ

अमदावाद

माईश्री,

हुं नीचे सही करनार आथी जणावुं छुं के गूजरात विद्यापीठना उद्देशो मने मान्य छे.

हुं दाता–मतदार–मंडळमां मारुं नाम नोंधाववा इच्छुं छुं, अने आ साथे क्रमनो वार्षिक हफ्तो रु. २५) अंके पचीस मोकलावुं छुं, तो मारुं नाम दाता–मतदार–मंडळमा नोंधशो.

ली०

सही ____________________

पूरेपूरुं नाम ____________________

सरनामुं ____________________

(३) प्रतिनिधि दरखास्त पत्र

श्री० महामात्र,

गूजरात विद्यापीठ, अमदावाद

माईश्री,

विनति जे अमे विद्यापीठना ____________________ मतदार मंडळना सभ्यो होईए ते मंडळ तरफथी संवत १९८   नी चुंटणीमां अमारा मंडळना नीचेना सभ्यनी नीमणुंक करवा दरखास्त करीए छीए.

नाम ____________________

ली० सेवको

सही (१) ____________________

तिथि ____________ ठेकाणुं ____________________

सही (२) ____________________

तिथि ____________ ठेकाणुं ____________________

सूचित सभ्यनी प्रतिज्ञा

हु उपरोक्त सभ्य जणावु छु के गूजरात विद्यापीठना सिद्धान्तो मने मान्य छे अने सदरहु मडळ तरफथी मारी पसदगी करवामा आवे तो हु ए मडळ तरफथी नियामक सभामा प्रतिनिधि रहेवा खुशी छु,

ली० सेवक ।

सही ____________________

तिथि ____________________ ठेकाणु ____________________

(नीचेनी वीगतो उमेदवारे भरवानी नथी)

दरखास्त पत्र मळ्यानी तिथि ____________________ क्रमाक ____________

प्रतिनिधिनु नाम मतदार नोंधमा ____________ क्रमाके तथा दरखास्त करनाराओना नामो ____________ तथा ____________ क्रमाके नोंधायेला छ

महामात्र

(घ) विद्यार्थीओने भरवाना पत्रको

१ महाविद्यालयना प्रथम वर्षमां दाखल थवा माटे

श्रीमान् आचार्य,

गूजरात महाविद्यालय

अमदावाद

विनति जे हु महाविद्यालयमां दाखल थवा इच्छु छु, तो कृपा करी मने दाखल करशो- मारा सबधी नीचे प्रमाणे विगतो छे —

पूरू नाम ____________________

ठकाणु ____________________

जात ____________________ जन्मतिथि ____________________

धर्म ____________________ विवाहित के अविवाहित ____________________

आज पूर्वनोअभ्यास ____________________

चालु अभ्यास ____________________ मातृभाषा ____________________

आधुनीक भाषा ____________________ एच्छिक ____________________

छेल्ली शाळा ____________________

विद्यापीठ परीक्षानो क्रमांक ____________________ फी भर्या मिति ____________________

अरजी दाखल कर्या मिति ____________________

ली. आज्ञांकित,

(२) दाता–मतदार–मडळमां नाम नोंधाववानुं अरजीपत्र

श्री॰ महामात्र,

गूजरात विद्यापीठ

अमदावाद

भाईश्री,

हु नीचे सही करनार आथी जणावु छु के गूजरात विद्यापीठना उद्देशो मने मान्य छे.

हु दाता–मतदार–मडळमा मारु नाम नोंधाववा इच्छु छु, अने आ साथे रुवात्रमनो वार्षिक हफ्तो रु. २५) अके पचीस मोकलावु छु, तो मारु नाम दाता–मतदार–मडळमा नोंधशो.

श्री॰

सही ______________________

पूरेपूरु नाम ______________________

सरनामुं ______________________

(३) प्रतिनिधि दरखास्त पत्र

श्री॰ महामात्र,

गूजरात विद्यापीठ, अमदावाद

भाईश्री,

विनति जे अमे विद्यापीठना ______________________ मतदार मडळना सभ्यो होई ते मडळ तरफथी सवत १९८   नी चुटणीमां अमारा मडळना नीचेना सभ्यनी नीमणुक करवा दरखास्त करीए छीए.

नाम ______________________

श्री॰ सेवको

सही (१) ______________________

तिथि ______________ ठेकाणु ______________________

सही (२) ______________________

तिथि ______________ ठेकाणु ______________________

सूचित सभ्यनी प्रतिज्ञा

हु उपरोक्त सभ्य जणावु छु के गूजरात विद्यापीठना सिद्धान्तो मने मान्य छे अने सदरहु मडळ तरफथी मारी पसदगी करवामा आवे तो हु ए मडळ तरफथी नियामक सभामा प्रतिनिधि रहेवा खुशी छु,

ली० सेवक

सही ______________________

तिथि ______________ ठेकाणु ______________________

(नीचेनी वीगतो उमेदवारे भरवानी नथी)

दरखास्त पत्र मळ्यानी तिथि ______________ क्रमांक ______________

प्रतिनिधिनु नाम मतदार नोंधमा ______________ क्रमांके तथा दरखास्त करनाराओना

नामो ______________ तथा ______________ क्रमांके नोंधायेला छे

महामात्र

(घ) विद्यार्थीओने भरवाना पत्रको

१ महाविद्यालयना प्रथम वर्षमां दाखल थवा माटे

श्रीमान् आचार्य,

गूजरात महाविद्यालय

अमदावाद

विनति जे हु महाविद्यालयमा दाखल थवा इच्छु छु, तो कृपा करी मने दाखल करशो. मारा सबधा नीचे प्रमाणे विगतो छे —

पूरु नाम ______________________

ठेकाणु ______________________

जात ______________ जन्मतिथि ______________

धर्म ______________ विवाहित के अविवाहित ______________

आज पूर्वनोअभ्यास ______________________

चालु अभ्यास ______________ मातृभाषा ______________

आधुनीक भाषा ______________ ऐच्छिक ______________

छेल्ली शाळा ______________________

विद्यापीठ परीक्षानो क्रमांक ______________ फी भर्या मिति ______________

अरजी दाखल कर्या मिति ______________________

ली. आज्ञांकित,

(२) प्रथमा परीक्षामां बेसवा माटे

श्री• महामात्र,

गूजरात विद्यापीठ, अमदावाद

वि० वे स. १९८   ना   मासमां लेवामां आवनारी प्रथमा परीक्षाना उमेदवार तरीके मारु नाम नोंधाशो. परीक्षाना लवाजमना रु. १०) साथे मोकल्या छे. मारी इच्छा[1] मुकामे परीक्षामां बेसवानी छे. विशेष हकीकत नीचे मुजब छे—

पूरु नाम[2] ______

ठेकाणु ______

अर्वाचीन भाषा[3] ______ राष्ट्र भाषा[4] ______

स्वभाषा[5] ______ ऐच्छिक विषय[6] ______

विनीत परीक्षानु पसार कर्यानु वर्ष ______ विद्यापीठनु नाम ______

जन्म तिथि ______ जन्मस्थान ______ धर्म ______

आ पूर्वे साथे जोडेला प्रमाण पत्र मुजब   विषयो उतीर्ण कर्या छे, एटले ए विषयोमां मारे परीक्षा आपवानी नथी.[7]

मिति स. १९८   ना   सुद/वद   ने   वार

ली• सेवक

महाविद्यालयनु प्रमाणपत्र

जणावु छु के उपर आपेली हकीकत बराबर छे. उमेदवार परीक्षामां बेसवा लायक छे, अने एने मारी तरफथी परीक्षामां बेसवा परवानगी छे. उमेदवारे नीचे प्रमाणे महाविद्यालयमां हाजरी भरी छे —

स. १९	ना	सत्रमां	दिवसमांथी	दिवस
स. १९	ना	सत्रमां	दिवसमांथी	दिवस
स. १९	ना	सत्रमां	दिवसमांथी	दिवस

आचार्य

______ महाविद्यालय

१ अमदावाद तथा मुंबाई मुकामे परीक्षा थशे. २ अटक पहेली लखवी ३ मराठी, बंगाळी, इंग्रेजी के फ्रेन्च. ४ हिन्दी के उर्दु. ५ गूजराती, मराठी के हिन्दी पैकी स्वभाषा तरीके जेमां परीक्षा आपवी होय ते लखवो. ६ प्रमाणशास्त्र, गणित, संस्कृत, अरबी, फारसी संगीत, चित्रकळा के वाणिज्य. ७ जे आखी परीक्षामां बेसवाना होय तेमणे आ वाक्य छेकी नांखवु.

* १ ट, २ जु इ० लखवु. वर्षासत्र पहेलु, शरदसत्र बीजु, अने शिशिरसत्र त्रीजु समजवु

स. १९८   ना   मासमां लेवामां आवनारी प्रथमा परीक्षामां बेसवा देवानु लवाजम रु १०) उमेदवार ______ तरफथी मळेल छे.

मिति स. १९८   ना   सुद/वद   वार

आचार्य

______ महाविद्यालय

(३) स्नातक परीक्षामां बेसवा माटे

श्री. महामात्र,

गूजरात विद्यापीठ, अमदावाद

विनंति के सं. १९८   ना   मासमां लेवामां आवनारी स्नातक परीक्षाना उमेदवार तरीके मारुं नाम नोंधशो. परीक्षानुं लवाजम माटे प्रश्नपत्र दीठ रु. ३ लेखे रु.   ) रुपिआ नाम साथे मोकल्या छे. मारी इच्छा ________[१] मुकामे परीक्षामां बेसवानी छे. विशेष हकीकत नीचे मुजब छे.

पूरुं नाम[२] ________

ठेकाणुं ________

प्रश्नपत्रोनां नाम: फरजियात (१) ________[३] (२) ________[४]

मरजियात[५] ________ विद्या मंदिर ________ शाखा ________

प्र० प० ( ) ________ प्र० प० ( ) ________
प्र० प० ( ) ________ प्र० प० ( ) ________
प्र० प० ( ) ________ प्र० प० ( ) ________
प्र० प० ( ) ________ प्र० प० ( ) ________
प्र० प० ( ) ________ प्र० प० ( ) ________

विनीत परीक्षा पसार कर्यानुं वर्ष ________ संस्थानुं नाम ________

प्रथमा परीक्षा[६] पसार कर्यानुं वर्ष ________ ,, ,, ________

जन्मतिथि ________ वतन ________ ज्ञात ________ धर्म ________

मने आ परीक्षामां बेसवाने कार्यवाहक समाना ठराव[७]   थी परवानगी मळी छे. में आ पूठे साथे जोडेला प्रमाणपत्रमां जणाव्या मुजब   प्रश्नपत्रोनी परीक्षा उत्तीर्ण करी छे.

मिति सं. १९८   ना   सुद वद   ने   वार) ________ ली. सेवक

महाविद्यालयना आचार्यनुं प्रमाणपत्र[८]:

जणावुं छुं के उपर आपेली हकिकत बराबर छे. उमेदवार परीक्षामां बेसवा लायक छे,

---

१ अमदावाद के मुंबई. २ अटक पहेली लखवी. ३ स्वभाषा (गूजराती के मराठी). ४ राष्ट्र भाषा (हिंदी के उर्दु) (आ बे विषयोमां बेसवुं न होय तो लीटी छेकी नांखवी). ५ बोधपत्रमां जणावेली योजना प्रमाणे प्रश्नपत्रोनां नाम बराबर लखवां. ६ पहेली वार स्नातक परीक्षामां बेसनार उमेदवारे प्रमाणपत्र साथे जोडवुं. ७ सामान्य उमेदवारोए आ लीटी छेकी नांखवी. ८ सामान्य उमेदवारो माटेज आ प्रमाणपत्र भरवुं.

अने एने मारी तरफथी परीक्षामां बेसवा परवानगी छे. उमेदवारे नीचे प्रमाणे महाविद्यालयमां हाजरी भरी छे[१]:—

सं. १९	सत्रांक	दिवस	/	सं. १९	सत्रांक	दिवस	/
सं. १९	सत्रांक	दिवस	/	सं. १९	सत्रांक	दिवस	/
सं. १९	सत्रांक	दिवस	/	सं. १९	सत्रांक	दिवस	/
सं. १९	सत्रांक	दिवस	/	सं. १९	सत्रांक	दिवस	/
सं. १९	सत्रांक	दिवस	/				

अरजी मंजुर.

आचार्य,

महामात्र. ________________ महाविद्यालय.

सं. १९ ना ________ मासमां लेवामां आवनारी स्नातक परीक्षामां बेसवा देवानु लवाजम रु.) विद्यार्थी ________________ तरफथी मळेल छे.

मिति ________________

महामात्र वती
महाविद्यालयना आचार्यनी सही.

(च) प्रमाणपत्रोना नमुना

१ विनीत परीक्षा

विद्यापीठनो
सिक्को

विनीत परीक्षा

________________ विनय मंदिरना

विद्यार्थी ________________

संवत १९ ना मासमां लेवायेली विनीत परीक्षामां उत्तीर्ण थयेल छे. अरजी पत्रमां जणाव्या मुजब विद्यार्थीनी जन्मतिथि ________________ छे.

अमदावाद

सं. १९ ना

महामात्र

---

१ आ प्रमाणे भरवुः सं. १९७९ सत्रांक २ दिवस ६७/८० वर्षासत्र, शरदसत्र ने शिशिरसत्र अनुक्रमे १ लुं, २ जुं अने ३ जुं सत्र समजवुं.

२ प्रथमा परीक्षा

विद्यापीठनो

सिक्को

प्रथमा परीक्षा

विद्यार्थी __________________________ (परीक्षानो क्रमांक) ______________

सं. १९ ना मास सुधीमां लेवायेली परीक्षाओमां नीचेना / सर्व विषयोमां वर्गमां उत्तीर्ण थयानु आ प्रमाणपत्र आपवामां आवे छे.

विषय	गुण		उत्तीर्ण थयानुं वर्ष
	कुल	मेळवेला	

स १९ ना सुद / वद ने वार

महामात्र

सूचना—विद्यार्थीए आ प्रमाणपत्र साचवी राखवुं, अने बीजी वखते परीक्षामां बेसती वखते अरजी साथे जोडवुं आ प्रमाणपत्र खोई नाखवामां आवशे तो शोधन माटे रु. १ भरवो पडशे

क्रमांक ______________

१ स्नातक परीक्षा

गूजरात विद्यापीठनो

विनीत

विद्यापीठ स्नातक परीक्षा माटे

विद्यार्थी ______________ (परीक्षामां क्रमांक) ______________

स. १९ ना माग शुदीमां लेवायेली परीक्षाओमां नीचेना विषयोमां उत्तीर्ण थयानुं आ प्रमाणपत्र आपवामां आवे छे.

क्रमांक	विषय	गुण		उत्तीर्ण थयानुं वर्ष
		कुल	मेळवेला	

स. १९ ना शुद / वद ने वार

महामात्र

सूचना—विद्यार्थीए आ प्रमाणपत्र साचवी राखवुं, कारण के बीजी वखते परीक्षामां बेसती वखते अरजी साथे जोडवुं. आ प्रमाणपत्र खोई नाखवामां आवे तो नकल माटे रु. १) भरवो पडशे

(४) पदवी मेळवनार विद्यार्थी माटे

विद्यापीठनो

सिक्को

श्रीमान ______________________________

एमणे गुजरात विद्यापीठना धाराधोरण प्रमाणे __________ ना __________ महाविद्यालयमां तालीम लई अने अभ्यास पूरो करीने अध्यापको अने परीक्षकोने संतोष आपी ______________________________ ना विषयमां खास योग्यता मेळवेली होवाथी, तथा हवे पछी स्नातक थई जीवननी फरजो अदा करवा इच्छा धरावता होवाथी, उक्त श्रीमानने, अमे गूजरात विद्यापीठना कुलपति अने नियामको सर्व मळी '__________ विशारद'नी पदवी आपीए छीए; अने तेमना अभ्यासनुं परीक्षण करी तेमने __________ श्रेणीमां *मूकीए छीए; तथा स्वधर्मनुं पालन करी गूजरात विद्यापीठ, स्वदेश अने स्वभाषानी प्रतिष्ठा वधे ए रीते पोतानुं जीवन गाळवा आदेश आपीए छीए. मिति सं. १९८ __ ना __________ ने वार __________ ता. __________ १९२

मुकाम अमदावाद.

हुं प्रतिज्ञा करुं छुं के जीवनपर्यंत मारा धर्मनुं पालन करवा अने मारां विद्यापीठ, देश अने भाषानी प्रतिष्ठा वधे एवी रीते जीवन गाळवा निरंतर प्रयत्नशील रहीश. परमात्मानी कृपा अने गुरुजनोना आशीर्वादथी मारी प्रतिज्ञा पार पडो. मिति सदर.

____

उक्त स्नातक — कुलपति

---

* 'अने तेमनो … … मूकीए छीए' एटलो भाग सामान्य वर्गमां उत्तीर्ण थनार माटे बाद.

गूजरात विद्यापीठनां प्रकाशनो

पुरातत्त्व मंदिर ग्रंथावली

१	आर्यविद्या व्याख्यानमाळा—बोर्डनी पूठी	कि. २—०—०
	,, कागळनी पूठी	कि. २—८—०
२	प्राचीन साहित्य—(श्री० रवीन्द्रनाथ टागोरना पुस्तकनो अनुवाद)	कि. ०-१२—०
३	बुद्धलीला सार संग्रह—ले० अ० धर्मानंद कोसम्बी	कि. २—८—०
४	आर्योना तहेवारोनो इतिहास—ले० [illegible]	कि. ३—८—०
५	पालि पाठावलि—सं० मुनि जिनविजयजी	कि. ०-१४—०
६	प्राकृत कथा संग्रह—सं० मुनि जिनविजयजी	कि. ०-१२—०
७	उपनिषत् पाठावली—सं० प्रो० द. बा. कालेलकर	कि. ०-१२—०
८	अभिधम्मत्थसंगहो—सं० अ० धर्मानंद कोसम्बी	कि. २—०—०
९	अभिधानप्पदीपिका—(पालि भाषानो शब्दकोष)	कि. ५—०—०
१०	सन्मतितर्क भाग १ लो—(सं० पं. सुखलालजी तथा पं. बेचरदास)	कि. १०—०—०
११	काव्य प्रकाश उ. १ था ६ गुजराती अनुवाद (पाठक तथा परीख)	कि. १—८—०
१२	धम्मपद—सं० अ० धर्मानंद कोसम्बी	कि. १—०—०
१३	समाधिमार्ग—ले० धर्मानंद कोसम्बी	कि. ०—८—०
१४	प्राकृत भाषाओनुं व्याकरण—ले० पं० बेचरदास जीवराज	(छपाय छे)
१५	जिनचरितम्—सं० मुनि जिनविजयजी	(,,)
१६	वैदिक पाठावलि—सं० श्री रसिकलाल छोटालाल परीख	(,,)
१७	बुद्धसंघनो परिचय—ले० अ० धर्मानंद कोसम्बी	(,,)

पाठ्य पुस्तकमाळा—कुमार मंदिरो माटे:—

४,५ चालणगाडी नानी-बाळपोथी-सचित्र कि ०-४-० मोटी-बीजी आवृत्ति कि ०-३-०
११ रानीबोर—(बालकविताओनो संग्रह त्रीजी आवृत्ति) भाग १ कि ०—१—३
भाग २ कि ०-२-० भाग ३ कि ०-३-० त्रण भाग साथे कि ०—[illegible]—०
१२ रायण—(रणावोर त्रीजी आवृत्ति) चोथी आवृत्ति
बे भाग दरेकनी कि. ०—३—०
१५,१७ विद्यापीठ वाचनमाळा—पहेली चोपडी (त्रीजी आवृत्ति) कि ०—३—०
बीजी चोपडी (सुधारेली-बीजी आवृत्ति) कि ०-८-० त्रीजी चोपडी कि ०-६-६

कुमार अने विनय मंदिरो माटे:—

१६ ऐतिहासिक वार्तामाळा—मोगलयुग (त्रीजी आवृत्ति) कि ०—१२—०
२२ संक्षिप्त व्याकरण कि. ०—१२—०
२३ पाठसंचय भाग १ लो—सं० श्री नरहरि द्वा परीख कि ०—१२—०

विनय मंदिरो माटे:—

१८ Poetical Selections for the Vinita Examination कि ०—८—०
२४ हिंदी तवारीख (हिंदना इतिहास) कि ०—१२—०
२५ प्राकृतिक भूगोळ—[illegible] (छपाय छे)

विनय मंदिरो अने महाविद्यालयो माटे:—

१० मुन्ताखेबात उर्दु—सं० मौ० अबु जफर नदवी कि ०—४—०
१४ पूर्वरंग—(हिंदना प्राचीन समयनो इतिहास) ले० श्री द बा कालेलकर कि १—०—०
२७* व्यापारी भूगोळ—ले० श्री. चदुलाल भगुभाइ दलाल कि १—८—०

महाविद्यालयो माटे:—

२, ६, १३, २६ तर्कशास्त्र—भाग १ थी ६ (प्रो० भाटे कृत मराठी पुस्तकना आधारे) भाग १ कि. ०-२-०, भाग २ कि ०-८-०, भाग ३-४ कि १-४-०, भाग ५-६ कि ०-७-०. एकदर कि २—४—०
८ Poetical Selections for the Prathama Examination कि ०—८—०
९ प्रमाणशास्त्र प्रवेशिका—ले० श्री रामनारायण वि पाठक कि २—०—०
१९ गोविंद गमन—सं० श्री रामनारायण वि पाठक कि ०—[illegible]—०
२० हिन्दी राष्ट्रीय चर्चे—ले० श्री [illegible] शाह कि ०—८—०
२१ Prose Selections for the Prathama Examination कि. १—८—०
अर्थशास्त्र—ले० चदुलाल भगुभाइ दलाल (छपाय छे)

अध्यापको माटे:—

१	स्वतंत्र बाळशिक्षण—(श्री. बधेकानुं व्याख्यान)	कि. ०—२—०
२	बाळवार्ताओ पर व्याख्यानो—श्री. बधेका तथा श्री. कालेलकर	कि. ०—३—०
७	गणितनी परिभाषा—कर्ता श्री. हरिहर प्रा. भट्ट	कि. ०—४—०
	कुमार मंदिरो माटे अभ्यासक्रम	कि. ०—४—०
	विनय मंदिरो माटे अभ्यासक्रम	कि. ०—४—०
	विनीत परीक्षानो अभ्यासक्रम	कि. ०—३—
	महाविद्यालयनुं बोधपत्र स. १९८० (अभ्यासक्रम)	कि. ०—५—६
	„ „ स. १९८०-८१ „	कि. ०—५—६
	गूजरात विद्यापीठनुं विज्ञापक (केलेन्डर) स. १९८०-८१	कि. १—८—०

गूजराती तथा हिंदी भाग पुस्तकोनी एक यादी विद्यापीठ तरफथी प्रसिद्ध थयेली छे; किंमत अनुक्रमे ०-१-० अने ०-०-६

वेपारीओ तथा शिक्षण विषयक संस्थाओने तेमज सामटां पुस्तको खरीद करनारने नियम मुजब योग्य वळतर कापी आपवामां आवे छे.

पुस्तको वेचनार मुख्य आडतीआः—शा. बाळगोविंद कुबेरदास

ठे. प्रोप्रायटरी हाइस्कूल पासे, अमदावाद